

सं 48]

नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 27, 1982 (अप्रहायण 6, 1904)

No. 48]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 27, 1982 (AGRAHAYAN 6, 1904)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक्त और महालेखायरी अक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विकाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सघ लोक सेवा ग्रायोग

🚜ई दिल्ली-110011, दिनाक 21 प्रक्तूबर 1982

मं० ए० 32013/1/82-प्रजा० II-इप कार्यालय क सम-मंख्यक अधिमूचना दिनाक 20 अप्रैल, 1982 के अनुक्रम में अध्यक्ष, सघ लोक सेवा आयोग, एतदहारा स्थायी अनुसंधान महायक (हिन्दी) श्रीमती सुद्धा भागर्व को 8-10-1982 से 7-4-1983 तक 6 मास क: अप्रेनर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय मे प्रतिनियुक्ति पर तदर्थ अधार पर विष्ठ अनुसंधान अधिकार. (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने को जार। रखने के लिए नियुक्त करते हैं।

- 2. विरुष्ठ अनुसंधान आधिकारी (हिन्दी) के पद पर उनका नदर्थ नियुक्ति का अविधि के दौरान श्रीमती सुधा भागेंव का वेतन समय समय पर यथा संगोधित विन्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० ना० सं० एफ० 1 (II)-ई० III (ख)/75 दिनाक 7-11-1975 के उपवन्धों का अर्तों के अनुसार विनियमित होगा।
- 3 विरुष्ठ अनुमंधान अधिकार (हिंद) के पद पर श्रीमती सुबा भागव की नियुक्ति पूर्णतः तदर्थ **श्री**र अस्थायी 1—346 GI/82

ग्राधार पर है तथा इसभे उन्हें उक्त ग्रेड में विलयन तथा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

> श्राई० सी० कम्बोज ग्रनुभाग ग्रधिकारी **कृते** ग्रध्यक्ष मंघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० ए० 32015/1/80-प्रजा० II—मचिव, संघ लोक मेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायो अनुसंधान सहायक (अ० एवं सां) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्वेषक श्री आर० इं० क्षत्रिय को श्रामत: राजकुमारी आनन्द कनिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ० एवं सां) के अवकाश पर होने के कारण उनके स्थान पर 13-9-1982 से 12-12-1982 तक तीन मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशो तक जो भा पहले हो, आयोग के कार्यालय मे कनिष्ठ अनुसंधान अधिकार: (अ० एवं० सां) के

(16697)

पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

कुलदीप कुमार श्रनुभाग श्रधिकारी कृते सचिव संघ लोक सेवा श्रायांग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 सितम्बर 1982

सं० 32013/1/80-प्रशा० I—संघ लोक सेवा स्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी ग्रेड I स्रधिकारी श्री स्रार० स्रार० शिमरे को राष्ट्रपति द्वारा 17 स्रगस्त, 1982 से तीन मास को अग्रेतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर के० स० से० के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1982

सं० ए० 38013/2/82 प्रशा० III—संघ लोक सेवा स्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न स्रनुभाग ग्रिधकारी श्री एस० एन० शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के स्रनुसार 31 स्रक्तूबर, 1982 के स्रपराह्न से निवर्तन स्रायु हो जाने पर सरकारी सेवा से निवत्त होने की सहर्ष स्रनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38014/2/82—प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० पी० सेन को राष्ट्रपति द्वारा कार्मिक विभाग के का० ज्ञा० सं० 33/12/73 स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार 31 अक्तूबर, 1982 के अपराह्न से निवर्त्तन आयु हो जाने पर सरकारी सेवा से निवत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य० रा० गांधी, ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ लोक सेवा ग्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रक्तूबर 1982

सं० 2/3/82-प्रशासन—इस म्रायोग को म्रिध्सूचना संख्या 2/3/82 प्रशासन, दिनांक 16-6-1982 को जारी रखते हुए केन्द्रीय सतर्कता म्रायुक्त एतद्द्वारा श्री एम० के० दीक्षित (केन्द्रीय सचिवालय सेवा सलेक्शन ग्रेड) को केन्द्रीय सर्तर्कता ग्रायोग में उप सचिव के पद पर, ग्रगले म्रादेश तक, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1982

सं० 2/1/82-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री लक्ष्मन सिंह (भारतीय लेखा परीक्षा सेवा 1962) को विभागीय जांच ग्रायुक्त के पद पर केन्द्रीय सतकता ग्रायोग में स्थानापन्न रूप से रु० 2000-125/2-2250 के वेतनमान में दिनांक 16 ग्रक्तूबर, 1982 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेश तक, नियुक्त करते हैं। सं० 2/1/82-प्रशासन—केन्द्रिय सतर्कता ग्रायुक्त एतद्-द्वारा श्री रमेन्द्रं नाथ मुहुरी [भारतिय प्रशासन सेवा (ग्रासाम 1964)] को विभागीय जांच ग्रायुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप से रु० 2000–125/2–2250 के वेतनमान में केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग में दिनांक 24 सितम्बर, 1982 पूर्वीह्न से, ग्रगले ग्रादेश तक, नियुक्त करते हैं।

सं० 2/21/82-प्रशासन-केर्न्द्राय सतर्कता स्रायुक्त एतद्-द्वारा केन्द्राय सतर्कता श्रायोग में निम्नलिखित स्थानापन्न रूप से कार्यरत अनुभाग श्रधिकारियों को उसी पद पर प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से स्थार्या रूप से नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं०	नाम				नियुवित तिथि
	मुरेन्द्र पाल हरीसिह	राठौर	در ویدنر وستر پاده دا (است در	 _	-1982 -1982
			कते	ण लाल ग्रवर सतर्कता	सचिव

गृह मंत्रालय

का एवं प्र. सु. विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० ए० 19020/2/79-प्रशासन-5--र्श्वः एस० सुब्र-मणियन, भारतीय पुलिस सेवा (1958 ग्रान्ध्र प्रदेश) पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्राय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवायें दिनांक 8-10-1982 के पूर्वाह्न से सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकादमी हैदराबाद को सौंर्पः जाती है।

दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० ए० 19036/1/77-प्रशासन-5-सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैंदराबाद से प्रत्यावतन हो जाने के बाद श्री एल० बं१० राव, पुलिस, उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 22 श्रक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो की हैंदराबाद शाखा में उसी पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

ग्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यरो

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्लं:-110003, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1982 सं०ई० 32015 (5)/2/82—कार्मिक—निवर्तन की ग्रायु होने से सेवा निवृत्त होने पर, श्री के० एन० शर्मा ने 30 सितम्बर, 1982 के अपराह्म से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय ई दिल्ला के श्रनुभाग श्रिष्ठकारा का कार्यभार छोड दिया। 2 पूर्नीनयृक्ति पर श्री के० एन० शर्मा ने 1 श्रक्तूबर,

2 पुनानयुक्त पर श्रा कर एनर श्रमा न 1 अन्यूबर 1982 के पूर्वाह्म से केरु श्रीर मुरु बरु मुख्यालय, नई दिल्ली श्रमुभाग ग्रिधिकारी का कार्यभार सभाल लिया ।

सुरेन्द्र नाथ, महानिदेशक

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 4 नवम्बर 1982

स० वि० मा० 2 (26) — ए०/82 — सरकारी उद्यम कार्यालय, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्री ग्रार० डी० वर्मा, वरिष्ठ भन्वेषक, को 22 प्रक्तूबर, 1982 के प्रपराह, से म्रगला भादेश होने तक भाठवे वित्त भायोग मे 700—1300 रुपये के वेतनमान में अनुसंधान प्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

सुखवासी लाल माथुर ग्रवर सचिव (प्रशासन)

वित्त मत्नालय श्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 2 नवम्बर 1982

नस्ती क्रमाक बी०एन०पी०/सी०/5/82—श्री श्रालोक कुमार रस्तोगी स्थायी हिन्दी श्रनुवादक को तदर्थ श्राधार पर हिन्दी ग्रधिकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द०रो० 35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 (समूह "ख" राजपित्रत) के बेतनमान मे बैंक नोट मुद्रणालय देवास मे दिनाक 3-11-82 (पूर्वाह्र) से एक वर्ष के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

इस तदर्थ नियोजन से उनको इस पद पर बने रहने भ्रथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्राप्त नही होगा, यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताये समाप्त की जा सकती है।

> मु० वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनाक 3 नवम्बर 1982

सं० प्रशासन 1/कार्यालय, भ्रादेश 377—श्रीमान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री एस० के० गुप्ता स्थायी भ्रनुभाग भ्रधिकारी को स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारी के वेतनक्रम 840–1200 रु० में 29~10–1982 के पूर्वाह्म से भ्रगले भ्रादेश भ्राने तक नियुक्त करते हैं।

दिनाक 5 नवम्बर 1982

स० प्रशासन 1/कार्यालय श्रादेश 368—-निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारियों को 840-1200 रुपये के समयमान में दिनाक 1-11-1982 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री श्रोम प्रकाश श्रग्रवाल-I
- (2) श्री सत्यपाल **चो**पडा-II

दिनांक 8 नवम्बर 1982

स० प्रशासन-1/का० आ० 376--श्रीमान निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य, इस कार्यालय, के श्री राम लाल जमनादास छाबड़ा स्थायी अनुभाग श्रिधकारी को स्थानापन्न लेखापरीक्षा श्रिधकारी के वेतनकम 840-1200 में 4-11-82 के पूर्वाह्न से ग्रगल श्रादेश श्राने तक नियुक्त करते हैं।

> ग्र० सि० मोहिन्द्रा संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रणा०)

कार्यालय महालेखाकार-1, राजस्थान जयपूर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० प्रणा० II/राजपत्न श्रिधसूचना/625 — महालेखा-कार-1, राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग अधिकारियो को पदोन्नत करके उनके प्रागे दिये दिनाक से अग्रतर आदेशो के जारी होने तक इसी कार्यालय मे स्थानापन्न लेखाधिकारियो के पद पर नियुक्त किया है।

सर्वश्री

1 व्र्यास चन्द्र गुप्ता

19-10-82 (अपराह्न)

2. विष्णु सकर गुप्ता

20-10-82 (श्रपराह्न)

मदन सिह शेखावत) वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनाक 29 भक्तूबर 1982

स॰ प्रणा॰/11/2606/82-11-- निम्नलिखित लेखा ग्रधिकारियो को वार्धक्य, निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीखों के प्रपराह्म से पेणन स्थापना को भन्तरित कर दिया गया .--

कम० स० नाम रजिस्टर सख्या सहित

ग्रेड

तारीख जिस से सगठन पेशन स्थापना को भान्तरित किये

गए ।

सर्वेश्वी

-3

1. स्रोमप्रकाश बोहरा, पी०/142

स्थायी लेखा प्रधिकारी

31-7-82 रक्षा लेखा नियन्नक पश्चिमी कमान, मेरठ।

1	2	3	4	5
 सर्वर्श्र				
2. डी०	सी० जॉन, पी०/158	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-7-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रफसर) पूना।
3. एम	· जंगम रेड्डी, पी०/9	यथोपरि	31-7-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पुणे ।
4. एल	० नीलकंठन, पी०/60	यथोपरि	31-7-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
	० वेंकटारामन, पी०/5	यथोपरि	31-7-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना देहरादून ।
6. बी०	एन० सरन, पी०/156	—-यथोपरि—-	31-7-82	
	त्रन्त सिंह बख्शी, ले० सं० पी०/274	—-यथोपरि—-	31-7-82	यथोपरि
~	न लाल ग्रांग्रा, पी०/314	यथोपरि	31-8-82	यथोपरि
-	एल० मेहता, पी०/168	यथोपरि	31-8-82	यथोपरि
	एम० जॉन, पी०/126	यथोपरि- 	31-8-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक दक्षिण, मद्रास ।
11. के०	डी० सहाय, पी०/329	—यथोपरि—	30-9-82	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना
	त ित सिंह, पी०/110	यथोपरि	30-9-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी लेख कमान पूना ।
13 राम	कृष्ण विशष्ठ, पी०/50	यथोपरि	30-9-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना वम्बई ।
14. एम	• कृष्णामूर्ति, ग्रो०/529	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-7-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (मुख्यालय नई दिल्ली ।
15. ग्रमत	त लाल पुरी, पी० ∕ 139	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-82	प्रथोपरि
	राम कालरा, पी०/127	यथोपरि	30-9-82	––यथोपरि––
	नीत सिंह चौहान, पी०/129	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-82	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इल ह⊺बाद ।
18. लाज	पत राय महेन्द्रा. ग्रो०/136	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-9-82	—-यथोपरि
	ारन सिंह, ग्रो०/9	 यथोपरि	30-9-82	यथोपरि
	ति प्रकाश गुलाटी, पी०/85	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-82	–ग्रथोपरि––
21. श्री	राम कटियाल, ग्रो०/334	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	30-9-82	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
22. एम	एल० देव, पी०/30	स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-7-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कम मेरठ ।
2.3. श्री ह	कृष्ण जोशी, पी० ∕ 11	यथोपरि	31-8-82	रक्षा लेखा नियंत्रक, (मुख्यालय नई दिल्ली ।
रक्ष	ा लेखा महा नियंत्रक, निम्नलिखित	लेखा ग्रधिकारियों की मृत्यु ह	बेद के साथ ग्रधिसुन्ति	
ऋ०सं० ः	नाम, रजिस्टर, संख्या सहित	ग्रेड	मृत्यु की तारीख	संख्या से हटाने संगठन की तारीख
1. श्री	के० डी० मिश्रा, (ग्रो०/421)	स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी	3-7-82	4-7-82 रक्षा लेखा नियंत्रक (पूर्वाह्न) (ग्रन्य रैक) मध्य, नागपु
2. श्री	एस० ए० सबनिस, (ग्रो०/68)	—–यथोपरि— <u>—</u>	9-9-82	(पूर्वाक्ष) (अन्य २५) मध्य, नागपुः 9-9-82 लेखा नियंत्रक

ए० के० घोष, रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशासन)

(फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।

(पूर्वाह्न)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय ब्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा श्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 21 ग्रक्तूवर 1982

सं० 48/जी०/82—राष्ट्रपति महोदय निम्निलिखित स्रिधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रवन्धक (एस० ए० जी० स्तर-1) के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री वी०एम० भंडारकर, स्था- 17 श्रगस्त, 1982 नापन्न महाप्रवन्धक (एस० ए० जी० स्तर $-\Pi$)
- 2. श्री एन० वालकृष्णन, स्थानापन्न 1 सितम्बर, 1982 महाप्रबन्धक (एस० ए० जी० स्तर-II)

सं० 49/जी०/82—राष्ट्रपित महोदय निम्नलिखित ग्रिध-कारियों को स्थानापन्न उप महाप्रवन्धक/संयुक्त निदेशक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

- 1. श्री ग्रो० पी० खुराना, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982 ।
- 2. श्री पी० भक्तवत्सलु, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982।
- 3. श्री वी० शंकर, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982।
- 4. श्री के० बी० कृष्णमूर्ति वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982 ।
- 5. श्री ए० ग्रो० ग्रब्नाहम, वर्क्स, मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982 ।
- 6. श्री एन० के० सहाय, वर्क्स, मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982।
- श्री एस० सी० अग्रवाल, उप निदेशक, 31 अगस्त, 1982।
- 8. श्री वी०पद्मनाभन, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982
- 9. श्री टी० पी० गोपालकृष्णन, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982 ।
- 10. श्री ए० के० गोहलिया, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982।
- 11. श्री एस० डी० पट्टेकर, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982।
- 12. श्री पी० एल० शर्मा, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982।
- 13. श्री बी० के० भल्ला, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982।
- 14. श्री स्नार० एस० शाह, वर्क्स मैनेजर, 31 स्नगस्त, 1982।
- 15. श्री सुशील गुप्ता, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त 1982।

- 16. श्री एम० एच० नरुरंकर, वर्क्स मैनेजर, 31 अगस्त, 1982 ।
- 17. श्री मलय घोष, वर्क्स मैनेजर, 31 श्रगस्त, 1982।
- 18. श्री एन० वेकटरमनी वर्क्स मैनेजर, 6 सितम्बर, 1982।
- 19. श्री पी० वी० सुब्रहमिनयम, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982 ।
- 20. श्री स्त्रार० एस० वैध्यानाथन, वर्क्स मैनेजर, 31 स्रगस्त, 1982।
- 21. श्री के०वी० नटराजन, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982 ।
- 22. श्री के० एल० मोहन राव, वर्क्स मैनेजर, 31 ग्रगस्त, 1982।

बी० के० मेहता निदेशक

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1982

सं० 12(688)/81—प्रशासन (राजपितत) खंड 2— राष्ट्रपित, न्यू बैंक ग्राफ इंडिया, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति से वापस लोटने पर लघु उद्योग विकास संगठन के स्थाई लघु उद्योग संवर्द्धन ग्रिधकारी (ग्राई० एम० टी०) श्री बी० सरदाना को दिनांक 23 ग्रक्तूबर, 1982 (ग्रपराह्न) से, ग्रगले ग्रादेशों तक, इस संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्राई०एम०टी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 25 ग्रक्तूबर 1982

सं० ई०-11 (7)— इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में श्रेणी 6 प्रभाग 3—के अधीन "क्रीम्पडेटस" प्रविप्ट के पण्चात कॉर्ड रिलेज जोड़ा जायें।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन स्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

सं० प्र० 6/247(339)/61—स्थायी सहायक निरीक्षण म्रिधिकारी (इंजीनियरी) तथा निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न निरीक्षण म्रिधिकारी (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा, इंजीनियरी शाखा के ग्रेड—III) श्री एस० के० वसु दि० 30-9-1982 श्रपराह्न से केन्द्रीय सिविल

सेवा सी० मी० एम० (पेन्शन) नियम 1972 के नियम 48 श्र के श्रधीन सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

> न० म० पेरुमाल उप निदेशक (प्रणासन)

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान इयूरो

नागपुर, दिनांक 5 नवम्बर 1982

सं० ए० 19012 (147)/81-स्था ए०--विभागीय पदो-श्रांत समिति की सिफारिश पर श्री श्रार० सी० मालवीय स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 6 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई है। सं० ए० 1901-1(311)/82-स्था०ए०---राष्ट्रपति संध लोक संवा श्रायोग की निफारिश पर श्री तहलरामानी, सहायक श्रनुसधान श्रधिकारी (श्रयम्क प्रसाधन) को भारतीय खान ब्यूरो मे रसायनविद् के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 6-9-82 के पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

स०ए० 19012(159)/82-स्था०ए०--विभागीय पदोश्रांत समिति की सिफारिश पर श्री एच० बी० विपाठी,
स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञानी) को भारतीय.
खान ब्यूरों में खनिज अधिकारी (श्रासूचना) के पद पर दिनांक
6 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

सं० ए० 19012 (161)/82—स्था० ए०—विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिण पर श्री के० नागराज, स्थायी विरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञानी) को भारतीय खान ब्यूरों में तदर्थ श्राधार पर सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनाक 6 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) से पवोन्नित प्रदान की गई है।

य० च० मिश्र कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 4 नवम्बर 1982

मं० सी० 5877/707—निम्नलिखित प्रधिकारी को जो ग्रिधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ प्रन्तिम ग्राधार पर नियुक्त किए गए थे अब प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किये जाते हैं:--

	अधिसूचना की स० श्रौर तारीख जिसके श्रन्तर्गत तदर्थ भ्रन- न्तिम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी ।	यूनिट/कार्यालय जिसमें नैनात किए ग	ए पदोन्नति की तारी ख
1. श्री टी० एन० शर्मा	दिनांक 24 जुलाई 1978 की ग्रधिसूचना सं० सी०- 5395/707	सं० 13 पार्टी (प०स०) मसूरी	4-5-82 (भ्रपराह्न)
2. श्री जेकब कुजुर (ग्रनु० जन जाति)	दिनांक 5 जुलाई, 1978 की श्रधि सूचना सं० सी०5837/707	ा- सं० 11 पार्टी (द० पू०स०) रांच	ft 29-7-82

मं० सी०-5878/707—निम्नलिखित श्रिधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810—द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रुपये के वेसनमान मे प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप मे पूर्णतया तदर्थ अनित्तम श्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं:—

क्रम सं०	नाम श्रौर पदनाम	यूनिट/कार्यालय	तारी ख	
1. श्रीतिलक	क दास (श्रनु० जाति) सर्वेक्षण सहायक, सिले० ग्रेड	सं० 87 पार्टी (प०सं०) बड़ोदरा	26-3-82	(पूर्वाह्म)
2. श्री एस०	एस० रावत ड्राफ्टसमैन डिवि० 1 सिले० ग्रेड	सं० ६६ पार्टी (ए०सी०सी०एम०)		
		(सर्वे हवाई) नई दिल्ली	21-8-82	(पूर्वाह्म)

सं॰ सी॰→5879/707—िनम्निलिखि अधिकारी जो श्रिधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप मे पूर्णतया तदर्थ श्रनन्तिम आधार पर नियुक्त किए गए थे, श्रब उनके नाम के सामने दी गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन्न रूप मे नियमित श्राधार नियुक्त किये जाते हैं:—

क्रम सं० नाम	ग्रधिसूचना की स० ग्रौर तारीख जिसके श्रन्सर्गत तदर्थ श्रनन्तिम श्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1. श्री के० एल० कराराह (ग्रनु० जाति)	दिनाक 5 जुलाई, 1978 की श्रिधि-	मं० 82 (सेटे-ज्योड) पार्टी ज्यो०	22-7-82
	सूचना स० सी० 5837/707	एवं ग्रनुसंधान देहरादून ।	(पूर्वाह्न)

जी० सी० भ्रम्नवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक नियुक्ति प्राधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1982

सं० ए० 12026/7/82 (मुख्यालय) प्रशासन-1— राष्ट्रपति ने श्रीबी०सी० मिस्त्री को 14 श्रगस्त, 1982 (पूर्वाह्र) से श्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय, नई दिल्ली में सीनियर (वास्तुविद्) ग्राकिटैक्ट के पद पर पूर्णत: तद्रर्थ श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

श्री बी० सी० मिस्ती की मीनियर वास्तुविद के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप उन्होने 13 ग्रगस्त, 1982 (ग्रपराह्म) से स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय में वास्तुविद् का कार्यभार छोड़ दिया है।

टी० सी० जैन, उप निदेशक प्रशासन (श्लो० एंड एम०)

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1982

सं० ए० 12025/3/79—(सी० ग्रार०श्राई०/प्रणा०—1) (ई० पी० ग्राई०)—श्री ग्रार० थियागराजन जीव चिकित्सा इंजीनियर, केन्द्रीय श्रनुसंधान संस्थान, कमौली, का त्याग पक्ष मंजूर हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने 12 नवम्बर, 1981 के श्रपराह्न से श्रपने पद का कार्यभार छोड दिया है।

> संगत सिंह उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 2 नवम्बर 1982

सं० पी० ए०/79 (4)/80 म्रार० III—नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र श्री वसंत पुरुषोत्तम कुलकर्णी, सहा-यक को सहायक कार्मिक म्रिधिकारी (रुपये 650–960) के पद पर कार्य करने हेतु इस श्रनुसंधान केन्द्र में 17-9-82 (पूर्वाह्न) से 30-10-1982 (अपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप मे नियुक्त करते हैं।

> बी० सी० पाल. उप स्थापना म्रधिकारी

परमाणु कर्जा विभाग

विद्युत परियोजना स्रभियांत्रिकः। प्रभाग वम्बई-5 दिनांक 21 प्रक्तूबर 1982

सं० विपन्नप्र०/32 (20/82 प्रणासन प० 11/15006— काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना म्नियंता, उच्च श्रेण: लिपिक श्री पं:० वं:० राव को काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से रूपये 650—30—740—35 880 द० रो० 40—960 के वेतनमान पर श्रक्तूबर, 4, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेण जार: होने तक के लिये नियुक्त करते हैं।

श्चार० व्हि० बाजपेयां, सामान्य प्रशासन ग्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र ्

हैदराबाद-500762, दिनांक 15 अक्तूबर 1982 आदेश

सं० ना० ई० स/का० प्र०5/2606/1627/1710—⊷जब कि यह भ्रारोप लगाया गया कि:

नाभिकाय ईंधन सम्मिश्र के ईंधन गुणवता नियंत्रण में कार्यरत कारंगर ''ब''श्रः कें० मल्लिकार्जुन राव,

(क) कार्य पर विलम्ब से ग्राने के ग्रभ्यस्त थे, तथा

- (ख) नाईस के अल पान गृह में दि है 19 7 80 को नाईस कर्मचारी सहितारी सामित के तदय समिति के सबस्यों से अभिवासार्थ अभद्र/प्रणाशनीत स्वहार दिया, तथा ।
- (ग) कार्य पर आने पर भी बिना अनुमिति के अपन कार्य स्थल से बारबार अनुपस्थित रहे,
- (घ) ईंधन गुणवन्तः नियवण के प्रवन्तः द्वारा पद्यानंदं में का गई प्रविध्टियो को राट २२ के तथा एक प्रविध्टि करके अपने पच कार्ड में पेर-बदल किया।

तथा इस प्रकार नार्ड स के स्थायी प्रादेशों के अनुच्छेत 39 (5), 39 (8) 39 (9), 39 (25) तथा 39 (32), में उल्लिखित बदाचरण दिया."

श्रीर जब ति उक्त श्र. मिलाधाजन राव का जापन सर्य। नाई स |का प्र 5/2606/1627/1519, दिनाध 28-7-1980 द्वारा श्रारोपों तथा उनके किस्त की जान वाली व्यर्थाताही का मुचना दी गयी,

ग्रीर जब कि उक्त श्री मिल्लिशार्जन राव का दिनाव 1-8-80 का ग्रारोप पत्र प्राप्त हुआ तथा उन्होंने दिनाह 24-8-80 को उस का उत्तर दिया जिश में उन्होंने अपरोपों को अस्वकार किया;

स्रीर जब । इ स्वादिशाक्षरी ने उत्तन श्री माल्लकार्जुन राव के बिरुद्ध लगाए गए स्वाद्यों के आज उरवाने का निवास किया तथा श्रादेश संख्या नाईस का प्र 5/1627/1519/ 3244 दिना इ 12-11-1980 के अनुगर आप स्विताही नियनन किया;

स्रीर जब कि जान आधिकार ने बारोप मध्या का ग तना ब को तना अमोननाय व्यवहार का तो नहीं कि समझाचरण को निद्ध हुन। मानते हुए प्राप्त पनट प्रस्तुन का (जिन को प्रति श्री मालनकार्जुन राव का पहले हो दा गया था।)

स्रोर जब कि स्रवोहस्ताक्षरी जांच राट सह मामले के स्रिक्षिकों का सावधान पूर्वक मानले के पण्यान स्राराण को सिद्ध हुआ मानते हैं त्या इस सनितास किए ता पर पहला है कि श्री मिल्ल हार्जन राज रेखा से प्रकृत साम्य व्यक्ति नहीं है तथा उन पर नेजा से निष्ण सन रहा इड अधिरोत्स्य निया जाए,

श्रीर अब कि उन्न श्री मिल्लकार्जन राव का जपन मंख्यानाई म/का प्र5/2606/1627/1118, दिनाक 23 6-82 के द्वारा उपर्नुका अनिवास निष्मप की सुनता दे। गया क्या प्रस्तावित दंख के विश्वय में यदि वे कोई प्रभिवेदन प्रस्तुत करना चाहेती दिनास 23-6-1982 के जानने के प्राणित के 10 दिवस के श्रद्धा उन्हें प्रस्ता प्रस्तुत प्रस्तुत " रने का श्रवसर दिया गया:

श्रीर जब कि उतन श्रा मिलिकार्जन रात हो दिनाक 23-6-1982 हा एका जापन प्राप्त हुआ कहाने दिनाक 02-7-1982 वा श्रामा समिवदन प्रस्तुत किया; श्रार जत्र ि अबोहर तक्षरी दिता 02.7~82 के आंभ-नेदन सह मामले के आंभलेओ के आधार पर इस असिम निर्णय पर पहुँचे हैं कि उक्त श्री मिल्हा तर्जन राव पर सवा से निष्ठासन का दह अधिराधित दिया जाए ,

अत. जब नाई स के स्थाय धादेशों के अनुच्छेद 43 का परमाण ऊर्जा विभाग के धादेश सहसा 22(1)/68 प्रजलन II, दिनाज 07-7-79 के सहश्रापाजित कर उन में प्रदत्त अब जरों गा प्रयाग जिने जुए अबोहर सक्षर। उन्ने श्री केश मिल्ल जर्जून राव को सेशा स नहताल प्रभाव में निहता सिंह हमें हैं।

> मद्राप परमणु त्रिज्ञुन परियोजना फलक्कम, दिनाइ 15 क्रक्तूबर 1982

संविष्मव एव पंविष्ठि (127) 82-प्रती --पियोजना निरंग के महारा परमाणु विद्युत पारयोजना इस परियोजना के निसालांखन आध्यकारियों को इस परियोजना, में अस्थाई का से उनके नाम के आगे उल्लिखन पदसमों पर दिना का अगस्त, 1982 पूर्वाह्म से आगे के आदेणों तक महर्ग नियकन करते हैं।

किंग् नःम	वर्तमान पद	नियुक्ति पद
	गति । सहाय ह "सी"	वैज्ञानिक ऋधिकारा ऋभियता "एस० बं:०"
 2 जे० दक्षिणमूनि 3 जी० गणेग्रात 4. जी० ने प्रतेश्वरल् 5 श्राप्य गौतमन् 6 व्याण्य गौतमन् 7 के० हारवाव् 8 ने० वेहरस्मन 	17 17 17 17 17 11	1) 1) 1) 1) 1) 1) 1) 1)

टी० रामानुजम, प्रजासनिक ऋतिकारी

रिएक्टर धनुमधान केन्द्र

कत्रशंकिम, दिनाक 5 अक्तूबर 1982

म० ए० 32014/4/82/13024 - - िएक्टर प्रतुमधान केन्द्र के निदेशक, इस केन्द्र के स्थाया वैज्ञानिक सहायक/बी० तथा स्थानागन्न वैज्ञानिक सहायक /सी० श्री ए० एम० मानेकर को इसी केन्द्र में 1 फरबरी, 1982 के पूर्वीह्म ने आणा आदेश जारी होने तक के लिए रूपये 650-30-740-35 810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनाक 2 नथम्बर 1982

सं० ग्रार० ग्रार० सी०/ए० 32014/4/82—िरएक्टर ग्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक इस केन्द्र के ग्रस्थायी फोरमन श्रा दक्षिणामूर्ति वैद्यनाथन को 1 फरवरी, 1982 से ग्रगला ग्रादेश जारो होने तक के लिए रूपये 650-30-740-35 810-40-1000 द० रो० 40-1200 के

वेतनमान में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रक्षिकारी/श्रभियंता ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० पद्मनाभन प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रक्तुबर 1982

सं० ए०, 32013/6/82 ई० [----राष्ट्रपति ने श्री बी० के० जोशी, वैज्ञानिक अधिकारी को दिनांच 30-7-82 से 28-1-83 तक की अवधि के लिए अथवा नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, विष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

श्रोम प्रकाश जैन सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुरुक समाहर्तालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

गुन्टूर-522004 विनांक 17 अगस्त 1982

सं० 3/82 (स्था०):---समाहर्तालय के निम्निलिखित अधिकारी (ग्रुप बी०) (राजपितत), प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से, वार्धक्य को प्राप्त होने के कारण सेवा निवृत्त हो गये:---

क्रम सं०	श्रधिकारी का नाम एवं पदनाम	कार्यालय का नाम	सेवा से निवृत्त होने की तिथि (भ्रपराह्न में)
 स	र्वश्री		
_	· से शा गिरी राव,	विशाखापट्टनम-I मण्डल	30-4-1982
भा	वीक्षक, के० उप ० गु०	कार्यालय	
	त० के० हुसैन ब्रीक्षक, केन्द्रीय उत्पा द न मुल्क	मुख्यालय गुन्टूर	31-5-1982
3. t	ी, सत्यनारायण,	काकीनाड, मण्डल कार्यालय	31-5-1982
ग्र	व्रीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन मृस्क		
_	ि तुलसीराम, भ्रधीक्षक, द्वीय उत्पादन शुल्क,	इलुरु $-{f I}$, रेंज, इलुरू $-$ मण्डल	31-5-1982
	० वैकान्ना, श्रधीक्षक, द्रीय उत्पादन गुरूक	मु ख ्यालय, गुन्टूर	30-6-1982
6. मौ	o टिपू खां, लेखा परीक्षक	मुख्यालय, गुन्टूर	30-6-1982
7. मा	र० नी० सुक्याराव	सम	5-7-1982
			(पूर्वाह्न) से
			स्विच्छापूर्वक सेवा
_			निवृत्त
	् घौसे, ग्रधीक्षक	सम	31-7-1982
की	द्वीय उत्पादन मुल्क		

सं० 4/82 (स्था०)—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क निरीक्षक ग्रेड के (व श्रे०) निम्नलिखित प्रधिकारियों ने, जिन्हें प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप ''बी'' (राजपित्रत) नियृक्त किया गया है, प्रत्येक के नाम के सामने वर्गामी गई तिथियों से उक्त पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया।

कम सं०	श्रधिकारी का नाम एवं पक्षनाम	कार्यालय का नाम	. ————————————————————————————————————
स	र्वश्री		
1. डी	 ० वी० रामना, श्रधीक्षक, द्रीय उत्पादन शुल्क ।	मृ ख्या लय गृन्दूर	2-6-1982
2. υ _τ	ि के० कापर्धी, प्रधीक्षक द्वी∵ उत्पादन शुल्क	सम	28-6-1982 (पूर्वाह्म)
3. सी	० एस० कृष्णामूर्ति, भ्रधीक्षक, ब्रीय उत्पादन शुरूक	स म 	27-7-1982
4. पी	ज्ञान उरकार युरक ० वातपत्रा, साई० भ्रधीक्षक ब्रीय उस्पादन गुल्क	भिमीली ^{नें} ज विभाग-II- मण्डल	11-8-1982
5. पी	० नरसिम्मा राव, चत्रीजन द्रीय उत्पादन शुल्क	मुख्यालय गुन्टूर	2-8-82 (पूर्वाह्म)

सं० 5/82 (स्था०)—कार्यालय प्रधीक्षक वर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों ने, जिन्हें प्रशासन अधिकारी/लेखाओं का परीक्षक/ महायक मुख्य लेखा अधिकारी, ग्रुप "बी" (राजपितत) के पद पर नियुक्त किया गया है, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गई तिथियों से कार्यभार ग्रहण कर लिया।

कम सं० ग्रधिकारी का नाम एवं पदनाम	कार्यालय का नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री 1. पी० बी० एस० एन० शर्मा, लेखा परीक्षक ।	मुख्यालय गुरटूर	15-4-1982
 वाई०, सुन्दरा राव, सहायक मुख्य लेखा भ्रधिकारी 	सम	8-7-1982

सं० 6/82 (स्था०)— राजमुन्दरी रेंज I, के श्री मौ० बहीन, ग्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप "बी" (राजपिन्नत) का दिनांक 9-6-1982 को देहान्त हो गया ।

डा० कृष्णम्ति, समाहर्ता

विधि, स्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के प्रिस्ट्रार का कार्यालय

वम्पर्नः श्रधिनियम, 1956 श्रौर <mark>घीन्ग फारर्मर</mark>सं एसोशिएसन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

असम, विनाक 12 सितम्बर 1982

सं० जं: पं:० /1018/560 (3)/--कम्पनः अधिनियम, 1956 की धारा 560 उपधारा की (3) के धनुसरण में एसद्द्वारा यह सुचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर घीना फार्मरस एसोशिएशन प्राइवेट सिमिटेड का नाम इसके पश्चात प्रतिकृल कारण दिशास न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ।

कम्पनी, अधिनियम, 1956 ग्रीर चान्द राइस मिल्स प्राइवेट लिभिटेड के विषय में।

दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

सं० जी० पी०/982/560 (5)—कम्पनी स्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण मे एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चांद राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गयी है।

> एस० श्रार० कोम० कम्पनः रजिस्टार

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निवेश ने ए. पी. नं. 3386—-यतः मुक्ते, भे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जा कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री दानसी राम पूत्र श्री चूनी लाल, बासी गांव गोथरा, तहसील खारी, जिला गुरगेन।

(अन्तरक)

 श्री गोपी राम पुत्र श्री चुनी लाल, कौमिकशल मैसर्ज लक्ष्मी नारायण, ओम प्रकाश, बाजार मोती, भूरा, कोटकपुरा।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एम. सी. बी 7, 280 लाजपत राय स्ट्रीट, कोटकपूरा में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 4357 दिनां नं फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीवकोट में लिखा गया है।

जे. एल. िरार सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 12-10-1982

प्ररूप० धाई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3387—⊬यतः मुक्ते,

जे. एल. गिरधर,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची मे लिखा गया है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्या-लय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पृयौंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दुश्धमान प्रतिफन के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **इचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल** से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उबत हथि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अब्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) 🕏 व्यान, निम्नसिवित व्यक्तियों, व्यात् ६---

 श्री सरदारी लाल सुपुत्र काहन चन्द, वासी डब्ल्यू. ए. 200, गली भट्टां, नजदीक लाल बाजार, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री पृथ्वी राज और विजय कुमार सपत्र राम प्रकाश, वासी डब्ल्यू. एस. 103, बस्ती गुजां, जालेन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। श्री सतपाल वासी डब्ल्यु ए. 230 गली भट्टा जालन्धर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह नृष्या अरी करके पूर्वोका सम्पत्ति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों. में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी बे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस बध्याय में द्विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 6742, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिसा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालन्ध**र**

तारीख । 12-10-1982 मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3388--यतः मुक्ते, जे. एतः गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को क्यीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री सरदारी लाल सुपुत्र काहन चन्द, वासी डब्ल्यू. ए. 200, गली भट्टां, नजदीक लाल बाजार, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्री रमेश चन्द्र और चन्द्र कुमार सूपृत्र राम प्रकाश, वासी डब्ल्यू एस. 103, बस्ती गुर्जा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- अंसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। श्री सतपाल वासी डब्ल्यू ए. 230 गली भट्टा जालन्धर (कह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 6961, दिनांक फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

के. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारीख: 12-10-1982

प्रकथ बाहै. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालनभर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निवसे नं ए. पी. नं 3389--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित्त; जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किगरा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सन, उनत् जिथिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं,, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, जर्थात् :---

 श्रीमती चानन कौर माता जोगिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी गाँव गरा, जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती हरदीप कौर पत्नी मूस्तियार सिंह पुत्र सुबा सिंह, वासी जालन्धर,
 - (2) श्रीमती जसदिए कौर बेटी मुस्तियार सिह पृत्र सुबा सिह, वासी जालन्धर,
 - (3) श्रीमती सुसराज कौर बंटी नरिन्त्र सिंह पुत्र बलवीर सिंह, वासी जालन्धर,
 - (4) श्री नरिन्द्र सिंह पूत्र बलबीर सिंह, पुत्र उधम सिंह, वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्कम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा स्केंगे।

स्यस्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किशिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अमीन 2 कनाल, जो गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख मं. 6684, फरवरी, 1982 में रिक्टिकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{न्}ज, जालन्धर

तारीब : 12-10-82

मोहर 🗄

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर पायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निक्षेण नं ए. पी. नं 3390---यतः मृक्षे, जे. एल गिरधर,

आग्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उकत प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भंभीन समय प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उकित बाजार मूख्य 25,000/- अपए से मधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्न्रह्म प्रतिफल से घिक है और घन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उवन अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रश्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या.
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयां या किया जाना चाहिए या, खियाने में मुविधा के लिए।

अतः खब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के, प्रनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, सुर्धात् क्रे-- श्रीमती पानन काँर माता जोगिन्द्र सिह् पूत्र करतार सिंह, वासी गांव गूरा, जालन्थर।

(अन्तरक)

- (1) श्री वरिन्द्र सिंह अरोड़ा पृत्र मेहर सिंह, वासी सैन्टर टाउनन, जालन्धर,
 - (2) श्री जगदीश चन्द मलहात्रा पृत्र दौलत राम, और
 - (3) श्री राजिन्द्रनाथ गृप्ता पृत्र भृनी लाल, वासी सैन्टर टाऊन, जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविध, जो भी जनित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रबोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगें।

स्वव्योकरण:---असमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भीव-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, यही धर्ष होगा, जो उस प्रक्षाय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 3 कनाल, जो गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख नं. 6760, फरवरी, 1982 में दुर्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्भर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 12-10-1982

मोहर 🗼

प्रकल्प आर्थ शी. एन एन -

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निद्धाः नं. ए. पी. नं. 3391—यतः स्के, जे. एत. गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किगरा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्तद प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि ता विद्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि ता विद्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि ता विद्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि ता विद्या गया प्रतिफल निम्नलिखित अवस्ति कि विद्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीक निम्नुनिधित व्यक्तियों, सूर्यात् ;--- श्रीमती चानन कार माता जोगिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी गांव गुरा, जालन्धर।

(बन्सरक)

- 2. (1) श्रीमती कमलेश भंडारी पत्नी श्री सुंदर्शन भण्डारी, वासी अगादपुरा, सरगान्धी गली, पटियाला,
 - (2) श्री गुरबस्थ सिह प्त्र बाबु राम, वासी 427-एल, माडल टॉल्जन, जालन्धर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के निष्
कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवागु;
- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिनित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जकत विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हाँ।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल, जो गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख नं. 7100, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालस्पर

तारील · 12-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आई० हो० एन० एस०------

भायकर अ**धिनियम,** 1961 (19**61 का 43) की** धारा 269-व (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 अक्तूबर 1982

निदःश नं ए. पी. नं 3392---यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्वात् 'खकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन समम प्राधिकारी को, यह प्रिष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रुग्ये में भ्रिष्ठिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो किगरा में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लियं, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा स्विधा के लिए

श्रीमती धानन कार माता जोगिन्द्र सिंह प्त्र करतार सिंह, वासी गाव गुरा, जालन्थर।

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती संतोष गर्मा पत्नी श्री शिव क्मार शर्मा, वासी 1059-सी, महल्ला गोबिन्दगढ़, जालन्धर,
 - (2) श्री जरनैल सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी नूरमहल, और
 - (3) श्रीमती सुमन जोहर पत्नी श्री अशोक बरदान जोहर, वासी 156-डी, साडल टाऊन, पटियाला।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रसता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्न सम्मति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घशोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा समेंगे।

स्रव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत प्रिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्चर्य हागा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

गम्परित जमीन 3 कनाल, जो गांघ कि गरा मो रिथल है, जैसा कि धिलेख न. 7082, फरवरी, 1982 मो रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, जालन्थर मो लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील : 12-10-1982 मोहर :

शरूप आहूं. टी. एन. एस. ------

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3393---यतः म्फ्रे, जे. एत. गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छजित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस फरवरी, 1982

16) के अधान, नारास फरवरा, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्मिवक हम से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरणों से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के घम्लरक के वाविस्व में कर्मा करने या उक्तरे बचने में सुविधा के लिए: ग्रौर/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिशियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रवं उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुलरण मं, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तित्यों, अधीत्:--- श्रीमती चानन कार्र, जोगिन्द्र सिंह प्रकारतार सिह, वासी गांव ग्रां, जालन्धर।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती रीता अग्रवाल पत्नी श्री धमेन्द्र कामार,
 - (2) श्री धर्मन्द्र क्मार पृत्र श्री भगवान दास,
 - (3) श्री जगजीवन सिंह पत्र श्री मनोहर सिंह,
 - (4) श्रीमती सरबजीत कार पत्नी श्री जगजीवन सिंह, और
 - (5) श्री हरजिन्द्र सिंह प्त्र श्री साहन सिंह प्त्र श्री चन्दा सिंह, वासी ।, हरदियाल नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन, 3 कनाल जो गांव किंगरा में स्थित हैं, जैसा कि विलेख नं 7047, दिनांक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्थर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीख । 12-10-1982 मोहर ध प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, विनाक 12 अक्तूबर 1982

निदंश नं ए. पी. नं 3394--यतः मूक्ते,

जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र . से विधक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों करो, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री रणवीर सिंह पूत्र
 श्री बहावुर सिंह द्वारा
मुस्तियार-ए-आम हरिजन्द्र सिंह, वासी
नजवीक सस्ता लोहा स्टोर,
नकोदर रोड, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राकश महाजन पूत्र श्री देवराज महाजन,

(2) श्रीमती मोहनी महाजन पत्नी श्री महिन्द्र लाल महाजन, वासी 160, आदर्श नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ल ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 1 कनाल, जो गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख नं. 6850, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 12-10-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 12 अक्तूबर 1982

्निद'श नं ए पी नं 3395--यतः म्रुके,

जे. एल. गिरधर,

मायकर मिथिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं जैमा कि अन्मूची मं लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अभीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरक वं हुई किया जाव की बाबत , अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या असब बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (प) एची किसी बाब वा किसी प्र वा बच्च बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अर्जारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखत व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती दर्शन कार विभवा जोगिन्द सिंह द्वारा मुख्तियार-ए-आम जनरल अटोरनी, श्री दलजीत सिंह पुत्र श्री शकर सिंह, वासी गांव जिचरा, जिला जालन्धर।

(अन्सरक)

 श्रीमती कवल सचदेवा पत्नी श्री आर. पी. सचदेवा, श्री राम प्रकाश सचदेवा पृत्र श्री बृटा राम सचदेवा, वासी ढ़िलो मार्ग, पटियाला।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं . 2 मों लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, **बुढ़ी वर्ष होगा वा उस नध्याय में विया गया है।**

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन, 1 कनाल, जो गांव किंगरा में स्थित हैं, जैसा कि विलेख न 7046, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्टीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालस्थर

तारीय : 12-10-1982

माहर

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०-

गायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धकोन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनाक 12 अक्तबर 1982

निदेश न ए पी न 3396---यत मभ्ते, ज एल गिरशर,

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्प 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसको स जैसा कि अनुसूची मा लिखा है तथा जो जालन्थर मा स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मा अनुसूची मा और पूर्ण रूप मो विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मा रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब फारवरी 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिये अतिरत की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह् प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिग्तियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्श्य में उद्देश अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन के अतरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए, और्⁄या
- (ख) एसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजियत व्यक्तिया अर्थात् '—

- श्रीमती दर्शन कारे विधवा जागिन्द्र सिह द्वारा मुख्तियार ए-आम जनरल अटारनी दलजीत सिह पुत्र शकर सिह बासी गाव जिचरा जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- 2 (1) श्री मनजीत सिंह पुत्र स्रजीत सिंह वासी 77, लाजपत नगर जालन्धर। (2) मुस्टियार मिह डिबीजनल टाउन्न लैंग जालन्धर।

(अन्तरिती)

3 जैमा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 जो व्यक्तिसम्पत्ति मंग्जिच रखताहै। (वह व्यक्ति, जिनकेबारोम अधाहस्ताक्षरी जानताहो किवह सम्पत्ति मंहितव**द्**ध है)

को यह सूत्रना जारी गरके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निम्बत मा किए जा मकर्ग।

स्पष्टीकरण --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल जा गाय किगरा मा स्थित है जैसा कि विलख न 6746 दिनाक फरवरी 1982 का रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी जालन्थर में लिखा गया है।

जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

नारीय = 12-10 1982 माहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालव, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

िनिवोश नं ए. पी. नं 33.97—यतः मूक्ते, जं. एल. वेपस्थर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि अनुसूची मा लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप मा विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर मा रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1982

को पूर्वोक्त मंपित के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती दर्शना कौर विधवा जोगिन्द्र सिंह द्वारा मुस्तियार-ए-आम जनरल अटोरेनी, दलजीत सिंह पुत्र शंकर सिंह वासी गांव जिचरा, जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री हरिन्द्र मोहन पुत्र वेद प्रकाश जैन रेशमी गोपाल पत्नी कैलाश कुमार गोयल वासी 7 करतार नगर जालन्धर।

(अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्मत्ति मो रिज्ञ रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल जो गांव किगरा में स्थित है जैसा कि विलंख नं 7045 दिनांक फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता गिधकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

नारील : 12-10-1982

प्ररूप बाई. की. एन. एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जानधर, दिनांक 12 अक्तबर 1982

निदंश न . ए. पी. न . 3398---यतः मूक्ते, जे एल . गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी म. जैसा कि अन्मूची में लिखा है तथा जो जालन्थर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय फरवरी 1982

को प्वांचित सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांचित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत उक्त आँधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री हरीपाल सिंह पृत्र जजागार सिंह वासी गांव कि गरा तहसील जालन्तर।

(अन्तरक)

- 2 श्री सूरजीत कौर पत्नी कौपटन अभलोख सिंह वासी मूहल्ला लहारियां उमरड टाङा जिला हाशियारपुर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उज्पर न 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुजि रलता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन । कानाल जो गाव कि गरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं . 7032 दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे एत. गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

ता्रीख : 12-10-198

प्रकृप आह .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निदेश न. ए. पी. नं 3399--यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मों विजित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मे अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;
- अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- शीमती वर्शना कारै विधवा जोगिन्द्र सिंह स्वारा मुल्लियार-ए-आम जनरल अटारेनी, दाजीत सिंह पुत्र शकर सिंह शासी गांव जिचरा जिला जालंधर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती बलजीत कारे, हरमीत कारे बंदियां बलबीर सिंह दासी 31 बमन्त विहार जालन्थर। 2. रिजन्द्र कारे पत्नी धर्मन्द्र सिंह पृत्र ग्रादित सिंह वासी 472-एन मांडल टाउन्न जानन्थर।

(अन्सरिती)

- जैमा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मो सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

वन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 2 कानाल जो गांब किगंरा में स्थित हैं जैसा कि विलेख नं 6934 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जायन्धर

तारील : 12-10-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निवरेश नं. ए. पी. नं. 3400--यतः मुभौ, जे. एल. गिरधर,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्दध में अनुसूची में और पूर्ण रूप मों विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्या व्यक्तियों, अधीत्:——
4—346GI/82

- श्रीमती दर्शना कौर विधवा जोगिन्द्र सिंह व्वारा मुख्तियार-ए-आम जनरल अटोरनी, दलजीत सिंह पुत्र शंकर सिंह वासी गांव किग्तरां जिला जालंधर। (अन्तरक)
- 2. श्री निरिन्द्र सिंह धर्म पृत्र बलबीर सिंह वासी गार्डन कलोनी जालन्धर (2) सृचराज कौर पत्नी निरिन्द्र सिंह वासी गार्डन कलोनी जालन्धर। (3) लखिनन्द्र कौर पत्नी मिजर बलबीर सिंह कहनो बासी गार्डन कलोनी जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- अो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति अमीन 3 कनाल ओ गांव किगरां में स्थित है जैसा कि विलेख नं 6905 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस: 12-10-1982

स्रोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

निवरेश नं. ए. पी. नं. 3401---यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अन्स्ची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अन्सूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गांव किगरां तहसील जालन्धार।
 (अन्तरक)
- श्री मनजीत सिंह सान्धु पुत्र परसीन सिंह 888/11 ग्रीन पार्क जालन्धर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी अंग्रके पूर्विक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोत्त से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूखी

सम्परित जमीन 2 कनाल जो गांव किंगरां में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 6892 फरवरी 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीब : 12-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर 1982

िनिद[™]शानं. ए. पी. नं. 3402——यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर.

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्रीमती दर्शना कारे विधवा जोगिन्द्र सिंह द्वारा मुस्तियार-ए-आम जनरल अटोरनी, दलजीत सिंह पुत्र शंकर सिंह वासी गांव किंगरा जिला जालंधर। (अन्तरक)
- कृष्णा कुमारी पत्नी मदन लाल वासी म. नं. EJ-57-58 कोट पकिशया जालन्धर, (2) तिलक राज महाजन सपुत्र अमरनाथ वासी-71 पक्का बाग जालंधर, आँकार सिंह पुत्र पाल सिंह पुत्र विरयाम सिंह गांव और पोस्ट आफिस लासारा जिला जालंधर। (अन्तरिती)
- असा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

सम्पत्ति जमीन 3 कनाल जो गांव किंगरां में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 6860 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर में तिखा गया है।

जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 12-10-1982

मोहर 🥫

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 12 अक्तूबर, 1982

निवरेश नं. ए. पी. नं. 3403--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्थर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

में पूर्वोक्त सम्पति के उषित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बुक्तने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नृहीं किया ग्या था या किया जाना खाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थात्:—

1 श्रीमती दर्शना कोर विधवा जोगिन्द्र सिंह व्वारा मुस्तियार-ए-आम जनरल अटोरनी, दलजीत सिंह पृत्र शंकर सिंह वासी गांव किंगरा जिला जालंधर।

(अन्तरक) 2. श्रीकुलबीर सिंह पुत्र मुस्लियार सिंह सुभा सिंह

वासी जालन्धर

(2) दलजीत सिंह, सुखिबन्दर सिंह पुत्र गुरचरन सिंह पुत्र बेला सिंह वासी जालंधर ।

(3) मूर्ष्टियार सिंह पृत्र सुचा सिंह पृत्र मंगल सिंह वासी जालंधर।

(4) कंबलजीत काँर बेटी म्स्तियार सिंह वासी जालंभर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मं लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 3 कनाल जो गांव किगरां में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 6830 फरवरी 1982 में रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी जालंधर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज, जालन्धर

तारीख : 12-10-1982

प्ररूप् आहरैं. टी. एन. एस्.

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 13 अक्तूबर 1982

निवोश नं. ए. पी. नं. 3404--- यतः मूक्ते, जे. एलः गिरधरः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,0007- र. से जावक हैं
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है
तथा जो बहाव रपुर होशियारपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के काार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982
में पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुमें यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती तेजकार विभवा श्री चनन वासी बहादुर पूर होषियार प्र।
 - (अन्तरक)
- श्रीमती वरिन्द्र कौर पत्नी श्री अवतार सिंह वासी नजदीक लेवराय कालानी होशियारपूर।
 - (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अथोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया। है।

मन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्मस्ति जैसा कि विलेख नं. 4653 फरवरी 82 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियार प्र ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील : 13-10-1982

मोहर: .

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.

भायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रंज, जालधर जालधर, विनाक 13 अक्तूबर 1982

निदंश न. ए पी न. 3405--यत. मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी स जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है

और जिसकी स जैसा कि नीचे की अनुस्ची में लिखा गया है तथा जो गडशकर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यां स्य गडशंकर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16), के अधीन, फरवरी 1982

में पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एरे गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत .——

 श्रीमती महिन्दर कौर, पत्नी श्री गुरदीप सिंह वासी गडशकर।

(अन्तरक)

2। श्रीमती इन्द्रजीत काँर पत्नी श्री सोहन सिह, गाव पनम, तहसील गढ़शंकर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरण.----- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 3947 दिनांक फरवरी 1982 में रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शकर ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 12-10-1982

प्रकल बाइं.टी.एन.एस.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्देश सं. ए. पी. नं. 3406--यतः मुभ्ते, जे. एल. गिरधर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. औसा कि नीचे अन्सूची में लिखा गया है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हूँ), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कप्रथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरका की दारित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों ' का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के, जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1. मोहन सिंह सुपुत्र करतार सिंह आंफ मोहन कलाथ हाउउस, कप्रथला

(अन्तरक)

2. हरपाल सिंह सुपुत्र श्री बलबीर सिंह, कपुरथला मारफत कोहली कलाथ हाऊस, मेन बाजार , कप्रथला

(अन्तरिती)

3. औसा कि नं. 2 में लिखा गया। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि राखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 3318 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कप्रथला ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 14-10-1982

मोहर ः

प्रकप बाई .टी . एन् . एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जनन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदेश सं. ए. पी. नं. 3407--यतः सूक्षे जे. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो कपूरथला में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वे कित सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मृत्तरण सिविस में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को बायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बॉर्/बा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्ह भारतीय भाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृष्भा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिखित व्यक्तियाँ, अधीत ६—— 1. मॉहन सिंह सुपुत्र करतार सिंह आफ मोहन कलाथ हाऊस, कपूरथला

(अन्तरक)

- 2. मनमोहन सिंह सुपुत्र श्री बलबीर सिंह, कपूरथला मारफत कोहली कलाथ हाउत्तस, कपूरथला (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा गया है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रासता है।
 (शह व्यक्ति, जिनके बारे में अथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कार्द्र भी वाक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीज से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत स्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सुवना के राषपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त सन्धीं और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिल है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 3324 विनांक फरवरी, 1982 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 14-10-1982

मोहर 🗄

प्रक्प बाइं.टी.एन.एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तुबर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3408—यंतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें उपका उपका अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नद्दीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचन अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था विका बाना वाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- 5—346GI/82

- क्रुक्लया दोवी परनी राजपाल अनरल अटोरनी श्रीमती सीता वन्ती परनी दौलत राम वासी र्द.पी.-79, मुल्ला खृदियां, जालक्षर । (ग्रन्तरक)
- राजपाल पृत्र मुन्शी राम वासी

 म नं ई. पी -79 मुहल्ला खूदियां,
 जालन्थर ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबब्ध है)

को यह सूचना नारी कर के पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यघाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत् स्थिकत्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य स्पित्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति म. नं. ई. पी. 79, जो महल्ला खूदियां जालन्धर में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 6628 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीय : 14-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भागकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जलन्धर

भागनधर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निवंश मं. ए पी. न. 3409--यत. स्भी, जं एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अन्सकी में लिखा है तथा जा जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ण अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1982

में पूर्वोद्देस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के उद्देयभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीत. निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- क्रुक्लया देवी परनी राजपाल जनरल अटोरनी श्रीमती सीता देवी परनी दौलत राम टासी क्रि. पी.-79, महल्ला ख्दियां, जालन्धर। (ग्रन्तरक)
- राजपाल पुत्र मुशी राम वासी

 म न इंपी 79, महल्ला खदिया,
 जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

उंशा कि उत्पर न . 2 में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 जो क्येंक्ति सम्पत्ति में रुज्य रखता है । (बह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिरुवक्क्ष हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

सम्पत्ति म. नं. इ. पी. 79, महल्ला ख्वियां, आलन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 2247 दिनांक जून, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आलन्धर में लिखा गया है।

जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस 14-10-1982 मोहर

प्रकप आई• टी• एव ● एस•

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जलन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदश्चन . ए. पी. नं 3410--यनः स्के, जे एल गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि अन्सूची मं लिखा है तथा जो जालन्धर में म्थित हैं (और इसमें उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वोदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कम के उद्दयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की जावत उक्त विधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

कतः वन, उस्त विधिनियमं की धारा 269-गं के, वनुसरण कें, में, उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिविद्यतं स्थितयों, सर्थात् :---

- बलदेव राज प्त्र भाग राज वासी
 जै. 189 चोहर बाग, जालन्धर ।
 (ग्रन्सरक)
- संजय गुप्ता पुत्र रतन चन्द वासी सुभाष नगर, मस्त राम पार्का, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

×3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

x4 जो व्यक्ति सम्परित में राजि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबबुध हैं)

को यह सृचना जारी करके पृयोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण. -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त धीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं. 10 जो सांदल नगर, जालन्धर में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 7056 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

तारीख : 14-10-1982

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज जालधर

जालन्धर, द्विनाक 14 अक्तूबर 1982

निवरेश न ए पी न 3411—यत मुर्भ, ज एल गिरधर,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु स अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अन्स्ची मा लिखा है तथा जो जालन्धर मो स्थित है (आर इसस उपाबद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप मा वर्णित है), रिजस्ट्रीक ही अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मो रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन परवरी 1982

(1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982
में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भो, मों,, उक्त अधिनियम की धारा 269 की उपधास (1) को अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात ——

- 1 बतवित्र राज प्त्र भाग राज वासी ई जे 189 चोहर बाग, जालन्धर । (श्रन्तरक)
- 2 राज काुमार गुप्ता पत्र रतन चन्द दासी ई जे 189, चोहर बाग, जालन्धर ।

(ग्रन्सरिती)

- 3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति म रुचि रक्षता है। (बह व्यक्ति, जिनके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हित्यद्वध है)

क यह मुचना जारी भरक पर्याक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

- उक्त स≭पित्त के अर्जन् के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न 10 जो सोढल नगर, जालन्धर में स्थित है। जैसा कि बिलेख न 7074 फरवरी, 1982 में रिजिस्ट्रीकर्ता अभिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारी**च** 14-10-1982 मोहर

प्ररूप नाइ. ही. एन. एस

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निद्येश न ए. पी. न . 34.12—यतः मुर्के, जे एल . गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजरट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शानसा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1982

में पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, जमके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें बन्नरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त, अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मों, मों. उक्त अधिनियम की भार 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्— गुरिदयाल चन्द पृत्र राम चन्द शामी फतेष्ठआसाद, जिला हिसार।

(भ्रन्तर क)

 डा. बलदेव राज पुत्र भखूर सिंह वासी गांव भम खुरद, तहसील मानसा, जिला बठिंडा ।

(धन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अक्षांहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील स 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो सिनंमा रोड मानसा में स्थित है। जैसा कि बिलेख नं 5128 मार्च, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी मानसा में लिखा गया है।

जः एतः गिरधरं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजः; जालन्धर

नारील 14-10-1982 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

भायकर मिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्त्बर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं 3413--यत. मुक्ते, जं. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैमा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जालन्थर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिसित उदंश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुर्व किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी पृत या नन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाता चाहिए था, छिताने में स्विभा के लिए;

नतः नन, उक्त निधनियम की भारा 269-म के नन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निध्निसिखत व्यक्तियों, अर्थीत् :---

 श्रीमिसी राजक मारी विश्वया श्री पूर्णमल बाल स्पृत्र महोश बाल और श्री हरीश बाल स्पृत्र पूर्ण मल बाल डब्ल्यू. डी. 325, बांडरथ रोड, जालन्थर

(भ्रन्तरक)

 डा. बी. एस. परमार स्पृत्र डा. हरी सिंह 325 ब्रांडरथ रोड, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

- 3 गैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- ओं व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 6909 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

> ज एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र¹ज जालन्धर

तारीख : 14-10-1982 मोहर : प्रकार साई । टा॰ एन । एस ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जलन्धर

जालेन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्येष नं ए. पी. नं 3414---यतः मूर्फे, जे एल. गिरधर,

याय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

मों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिक्ष कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्स श्रीविषय के श्रीचा कर देने के श्रश्तरक के दासिस्य में करने या उससे बचने में सुविक्षा के सिए भौर/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, भा प्रत्रकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा या किया आता चाहिए या, खिपाने में मुबिधा के सिए।

आ:, अब, उब्ह अधिनियम, की घारा की 269-य के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की टपद्यारा (1) के अधीन निकालिखित व्यक्तियों, ग्रवांत :— श्री सत्तीश कुमार गृप्ता सुपृत्र श्री प्यारा लाल दत्ता जंडियाला

(अन्तरक)

 सूरिन्द्र क्यार गुप्ता सूपृत्र श्री नन्द लाल आलन्धर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुधि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितजब्ध है)

को यह सुबवा कारी करके प्रवीकत सम्पत्ति के **घर्णन के लिए** कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सर्वत के पम्बन्ध में कोई भो श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रष्याय में दिया गया है।

ममुस्**यी**

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 6621, फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

भे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोष, जालन्धर

तारीब : 14·10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 अक्तूबर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3415—यतः भुक्ते, जे. एल. गिरंधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 वलवंत सिंह हरभजन सिंह मृप्त्र व्द्धन सिंह चक ह्मैन लम्बा पिण्ड, जालन्धर

(अन्तरक)

 मोहन प्रकाश रामंश्वर लाल और राम दास सुपुत्र श्री दूनीचन्द वासी आली मुहल्ला, जालन्धर

(ग्रन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगे में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रक्षता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिटबद्ध हैं)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वक्ष्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अम्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि यिलेख नं . 6632, फरवरी, 1982 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

जे एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक र ग्रायुक्त (तिरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 14-10-1982

भाग [[]--खण्ड 1]

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदंश नं ए पी नं 3416--यतः म्फे, जे. एन गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो चक हर्सन लम्बा पिड में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपहित का जिल्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

श्री बलवन्त सिंह,
 श्री हरभजन सिंह पृत्र
 श्री वतन सिंह, वासी
 चक ह्सैन लास्या पिंड (जालंधर)।

(अन्तरक)

 अरिहन्त मेंटल इन्डस्ट्रीज, एस-11, इन्डस्ट्रीयन एरिया, जालन्धर।

(अन्तारता)

- 3. जैंसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक³गे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

वनसूची

मम्पत्ति व व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख नं. 6633 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील . 14-10-1982

प्रभाष कार्र टी एन एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदश नं. ए. पी. नं 3417--यत. म्फ्रे, जे एल. गिरधर,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में निकाहै, तथा जो चक ह्राने लाम्बा पिड में स्थित हैं (और इसार उपाबद्ध अन्मची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यानय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित क्यास्तियों, अधीत :—

- श्री हरभजन सिंह, श्री बलवन्त सिंह स्पृत्र श्री यसन सिंह, वासी चक ह्सोना, लम्बा पिंड, तहसील जालन्धर। (अन्सरक)
- 2 श्री वरवभान मैंटल इन्डस्ट्रोज, लम्बा पिड, तहसील जालन्थर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर तं. 2 में लिखा गया है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उर्वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कीं अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 6662, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने निखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारोख : 15-10-1982 मोहर _ _ _ -- _ -- -- -- -- -- -- -- --

प्ररूप गाईं दी. एन - एस -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निद्येष नं. ए. पी. नं. 3418--यतः मुक्ते, जे. एतः गिरक्षर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैंगा कि अन्सर्ची म लिखा है, तथा जो मिठा पूर, जालन्थर में स्थित है (और इसम उपाबवध अनुसूची म और पूर्ण रूप सं विणित है), रोजस्ट्राकता अधिकारों के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्विक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य स कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित का उचितन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन अर्ड वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी कहने वा उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत— श्री सोहन सिंह पुत्र
 श्री प्रताप सिंह उर्फ श्री मेला सिंह, वासी मिठा पुर, जालन्थर।

(अन्तरक)

 श्रीमती मनगेहन कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह पृत्र श्री जीवन सिंह, वानी 119, जनसा कालानी, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3 जैंसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा गया है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे मं अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 7029, फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एस गिरधर सक्तम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख 14-10-1982 मोहर प्ररूप आइ°. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र⁻ज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदंश न. ए. पी. न. 3419--यतः म्भे, जे. एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।,, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीचे की अन्सूचि म लिखा गया है तथा जो जालन्धर मिट्ठा पूर में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्हीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्हीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982 में पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री सरवन सिह सुपृत्र प्रताप सिंह अलीयास मेला सिह मिट्ठापुर जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह स्प्त्र श्री ग्रदित सिंह 9, न्यू इस्लामगज जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्परन 2 में लिखा गया है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

जा व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्व}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विल्ख नं 7030 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे एल गिरक्षर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीस : 14-10-1982

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰एस॰-----

श्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-व (1) वे ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निवाश न ए पी न 3420--यत म्भे, जे एल गिरधर,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मञ्जम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- व में अधिक है

और जिसकी स जैसा कि तीच की अन्सूचि में तिखा गया हैं तथा जा गड़ा जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकतों अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जरवरी, 1982

1908 (1908 का 16) के अधान, जग्बरा, 1982 में पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उकत अन्तरण लिमित में शास्तिकक रूप से किथित नही किया गया है ——

- (क) अन्तरण से दृइ किमा आय को बाबत, ठक्त प्रधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के थिए; और/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घरण धारिसकों को जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धत-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धरत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः प्रव, उन्न भ्रविनियम को बारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की बारा 289-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् --- 1 श्री हरीपाल सिह पुत्र सर्वजीत सिह बासी गढा जालन्धर

(अन्तरक)

2 श्रीमती स्शीला रानी पत्नी श्री तिलक राज वासी सैला खुरद जिला हाशियारपुर व राजेश कपूर प्त चमन लाल वासी लावा मृहल्ला जालन्धर

(म्रन्तरिती)

जैसाकि उज्परन दों में लिखागया**है** (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोगमें सपत्ति

4 जा व्यक्ति सम्पत्ति में किंचि रखता **है** (वह व्यक्ति, जिनके बार[े] में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितव**द्**ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भागोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्मवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः --- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 6831 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजा, जालन्धर

तारीय 14-10-1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निविषा नं ए. पी. नं 3421 -- यतः मुभ्ने, जे एल. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूचि में लिखा गया है तथा जो गड़ा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982 मं पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री परनप्रीत सिह, पुत्र श्री सम्पूर्ण सिंह सरक्षक अमन कौर वासी गडा, जालन्धर

(ग्रन्सरक)

- 2. श्री कशमीर सिंह पुत्र सन्तोख सिंह वासी वस्ती इव-राहिमपुर, जालन्धर व अशोक कुमार पुत्र तिलक राज, वासी सीला खुरव, जिला होशियारपुर (श्रन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं. दो में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके दारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध भी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 6724 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जालन्धर

तारीख : 14-10-1982

प्रकार काई. टी. एन. एस -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज. जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदंश नं. ए. पी. न. 3422--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुस्चि में लिखा गया है तथा जो गडाविहदा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982

में पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितंफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उक्त अधि-नियस जे अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बीड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, या धन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन. निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः ---- श्री हरी पार सिंह सुपुत्र श्री सर्वजीत सिंह वासी गडा जासन्धर

(भन्तरक)

- 2. (1) श्री पवन कुमार सुपृत्र जगवीश चन्द धासी विकस पुरा जालंधर (2) सुदेश कुमार वासी करतारपूर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. दो में लिसा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सं सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्द है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अमिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अमिध, जो भी अमिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 6829 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जानन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

तारीस : 14-10-1982

प्रकृष, बार्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निद्येश न ए पी न 3423---यत मूक्ते, जे एल गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीचे की अनुसूचि में लिखा गया है तथा जो गड़ा जालन्थर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1982 में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कर्तने या उससे अवने में अपूर्विधा के सिए; आर्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

श्री परनप्रीत सिह पत्र सम्पूर्ण सिह दासी गडा,
 जालन्धर

(श्रन्तरक)

2 श्री अमरीक मिह पुत्र सन्तांस मिह वासी इबराहिम-प्र तहसील गढ़ झकर और फकीर चंद पुत्र सन्त राम वासी वाना पती (रोपड)

(श्रन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर न दो में लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ओ व्यक्तिसम्पत्ति में रुधि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्जी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 6726 फरवरी, 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे एल. गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, जालन्धर

तारीय 14-10-1982

प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निविष नं ए. पी. न. 3424--यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि नीचे की अन्सूचि में निखा गया है तथा जो मिट्ठा पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1982

में पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---- 7—346GI/82

 श्री स्वर्ण सिंह पुत्र प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह वासी मिट्ठापुर तहसील जालन्धर

(अन्तरक)

- वी पंजाबी बाग कांआपरोटिव हाऊस बिल्डिंग सोसा-इटी (लि) जालन्धर मार्फात श्री मोहिन्द्र सिंह, सक्तेटरी मोसाइटी, 469-सूरज गंज, जालन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. दो मे लिखा गया है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारें में अथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूधी

सम्पत्ति व व्यक्ति जैमा कि फरवरी, 1982 के विलेख न 5875 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है। जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीय : 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाम 15 अक्तूबर 1982

निवरेश न. ए. पी. न. 3425--यत म्फे, जे एता गिरधर,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राश्मिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीचे की अन्सृष्यि मा लिखा गया है तथा जो मिक्ठा एउ मा स्थित है (और इससे उपावद्य अनुस्ची मो और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जानस्थर मा रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के पंथीन फरवरी, 1982

में प्वेंक्त नम्पित्त के उचित जाज़ार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के तिए अतिरत की गई हैं और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाएवेंकित सपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अन्कि हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के वीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियस, या धन- कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, छिपाने में सिलिधा के लिए,

अत अब उक्त अभिनियम की धारा 260-ग के अनसरण मो, मो, उक्त यीभिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री सोहन सिंह सुपृत्र श्री प्रताप सिंह मेला सिंह वासी गाव मिट्ठा पुर सहसील जालन्धर
 - (अन्तरक)
- 2. वि पजाबी बाग कोओपर टिय हाऊस बिल्डिंग सोमा-इंटी लि जानन्धर द्वारा शी मोहिन्द्र सिंह सकत्तर नासाइंटी 496-मूरज गज, जानन्धर
 - जैसा कि उत्पर न दो म लिखा गया है (वह ध्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे से अधोहस्ताक्षरी जाता है कि वह सम्पत्ति से हितबस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कांई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 हिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रात्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्याग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त धादौं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 6876 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जं एल गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुदत (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीम 15-10-1082 मोहर प्रकृप आहे. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निष्येश नं ए. पी. नं. 3426—यतः मुक्ते, जे. एल जिस्थर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-स के अधीन समग्र पाधिकारी को यह विश्वास करने का

इसके परचात् उक्त आधानयम कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सक्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

23,0007 राज जायक है और जिसकी स. जैंगा कि अनुस्सी म लिए। है तथा जो मिट्ठापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

16) के अयान, फरवरा 1982 में प्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में करा के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियमों अर्थात् 🖫

1 . श्री पूर्ण सिंह पूत्र श्री प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह आसी भिट्ठायूर तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी पंजाबी बाग कापरेटिय हाउन बिल्डिंग रामाइटी (लि.) जानन्धर मार्फत श्री महिन्द्र सिंह, मंकेटरी सोसाइटी, 496-सूरज गंज, जानन्धर।

(अन्तरिसी)

जैसा कि उत्पर न . 2 में लिला गया है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रुखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताकरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य थ्यवित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए का सकेंगे।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तिमा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ज्यों कर द्वारा;

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस्थी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख न . 6903 में रिजर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा ह**ै**।

> जे. एतः गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

तारीख: 15-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एसं:-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्सूबर 1982

निवंश नं. ए. पी. नं. 3427—यतः मुभी, जे. एल. गिरधर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं और जिसकी स. जैसा कि अनुस्की में निवका की तथा जो पिरुतापर से स्थित हैं (और इससे उपासद्वर असमरी में और

और जिसकी स. जैसा कि अन्स्की में लिखा उँ तथा जो मिट्ठाप्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियत, 1938 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

में पूर्विक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री पूर्ण सिंह सुपृत्र श्री प्रताप सिंह उर्फ मेला सिंह वासी गांव मिट्ठापुर तहसील जालन्धर।

(अन्तःरक)

 दी पंजाबी बाग कापरेटिव हाउन्स विल्डिंग सोसाइटी लिं जालन्थर द्वारा श्री महिन्द्र सिंह, सेकेटरी सोसाइटी, 496-सूर्ण गज, जालन्थर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा गया है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

अो व्यक्ति सम्पत्ति मो रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति देवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 7028 फरवरी, 1982 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन र्रेज, जालंधर

तारीख: 15-10-1982

प्ररूप आई. टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निद्यान ए पी न 3428——यत म्भने, ज एल चिरधर

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीच की अनुसूची म लिखा गया है तथा जो भटिडा मो स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप म विणित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा म र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहां किया गया है ——

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कामी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और्√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत जब उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिकित व्यक्तियों, अर्थात् .--

 श्री गमदूर सिह सुपुत्र केंहर सिह गाव घोबियाना, भटिन्डा।

(अन्तरक)

2 श्री लाभ सिह, छोटा सिह और जगजीत सिह स्पृत्र गण्डा सिह भटिन्डा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर न 2 म लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 जा व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (स) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाश्न की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

नगुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलख न 6842 दिनाक फरवरी 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस 14-10-1982 **मोह्**द्ध प्ररूप आइ र टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 अक्तूबर 1982

निवंश नं. ए. पी. नं. 3429—यतः मुक्ते, जे. एल.

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा गया है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में धर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी 1982

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

 श्रीमती मुख्तयार कार पत्नी यिथवा अअमेर सिंह वासी भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्री जागीर सिंह पुत्र केहर सिंह वासी भटिंडा। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियं को के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अतसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 6843 फरवरी 1982 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा ने लिखा है।

जे. एलं. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रौज, जालंधर

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-च के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन् निम्मलिखित भ्यक्तियों, अर्थात् :—

ता्रीब : 14-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदेश नं ए पी न 3430--- यतः, मुक्ते, जे एल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक **हैं**

और जिसकास जैमा कि नीचे की अनुसूची म लिखा गया है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में अतैर पूर्ण रूप मो वर्णित हैं) , रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग भटिन्दा गे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, तारीख फरवरी 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विक्लास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

श्री केंद्रर सिंह भोला सिह (मिट्ठ वाला) गली सामने रंजीत प्रसं, भटिन्छा।

(अन्तरक)

- 2 श्री हरबंस सिंह सप्त्र हरनाम सिंह भटिन्डा, दीनानाथ सप्त दीना नाथ प्त राम लाल फिरोजप्र, करनेल कार पत्नी नछत्तर सिंह वासी भटिन्डा, ग्रेबचन सिंह पुत्र संत सिंह लेहाल कलोनी पटियाला, ग्रदयाल सिंह सुपूत बगा सिंह सोहल गांव मेहराज तहसील फाल, सरोज सिंगला पत्नी रवि सिंगला भटिंडा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 6954 दिनांक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा हे लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालंधर

तारीख 14-10-1982 मोहर :

प्ररूप आइं.दी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तुबर 1982

निवोश नं. ए. पी. नं. 3431—यतः, म्भे, जे. एल. विकास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राम्थिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आरे जिसकी सं. जैमा कि नीचे की अन्सूची में लिखा गया है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में आरे पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फ रवरी 1982

को पूर्विक्त संपित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तह पाया गया प्रतिफल निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री वीर सिंह सुपूत्र राम विक्ता सिंह वासी अजीत रोड, गली नं. 2 भटिन्डा।

(अन्तःरक)

- 2 थी सिवन्द्र सिंह सपूत्र खजान सिंह भटिन्डा, गुरदयाल सिंह सुपुत्र केहर सिंह भटिन्डा क्लमीतकौर पत्नी हाकम सिंह भटिन्डा मोहिन्द्र कौर पत्नी ग्रदयाल सिंह भटिडा प्रीतम सिंह प्त्र गुरदयाल सिंह भटिडा। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्त हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूपि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्र्ध है)

को यह स्थना आरी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--रममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वृत्स्वी

व्यक्ति तथा सम्मित्त जैसा कि निलेख नं. 7049 दिनांक फरवरी 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख . 14-10-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जान रिंज, जालांधर

जालधर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निक्रोंश नं. ए. पी. न. 3432--यत , मभो, जं. एत. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि नीव को अन्म्की मा विया गया है तथा जो भटिन्डा मों स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मकी मों और पूर्ण रूप मो विणत हैं), रिजर्दोकार्या अधिकारों के कार्यालय भटिन्डा मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फारवरी 1982

को प्यंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उगमे बचने में मिविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना नाहिये था कियाने में मुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के दिन निम्निज़िबित व्यक्तियों, अर्थात् :--8-346G1/82

 श्री अजमेर सिंह सप्त्र श्री बृटा सिंह तासी मेहना वाजार भटिन्डा।

(अन्तरक)

श्री लान चन्द्र शाटिया और प्रोम क्मार भाटिया भटिया मरजीकलज भटिया तरसेन लाल स्पृत्र महरचंद्र गाय कीट फतत, श्रीमती आशा रानी पत्नी ओम प्रकाश रामपुराफृल, अशोक क्मार यू.डी.सी. अकाउन्टम ब्रांच जी.एन.टी.पी. भटिन्छा।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर नं दो से लिसा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रस्ता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्वश है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अमुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैंगा कि विलय न 3442 दिनाक फरवरी 1982 को रिजिन्द्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा ने लिखा।

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीय : 14-10-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

बायुकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निदंश न. ए. पी नं. 3433--यन , मुभी, ज. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे अनुसूचि में लिखा गया है तथा जो भटिण्डा मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची मा और पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीटन्डा में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1982

को पृयों क्त संपरित के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दश्यमान पतिकत सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1022 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा वे लिए;

वतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों अर्थात : ---

1. श्री सदूरा सिंह प्त्र कोहर सिंह गांव धोबियां नजदीक

श्री मुखदीप सिंह भिंडर एडवोकेट, पत्र प्रतिपाल सिंह भिंडर सिविल लाइन्स, भटिडा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. दो में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति से रुचि ख्यता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपक्ति को अर्जन को लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्विस भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबयध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसम्बी

व्यक्ति तथा संपति जैसा कि विलय न . 6637 फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिडा ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रिज, जालधर

तारीख . 14-10-1982 मोहर:

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

ग्रामकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निदंश न. ए. पी. न. 3434-स्यतः, मुक्ते, ज. एत. गिरधर,

न्नायं हर प्रिनियम, 1931 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इस हे पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचिन वाजार मल्य 25,000/- हु से प्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि नीच की अन्मूची में लिखा गया है, तथा जो भटिड़ा मा स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, भटिड़ा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

कां पूर्वा कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वों का सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य सिके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह भितियात अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गणा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण गिता में बास्तिक हम से कियान नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविद्या के सिए;

अतः ग्रव, उन्न अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण न में, उक्त अधिनियम का धारा ४८९-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निनिविष्ठ व्यक्तियों, अर्थात् १०--- । श्री केहर मिह सूपूत्र श्री भोला सिह, वासी महना चौक, भटिंडा।

(अन्तरक)

2. श्री भूषण कुमार स्प्य श्री तंज राम भटिडा, श्री जागिद्र पाल स्पुत्र श्री शिवजी राम भटिडा, श्रीमती जनक द्लारी पत्नी, श्री जागिन्द्र पाल भटिडा, श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री दर्शन लाल भटिडा, श्री तंजा सिंह पुत्र श्री भज्ज सिंह, वासी गांव अटलाकलां, तहसील मानसा, श्री सतीश भल्ला पुत्र श्री कद्रनलाल भल्ला,

(अन्तरिती)

3. जैसान दो में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जा: के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता ह**ू**।

उन्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत की तारीख से 45 दिन की अत्रिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविष्ठ वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य स्थावत हारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा अक्त प्रधिनियमः के प्रध्याय 20-क में परिषाणित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 7131, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने लिखा है।

ज . एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज , जालन्धर

तारोख . 14-10-1982

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तूबर 1982

निदंश न . ए . पी न . 3435---यतः , मुक्ते , ज . एल . गिरधर ,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि नीचे अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिडा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई ही और म्मे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के गीच एमे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिमित उददृश्य में उक्त अंतरण लिमित में दास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अंतरण से हार्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

> । श्री ग्रचनन सिह, श्री बलवन्त सिह, श्री कर्म सिह, और श्री देव सिह ग्पत्र श्री कहर सिह, बागी भटिडा।

(अन्तरक)

2 श्रीमती तीलम सचदचा पत्नी श्री अशोक क्यार, तासी हिस्पर, श्रीमती उपा पत्नी श्री कृष्ण क्यार, बागी

भवानीगढ़. श्रीमती हरिन्द्र पाल कौर पत्नी थी मोहन सिंह, वासी भिसीयाना, श्री मोहिन्द्र पाल पृत्र श्री जगुराम, भटिंडा, थी भीम सैन पुत्र श्रीओम प्रकाश, भटिंडा, श्री प्रेम नाथ पत्र श्री चेत राम, श्री भगवन्त राय और श्री पवन काुमार पुत्र श्री राम लाल, श्रीराम स्वरूप पुत्र थी सटूराम, थी अशोक कामार पृत्र श्रीटेक चन्द्र, और श्रीमती शीला दंबी पत्री श्री चनन राम, भटिडा।

(अन्तरिती)

उनिस कि उपर न दो में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

त्र व्यक्ति सम्पत्ति में ठिच रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

त्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलख न 7128, दिनाक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

ज . एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , जालन्धर

नारीय 14-10-1982 मोहर प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 14 अक्तृबर 1982

निद्यक्त ए. पी. न. 3436—यन , स्के. जे एव गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का बारण है कि रुधावर सम्पति. जिसका राचा बाजार मृत्य 25,000/रु. में अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीच की अन्मूची मा लिला गया है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, भटिंडा में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस फर्यरी, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त विध-तिसम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- । श्री अजयब सिह सूप्त श्री कोर सिंह, यासी गाव जोधप्र, रीनाना।

(अन्तरक)

ृ दो बंक स्टाफ को. आपराटिय हाउन्स बिल्डिंग सासायटी लि., भटिडा ब्दारा श्री डिगरा यूनाइटाड इण्डिया इन्दयूरोन्स कम्प बंक बाजार, भटिडा।

(अन्तिरिती)

जैसा न : दा म निलला है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति म किन क्ला है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि नह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समार होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमा प्रयुक्त शब्दा आँर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जेसा कि विलेख न . 6581, विनाक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने निया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रु**ज, जालन्थर

तारींख · 14-10-1982

माहर

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिशाद 14 अक्तूबर 1982

निद्यां न ए पी न 3137—सन मन्ह, ज एस. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीच की अनुम्ची में निका गया है, तथा जो भटिंडा मा स्थित हो (शिर इसमें उपाक्ष्य अगुमूची मा और पूर्ण रूप में निर्णात हो), र्याचरद्वीतमा अभिकारों के कार्यान्तम, भटिंडा मा रिजरद्वीदरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारील फरवर्य, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससं बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्ही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षेत्र अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मा, मी, उत्तत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखन व्यक्तियों, अर्थात् .-- भी फाला सिंह स्पत्र श्री शर सिंह, दासी जाभपुर, रीनाना।

(अन्तरक)

2 दो बीक स्टाफ को आपर्राटिव हाउन्स बिल्डिंग सासायटी लि , भिंटित द्वारा श्री एम आर ढिगरा, यूनाइटड इन्स्यूरान्स कम्पनी, बीक बाजार, भटिडा।

(अन्तरिती)

3 जैंगान दों मा लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मा सम्पत्ति है)

 शब्यक्ति सम्पत्ति म रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सर्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यक मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तलांबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील म 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तिया मा कि किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलय सं. 6582, दिनाक फरवरी, 1982 की रिजम्झीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने जिला है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन र**ें**ज, जालन्धर

तारील 14~10-1982 माहर प्ररूप. आई. टी. एन. एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-प (1) के अभीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जानन्धर

जामनधर, दिनाट 14 अक्नवर 1982

निदंश न ए पी न 3438--यन मक्त, जे एल गिरथर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मत्म 25,000/- रुक्त में अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा ित तीर्य ती जनग्री सं लिया गया है, तथा जो भटिडा में स्थित हैं (और इससं उपावद्य अन्सवी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), जीजिटिकतां अभिकारी के जार्यालया, भटिडा में रिजस्टीतरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, तारीण फरगरी, 1982

16) के अथान, तरिए। फरगरा, 1982 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दर्गमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं। और मक्ते यह तिश्वास करने का कारण है कि रथापबीक्त सम्पत्ति का उचित प्राज्ञार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिक्षित से, एस दश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिशत से अभित हैं और अनरक (भन्द्रा) और अंतरिती (अंतरिनिया) के बीच एसे अतरण के लिए गर्ग पाम ग्या प्रतिफल निम्नलिशित उद्युद्धिय में उक्त अंतरण लिखित में थास्तिक रूप से किथन नहीं किया ग्या है :--

- (क) अरूरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी अप या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने मो सविधा के लिए

अत जब जबन अधिनियम की थारा 269-ग कं अनगरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .- - । ती आणिन्दरमिहसपुन्न श्रीफालासिह, बासी गानजोक्षपर।

(अन्तरकः)

दी बोल्ड स्टाप का आपराटिश हाडाम निष्यि
सामागटी रि. भटिडा द्यारा
ने एम आर हिस्सार, गनाइटड इन्यरिन्स कम्पनी,
बोक बाजार,
भटिडा।

(अन्तरिनी)

3 जैसान दाम[्] निलाहै। (बह व्यक्ति, जिसके अिभागम् सम्पन्ति है)

ग त्यक्ति सम्पत्ति मा राजि स्थाता है।

 (वह् ब्यक्ति, जिनके बारा मा अशोहस्ताक्षरी
 जानता हो कि तह सम्पत्ति मा हितबद्ध ही)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सवध म कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की नारित से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्वाकत विद्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृष्टारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

त्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विराख र 6583, दिनाक फरवरी, 1982 का रिजस्ट्रोकिना अभिकारी, भीतडा न तिलाही।

> ज एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी गहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्शर

नारनेल <u>11-10-1982</u> माहर प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालन्धर

जालन्थर, दिनाक 14 अक्तवर 1982

निदास त ए पी न. 3439——यतः, स्की, जे. एत. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिन, जिसका उिचत वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि तीचं की अन्यूची मं लिखा गया है, तथा जो भटिडा में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनमूची मं और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी नाय की बावता, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर तोने के बागरवा क दायित्व से कमी करने या उससे इवन में मूर्यिक्षा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिका व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री स्ख्यनिदीर सिंह स्पृत्र
 श्री अजैब सिंह, वासी
 गांव जोधपर, शीमाना।

(अस्तरकः)

2 दी बैक स्टाफ का आपरंटिक हाऊस विज्डिन सासायटी लि , भटिडा द्वारा श्री एम . आर किंगरा, यनाइटडे इन्स्य्रेन्स कापनी, बैक बाजार, भटिडा।

(अन्तरिनी)

3 जैसान दों में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में फीच रखता है। (वह व्यक्ति, जिगके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुधी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलंख न . 6584, विनाक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने निखा है।

जें. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानस्थर

तारीख 14-10-1982 मोक्षर प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अजीन रोज, जालन्धर

जानन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

नियोश नं ए. पी. नं 3440 — यतः, मुर्फो, जे. एल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मुक्तसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्दध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय म्क्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य **उसके रश्य**मान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्याने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एरेरी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मितिधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थातु :--

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 9-346GI/82

1. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री धमेला सिंह वासी मुक्तसर द्वारा भृषिन्दर सिंह सुपूत्र श्री मदन लाल वासी सक्तसर।

(भ्रन्सरक)

2. श्री रणधीर सिंह सुपुत्र श्री कर्म सिंह वासी मकान नं 299, वार्ड नं. 13, पट्टी सुजान सिंह, म्बतसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को ग्रष्ट सचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववुध किसी जन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बहु अर्थ ह्योगा जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति औसा कि दिलेख नं 3269 दिनांक फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप माई• टी• एन॰ एस•----

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत मरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज, जानस्थर

जालन्धर, विनांक 14 अक्तूबर 1982

निवरेश नै ए. पी. नं. 3441--यत , म्फे, जे. एल. बायकर पधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिषिनियम े कहा की धारा 269-ख के मधीन सनम प्राविकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए से प्रविक है, और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो मुक्तसर में म्थित हैं (और इससे उपा**बद्ध अनुसूची** में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मूल्य से अप के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परवह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण क लिए तम गमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित त्रदेश से उरत प्रनारग शिखन में वास्त्रविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी पाप की बाबन उक्त ग्रिधनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आह्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा क लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री हरभजन सिंह पुत्र धवाला सिंह वासी म्क्तसर मार्फत श्री भूपिन्द्र सिंह पुत्र मदन लाल वासी मक्तसर।

(अन्तरक)

 श्री अमरजीत सिंह पुत्र ग्रबस्था सिंह वासी कन्या वाली, तहसील मुक्तसर।

(ग्रन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो भी व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

हो यह मूचना जारी करके पूर्वीकर सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्रत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन सूचना क राजपत्न में प्रकाणन की तारील में 45 दिन को अविधि या तत्न्यं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पढहीकरणः --- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदी का, जा खकत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बहो अबं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो कि फरवरी, 1982 के विलेख नं 3267 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी म्क्तसर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख: 14-10-1982

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269≈ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निक्श नं. ए. पी. न. 3442—यत:, मूओ, जे. एल. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क० मे अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुविद्या के सिए बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अन्, उक्त निधीनवन की भारा 269-ग के जनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नीलिकित न्यन्कियों, अधीत :--- श्री अनिल कपूर पृत्र श्री रामजी वास कपूर, 379-लाजपत नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती मदलसा कपूर विभवा रामजी दास कपूर, 396-लाजपत नगर, जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

3 जैसाकि उत्परनं 2 में लिखाहै (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुप्ति रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन को अवधि, जीभी भवधि बाद में समाप्त होती हो, में भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वडटो करण:----६समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्रीड्याय 20-क में गरिमाधित है, वही ग्रयं होगा, जो रस ग्रध्याय में दिया गया है।

वनसनी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो कि फरवरी 1982 के विलेख नं. 6583 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर संक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 14-10-1982

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन∙ एस०

भायकर भिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्रोश नं. ए. पी. नं. 3443—यतः, मुक्ते, जो. एस. गिरधर,

आवकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर (माडल टाउन) में स्थित है (और इससे उपाबत्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविश रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्त्रण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी कड़ने या जससे बचने में सुविभा के जिए; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

यतः अब, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के के अभीन, चिन्नचित्वत् व्युचिएवॉ, वर्धात्ः :-- श्रीमतौ सुरिन्द्र काँर पत्नी गरीब सिंह 612-आर., माडल टाउन जालन्धर्।

(अन्तरक)

 श्री हरवन्स सिंह पुत्र सन्त सिंह, वासी 76-एल, माङल टाउन, जालन्थर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्तेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ननुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख नं. 7277 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर द्यायका (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

त्रारीच : 14-10-1982

मोहर 🥬

प्ररूप नाइं.टी.एन्.एस्.------

जासकर ज्धितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माग् 💹 — खण्ड 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्येष नं. ए. पी. नं. 3444---यतः, मूक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को प्रेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः अन, उन्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उन्त विधिषयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नुभौता, भिन्नीकिया व्यक्तियों, जर्भात् :--- श्री हरभजन सिंह पुत्र धमाला सिंह वासी मुक्तसर मार्फत श्री भ्पिन्त्र सिंह वासी मुक्तसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती रिजन्द्र कारै पत्नी श्री हरमाहिन्द्र सिंह वासी मलोट रोड, गंगा पेट्राल पम्प के सामने, मृक्तसर।

(भ्रन्सरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटकिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्मितित तथा व्यक्ति जो कि फारवरी, 1982 के विलेख नं. 3268 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सञ्जाबक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज, जालन्धर

तारीच : 14-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(1) के अ**धीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्श नं. ए. पी. नं. 3445—यत:, मुक्ते, जं. एल. मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से बिधिक है

और जिसकी में जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इसमें उपाबस्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तर्यो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति फल निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की नामत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- श्री त्रिलोक सिंह पृत्र धुमन सिंह मार्फात श्री कशमीर सिंह पृत्र श्री काबुन सिंह वासी जालन्थर।
 - (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विमला दोवी पत्नी जाडा राम वासी 63-माडल टाउजन, जालन्थर।

(अन्सरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा िक फरधरी, 1982 के विलेख नं 6731 में रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

%े. एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}जे, जालन्धर

तारीव : 14-10-1982

मोहर 🖫

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 अक्तूबर 1982

निवंश नं ए पी नं 3446—यत , म्फे, जे. एलं. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उका परिवाद' कहा गया है), की धारा 269-ख के संधीन पद्मव गाबिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंगिन जिसका उचित गाबार पत्य 25,000/- के भ

और जिसकी स औसा कि अन्सूची मं लिखा है, तथा जो जालन्थर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने दृश्यमान अतिफान में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिश्वत में प्रधि। है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान विस्तरिति नेष्य से उच्च से उच्च पन्तरण । विष्त में वापनिक रूप से कियान नहीं कि साम है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 192 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) में भाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1 श्रीमती सेवा बन्ती विश्वना श्री हरविलास राग 394-मोता सिंह नगर, जालन्धर।
 - (श्रन्तरक)
- 2 मैंसर्ज स्वर्ण फार्झनाम प्रार्झवंट (लि) हिन्द समाचार गली, जालन्थर। (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके दार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता है।

उका सम्पत्ति के पर्वत के जुम्बन्य में 🗥 भा प्रार्थण --

- (क) इस स्वता के राजाप में पकाणन का तारीख से 45 दिन की अपित या तकामणी ज्यक्तियां पर स्वता की तामील में 10 कि का अपित, जो जी सर्वाध गर समाग होती में के मीतर पूर्वीकर ज्यक्तियों में प किसी अ्यक्ति नार
- (ख) इस सूचना व राजपत्र में प्रकाणन की नारी । से 45 दिन क मीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हितबद किमी प्रत्य व्यक्ति हारा, अक्षोहरपाक्षरी के पास निखित म किए ए सकेंगे

स्पष्टीकरण :-दसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों ता, जा जकत ग्रिधिनियम के अध्याप २०-२ प परिभाषित हैं, वहां ग्रियं होगा, जो प्य प्रशाद में दिया गप है (

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख न 7027 में रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

> जे एल गिरधर नक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जानन्धर

तारीख . 15-10-1982 मोहर: एक्षण हाई की एन एम

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जानन्धर

जालन्धर, विनांक 14 अक्तूबर 1982

निद्यानं ए पी नं 3447--यतः, मुक्ते, जे एल. गिरधर.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनस्थी में दिया गया है, तथा जो अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अबोहर मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के छरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके व्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को सिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नसिधित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक मप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नौर/वा
- (सं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थादा कियाजाना चाहिए था, छिपाने में सदिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अमी चन्द स्पृत्र स्राजा राम गांव अजीनगड, अबोहर।

(अन्तरक)

श्री कांशी राम स्पृत्र गोवर्धन दास वासी दुकान नं. 2871, ग्रेन मार्कीट मण्डी में नं. 1 और 2, अबोहर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैमा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभागे में सम्पत्ति हैं)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं।

को बहु स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्से:--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारीव से 45 दिन की अविभि या इस्सम्बन्धी स्वविद्यों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाइन की तारी इस 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त भीभ-वरिपनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया नवाहै।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति औसा कि विलेख नं 3615, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा हैं।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोक, जालन्धर

तारीस : 14-10-1982

प्रकप बाहुं. टी. एन. एस.

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269**म (**1) के ग्रशीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्थर, चिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदंश नं. ए. पी. नं. 3448---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उन्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 249 ख के अधीन शृंतकम आकिकारी को, यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका श्रवित काजार मृत्य 25,000/- रु० से आधिक है और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है, तथा जो अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

(1908 का 16) क जवान, ताराल फरवरा, 1982 को पूर्वोक्त मम्पिन के उचित बाजार मूम्य मे कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्प्रह अतिकत से अधिक है और अन्तरम (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरम (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरम के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उन्नेष्ण से उपल अन्तरम किंदित में वास्तिवक रूप से किंदत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी क्षाय या किसी वन या क्षस्य मास्तियों की, जिन्हें मारतीय क्षायकर मित्रियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या वन-कर विक-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या दः किया जाना चाहिए चा, खियाने में सुविधा के सिए;

वतः, अय, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्भामें, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मीसिवित व्यक्तियों, अभित:--10 346 GI/82

1 श्री राम लभाया स्पृत्र श्री मवसन लाल वासी गली नं 18, गाउन्हाला रोड, अबोहर

(ग्रन्तरक)

- श्रीमती शक्नुन्तला दंवी चन्नी श्री मंत राम वासी गली नं 13-14, मण्डी अबोहर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है और श्री विशम्बर जीवन राम, मून्झी राम देव राज, बिजली वाला सादा लाल चन्द और बाल किशन वासी गली नं 12 बिल्ड ग नं 827 से 829 सरक लर रोड, अबोहर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता द्रै।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मन्ति क गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर पूजना की नामील में 30 दिन को श्रविश्व, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित मे किए वा सकाँगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्ती प्रीर पर्वा का, जो उक्त ग्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

भनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 3852, दिनांक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अवोहर ने लिखा है ।

> जे. एल. गिरधर सक्ष**म प्राधिका**री सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}जे, जालन्धर

तारील 15-10-1982 मोहर: प्रकृष् कार्च. टी. एन. एस.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 अक्लूबर 1982

निर्देश न. ए पी न 3449—स्यत स्फे, जं. एल गिरधर, आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जन्स अधिनियम' कहा गया ही), की धारा

269- व के नभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000∕-ुरुःः ते निधक हैं।

और जिसकी म जैसा कि नीचं अन्सूची में लिखा गया है, तथा जो अवोहर में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मही, 1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और मंतरक (मंतरकों) और मंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकित उद्विषय में उस्त अम्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में भी कर का उपने बचन के सिक्त के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निएं:

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की धारा 260-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 श्री राम लभाया पत्र मन्यम नाल वासी गली न 18, गाउज्याला टोड, अलाहर।

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री अर्जन क्यार ग्लाटी स्प्त्र श्री कृष्ण लाल वासी गली न 13-14, मण्डी अबाइर। (ग्रन्तरिः
- 3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है और श्री विश्म्बर जीवन राम, भ्न्शी राम, दाव राज पण्डित बिजली वाला सादा लाल, लाल चन्द और बाल कृष्ण वासी गली न 12, सरक लर रोड अबोहर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4 कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में किच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि यह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी वर्ष द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ननुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलंख न 351, दिनाक सर्दो, 1982 का रिजस्टीकर्ता अधिकारी अबाहर न लिला।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र^रजे, जालन्धर

तारौब 15-10-19**82** मोहर प्ररूप कार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, जामन्धर

जालन्धर दिनाक 15 प्रक्तूबर, 1982

निदंश न ए पी नं 3454--यतः मुक्ते, ज एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से **अभिक ह**ै

और जिसकी स जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है, तथा जो किन्गरा, (जालन्धर) में स्थित हैं (और इससे उपायदध अनुसूची में और पूर्ण रूप मा वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर म रजिस्द्रीकरण अधिनियम,

(1908 का 16) के अधीन, सारीय फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मुल्य 🕏 कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और (अन्तरिती) (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्टीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन को अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनतरण , में, उक्त अभिनियम की धारा 269 क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री राजिब सिंह, सतीश क्मार सिंह, रविन्द्र सिह पुत्र दीना नाथ, वासी गाव बेट, तहसील जालन्धर

(श्रन्तरिती)

- 2. श्री अशांक कामार पत्र प्रकाश चन्द वासी ई जीं.-29, सिवल लाइंस, जालन्धर
- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसक अधिभाग म सम्मत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं।

का यह सम्बना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पीत्त के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी बाक्षंप:---

- (क) इस मचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलंख नः 1013 में राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्थर ने लीखा है। ह^ै ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीस : 15-10-1982

प्रस्प बार्ड. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भा<u>रत</u> सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जान रॉज, जानन्धर

जानन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निवांश न . ए. पी . नं . 3455---यतः म्भां, ज . एल . गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि नीचं की अनुसूची म लिला गया है, तथा जो जालन्धर मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिगियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982 को प्यांक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूळे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्वश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसने बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिस्तयों, अर्थात्:——

 श्रीमती उत्था लूथरा पत्नी श्री सुधीर लूथरा वासी इ. आर. 247, पक्का बाग, जानन्धर

(म्रन्तरक)

 श्री तरसंम लाल, अश्वनी कामार, श्रिव कामार, विनय कामार पुत्र श्री जनक राज वासी 411, आदर्श नगर, जालन्धर

(अन्तरिती)

3. जैमा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रलता द्रौं।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मूं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 6931, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्थर ने लिखा है ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण**) अर्जन रॉक, जालन्धर

तारीस : 15-10-1982 मोहर . प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 अक्तूबर 1982

ानिदोशानं ए. पी. न. 3456---यतः मुफो, ज. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि तीच अन्सूची में दिवा गया है, तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

कावालय, जालन्वर म राजम्हाकरण आवानयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारींस अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीयत व्यक्तियों, अर्थात — श्रीमती उज्या लूथरा पत्नी श्री सुधीर लूथरा वासी ई. आर. 247, पक्का बाग, जानन्थर

(भ्रन्तरक)

 श्री विनय क्मार प्त्र जनक राज वासी 411, आदर्श नगर, जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है।
 और मैसर्ज विनय बुबैलरज बाजार शीखा जालन्थर।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में कम्पित्त है)

 कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति म रुचि रसता द्रै।
 (वह व्यक्ति, जिनकं बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्तबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जनसंची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 329, दिनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक[े] भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन दुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 अक्तूबर 1982

निदांश न ए पी. न 3457--यत म्रुके, जे एल गिरधर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास धरने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी स. जैसा कि नीचे की अनुसूचि में लिखा गया है तथा जा जालन्थर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल किम्निलिखत उद्देशिय से उचेत अन्तर्भ लिखित में वास्तिवक हैंप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आयु या किसी धन या जन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धः, क्रियाने में सृविधा के लिए;

अतः अका, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उसत अधिनियम की भारा 259-घ करी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- भीमती उन्ना लूथरा पत्नी सुभीर लूथरा वासी इं आर 247, पक्का बाग जालन्धर।

(ग्रन्तरक)

- श्री तरसंभ लाल अदवनी क्षार शिवक्षार विनय क्षार सपुत्र जनकराज वासी 411 आदर्श नगर जालंभर।
 - जैसा कि उत्पर न . 2 में लिखा हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मो रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारो मो अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबद्ध है) (श्रन्तरिती)

का पर भूचना नारो करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के वर्धन के प्रण् कार्यवाह्यिं शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भा आक्षेप --

- (क) इस पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन की अविधि या तत्स अवन्छी व्यक्तियों पर सू का की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविधि बा में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भारर उक्त स्थावण सपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति बारा अधीहस्ताक्षरी क पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकर श्रीधनियम क प्रध्याय 20-क म परिमाणित है बही, अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलख न . 966 दिनांक मर्ह, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जानन्धर ने लिखा।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीब - 15-10-1982

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निविश नं ए. पी. नं 3458--यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि भ्यावर सभ्यान्त, जिसका जिया जाजार मृल्य 25,000/ एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यची में और और पूर्ण रूप में विणित है), राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय जालंधर में राजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 1908 (1908 का 16) के अधीन, राजीन फरवरी 1982

को पूर्वाक्स संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय कौ शाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिन्य में कभी करने या उससे वसने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों करो, जिन्हों भारतीय अयकार अधिनियम 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धाया किया जाना धाहिए था छिपान यो ्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती उषा लुथरा पत्नी मुधीर लुथरा वासी ⁴ .आर. - 247, पक्षका नाग जालन्थर।

(अर्न्सारती)

2. श्री तरसंग लाल अश्वनी का्सार शिवक सार विनय का्सार पृत्र जनक राज वासी 411, आदर्श नगर जालन्थर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 मो लिखा है।
 और मैंसर्ज विनय जबैलरज बजारों शेखां जालन्धर।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मों सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में इन्ति रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके दार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह स्चना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असलची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 3299 दिनांक अगस्त 82 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे. एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील 15-10-1982 मोहर: प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 15 अक्तूबर 1982

निद्देश न ए पी नं 3459--यत. म्फे, जं गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी स. जैसा कि नीचे की अन्यूची में लिखा है तथा जो मलौट मं स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1982

को पूर्वीक्त संपति के उचित जाजार मृल्य से म के इश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जापित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फान निम्निनिसित अद्दोश्य से अवत अंतरण लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मंगत राय सप्त्र श्री ग्रदास मल सपत्र श्री बंसी राम, वासी अच्या मण्यो भटिण्या।

(अन्सरक)

- श्रीकौर चन्द सपत्र श्री मोती राम सप्त्र श्री राघव राम, श्री कस्तुरी लाल, कशमीरी लाल केवल कृष्ण सपुत्र करेर चन्द्र सपुत्र श्री माती राम वासी मलौट। (अन्तरिती)
- 3 जैमा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में गम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अधांहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचनाकी प्रामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अा व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2342 दिनांक फरवरी 1982 को राजिस्टीकर्ता अधिकारी मलौट ने लिखा।

> जे एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीय . 15-10-1982

प्ररूप आह^र.ती. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3460—स्त. मुक्ते, जे. एल.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव दाने वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पृर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फर्वरी 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से, एसे रूपयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 11—346GI/82 भी केंहर सिंह पुत्र जै सिंह पत्र चंदा सिंह वासी गांव दाने वाला तहसीस मुक्तसर।

(अन्तरक)

 श्री ग्रचरन सिंह भूपिन्दर सिंह सपुत्र जसवंत सिंह और श्री ग्रदाम सिंह पृत्र जगजीत सिंह वासी गांव दाने वाला तहसील मुक्तसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेषित संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- ॥

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, भी उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 2472 विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिर्धर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालम्धर

दिनांक : 15-10-1982

मोहर 🖫

प्ररूप बाड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्ध्र, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदेश नं. ए. पी. नं. 3461---यतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो मलौट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख फरवरी 1982

को पृट्टोंक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृट्टोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निस्नृतिधित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री रूड मिंह सप्त श्री वीरयाम सिंह, वासी मलौट। (अन्तरक)
- श्री स्रजीत सिंह सपृत्र श्री बीर मिंह और श्री बलकार सिंह सपृत्र श्री ब्गार मलाट।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना भारो करके पूर्वों कत् सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामिल से 30 दिन की बविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुना है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2459 दिनांक फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट में लिखा।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

मोहर 🙄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सृभ्ना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

ं निद्यार्थित ए. पी. छः 3462—ल्यतः मुभ्ते, थेः एलः गिरधरः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अन्सूची में लिखा है तथा जो मलौट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1982

को पूर्वायत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नक्षितिका व्यक्तियों, अर्थात् अ——

- श्री जुगराज सिंह पुत्र श्री अरजन सिंह पुत्र श्री राम सिंह गांव मलौट।
 - (अन्तरक)
- श्री अमरीक सिंह पुत्र सत्दारा सिंह श्रीमती जसपाल कार पत्नी श्री अमरीक सिंह और श्रीमती अमरजीत कार पत्नी बाबु सिंह वासी गांव आलमवाला तहसील मृक्तसर।

(अन्सरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2328 विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट ने लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1982

मोह′रः

प्रकर प्राई० टो० एन∙ एस० ---

मायकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अभीन सुषका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जान राजि, जालन्धर

जालन्ध्र, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निविश्वानं ए. पी. नं . 3478——यतः म्भे, जं एलः । गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अन्सूषी में लिखा है तथा जो जालन्धर मं स्थित हैं (और इसार उपाबद्ध अन्सूषी में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में किंबत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पोजनायं मन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविद्या ने लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ब्रधीन, निक्न्लिखित व्यक्तित्यों, अधीत् क्ष--- 1. श्री वैद प्रकाश पुत्र किदार नाभ जनरल अटारेनी आफ करतार सिंह वासी वस्ती गुजा जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री रजनीश जन्द्र कुमार पृत्र मेहर चन्द्र और जुलका वर्कस बस्ती शंख जालन्धर और चन्द्र प्रकाश पृत्र चुनी लाल और शाम लाल जुगल किशार पृत्र श्रीमती आज्ञावन्ती विधवा अमृतलाल वासी बस्ती शंख जालंधर सुदर्शन कुमार पृत्र सूरज प्रकाश व श्रीमती उन्त्रा पत्नी रजिन्द्र कुमार सरबंदा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रत्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्धों का, जो उक्त श्रष्टि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

वनसर्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 7064 दिनांक फरवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीम : 15-10-1982

माहर:

भारत सरकार

कार्यालय, महाम्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, जालन्धर

जालन्थर, दिनाक 15 अक्तुबर 1982

निद्देश मं. ए. पी. मं. 3464--यत. म्के, जं. एल. गिरधर,

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास टाउने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अन्सूची में लिखा है तथा जो मनौट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची मं और पूर्ण रूप मा विणित है), राजिस्ट्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय मनौट मा राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फारवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगरित का उचित बाजार मृल्य उसके स्थमान प्रतिफल से एंसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरको और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसम्भ मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिखन व्यक्तियों अर्थान :--

- 1. श्री जुगराज सिंह एवं अर्जन सिंह वासी मलटि। (अन्तरक)
- श्री नरश कामार पृत्र श्री साथ राम और राज रानी पत्नी कृष्ण लाल, दया कृष्ण पृत्र निरंजन दास, सोम प्रकाश पृत्र हाकम चन्द, सुखपाल सिंह, नासी मलौट। (अन्सरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मं अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के कृष्याय 20-क में परिभाषित रू⁵, कहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेश नं 2491 दिनांक फरवरी, 1982 कां रुजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलीट में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरोक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील 15-10-1982 मोहर

प्ररूप माइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निक्षंश नं ए. पी. नं 3465--यतः मूर्फे, जे. एल. गिरधर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्सम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो मलौट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् — श्रीमती मावित्री देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह सप्त्र श्री हरजराम, वासी मलौट।

(अन्तरक)

2. श्री कार चन्द पुत्र माती राम, श्री राधा रराम और श्री कस्तूरी लाल कशमीरी लाल, केवल कृष्ण पृत्र श्री कार चन्द पुत्र श्री मोती राम मलाँट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जां व्यक्ति स्मात्ति में रूचि रखता है।
(यह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तस्त्रस्थन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयानत शब्दों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा मंपिस जैसा कि विलेख न'. 2360 दिनाक फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट में लिखा।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{ेज}, जालन्धर ^{भ्रं}

तारील . 15-10-1982 मोहार . प्ररूप आई० टी० एत० एस०--

श्रामकर पविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के ब्रधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

्निदोश नं. ए.पी.नं.3466——यतः मुफ्ते, जे. एल.

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो मलौट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पष्ट्रह प्रनिगत श्रीक्षिक है भीर श्रन्तरक (श्रम्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्चित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत जक्त मिन्न नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्य में कमी कश्ते या जसमे बचते में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क श्रन्तरिती द्वारा प्रकट ्नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने शें स्विद्या के लिए;

ग्रतः ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, तनत अधिनियम की प्रारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुसिद्ध व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री राम प्रकाश, सोहन लाल, मनोसर लाल पृत्र जान राम, वार्टन, 5, मलीट।

(अन्तरक)

 श्री मोहन लाल पुत्र ईड्वर दास पुत्र टेक चन्द, धासी मलौट।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वस किमी प्रत्य अपनित द्वारा प्रघोहस्ताकरी के ज्ञाम लिखन में किए जा सकरों।

स्पद्धीहरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जा उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख नं. 2305 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलौट में लिखा है।

> जे. एल. गिर्धर स**क्षम प्राधिकारी** सहायक_् ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

नारीब : 15-10-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तुबर 1982

िनिदोश नं ए. पी. नं 3467---यतः म्भे, जे. एल. गरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समित का अधित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिष्ठित न्यक्तियों, अधीत :--

 भी प्रेम चन्द्र पुत्र फरन्गी राम, वासी 91/7, मैन्द्रल टाउन, जालंधर।

(अन्तरक)

 श्री विजय रानी पत्नी शाम सुन्दर चौपडा, 22/2 सैट्ल टाउन', जानन्धर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 व्यक्ति कोई भी जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फारवरी, 1982 के त्रिलेख न 6835 में रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी जातंधर ने लिखा है।

> जे. एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र⁻जे, जालन्धर

तारी**स** : 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन., एस.----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3468——यतः म्के, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिला है, तथा जो रामपुरा मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची मों और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा कृत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फो यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृतिया के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
12—346GI/82

 श्रीमती गृरदेव कारे पत्नी श्री अलवेल सिंह, वासी रामपुरा, तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरक)

 श्रीमती परशोतम कौर पत्नी श्री भूषिन्द्र सिंह, वासी रामप्रा, तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. कोई भी व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुजि रस्ता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारः;
- (क्ष) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', को अध्याय 20-क में परिभाषित हु, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि फरवरी, 1982 के विलेख नं. 4007 में रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी रामप्रा फूल ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील : 15-10-1982

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (नि<u>र</u>ीक्षण) अर्जन र[ं]ज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदशे नं. ए. पी. नं. 3469—यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

स्रायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे धनमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के अबीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से प्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है, तथा जो रामपुरा फूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अबा, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-इ की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती गुरदोव कौर पत्नी श्री अलवेल सिह, वासी रामपुरा, तहसील रामपुरा फूल।

(अन्तरक)

 क्मारी रूपिन्द्र कार सुपृत्री श्री अलवेल सिंह, वासी गांव रामपुरा, तहसील रामपुरा फूल ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)
- 4 कोई भी व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **अजं**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

समस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में विमानवा है।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 4034, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रामपुरा फाल ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख ः 15-10-1982

मोहर 🔅

प्ररूप आर्दः दीः एनःएसः, - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, जालन्धर

जानन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3470--यतः मूक्षे, जे. एल. गिरधर,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मृष्य 25,000/-रज्ञ. से अधिक ही

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो भटिण्डा में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिमत बाजार मूल्य से कम के रक्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रश्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छट्टेश्य से उस्त अन्तरण लिखित मे वास्त्रिक रून से किया स्या है:—

- (क) अन्तरण ये हुई किसी भ्राय की बाबत उपत अधिनियम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के बायरच में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के भिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् क्र-- श्री हरजीत सिंह पुत्र
 श्री निहाल सिंह, वासी भटिंडा।

(अन्तरक)

 श्री राम रखा सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह, वासी एच. नं. 8092, सिरकी बाजार, भटिडा।

(अन्तिरिती)

- 3. जैंगा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 कोई भी व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षेष्ठस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के मंत्रंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन को तारी वा से 45 दिन की धविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी वा से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा।
- (ख) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी प्रत्य स्थावत द्वारा घडोहरताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस सक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 653। दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा ने लिखा है।

> जे. एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजे, जालन्धर

तारीख ः 15-10-1982

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

आयकर आधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयक्त (निरिक्षण) अर्जन रुज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदिश नं. ए. पी. 3471--यतः मुक्ते, जे. एत. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वाक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितयो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बन्धत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मुरिन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री सिहाल सिंह, वासी भटिंडा।

(अन्तरक)

 श्री नत्था सिंह पृत्र
 श्री जोगिन्द्र सिंह, वासी सिरकी बाजार,
 भटिखा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मं लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. कोई भी व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 6530, दिनांक फरवरी, 1982 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के मुधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदंश न. ए. पी. नं. 3472—यतः स्के, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. जैंसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो मकसूद पूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच फरवरी, 1982

को पूर्वा क्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वे क्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; जौर/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

श्रीमती जांगिन्द्र कौर पूत्री
 श्री मिलला सिंह, वासी
 गढ्शकर, जिला होशियार पूर।

(अन्तरक)

 श्रीमती जसवन्त कार पत्नी श्री हरभजन सिंह, वासी ई. पी.-256, सेदा गेट, जालन्धर,
 श्रीमती दलीप कार पत्नी श्री उत्तम सिंह, वागी 305-उधम सिंह नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. कोई भी व्यक्ति, जा सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विष्य न 6960, विनांक फरवरी, 1982 को रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल . गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, जालन्थर

तारीख . 15-10-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रॉज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 15 अक्स्बर 1982

निदंश न . ए पी . नं . 3473 --- यत . म् भे ,

जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि नीचे अनुमूची में लिखा है, तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस फरवरी, 1982

को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयकी बाबत., अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियो को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव्य, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री ग्रमीत सिंह, श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री जगत सिंह, वासी अलीपुर, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मोहिन्द्र कार पत्नी श्रीलक्ष्मण सिंह, वासी अलीप्र, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- कोई भी व्यक्ति, जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

व्यक्षित तथा सम्परित जैसा कि विलख नं . 6708, दिनाक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्देश नं . ए. पी . नं . 3474--यतः म्फं, जे . एतः । गिरधर,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जैमा कि नीचे अनुसूची में लिखा गया है, तथां जो किंगरा में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, जालन्धर में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नार्यास फरवरी, 1982

का 16) के अधीन, तारीख फारवरी, 1982 को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से दृश्यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री करतार सिंह धूमन
पुत्र शंकर शिवग
वासी डब्ल्यू. ई. 364, अली मोहल्ला,
जालन्धर

(अन्तरक)

 श्रीमती मोहिन्द्र कार पत्नी लशमण मिंह वासी अलीप्र, जालन्धर

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं 2 मं लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारोमी अक्षांहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित ह^ग, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति जँमा कि विलेख नं . 6709, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिसा है ।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

नारीख : 15-10-1982

प्ररूप काई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक भायकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिगांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश सं. ए. पी. नं. 3475——यतः सभी, जे. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि आसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मृची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) बन्तरण सं हुर्द किसी आग की शावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (स) एसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री प्रकाश चन्द ल्थरा प्रकाशी राम द्वारा जी. ए. श्रीमति रेखा पत्नी कमल किशोर, वामी 663, माइल टाउन, जालन्थर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती अमरजीत कार पत्नी प्रित्पाल सिंह वासी 165 माइल टाउनन, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि नं 2 में लिमा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मो रुवि रस्ता है। (वह व्यक्ति, जिनके दारों मो अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुचभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 6966, दिनांक फरदरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है ।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंक, जालन्धर

तारीव : 15-10-1982

प्ररूप आई: टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहाय्क आय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्योग नं. ए. पी. नं. 3476—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- है के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्थर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे अवने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन. जिम्नीलिखत व्यक्तियों, सर्थात्:— 13-346 GI/82 श्री प्रकाश चन्द लुथरा प्रत्न कांशी राम द्वारा जनरल एटोरनी श्रीमती रेखा पत्नी कमल किशोर, वासी 663, माडल टाउनन, जालन्थर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमरजीत करि पत्नी त्रिपाल सिंह वासी 165, मोडल टाउजन, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्यख्दौकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 7092, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजे, जालन्धर

ता्रीख : 15-10-1982

मोहर 🖫

प्रस्प बाई० टी० एन० एस०----

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्रोश नं. ए. पी. नं.3477--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

अगैर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची मं लिखा है, तथा जा जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजसीकिरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशान से श्रिष्ठिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक क्य सं किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जबन प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कर्म! करने या उससे बचने में मुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या श्रन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

श्रत: ग्रब, उक्त मित्रियम की घारा 269-न के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निजनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री यशपाल पृत्र वजीर चन्द वासी बस्ती शेख, जालन्धर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिवित्री पुत्री राम स्वरूप और शाम लाल पुत्र कर्मचन्द और राज कुमार पुत्र अमर नाथ और कंवल किशोर पटवारी पुत्र अमर नाथ और श्रीमती वीना कुमारी पुत्री विशन दास, वासी बस्ती शेख, जालन्धर

(भ्रन्सरिती)

- जैसा कि नं 2 मे लिखा है।
 (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को <mark>यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त</mark> सम्पत्ति के धर्जन के लिए **कार्यवाहियां कर**ता हूं।

उक्स सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्रित में हिंग-श्रद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों छा, जो उकत श्रिधितयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है. वहीं भर्ष होगा जो उस श्रष्टयाय पें दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 6716, विनांक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ी]ज, जालन्धर

तारी**व** : 15-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

िनिदोश नं. ए. पी. नं. 3463—स्वतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है, तथा जो मलौट में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलौट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उाचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्वरेशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक हप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री रूर सिंह पृत्र वरयाम सिंह वासी मलौट ।

(अन्तरक)

 गुरसेवक सिंह पूत्र वीर सिंह वासी मलौट ।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- 4. ओ व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि एखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 2480, विनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलौट में लिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3479--यतः मूक्ते, जे. एल. गिरधर,

प्रायकर प्रवित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-चप्य से प्रविक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो तलवण्डी साबो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवण्डी साबों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

ता पूर्णिकत संपत्ति को जीवत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत मंपति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त- धिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत उक्त प्राप्त-नियम के संजीत कर देने के सम्बर्धक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; सौर/या
- (खं) ऐसी किमी भाग या किसी धन या अग्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या बन्त भविनियम, या बनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उनतं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिलिखत ज्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री बलजीत सिंह पुत्र ईन्दर सिंह गांच लालेशाना तहसील तलवण्डी साबा।
- स्कायटी आफ पिलार पंजाब और हरियाणा, मण्डी ड्वर्बाली । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि राखता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके दारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृषांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहीयां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुष किसी जन्म स्थित वृंगरा अथोहस्ताक्षरी के पास किसी किसी किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्जी

सम्पत्ति जमील 15 कनाल, 18 मरले जो तलवण्डी साबों में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं 3326, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलवण्डी साबों में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारी**स**ः 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निविधानं ए. पी. नं 3480---यत म्भी, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा हैं, तथा जो तलवण्डो साबा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवण्डो साबों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1978 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवाफ रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च क्री उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ज्याला सिंह पृत्र वलीप सिंह और गुरजन्त सिंह पृत्र जुगराज सिंह वासी लालेआना तहसील तलवण्डी साबा ।

(भ्रन्तरक)

 सकायटी आफ पिलार, पंजाब और हरियाणा, मण्डी द्ववाली ।

(अन्तरिसी)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति जमील 15 कनाल, 18 मरले जो सलवण्डी साबों मो स्थित है। जैसा कि विलेख नं 3327, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलवण्डी साबों मो लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जासन्धर

तारीख - 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर सिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयंकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्येश नं. ए. पी. नं. 3481--यतः मूक्ते, जे. एल. गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो तलवण्डी साबों में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तलवण्डी साबों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चें पर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वायत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दने के जन्तरक की वायित्य में कभी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922- (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अअ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री तेजा सिंह, गुलबन्त सिंह सुपुत्र जोगिन्द्र सिंह वासी गांव लालेआना, तहसील तलवण्डी साक्षो ।

(अन्तरक)

- सकायटो आफ पिलार पंजाब और हरियाणा, खबवाली मण्डी । (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि राखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इन स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो सक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति जमील 15 कनाल, 18 मरले जो तलवण्डी साबों में स्थित हो। जैसा कि विलेख नं 3328, दिनांक फरवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तलवण्डी साबों में लिखा गया ही।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

तारीख: 15-10-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालम्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तबर 1982

निद्येश नं. ए. पी. नं. 3482--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जैसाकी अनुसूची मों लिखा है, तथा जो कोटकप्रा मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप मो वर्णित है),रिजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट मों जिस्ट्रीकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती मापा देवी पत्नी नानक चन्द द्वारा संस नर ण शास्त्री माकींट काटकप्रा । (श्रन्तरक)
- श्री करतार सिंह पृत्र भाग सिंह वासी गांव बागीकी कला, तहसील तलवण्डी साबु।

(भन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि राखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूसूची

सम्पत्ति जमीन 32 कनाल 32 मरले जो फरीदकोट में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं 4225, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एले. गिरधर सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

मोहर 🥫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

क्यार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तुबर 1982

नियोग नं. ए. पी. नं. 3483---यत. म्भी, जे. एल. गिरधर,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो गांव फरीदकांट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची मूं और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकांट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम क्त्री धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध्—

- श्री दलजीत सिंह पुत्र दिसावर सिंह वासी हरिन्दर नगर, फरीदकाटे ।
- श्रीमती इंकबाल देवी
 विधवा श्री गिरधारी लाल नन्दा
 पुत्र हरनरायण और श्रीमती शशी
 पत्नी देवराज नन्दा
 कांपोरेटेय डा. बी. एस. नन्वा फरीदकांट ।
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विम की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षें कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अमीन 1 कनाल 16 1/4 मरले जो फरीदकांट में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 4406, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीदकांट में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

ता्री**ब**ः 15-10-1982

मोहरः

प्ररूप आहे. टॉ. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्सूबर 1982

निद्येष नं ए.पी.नं. 3484—स्वतः म्भे, जे.एल. गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-ख के अधीक सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अन्मूची मं निला है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इसार उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारील फरवरी 1982

को पूर्वो नित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो नित संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 भि जय दर्गाभटा दाहे पेय राड कोटकप्रा, रमेश कामार पत्र जगदीश राय।

(अन्सरक)

- श्री गुरचरण मिंह निछतर सिंह सप्त्र राम सिंह यामी कोठी मोनिया वाली कोटकपुरा
 - (अन्तरिनी)
- 3. जैंगा कि उत्पर नं. 2 में निस्ता है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्तिं में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्याराः
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

मंपत्ति जमीन 34 कनाल 2 एरले फारीदकोट में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 4441 दिनाक फारयरी 1982 को रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी फारीदकोट में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी प्रसायक ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर ग्रायकर जीतिकाण), अर्जन रोज, जालंधर

तारीच : 15-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - --

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्पाल ग, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश नं ए पी नं 3485—यत म्भी, जं एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिमकी मं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो कोटकप्रा मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विधान है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब फरवरी, 1982

को पूर्वा वत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों वत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- मि. गुरू तेग बहादार भट्टा व्वारा मृखतियार-ए-आभ पुत्र जगरूप सिंह विही पेय राडि काटिकपुरा। (अन्तरक)
- 2. श्री जितन्द्र सिंह, स्रिंश्च सिंह सपृत्र राम सिंह वासी कोठी सोनिया, कोटकप्रा। (अन्तरिसी)
- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति जमीन 34 कनाल 6 मरले जो फरीदकोट में स्थित है। जैमा कि विलेख नं 4440 दिनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता जिथकारी फरीदकांट में लिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीख : 15-10-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निद्योष नं. ए. पी. नं. 3486—स्यतः मूक्ष्के, जे. एल. गिरधर,

ब्रायकर प्रधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर नम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क∙ मे भ्रष्टिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्स्ची में तिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सची में और पूर्ण रूप में विधान है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है मौर पृद्धे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्न, प्रतिशत से धांछक है और मस्तरक (मन्तरकों) भीर मस्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निखित में वास्तविक इप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबम, उनत अग्नियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन गा भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्रमम, या धन-कर भिष्ठित्रमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री अमरनाथ पुत्र मृन्सी राम वासी भटिन्डा। (अन्तरक)
- 2. श्री करतार सिंह, जरनैल सिंह और जगरूप सिंह सपुत्र समपुरन सिंह नजदीक सी. आई. ए., भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रक्षता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षांहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितदद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राह्मेप :---

- (क) क्य स्वता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीखां से 45 दित की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त श्लोती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्तित हारा;
- (ख) इप सूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाटर सम्पत्ति में हिनबड़ कि गो अन्य व्यक्ति द्वारः अभाहरताक्षरी के पास लिक्टित में किए जा सकेंगें।

स्यव्दी हरगः --- इत्रमें त्रयुक्त शब्दों श्रीर वडों का, जी उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी श्रयें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ब्मुस्ची

सम्पत्ति जमीन बी-12, बी-6 जो भटिन्डा में स्थित है जैसा कि फ़िलेल नं 6539 दिनांक फरवरी, 1982 का रिजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरथर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

बतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, बैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निस्निसिख्य व्यक्तिस्थों, अर्थात् ः—

तारीख : 15-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निवरेश नं ए.पी.नं. 3487--यतः मुक्ते, जे.एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं. जैसा कि अन्मूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री भाषा पुत्र हजूर सिंह मुस्तियार-ए-आम दलीप सिंह, बेसराज और औम प्रकाश सप्त्र हजूर सिंह कौमिकल्म मैसर्ज भाषा सिंह दलीप सिंह, गोल्डसमीथ, सदर बाजार, भटिन्डा।

(अन्सरक)

 श्री गियान सिंह, संतोस सिंह सपुत्र आनन्द सिंह, क्लाथ शोप मीहा चौंक भटिन्डा और तरलोचन सिंह प्तर गुरचरण सिंह, टीचर, नैट बगहर नजदीक कोट शामीर, भटिन्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षरेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 6794 दिनांक फरवरी 1982 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिन्डा मे लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 15-10-1982

प्रकृप बाइं.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदंश नं ए पी नं 3488--यत म्फे, जे एल पिरधर

आयकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घिषीन मलम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी स. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र ह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर धन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ध्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त भक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, खिपाने में सविभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीय, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः— भी अर्जंब सिंह और पोला सिह सप्त्र कोर सिंह वासी जोधपुर रमायना, तहसील भटिन्डा।

(अन्तरक)

- 2. श्री राधा स्वामी सत्संग न्यास गांव और पांस्ट आफिस डोरा बाबा जयमल सिंह जिला अमृतसर । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
- (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रसता है।
 (बह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति स्थावतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति जमीन 1000 जैसा कि विलेख नं 6894 दिनाक फारवरी 1982 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया ह[ै]।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जालंधर

तारीख : 15-10-1982

प्रकप जाई। टी। एन। एस।----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदोश नं.ए.पी.नं. 3489~-यतः मुभ्ने, जे.एल.

गिरध;र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बामार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-— श्री उजागर सिंह पुत्र राम सिंह सनगुना बस्ती द्वारा एगेल होयर श्री केहर सिंह पुत्र राम सिंह वासी सन-गुना बस्ती भटिन्छा।

(अन्तरक)

- 2. श्री दिलभजन सिंह पूत्र अरजन सिंह कौ मिकल्स, मैसर्ज ओरनटियल मोटर्स मानासा रोड भटिन्डा । (अन्सरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्दध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त तस्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अथिकता में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकरें।

स्वधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और धदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया नवा है।

नन्स्ची

सम्पत्ति जमीन बी-47--बी-50 जो भटिन्डा में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 6940 दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्री कैर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1982

मो**इ**र ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निबंध नं एः पीः नं 3491---यतः म्फे, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

23,000/ - (7. त जा कर ह क्याँद जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के सश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है •--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ➡ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री भोगा सिंह पृत्र ईप्टिंग्टर सिंह यासी सिरकी बाजार, भटिन्छा ।

(अन्तरक)

 श्री विनाद कुमार पुत्र अमर नाथ और संतोष रानी पत्नी पवन कुमार एडवोकेट भटिन्डा।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जां व्यक्तिं सम्पत्ति में रूपि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस युचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अ्थिक्तयों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुत्तना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधि के नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति 7 जैसा कि विलेख नं . 7052 दिनांक फारवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 15-10-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रांज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तबर 1982

निद्शेष नं ए. पी. नं. 3452—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी 1982

को पूर्वावित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से टन्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री केंद्र सिंह प्त्र भोला सिंह बासी सिरको बाजार, भटिन्डा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सूरिन्द्रा कार पत्नी बलबीर सिंह वासी गंस गार्डन भटिन्डा और सूरश क्मार प्त्र बास् राम वासी भटिन्डा।

(अन्तरिती)

उसा कि उत्पर न. 2 मो लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्धध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 7072 विनांक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख 15-10-1982 मोहर: प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निदश नं. ए. पी. नं. 3453--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपयें से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाका गया प्रतिफल, निम्मीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (स) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्धा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

15-346GI/82

- श्री काशी राम पुत्र लबुराम और देसराज पुत्र करम चन्द द्वारा जनरल अटोरनी डा. एस.डी. जैन पुत्र गिरधारी लाल भैरो बाजार, जालन्धर। (अन्तरक)
- 2. श्री भूपिन्दर पाल मलहोत्रा पुत्र दुर्गा दास, 181 शक्ति नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्रची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 7068 दिनांक फरवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 15-10-82

मोहरुः

प्ररूप आई. € टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिगांक 15 अक्तूबर 1982

निदश नं. ए. पी. नं. 3450--यतः मुक्ते, जे. एल.

गिरधर

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मंति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरम में हुई किमो आय की बाबत खबत ब्राध-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में मुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री निहाल सिंह पुत्र श्री रतन सिंह अध्यापक ओपोजिट फोरट, भटिंडा।

(अन्तरक)

 श्री नत्था सिंह और श्री राम रखा स्पृत्र श्री जोगिन्द्र सिंह नीमवाला चौक सीरकी बाजार, कौमनिस्ट स्ट्रीट भटिन्डा।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिठबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 6548 दिनांक फरवरी 1982 द्वारा रजिस्ट्रीकर्ता भटिन्डा ने लिखा।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 15-10-1982

प्ररूप भाई • टी • एन ॰ एस --

स्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) र झंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निदंश न ए पी न 3496---यत म्भे, जे एल गिरधर,

आ कर प्रशिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक इसक पण्यात 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-का संश्रीषक है,

और जिसकी मं जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जा मक्सूदप्र में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मं विणित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालधर में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ र के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर र का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान प्रक्षिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिक्षा (ग्रन्तरितया) के बीच ऐस ग्रन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रांतफल, निम्नांलखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण निखान में गस्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) प्रश्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, छक्त प्रधानयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में विशा के लिए,

अतः ग्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में तै, उन्त श्रीविनयम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन नम्निनिखित व्यक्तियो श्रथीत्:—— श्री शकर दास सूप्त्र अट्टरा द्वारा जनरल अटोरनी जोगिन्द्र पाल वासी बलन्दप्र, जालन्धर।

(अन्तरक)

- श्रीमती रनबीर कार पत्नी चनन सिह, जसबीर कार पत्नी केवल सिह, सतवन्त कार पत्नी हरबन्स सिह वासी बोदीपुर तहसील नकोदर, हजीजन्द्र कार पत्नी केवल सिह वासी गाव समीन पुर तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर न 2 म लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के रिलए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति रुग्रजीन के सबध स. कोई भी ग्राक्षा :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितब के किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पद्धिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त ग्रिधिनियम क ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 7232 दिनाक फरवरी 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारी**स** 4-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

नायकार निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्यु 269-न (1) के नधीन तुमना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्धर 1982

निक्श नं. ए. पी. नं. 3495--यतः मुभ्ने, जे. एल. गिरधर,

वायकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कों इसको परधात 'उकत विधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को विधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से मिष्क हैं

और जिसको सं जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा गया है तथा जो वीरआना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार यून्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिन्तित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने मा सुविधा के निष्; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी जाय, या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिमिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्द्रिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

मुद्धः जुब उच्छ अधिनियम की भारा 269-म के अनुस्रण मों, में उक्त जीभिनियम की भारा 269-म की उपभाग (1) में बभीप, निम्मसिक्ति व्यक्तियों, मुर्भुत् ह— मोहर: 1. श्री मंगु राम सुपूत्र भोला राम वासी माडल टाउन्न जालन्थर।

(अन्तरक)

2. मैंसर्ज जय भारत ट्रेडिंग कम्पनी राईस मिल्ज कपूर-थला द्वारा श्री बुआ दिता।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को सह सूचना चाड़ी कड़के पूर्वांक्त सम्मृत्ति के अर्जन के हिस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्तृत्वि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विभ की जनिध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यविध, को भी नविभ नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (व) इस सूचना के राज्यम में प्रकासन की वारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षड़ी के बाद लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, वो उक्त अधिनियम, के कृष्णाय 20-क में पृष्टिशाष्ट्रित हैं, नहीं नर्भ होगा जो उस कृष्णाय में दिया मना हैं।

श्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 7273 दिनांक फर्विरी 1982 को रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे. एता. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1982

प्रकृष नार्डं.टी.एन.एस.---

जायकर प्रजिमियम् 1961 (1961 का 43) की बारा 269न (1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 4 नवम्बर 1982

निविश नं. ए. पी. नं. 3497—यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

स्रायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत सिंधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अग्रेत सम्रत प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- वपए से समिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा है, तथा जो वरजाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूस्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित को गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूस्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरम के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्तित इहेश्य से उक्त बन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया का है:---

- (क) प्रश्तरण ने हुई किसी खाब की बाबत, उक्त धर्मिश्यम के ग्रंबान कर वैने के घन्तरक के बाविश्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए और/या;
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रकितियम, यो धन-कर प्रजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः वदः उत्तर श्रविनियम की बाण 209-ग के श्रवृत्तरण में, में, उत्तर श्रविनियम की बारः 209-म की उपवाश (1) के मुभीत निम्मुलिखित स्वित्यों, सुभूतिः— श्री मंगू राम सुपुत्र
 श्री भोला राम, वासी माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

 मेंसर्ज रामा कृष्णा ट्रोडिंग कम्पनी राईस मिल्ज, सूरानस्सी जी. टी. रांड, जालन्धर।

(अन्तरि**ती**)

- 3. जैसा उज्परांक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हों।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारं में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के ग्राप्टन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कार्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेंप :-

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 सिखित में किएजा सर्जेंगे।

स्वच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त कन्यों घोर पर्वो का। जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 6846, विनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1982

मोहरू 🖫

भाषाञ्चा हो तन गम - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज. जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निद्देश न ए पी न 3498—यत मुभे, जे एल निर्धर, आयलर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्मं परिकात अकत अधिनयम कहा गया है), की धारा १६०-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, सह विद्वास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य प्राणित निर्मा जैसा कि नीधे अनुसूची में लिखा है, तथा जो मक्सद पर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर स्प व वर्षित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर स्प व वर्षित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर स्प व वर्षित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर स्प व वर्षित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर का वर्षित है (अपनेत सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रवास्त के विद्या अनुसूच्य की पूर्व कर की प्रस्तित के प्रवास करने स्थित सम्पत्ति के उच्चता बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रवास्त की व्यास्त की प्रवास करने स्था करने स्था विकास की प्रवास करने स्था करने स्था करने स्था करने स्था विकास की प्रवास करने स्था करने स्था करने स्था विकास की प्रवास करने स्था करने

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मला उस के श्रिमान प्रतिफल का पन्दर प्रतिकार में अन्तर है और अन्तरक (अनरको) और अनिरित्त (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिहत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आर्'-तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:-

- (क) अरारण से हार्र किसी आय की बाबस, उक्त अधिरियम के अधीर कर दोने के सत्थारक के निहें , १० क उसस अचने में सुविधा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो धन है जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 के प्राप्ति के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मिलिस्टित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री शंकर दास सूपृत्र श्री अतरा द्वारा जनरल अटारेनी श्री जोगिन्द्र पाल, वासी गाव बुलन्दपुर, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2 श्री राम चन्द चोपडा स्प्त्र श्री अधरू राम, श्रीमती नीलम कटियाल पत्नी श्री रवी कटियाल, श्री अनिल कुमार स्प्त्र श्री राम चन्द, वासी जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा उपराक्तन 2 म लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगः में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति म रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबब्ध है)

का यह भूचना अगो कण्य प्रवाचिन सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस नुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस पूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वकिरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 7147, दिनाक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील · 4-11-1982 मोहर

प्ररूप आहूर टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जम रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निविधानं . ए. पी. नं . 3499---यतः म्फे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित टाजार मूल्य 25,000/- रुप्तम् से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि नीचे अन्स्ची में लिखा है, तथा जो मक्सूद प्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यात्य, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1982

को पर्विवन सपित्य को उचित बाजार मल्य से काम के व्हयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विहवास धरने का कारण है कि प्रथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मन्द्र, नगके नगमान निर्माल में, एस ह दमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती 'अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत ज़क्स अधि-नियम के अधीत कार दाने के अत्तरक के दाकित्य के कारी करने का उससे बचने में स्विधा के लिये और/था
- (स) पासी जिसी आप या किसी पास पा पर या आस्तिय को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 को 11) या उपत अधिनियम पास्तिय किसी विश्व के अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वित्या के लिए;

अतः अभः, अकः र्लायनियमः, हो पारा १६०-म के स्टबरण भो, मी, उक्त अधिनियम को धारा १६९-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री शंकर दास स्पृत्र
 श्री अतरा द्वारा जनरल अटोरनी श्री जोगिन्द्र पाल, वासी गांव बलन्दपर, तहसील जनस्थर।

(अन्तरक)

2. श्री जगतार मिह,
श्री जितन्द मिह स्पृत्र
श्री जितन्द मिह स्पृत्र
श्री जलवन्ती सिंह, नासी जन्ना,
फौजा मिह, नहसील नकोदर,
श्री जसजीत सिह सपत्र
श्री सोहन सिह, वासी
दिलवां, तहसील कपरथला,
श्री जसपाल सिह,
श्री जसवीर सिह,
श्री जसवीर सिह,
श्री तरलोक सिह, नासी
वल्ला जोश सिह, नासी
वल्ला जोश सिह, नहसील नकोदर,
श्री परमजीत सिह सपत्र
किल्ला दगाल सिह वेदी, नासी
कल्ला गली, भारीवाल।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा त्यापरिस्त नं १ मी निकार सी। (बह द्यक्ति, जिन्मले अभिरोध की महासीत ही)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति के राचि रस्ता हों।
 (बह व्यक्ति, जिसके बारों के अधे जाना है कि तह सम्पत्ति को जिन्नवध है)

क्षो <mark>यह सम्बना जारी करके</mark> पर्वोवत सम्पत्ति हो। हर्ना के जिल्हा लिए कार्यवाहियां करता हो।

पक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोही भी गाओं :---

- (क) इस सचना के राज्यात में प्रकाशन की पार्गाश से 45 दिन की अवधि या तल्मानाशी व्यक्तियों कर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त दोती हो के धीतर प्रलेखिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाप
- (क) इस स्थान के राजपण को प्रकार की पाणीय में 45 दिन के भीतर ज्वल स्थानर मामहित को विश्वनहथ किसी क्रम्य व्यक्तिह दशाया लागोनक्ष्माक्षरी में प्रकार सिक्ति में किए रा सकींगे ह

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पत्नी का, जो जबत जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो एम प्रशास में दिशा गया है।

अनुसूची

ब्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि चिलेन रा. 7256, दिशांक फरवरी, 1982 की रिजरिंगिक्ती अधिकार., क्रक्रिश्च से जिसा है।

जः एल गिरधाः सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायक्त (गिरीक्षण) अर्जग रंज, जालन्धर

तारीख : 4-11-1982

प्ररूप नाईं. टी. एन. एस.

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 नवम्बर 1982

निद्येश नं. ए. पी. नः 3500--यतः म्फे,

जे. एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि नीचे अनुसूची में लिला है, तथा जो मक्सूद पूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से विधिक है और बन्तरक (बन्तरकार) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आव या किसी धन वा अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जनः जब. उक्त अधिमियम, की भाग 269-ग के अनुसरण हों, हों, उक्रम अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, नर्जात् :--- श्री शंकर दास सुपृत्र
 श्री अतरा द्वारा जनरल अटोरनी
 श्री जोगिन्द्र पाल, वासी
 गांव ब्लन्दप्र, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

श्री राकेश क्मार,
 श्री विजय क्मार स्पृत्र
 श्री भीमसैन,
 श्रीमती कमलेश पत्नी
 श्री माधवा नन्द, वासी
 मकान नं 14/1, मोहल्ला नं 7,
 जालन्थर छावनी,
 श्रीमती सरोज क्मारी पत्नी
 श्री सुरेश क्मार, वासी
 मकान नं 24, मोहल्ला नं 7,
 जालन्थर छावनी।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा उत्पराक्ति नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हों।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)
 को यह स्चना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के वर्जन के निए
 कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी च से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवस्थ किसी बन्ध व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास निक्त में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अधि होगा, जो उत अध्याय में विया गया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 7112, दिनांक फरवरी, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 4-11-1982

प्ररूप धाई • टी > एव • एस • -

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ(1) के ग्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 4 नवम्बर 1982

निवश नं ए. पी न 3501--यन सके, जे. एल. गिरधर,

आवकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीय वक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० स

और जिसकी मं जैसा कि नीचे अनुमृत्ती में लिला गया है, तथा जो मोगा में स्थित हैं (और इससे उपाद्यक्ष अनम्ची में और भूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण ह जिए, तय पाया गया प्रतिफत विस्वलिश्वत उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण में बुर्ड किसी आय की बाबत उक्त श्रक्षि-नियम के श्रधीन कर उने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसी वचर में प्रतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घत या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आपकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधितियम, या धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती हो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहए था, छिवाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--16--346G1/82

श्रीमती मोहिंद्र कार पत्नी
 श्री तरलोचन सिंह, वासी
 जी टी. रोड, मोगा।

(अन्तरक)

 श्री बलबीर सिंह भोगल सपृत्र श्री गुरबचन सिंह, वासी जी टी. रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

- उनैसा उज्यरोक्त न . 2 मो लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रुवता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यत्र म्**च**ना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **पर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनन सम्मति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस प्रवता के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुवना की नामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्र किमी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास विख्ति में किए जा मर्केंगे।

स्वष्टीकरण :-- इनमें प्रयुक्त जच्दा घीर बदो का, जो सक्त प्रधितियम के घण्याय 20-क में परिभाषित ै, वहां श्रवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 7690, विनाक फरवरी, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मोगा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 4-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोषाल दिनांक 29 सिनम्बर 1982

निर्देश सं० फ्राइ० ए० सः०/फ्रर्जन/भोषाल/3007---फ्रानः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

यीर जिनकी में क्या भूमि खसरा नम्बर 200 है, तथा जो ग्राम लालबाग, तहु बुरहानपुर, में स्थित है (श्रीर इसमें उपबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रेलि ती श्रीधि हारी के कार्यालय बुरहानपुर में रिकस्ट्रेलि श्रीहियम. 1908 (1908 का 16) के प्रधान, 18 फरवरी 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उव्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हुकुम गिह् बल्द दौलतिसह ठाकुर निवासी----गाहबाजार नगर तहसील श्रीर पोस्ट बुरहानपुर जिला पूर्व निमाड।

(ग्रन्तरक)

2) गांधानगर को-म्रापरेटिव हाऊसिंग सोसायर्ट, लिल वहादुरपुर रोड, ब्रहानपुर द्वारा मध्यक्ष भछभाडी चन्दुभाई पटेल चौक बाजार ब्रहानपुर। (भन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनिय को के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि खसरा नम्बर 200, ग्राम लालबाग ब्रहानपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टीं० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 29-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षत्न, भोपाल

भागाल, दि ाक 27 सितम्बर 1982

निर्देश स० प्राई० ए० सं(०/ग्रर्जन/भोपाल/3008--ग्रन. म्से देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी स० मकान नं० 6.559 है, तथा जो देवाम रोड उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूर्चा में में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता क्रिधिकारी के उन्नर्यातय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीय रण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20 फरवरी 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्रा गुलाबचन्द पिता बापूलालज. महाजन निवासी क् दणहरा मैदान उज्जैन (म० प्र०)

(স্থাক্র

(2) श्रीमता राजभनी पत्नी श्री हजार लालजी अरोग निवासी-भिन्ड (म०प्र०)

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता भाग मकान नम्बर 6:559 का भाग, ब्लाक नम्बर 12 का भाग देवास रोड उउजैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेन्ज, भोषाल गगोबा विल्डिंग, चौथा मन्जिल, ट०टा० नगर भोषाल

नार_ीख: 27-9-1982

महिर:

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ उए 009---ग्रसः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या महान नम्बर 6:559 है, तथा जो देवास रोड, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूर्व। म श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20 फरवरी 1982

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रा गुलावचन्द पिता बापूलालर्जा महाजन निवासी दशहरा मैदान, उज्जैन (म० प्र०)।

(ग्रन्तरक)

- (1) डा० भालचंद्र पिता माधवरावजं। शिन्दे
- (2) मौ॰ रीटा (अन्दे पत्न) डा॰ भालवंद्र निवासी-महाकाल मार्ग, उज्जैन (म०प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र, में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्ष किसी बन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दोका, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनसची

एक किता भाग मकान नम्बर 6:559 का एक भाग ब्लाक नम्बर 12 का भाग देवास रोड, उज्जैन में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेन्ज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण \vec{r} , \vec{r} , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारंखाः 27-9-1982

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनांक 27 मितम्बर 1982

निर्देश स० फ्राई० ए० मो०/फ्रजन/भोपाल/3010--फ्रत मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसका संख्या मकान नम्बर 248, एंब वी डी। एलाट नंम्बर 882 शीट नं० 256 कार्पोरेशन प्लाट नं० है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रें विणित है), राजिस्ट्रीक्चा अधिकारी वे कार्यालय, जबलपुर में, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 19 फरवर। 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रा ए० के० श्रीवास्तव स्नात्मज स्व० गोबिन्द प्रसाद श्रीवास्तव निवास। —नेपियर टाउन, जबलपुर (म०प्र०)।

(अन्तरक)

(2) श्री महिषि इन्सटल्टयूट फ्राफ क्रियेटिव इंटेलीजेस एम० प्राई० सी० प्राई० 1 राम निवास ब्यौहार वाग जबलपुर द्वारा श्री प्रो० पी० तिवारी प्रात्मक स्व० श्री एन० पी० तिवारी सक्रेटरी एम० ग्राई० सी० ग्राई० जबलपुर० (म० प्र०) (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पा**स** किये जा सकेंगे।

अनुसूची

श्राधा हिस्सा मकान नंस्वर 248 ए एवं बी डी प्लाट नंस्वर 882 शीट नंबर 256 कार्पोरेशन प्लाट नंस्वर 17/1, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नंस्वर 37 जी में नाहित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरिक्षिण) अर्जन रेन्ज, भोपाल) गंगोर्ज्ञ. बिल्डिंग, चौथा मन्जिल, टी० र्ट० नगर, भोपाल

तारीख: 27-9-1982

मोहर .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3011---ग्रत मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या नं० 439/1 है, तथा जो जवाहर नगर वार्ड रायपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 25 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री कांतिलाल पिता रूढ़ाभाई सावरिया निवासी नाहरपारा, रायपुर (म० प्र०) ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विषिन भाई पिता नाथूभाई पटेल निवासी— रामसागरपारा, रायपुर (म०प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एक किता खुला प्लाट खसरा नम्त्रर 439/1 का भाग रकबा 10,361-12 वर्ग फुट वाके जवाहर नगर वार्ड, रायपुर (म० प्र०) में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 4-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3012--ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या नं० 439/1 है, तथा जो जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 25 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रंयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया ग्या हैं:——

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) श्री कांतिलाल पिता रूढ़ाभाई सावरिया निवासी— नाहरपारा, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जीतूभाई पिता नाथूभाई पटेल निवासी— चन्द्रावती कालोनी, रायप्र।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता खुला प्लाट खसरा नम्बर 439/1 का भाग रकबा 10304 वर्गफुट जवाहर नगर वार्ड, रायपुर में स्थित हैं।

> गगात्रा बाल्डग, चाथा मान्जल, दी०टी० नगर, भोपाल

तारीख: 4-10-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 श्रक्तुबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3013—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 18 है, तथा जो मी सेक्टर. इन्द्रपुरी, भोपाल, में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 15 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिष्क रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री जुल्फकार हुसैन पुत्र मोहम्मद हुसैन
- (2) श्रबुल हुसैन पुत्र हकीम फजल हुसैन नियासी अर्लागंज भोपाल।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बृजमोहन गुप्ता प्त्न टीकारामजी निवासी— इतवारा भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस ची

एक किता प्लाट नम्बर 18 सी सेक्टर, रन्द्रपृरी भोषाल मे स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 6-10-1982

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 श्रक्त्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/314---ग्रतः मुझे वेबप्रिय पन्तः,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित बाजार मूल्ब 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या खसरा नं० 116/3, 116/4, 116/5 है तथा जो तेलीबंधा, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इसस उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रविक्त है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से इट्टर किसी जाम की बाबत, उन्तर जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के निए; बीर/बा
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्रीमती मंगलादेवी पत्नी नागरदास बाबारिया पंचामील नगर, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सचानंद पुष्न सरदारामल वाधवानी तेजीबंधा, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य अपनित ब्वारा, जभोहेस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और वर्षों का, ओ उक्त अधिनयम, के अध्याव 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया कसाहै।

अनुसूची

भूमि—हिस्सा खसरा नम्बर 116/3, 116/4, $^{1}116/5$ एरिय।-0.162 हैक्टेयर पी० सी० नं० 113, तेलीबंधा, रायपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रन्ज, भोपाल) गंगोती बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, ंटी० टी० नगर, भोपाल

सारीग : 6-10-1982

प्ररूप आहरै. टी. एन एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रार्जन क्षेत्र, भोपल भोपाल, दिनांक 6 प्राकृत्वर 1982 नेर्हेण सं प्रार्कित एक सीक्षणियाल/ 3015-

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजैन/भोपाल/ 3015—-

ग्रतः मुझे, दवप्रिय पन्त,

भायकर जिमिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सप्रित जिमका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या खसरा नम्बर 116/3, 116/4, 116/5 है, तथा जो तेलीबंधा, रायपुर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्सी भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के ग्रधीम 25 फरवरी 1982

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित आजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंवह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नसिचित उद्देश्य से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

भ्रतः भव, उवत ग्रधिनियम, की धारा 269-घ के ग्रन्सरण मों, भौं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मंगला देवी पत्नी नागरदास ब्रहारिया, निवासी—पंचशील नगर, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सदोरमल पुत्र सायलदास वाधवानी निवासी— तेलीबंधा, रायपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि—हिस्सा खसरा नं० 116/3, 116/4, 116/5 पी० सी० नं० 113, तेलीबंधा रायपुर में स्थित हैं।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिन्डिंग, चौथी मन्जिल, दी० टी० नगर, भोपाल

तारीच : 6-10-1982

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.---

व्यथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 ग्रक्तूबर 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3016—प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं 104/1 है तथा जो सदर बाजार, बिलासपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कह निम्नलिकित उद्ववेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, स्यीक्तयों अर्थात्:——

(1) श्री एच० यू० एफ० फर्म गणेशराम फर्तेचंद मोर तुमसर द्वारा कर्ताश्री रामनारायण वत्य फर्तेचंद मोर नुमसर प्रह० जिला भंडारा द्वारा मु० खास वेकटेश गाश्रीदिया वत्द नथमल गाडोदिया सा० सवर बाजार बिलासपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रानंद कुमार गाडोदिया वल्द श्री सथमल गाडोदिया निवासी सवरकाजार, किलासपुर (म०प्र०)।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हिसबब्ध किसी उत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नगुसूची

मकान प्लाट नम्बर 104/1 नजूल शीट नम्बर 26, सदर बाजार बिलासपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोझी बिल्डिंग, भौषी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 6-10-1982

मोद्वर:

प्ररूप आई० टी • एन • एम ० ----

जायकर प्रवित्यम_। 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीत सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 प्रक्तूबर 1982

निदेश सं० आई० ए० सी०/म्रजैन/भोपाल/3017---मतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 104/3 है, तथा जो मोहल्ला सदर बाजार, बिलासपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिक्षकारी के कार्यालय, बिलासपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12 फरवरी 1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिवत से प्रक्षित है और प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्लालिशन उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कवित नहीं किया गया है ।——

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी आप की बाबत उकत अधिनियण के प्रणीत कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या चससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के सिए।

नतः जन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को जभीन, निकासिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एच० यू० एफ० फर्म-गणेशराम फर्तेचंद मौरतु-मसर द्वारा कर्त्ता श्री रामनारायण वल्द फर्तेचंद मोर सा० तुमसर तह० व जिला भंडारा द्वारा मुख्य खास वेकेंटेश गाडोदिया वल्द श्री नथमल गाडोदिया नि० सदर बाजार बिलासपुर :

(स्रन्तरक)

(2) श्री जुगलिकशोर गाडोदिया व नथमल गाडोदिया निवासी सदर बाजार, बिलासपुर (म० प्र०) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि मां तक्क व्यापी व्यक्तियों पर सूचना की तामील हे 30 दिन की भवित, जो भी श्रविष माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इन सूबना के राज्यत्त्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रधुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ननुसूची

मकान जो प्लाट नम्बर 104/3 नजूल शीट नम्बर 26 सदर बाजार बिलासपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पस्त सक्षम प्राधिकारी सक्षायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेस्ज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

नारीख: 6-10-198

प्रक्य नाइ _दी. एत. एव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सृच्ना

प्राप्त चुडुकाड

कार्यालय, सहायक अायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1982]

निदेश सं० म्राई० ए० सी० /म्रजंन/भोपाल 3018--म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी मंख्या प्लाट है, तथा जो गंजपारा, दुर्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अजिलेरा के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 24 फरवरी 1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्तिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, कियाने में सृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री घनश्यामदास रूगटा निवासी-गंजपारा दुर्ग।

(धन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्रकुमार पुस्न श्री बजरंगलाल रूगटा, निवासी—गंजपारा, दुर्ग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 1900 स्के० फीट, स्टेट बैंक भ्राफ इंडिया के सामने गंजपारा दुर्ग में स्थित हैं तथा निर्मित भाग ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारी**वा**: 7-10-1982

शुरूप नाइ. टी. एन. एस

भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जेन/भोपाल/3019—म्रतः मुझे देविप्रियय पन्त,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या प्ला है, तथा जो गंजपारा, वुर्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रसूनुची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीक ग्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 24 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उभस, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बौट्र/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यां धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त् जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमत्ती कमला देवी पत्नी श्री धनश्यामदास रूगटा, निवासी—गंजपारा, दुर्ग।

(धन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र बजरंगलाल रूगटा निवासी-गंजपारा, दुर्ग ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बूर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्कतिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

प्लाट 1985 स्के० फीट स्टेट बैंक श्राफ इंडिया के सामने, गंजपारा, दुर्ग में स्थित है तथा निर्मित क्षेत्र ।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्रधाकारी महायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारी**व**: 7-10-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 अन्तूबर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3020---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धार 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी संख्या प्लाट है, तथा जो गंजपारा, दुर्ग में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्वरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 24 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कमलादेवी पत्नी धनश्यामदास रूगटा निवासी—गंजपारा, दुर्ग। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री योगेन्द्रकुमार पुत श्री बजरगलाल क्ष्मटा निवासी-गंजपारा, दुर्ग ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजएत मे प्रकाशन की तारोब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

प्लाट 1900 स्के० फीट स्टेट बैंक श्राफ इंडिया के सामने, गंजपारा, दुर्ग में स्थित है तथा निर्मित क्षेत्र।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 7-10-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

का**प** लिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1982

निवेश सं० घाई० ए० सी०/घ्रर्जन/भीपाल/3021—-घतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. में अधिक हैं

स्रौर जिसकी संख्या म० नं० 2176 का भाग है, तथा जो राईट टाऊन वार्ड, जबलपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रमुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 25 फरवरी 1982।

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिक्त के लिए जन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और जन्तरक (अंतरको) और अंतरिती) (जन्तिरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क का निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से करिशत नहीं किया गया है:—

- (ंक) जन्तरण से हुः किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त जिमिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त स्थिनियमों जर्थातुः--

(1) श्रीमती रामप्यारीबाई नन्होरिया पत्नी श्री स्व० डा० बल्लभदास नन्होरिया निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीकृष्ण पिता नारायणदास गुप्ता निवासी--हनुमानताल 489 जबलपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिव्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकोंगें।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मं० नं० 2176 का भाग प्लाट नं० 7 डांग्र० प्लाट नं० 81 राईट टाऊन वार्ड जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी०टी० नगर, भोपाल

तारी**ख**: 14-10-1982

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3022—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- रहे. सं आधिक हैं
श्रीर जिसकी संख्या मं नं 2176 का भाग है, तथा जो
राइट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण से रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा
श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25 फरवरी 1982।
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयमान
श्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मस्या, उसके दूरयमान श्रतिफल से, एसे दूरयमान श्रतिफल का

- प्रांतफल के लिए अतारत की गई है और मुक्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है:—
 - (भ) अंतरण से हुर्फ किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निष्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् ≟—— 18-346GI/82

(1) श्रीमती रामप्यारी नन्होरिमा पत्नी स्व० डा० हरी बल्लभदास नन्होरिया निवासी—नेपियर टाउन, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार पिता स्व० बलीराम गुप्ता निवासी 19 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्युष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 2176 का भाग नम्बर 7 डाय० प्लाट नं० 81, एरिया 3750 वर्गेफुट राईट टाउन वार्ड, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक बायक र आयुक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 14-10-1982

प्रक्ष भाई। टी। एन। एस।

भायकर ग्रेखिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रेघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/3023--- ग्रतः मझे, देवप्रिय पन्त, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख के प्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 1418/1419 है, तथा जो ग्राम हाथीताल, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध **ध्र**नुमूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 10 फरवरी 1982। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इपयमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीका समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पग्द्रह प्रतिगत अधिक है और **भ्रत्तर**क (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पम्लरण के निए तथ पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ता) ऐसी किमी आय या किसी घत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, म, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुसिखित व्युक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री सरदार नद सिंह पुन्न सरदार ठाकुर दास निवासी-हाथीताल मदन महल, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) श्री रगधर सिंह पुत्र सरदार जोगेन्दर सिंह निवासी मकान नम्बर 1418 एवं 1419 हाथीताल, जबलपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के सर्जे के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्राधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही गर्म होगा, जो उस ग्राध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

मकान नम्बर 1418, 1419 ग्राम हापीताल, जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 18-10-1982

मोहर

प्ररूप आर्द.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कामलिय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3024---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से धिधक है

ग्रीर जिसकी सख्या भूखण्ड नम्बर 132, 89 है, तथा जो खिडिकया, तह० हरदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, हरदा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 3 फरवरी 1982।

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखत व्यक्तियों, अधीत :---

(1) 1. फातिमा वी० वि० भ्रब्दुला भाई 2. मों० हुसेन 3 ताहिर भाई 4. श्रख्तर हुसेन उर्फ श्रख्तर भाई 5. मों० भाई उर्फ मोहेइज भाई 6. शवीर भाई 7. श्रब्बास भाई 8. इस्ताक भाई उर्फ श्रशफाक हुसेन 9. श्रीमती हुसेना बाई व श्रीमती समीनाबाई ग्रात्मज श्रब्दुला भाई प्रोपायटर मेसर्स श्रब्दुला भाई फिदाभ्रली जीनिंग एण्ड प्रोसिंग फेक्टरी बुरहानपुर व खिरकिया नि० फिदाभ्रली बिल्डिंग 18 प्रिन्टर्स स्टैट बंम्बई 2 महाराष्ट्र।

द्वारा मु० श्राम श्री मुमताज भाई वल्द श्रकबर ग्रली बोहरा बुरहानपुर वो खिरिकया हाल हरदा तह० हरदा।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. सुरेश कुमार 2. रमेश कुमार 3. सतीश कुमार 4. सुशीला देवी पत्नी ईश्वर दास 5. निर्मला-देवी पत्नी राजेन्द्र सिंह 6. श्रीमला देवी पत्नी चैनसिंह मोदी 7. ज्योत्सना देवी पत्नी विजय दुरड़ा 8. प्रेम कुमारी देवी विधवा भीकमचंद जैन जलगांव पू० खा० श्रात्मजा सेठक भीकमचंदजी जैन प्रा० न्यू इन्डिया श्राहल मिल्स एंड जिनिंग फेक्टरी, जलगांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति मों किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूखण्ड नंबर 132 तथा 89 की भूमि का भाग जो कि अन्तरितियों द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार श्रब्दुला भाई फिदा श्रली जिनिंग फैंक्ट्री, खिड़किया, तह० हरदा के हाते में स्थित हैं, उस पर समस्त निर्मित क्षेत्र, कुन्ना, बायलर व इंजन रूम, जिनिंग भोड़ गोदाम, कार्यालय, इमारत, लेबर क्वार्टस तथा भूमि पर निर्मित श्रन्य कमरे । इमारत, मगीन, वाटर पम्प, टैक, उप करण इत्यादि जैसा कि श्रन्तरितियों द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी० में विणित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालम, सहायक भ्रायकर भ्रामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3025—ग्रतः मुझे देवत्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या बं किया 270 है, तथा 271 है, तथा जो सोना सांवरी, होशंगाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, होशंगाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रति फन के लिए प्रन्तित को गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित नशी किया यया है :-..

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रास्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हर अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उनतं अधिनियमं की धारा 269-मं के प्रतुसरण में, में, इस अधिनियमं की घारा 269-थं की उपधारा (1) के बधीन निस्निल्चित् व्यक्तित्यों, व्यथितः---

- (1) श्रीमती सुदामाबाई जोजे श्री हरप्रसाद वार्य निवासी—रामगढ़ इटारसी तह० व जिला होशंगाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री सत्यपाल सिंह ना० बा० वल्द श्री करतार सिंह निवासी—मदनमहल जबलपुर 1303 प्रेमनगर तह० व जिला जबलपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध मा तस्त्रंतंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, यो भी अविध बाद में सनाचा होती हो, के बीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की वारीख से 45, दिन के भीतर छन्छ स्वावर सम्पर्शि में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

नन्स्वी

भूमि खं० नं० 270 तथा 271 जिसका विवरण फार्म नम्बर 37 जी में दिया गया हैं सोना सांबरी तह० व जिला होशंगाबाद में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी॰ टी॰ नगर,

तारी**च**: 14-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. --

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/30 26—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या खसरा नम्बर 109 है, तथा जो महरागांव जिला होशगांबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, होशगाबाद मे, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 24 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बायुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करूने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बौर्ट/या
- (हा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

भतः अव, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिसित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- (1) श्री रतनलाल बल्द किशनलाल सोनी निवासी— सूरजगंज इटारसी तह० व जिला होशंगाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती जिज्जा बाई जोजे श्री कृष्ण दुबे
 2. चन्द्र प्रकाश 3. मदनलाल दोनों वल्द श्री कृष्ण
 दुबे 4. श्रनिल कुमार 5. सुनिल कुमार दोनों
 ना० वा० वल्द श्री कृष्ण दुबे वली श्रीमती जिज्जा
 बाई जोजे श्री कृष्ण दुबे निवासी—कोठी बाजार
 होशंगाबाद तह० व जिला होशंगाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यिक्तयों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में स िकसी ब्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि व खा० नं० 109 पर बना पक्का मकान जिसका विवरण फार्म नम्बर 37 जी में सिवस्तार दिया हुआ हैं। मौजा महरागाव तह० व जिला होशागाबाद म स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मजिन्ल, टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख : 14-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3027—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नंम्बर 5, मकान नं० 17 है, तथा जो साउथ तकोगंज इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के श्रार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 6 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिबित स्यमित्मों, भृषात् धारा (1) श्रीमती रज्जीबाई पत्नी प्रकांध चन्द्रजी जैन निवासी 2/3 न्यू पलासिया इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मानकलाल पिता चाँदमलजी नाहर निवासी--नार्थ राज मोहल्ला, इदौर।

(मन्तरिती)

क्ये यह स्वाना भारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सिए कार्यनाहियां शुरू कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त किश्वित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 5, मकान नम्बर 17, साउथ तुकोगंज इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मन्जिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1982

प्ररूप भाई० टी० एन• एस•---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

धारत परकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोंक 16 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3028—म्नतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रशिषकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या प्लाट नंम्बर एम०-294 है, तथा जो सातीवाला टेंक, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1 फरवरी

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- चन्न निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिबक एस से किथान नहीं किया गया है:~~

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या **एससे** अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किमी भाय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

पन: प्रज, उन्त प्रधिनियम की बारा 269-च के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शंकरलाल पिता लोहरेरामजी श्रग्नवाल निवासी-94 प्रकाश नगर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इंद्रकुमार पिता कुवतमल निवासी-साउथ राज मोहल्ला, मकान न० 99 इंदौर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनक सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए या सकेंगे।

अनुसुची

प्लाट नम्बर एम० 294 खातीवाला टेंक इंदौर में स्थित हैं।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3029—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षंम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 84 है, तथा जो पलसीकर कालोनी इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 23 फरवरी 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री हरभजन सिंह पिता श्रमरीण सिंह जी
- (2) निहाल देवी पति ग्रमरीष सिंह जी निबासी— पलसीकर कालोनी, इंदौर।

(म्रन्तरक)

2. श्री प्रकाश चंद्र पिता काशीरामजी नियासी— मकान नम्बर 90 जूनी कसेरा बाखाल, इंदौर (म०प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 84 पलासीकर कालोनो, इंदौर, में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी ! मन्जिल, टी० टी० नगर,भोपाल

तारीख•ः 16-10-1982

प्ररूप भाई० टी• एन•एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 को 43) की धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3030—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इसमें से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या म्यूनिसपल नम्बर 16/1 है, तथा जो रेस कोर्स रोड़ इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24 फरवरी 1982 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिगत से यधिक है श्रीर ग्रन्तर (अन्तरकों) श्रीर मन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित वास्विक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसो श्राय की बाबन, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रन्य आस्तिभी को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

मतः मस, उक्त गिंधनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——
19—346 GI/82

(1) डा॰ दशरथसिंह पुत्र राम सिंह जी निवासी— साउथ तुकोगंज, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुषमा कुनवर पत्नी श्री ग्रशोक कुमार विश्रस, निवासी—16/1 रेस कोर्स रोड़, इंदौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्यति के स्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी स्राक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन नुवता के राजरत में तकायन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है '

वन्स्ची

म्युनिसपल नम्बर 16/1 का भाग रेसकोर्स रोड़, इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोस्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 18-10-1982

प्ररूप बाई .टी एन एस .---

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3031/— श्रन: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

त्रीं जिसकी संख्या भूमि खं नं 137/2 है, तथा जो लगांत्र वाको नं 3, सननर्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप सं विणित है), रिजिट्टीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, सतना में, रिजिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी 1982। को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिक्षित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क अधिनिध्न के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उत्पत्ते अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रविजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से स्विधा की लिए।

कर: अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण भौ, गौ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अपशरा (१) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :—

- (1) श्रीमती शीलादेवी बेवा पन्नी श्री छोटेलाल कृणवाहा निवामी कोलगाव द्वारा मुख्तार ग्रीम श्रह्निदेश कुमार वर्मा तनय श्री मोला प्रसाद वर्मा मा० ग्रतग्हार तह० रधुराजनगर जिला सतना व श्री गवेल सिंह तनयश्री सग्दार बूटा सिंह सा० कवारीटौला, सतना
- (2) मतना व प्रह्लाद दास स्रग्नवाल तनय माधवदास प्रग्नवाल निवासी-पन्नीलाल चौक सतना।

श्रशोक कुमार तनय हणराश जैनन मास्टर प्लान

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

भूमि खसरा नम्बर 137/2 कोलगांव वा**र्ड नं० 3** सतना में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ष्र्यजैन रेन्ज भोपाल गंगोली विल्डिंग, चौथी मन्जिल टी० टी० नगर, भोपाल

नारीख: 14-10-1982

प्रकृष कर्द भी गृत्त गम . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आ्युक्त (निरीक्षण)

श्रजन क्षेत्र, मोपाल

भापाल, दिनाक 18 अस्तूबर 1983

निर्देश म० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/नोपाल/3032—ग्रत मुझे, देवप्रिय गन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपींत जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या भकान नम्बर 234 है, तथा जा गुरूनानक टिबर मार्केट, इदार में स्थित है (श्रॉर इसल उपाबद्ध श्रन्-सूची में श्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, इदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15 फरवरों 1982

को पूर्वांकत संपर्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमानं प्रतिफल के लिए अतिरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे ब्रंचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियो, अर्थात् :—

(1) श्री कृपाराम पिता ज्योतिराम निवासी-स्नेहलतागज उदौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री विधावती पित कस्तूरोलाल गभीर निवासी-मकान नम्बर 76 गली नबर 5 जवाहर नगर, इदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन का सम्बन्ध मा का इर्मा आक्षप '----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन का अविध जा भी अविध नाद में समाप्त होती हा के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तिया मा स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

मकान नम्बर 234 गुरुनानक टिंजर गार्केट, इदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयक्त र आधृत्य (निर्शक्षण)
ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल
गगोस्री बिल्डिंग चौथी मजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख 18-10-1982 मोहर: प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तुबर 1982

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3033—म्रातः मझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि 'स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 46 है, तथा जो गोपाल बाग कालोनी, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 24 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भमरमल पिता शानोमल निवासी + 46 गोपाल बाग कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चेलाराम पिता खेमचदजी भ्रासनाना निवासी-बैराठी कालोनी, मकान नं० 32/1 इंदौर। (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांग्रें भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूखना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर गोपाल बाग कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख : 18-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिण्म, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3034—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 135 है, तथा जो देवी श्राहिल्या मार्ग, इंदीर में स्थित है (श्रौर इसमें उपबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण के रूप में बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 6 फरवरी 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

() श्री महेश कुमार गर्मा पिता श्री मंगलरामजी शर्मा नित्रासी—मकान नम्बर 9 मेवाती मोहल्ला इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्राणा शुक्ला पति श्री णिवप्रसाद णुक्ला निवामी-देवी श्रहिल्या मार्ग, इंदौर ।

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस मुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नम्बर 135 देवी ग्रहिल्या मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेन्ज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग चौषी मंजिल टी टी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एग.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरक्षिण) भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 14 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० ग्रर्जन/भोपाल/3035---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या नगर, निगम नंबर 472/1 एवं 472/2 है तथा जो, दीक्षितपुरा उपरैनग्रज वार्ज, जबलपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा ग्रीधिकारी के कार्यालय, जवलपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम 1 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वृत्दावन सराफ पिता श्री मूरजप्रसाद सराफ कनवासह-कोतवाली वार्ड शहर जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. जय नारायण मिश्रा पिता पं० रामेण्वर लाल मिश्रा

2. श्रीमती प्रेसादेवी जोजे श्री प० जयनारायण मिश्रा 3. प० जयहरनाम मिश्रा 4, पं० जबलराम मिश्रा 5. पं० त्रिजय कुमार मिश्रा 6, पं० श्रशोक कुमार मिश्रा 7. श्री पं० श्रीकान्त मिश्रा नं 3 में नं० 7 तक श्राहमज श्री पं० जयनारायन मिश्रा निवासी-पूर्वी निमाइगंज वाई, जबलपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना भे राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति व्यावत स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्यों से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान नगर निगम नम्बर 472/1 एवं 472/2 2 जो कि नजूल प्लाट नं० 6 पार्ट नं० 39 के हिस्से पर बना है मुहल्ला दीक्षितपुरा उपरैगगंज वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 14-10-1982

प्रारूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 18 ग्रक्तूबर 1982 निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/303७— श्रत मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिन, जिराव। उचित बाजार मत्य 25,000/- रह स अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 27 ए है, तथा जो सीता-राम पार्क कालोनी इदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिट्टीकर्त्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, इदौर में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन 24 फरारी 1982

को पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजर मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गर्पाल का उचित वाजर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एम दश्यमान प्राम्पाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के नीच एस अनारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियो उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं विद्या गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में भीवधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धार छिपाने मा स्पिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की शारा 269-ग के अन्मरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थत —

- (1) श्री पुरूपोत्तम 2. बशीधर पिता श्री लक्ष्मीनारायण जी निवासी 209 महात्मा गाधी मार्ग, इदौर।
- (ग्रन्तरक) (2) श्री सौ० शान्तीदेवी पनि श्री बणीधरजी निवासी-

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हू।

209 महात्मा गाधी मार्ग, इदौर।

उक्त सपितित के अर्जन के सबध मं कोई आक्षेप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तिया पर गूचना की नामील से 30 दिन की आदि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होंगी हो, के भीतर पर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा सपत्ति म हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित म किए जा सकरेंगे।

स्पादीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्यू० पा० नम्बर 27 ए० सीताराम पार्क कालोनी, इदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
महायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेन्ज भोपाल
गगोबी विन्डिंग, चौथी मजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख 18-10-1982 मोहर प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस. --

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/3037----श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या म्यू० पा० न० 20 है. तथा जो नार्थ यणवंतगंज, इदौर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा ग्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक 12 फरवरी 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गावन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्य मा कमी करन या उसस अधन में स्विका के लिए; बीड/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मा स्विधा के लिए;

ब्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री वीरेवद्रप्रसाद पिता श्री स्व० भानुदास के शाह निवासी-88 वल्लभ नगर इदौर (स्व० भानुदास के शाह एच० यु० एफ० के कर्त्ता नाते।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मौ० भुरीबाई पति श्री बाबूलालजी डोसी निवामी-20 यणवतगज, इदौर।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखा मा किए जा सक्ता

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान—म्यू० पा० नंबर 20 नार्थ यणवंतर्गज, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख : 16-10-1982 मोहर प्ररूप आहं. टी. एन. एस.---

धायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1982

निर्देश मं० श्रार्ड० ए० मी०/श्रजंभोपाल/3038---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्त अधिनियम कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उद्या बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट नं० 249, है, तथा जो साकेत नगर कालोनी इंदौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पाध के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के निए प्रत्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से धक्त प्रन्तरण निम्नलिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रधिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर भिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गभा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात:——
20—346 GI/82

(1) श्री मुभाषचन्त्र पिता श्री रामलालजी जोली निवासी-136 साकेत नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी पित लीलारामजी वासनानी निवासी 84 म्रोल्ड पलासिया, इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपर्तित के अर्थन् के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अक्षेहस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यख्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

प्लाट नंम्बर 249 साकेत नगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, चौथी मन्जिस टी०टी० नगर,भोपाल

नारीख: 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 18 अक्तूबर 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० मी०/ग्रर्जन भोपाल/3039---म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचिन काला मलय 25.000/- कारने संस्थित है

बाजार मृत्य 25,000/⇒ वपये से प्रधिक हैं

प्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० एन-12, है, तथा जो साकेत
नगर कालोनी, इंदौर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
प्रमुस्ची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्सा
प्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 फरवरी 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यत्र
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर
प्रस्तरक (श्रस्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (श्रस्तरितमों) के बीच
ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखियन
प्रदेश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत
नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत **एक्त ग्रिध**-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए । और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा धकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अविनियम की घारा 269-ग के चनुसरण में, में, उक्त धविनियम की घारा 269-म की उक्तारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित स्थासतयों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रनिल कुमार पिता लक्ष्मीकावत शर्मा निवासी-397 इन्ब्रपुरी कालोनी, इंदौर तरफे खास मुख्यत्यार दिलीप कुमार पिता श्री गेन्दालालजी रावत निवासी 36 मल्हारगंज इंदौर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी पति लीलारामजी निवासी 84 मंगलम श्रोल्ड पलासिया, इंदौर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वोंकत सभ्यति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्यत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राधीर :--

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारी का से 45 दित की अवधि या तम्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की नाभीत से 30 दित को अगित, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनो हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूतना के राजरंत्र में प्रकागन की तारोख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रशाहरताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: ---इमर्ने प्रयुक्त सम्दों घौर पदों का, भो उक्त सिध-नियम के सम्याय 20-क में परिभावित है, बही मर्य होगा, जो उस सम्याय में विया नया है।

मन्त्रकी

प्लाट नंबर एन०12 साकेत नगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेन्ज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी०नगर, भोपाल

गारीख: 18-10-1982

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

धावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3040--ग्रत: मुक्के, देवप्रिय पन्त.

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सभम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रुपये मे अधिक है

भीर जिसकी सख्या प्लाट न० 22 हैं, तथा जो शंकर नगर कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (श्रॉग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इदौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 फरवरी 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रश्च प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में मास्तरिक का ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त ध्राध-नियम के घ्रधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियो, अर्थास् :-- (1) श्रीमनो वर्षा चावला पति जयकुमारजी चावला निवासी-195 पलमीकर कालोनी, इंदीर।

(ग्रन्तरक)

(2) इन्टर प्राइसेज (भालिक राजेन्द्र सिंह भंडारी एच० यू० एफ०, निवासी माल गोदाम रीड रायबहादुर कन्हैयालाल भड़ारी मिल ग्रागण। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

छना पम्पति के अर्जन के सम्बन्ध पे कोई भी श्राक्षेप । --

- (क) इस युवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उबत अधि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रष्ट होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

• अनुसूची

प्लाट नम्बर 22 शंकर नगर कालोमी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेन्ज, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग चौथी मंजिल टी०टी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1982

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

श्रारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल 3041—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ंक स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 21 है, तथा जो शंकर नगर, इंदौर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त् सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्न्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्र रितिया) के बीच एपे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल प्रिनिलिखत उद्दश्य म उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप र किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से धुर्द किसी भाय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री प्रकाश बङ्जात्या पिता श्री कल्यानमलजी बङ्जात्या
- (2) पदम बङ्जात्या पिता कल्याणमलजी बङ्जात्या निवासी-146 जावरा कम्पाउंड, इंदौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० एन० भंडारी जी० सी० ट्रस्ट द्वारा स्वात्वाधारी बेनिफिणियरी मिसेज सोनाली भंदारी छ निवासी-रायबहादुर कन्हैटालाल भंडारी मिल श्रागण

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारी करें 45 दिन की अविधिया सत्सार न्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरं के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नंबर 21 शंकरनगर, इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, गंगोल्ली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० डी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी एन एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भाषाल

भोपाल, दिनाक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देण म० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन भोपाल/3043— ग्रंत मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मध्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थवर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सख्या मकान कमाक 60 है, तथा जो विनोबा नगर, इदौर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप र वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यातय, इदौर में र्राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) क ग्रधीन 9 फरवरी 1982

को पूबाक्त सम्पत्ति हे उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्हरित को गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफल से अतरकों और अतरिती (अतरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिस्ति उद्दश्या स उक्त अतरण लिखित मे बास्तिवक रूप म किन्ति नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करन या उसस बचन में सूर्विधा के लिए, और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए!

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिन्त व्यक्तिया, अर्थात ~~

- (1) श्रीमती भाशादेवी पति श्रमप्रकाश शर्मा निवासी 28 बक्षी गली, इदौर
 - 2 रामप्रसाद पिता शिवलाल निवासी-126 सिवदा नगर, इदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ध्रग्रवाल इन्जीनियर्स १एड कन्सट्रक्शन्स मकान न० 135 देवी अहिल्याम गें द्वारा प्रह्लाद दास-मोहनलाल श्रग्रवाल इदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु:।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध म काई भी आक्षप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त हती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति म हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा ज उस अध्याय में दिवा गया है।

व्रतुस्ची

मकान ऋमाक 60, विनोबा नगर, इदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायवर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल गगोत्री व्यल्डिंग, चौथी मन्जिल, टी०टी० नगर,भोपाल

तारीख 16-10-1982 मोहर . प्रक्रम भादां. टी. एन. एस.----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 16 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3043—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सख्या मकान कमाक 60 है, तथा जो बिनोबा नगर, इदौर में स्थित है (श्रीर इसम उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी क कार्यालय इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 8 फरवरी 1982

को पूर्विभित सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विभत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उन्कत अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाम या किसी भून या जन्म जास्तिमों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या भून-कार अधिनियम, या भून-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए; और/या

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियो, अर्थात .——

- (1) सर्वेश्री 1 गोपाल पिता श्रानन्द, निवासी-40 श्रानन्द नगर, इदौर
 - 2 रामप्रमाद पिता शिवलाल, निवासी 126 सिवद नगर, इदौर।
 - 3 गीताराम पिता कनीराम, निवासी सकान क्रमाक 94, भ्राजाद नगर, इदौर।

(भ्रन्तरक)

- (2) मेसर्स वर्डमान कन्सट्रस्कणन कम्पनी, मकान क्रमाक 89 रवीन्द्र नगर द्वारा भागीदार
 - 1. श्रीमती राजलक्ष्मी पति वरदीचन्द जैन
 - 2. सतीशकूमार पिता केंशरीमल सिगी।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्वित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-ब्व्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण '--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

मकान श्रमाक 60 विनोबा नगर, इदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेन्ज,
गगोती बिल्डिंग चौथी मंजिल;
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 16-10-1992

प्ररूप भाई० टी० एन० एम०---

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3044—-ग्रनः मुझे देवप्रिय पन्त,

प्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत प्रवितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जियका उचित बाजार मृस्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान नं 19 है, तथा जो हरीगंज संडवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, संडवा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 23 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से प्रविक्त है पीर प्रस्तरक (प्रग्तरको) धीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबन छहेश्यों में उबत प्रनरण लिखन में वास्तविक स्पास से कंचित ही किया गया है: --

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या जसन बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चोहिए था, छिपाने में संबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री मास्टर मोहम्मद यासीन बल्द मोहम्मद उमर
- श्रीमती सगीरबाई जोजे मास्टर मोहम्मद यामीन नित्रासी-हरीगंज खंडवा तह० खंडवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद नासिर 2. श्रब्दुल हमीद 3. मोहम्मद इकबाल 4 रफीक श्रहमद वल्द कमल्द्दीन निवासी रामेण्वर रोड, खंडवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के भाजन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजाब में प्रकाशन की तारी वा से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य क्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंने ।

हर्राकरण म-च्यमें प्रयुक्त ग्रन्थों बीर वर्गे का, जो उपन अधि-निवस कें सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं श्रष्ट होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मकान नम्बर 19 जो कि प्लाट नं० 108 पर स्थित हैं मोहल्ला हरीगंज खंडवा में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेन्ज,
गंगोत्री बिलिडग, चौथी मंजिल
टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख : 14-10-198? मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस..

आयक र अधिनियः , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रान क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 14 मन्तूबर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० मी० श्रर्जन भोपाल/3045—श्रत मक्षे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या न० 245 है, तथा जो ग्राम बाम्हन खेडा में स्थित है (ग्रौर इसरे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाव 16 फरारी 1982 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से मन के दृश्यमान

प्रिक्तिक के लिए जन्तिरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पढ़ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्शेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपलत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के सिए;

अत अब, उका अधिनियम, की भाग 269 न्य के अनुसरण मो, मी, उका अधिनियम की धारा 269 म्य की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री साबत पिता कलोता निवासी ग्राम बाम्हण खोडा तह० व जिला देवास (२२० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बस्तीराम एड कपनी 4, महात्मा गाधी मार्ग देवास तरफे भागीदार गेहीमल पिता सेवा ाम तवरानी 147, सिधी सतराम कालोनी, उज्जैन (म० प्र८)

(म्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रवाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, यों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायः संपित्त में हितसद्थ किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मं दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि सख्या न० 245 ग्राम बाहम्ण खेडा तह० व जिला देवास में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षक सहा⊺क ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रजन रेन्ज; गगोबी विल्डिंग चौथी मन्जिल, टी०टी० नगर, भोपाल

नारी**ख** 14-10-1982 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्वस्तूबर 1982 निर्देश सं० श्चाई० ए० सी० श्चर्जन/भोपाल/3046—श्चतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नम्बर 17 नया नम्बर 23 है, तथा जो सीतला माता बाजार, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 19 फरवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री साह्रकार निपटारा कमेटी ट्रस्ट ऋण को फर्म सिरेमल चौरसिया एवं भंवरसिंह चौरसिया तरफे संयोजक नाथूलाल पिता केशरीमलजी पोरवाल एवं सिरेमल पिता केशरीमलजी चौरसिया निवासी सीतला माता बाजार इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्हैयालाल पिता फ़त्तामल निवासी-मकान नम्बर 5/4 नार्थे राज मोहल्ला, इंदौर।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थळीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ह⁸।

अनुसूची

मकान नंबर 17 नया मकान नम्बर 23 सीतला माता बाजार, इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षमं प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 18-10-1982

मोहरः

प्रकल मार्च, टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 18 ग्रम्सूबर 1982

निर्देश सं० म्नाई० ए० सी०/म्रजॅन/भोपाल/3047---मतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

भीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे० ऋं० 75 है, तथा जो प्राम छावनी शिवपुरी में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध श्रनूसूची में भीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 फरवरी 1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित गें बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त आंधे-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उसमे बचने ये मुविधा के लिए। भीर/या]
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्टिनयम या धन-कर श्रिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरियो हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) श्री पथन कुमार जैन श्री गणेशीलाल जैन निवासी शिवपुरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीमोहन लढ़ा पुत श्री भगवानदास लढ़ा निवासी-शिवपुरी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजैन के जि**ए कार्यवा**हि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे !

स्वष्टीकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अब होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

नन्सूची

कृषि भूमि सर्वे कं० 75, छावनी शिवपुरी में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक आयकर श्रायुक्त अर्जन रेन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, घौथी संजिल टी०टी० नगर, भोपास

तारीख: 18-10-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, विनाक 18 श्रन्तुबर 1982

निर्वेश स० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3048—मतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या सर्वे कें ० 73 व 180/1374 है, तथा जो छावनी परगना, शिवपुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम,

(1908 का 16) के प्रधीन 5 फरवरी 1982 को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एंसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्वारितीं (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्मक, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतं अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेसिसित व्यक्तियों, अर्थात् '-- (1) श्री कैलाशनारायण गुप्ता पुत्रश्री चिरोजी लास नि० राजेश्वरी मार्ग, शिवपुरी (म० प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री हरीमोहन लढ़ा पुत्र श्री भगवानदास लढ़ा निवासी-सिटी शिवपुरी (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

सर्वे कमांक 73 व 180/1374 ग्राम छावनी परगना, शिवपुरी में स्थित हैं।

वेवप्रिय वन्त

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेन्ज, गंगोकी बिस्डिंग, चौदी मंजिस, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

सारीख: 18-10-1982

प्ररूप आइं. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल दिनांक, 18 अक्तूबर 1982

निर्देश स० माई० ए० सी० /मर्जन/भोपाल/3049---भ्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो सरस्वती नगर, मुरार, ग्वालियर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपबद्ध ग्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन फरवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबता, उभस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था ख्रियाने में सुविधा के लिए;
- अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बाबूलाल श्रीवास्तय पुत्र रामदयाल श्रीवास्त निवासी सरस्वती नगर नौ लक्खा परेड़, ग्वालियर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल पुत्र जैसारायजी निवासी—8 ठाठीपुर मुरार, ग्वालियर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान, सरस्वती नगर मुरार, ग्वालियर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण श्रन्तरिती श्री मनोहरलाल द्वारा सत्यापित फार्म नंम्बर 37 जी में नीहित हैय।

> देव प्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेन्ज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी०नगर, भोपास

सा**रीच**: 18-10-1982

प्रकप धाई • टी • एन • एत •-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भापाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/भर्जन/भोपाल 3050--- मतः मुझे देवप्रिय परत,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार पृष्य 25,000/• र॰ से प्रधिक है श्रीर जिसकी संख्या ख० नंम्बर 13हू7/10 है, तथा जो चन्द्रधदनी नाका, ग्वालियर में हिथत है (श्रीर इससे उपबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन फरवरी 1982

1908 (1908 का 16) के अधान फरवरा 1982
को पूर्वों कत सम्मित के उचित बाजार मृश्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि मयापूर्वों कत सम्मित का खित बाजार मृश्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिगत प्रधिक है प्रौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में
वास्नविक का ने किया नहीं किया गया है !--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अक्षिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविमा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने म सुविधा के सिए;

श्रतः वश्वा उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

- (1) श्री सिंधिया देवसंस्थान ट्रस्ट, ग्वालियर
- (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री लख्मीचंद पुत्र बांकेलाल
 - 2. मिथलेश कुमार पत्नी श्यामलाल
 - 3. रामबाई पत्नी गिरिराज निवासी दाल बाजार लक्ष्कर।

(अस्तरिती)

को यह सूचता जारो करके पूर्वोक्त सम्प**त्ति के सर्वत** के लि**ए कार्यवाहि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधं; जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में ग्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिलबढ़ जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भंधीहरूताक्षरी के पास सिकान में किए जा सकींगे।

स्रव्ही करण: --स्मर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसंची

ख ० नंबर 1307/10 चन्द्रबदनी का नाका ग्वालियर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जम रेन्ज, गंगोस्री बिस्डिंग चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 18-10-1982

मोहर 👸

प्ररूप वार्ड. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 झक्तूबर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/350 1—-धराः मुझे वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या सर्वे नंबर 1307/11 है, तथा जो महलगांव, नया बाजार, लश्कर में स्थित है (भीर इससे उपबद्ध धनूसूची में भीर पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता भिन्नकारी के कार्यालय, खालियर में, रजिस्ट्रीरण भिन्निम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन फरवरी 1982

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अप्तः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269ण की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री सिंधिया देवसंस्थान ट्रस्ट, ग्वालियर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री धर्मेश कुमार गोयल पुस्न जगदीश प्रसाद गोयल
 - 2. कु० मीरा गोयल पुत्नी मेदीचंद गोयल निवासी नया बाजार, लक्कर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे, नम्बर 1307/11, महलगांव, नयाबाजार गवालियर में स्थित हैं

> देवप्रिय पन्त सक्षम ग्रधिकारी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेग्ज, गंगोत्री विस्त्विग चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपास

तारीख: 18-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3052—म्रत: मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 86 है, तथा जो कंचन बाग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास क,रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरफों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उप्तत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थान छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् ६—— (1) कुमारी सुप्रिया पिता महाराजा बहादुर सिंह निवासी—3 महारमा गांधी मार्ग, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) विजय कुमार पिता गोपालनारायण जी भार्गव
 - (2) राजकुमार पिता गोपाल नारायण जी भार्गव निवासी—254 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपतित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 86, कंचन बाग, इन्दौर में स्थित 🐉।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्रिधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) भ्रज्नैन रेंज, गंगोबी बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 18-10-1982

मोहर 🖫

प्रकप् भादी ही. एन एस .-

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 18 ग्रक्तूबर, 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3053—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 125/1 है, तथा जो ग्राम राजगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 2 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ गया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/जा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतं: अब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कां, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (1) जिसेन्द्र सिंह पिता रामलाल चौहान
 - (2) नारायण सिंह पिता रामलाल ना० बा० स० माता व खुद कमलाबाई बेदा रामलाल चौहान निवासी—बागडो का वास, रतलाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) राम इन्वेसमेण्ट कार्पोरेशन द्वारा भागीदार श्री इन्द्र नारायण पिता मनसुखलाल झालानी गौणाला रोड, रतलाम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, थो उक्त सधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राम राजगढ सर्वे नम्बर 125/1 हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी० टी० नगर भोपाल

विनांक: 18-10-1982

प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस.------

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च(1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3054—म्रतः मुझे धेवप्रिय पन्त,

जायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-व • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 125/I है तथा जो ग्राम राजगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त् अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्तः वद, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीम निम्निसिश्त व्यक्तियों, वृथ्ति हि—— 22—346 GI/81

- (1) (1) जिलेन्द्र सिंह पिता रामलाल चौहान
 - (2) नारायण सिंह पिता रामलाल ना० बा० स० माता व खुद कमला बाई विधवा रामलाल चौहान । नि० बगड़ो का वास रतलाम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम इन्वेसमेण्ट कारपोरेशन द्वारा भागीदार श्री इन्द्रनारायण पिता मनसुखलाल जी झालानी निवासी—गौशाला रोड, रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तश्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस प्रध्याय में विधा गया है।

मनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 125/1 ग्राम राजगढ़ में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी. सङ्खायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज, गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-82

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

बाबकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3055—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्स,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 15 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्री श्रीमंत हिज हाईनेस महाजाधिराज श्री लोकेन्द्र सिंह पिता सज्जनसिंह जी के मु० भाम श्रीमती ग्रखण्ड मौ० महारानी साहिया श्री प्रभाराज्य लक्ष्मी निवासी—रतलाम ।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती श्रलका देवी पति श्री शरदकुमार मेहता निवासी—मोहल्ला पारवाड़ी का वास रतलाम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

वनस्या

प्लाट नम्बर 15 सूरजपोल रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज, गंगोली बिल्डिंग, चौथी मन्जिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-1982

श्रुक्ष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3056—-म्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 9 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महम से कम
दूश्यनान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और
प्रन्तरक (पन्तर्कों) और पन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।——

- (क) आन्तरण से हुई किसी आया की नानत, चनत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अध्वरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य अपिस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या भ्रनकर श्रंधिनियम 1957 (1957 का 27) के भ्रयीजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः भवं, उदत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उकत अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :— (1) श्रीमत हिज हाईनेस महाजा श्री लोकेन्द्रसिं पिता सज्जनसिंह जी के मु० ग्राम श्रीमती ग्रखण्ड सौभाग्यवती महारानी साहिबा श्रीमती प्रभाराज्य लक्ष्मी रतलाम।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहर पिता वाथमलजी बन्जानी निवासी—सात रास्ता बूटागली महूं

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि थो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी भन्य स्यनित द्वारा, भन्नोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंग ।

रपक्कीकरण ं— इसमें प्रयुक्त नक्बों और पर्वों का, जो उपल प्रित्नियम के सम्याय 20-क में परिकाषित हैं, वहीं सर्व होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नम्बर 9, सूरजपोल रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 18-10-1982

प्ररूप बार्च टी. एन. एक.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3057---म्रतः मुभे, वेवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान है, तथा जो ग्राम बरखेड़ा तह० हजूर, जिला भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 17 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रवीन्द्रं प्रकाश सीठा पुत्र डा० किशोरलाल सीठा निवासी—हवामहल, भोपाल ।

(मन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल करीम पुत्र शेख कासिमखां निवासी——डी० सेक्टर——डी०—3 पिपलानी, भोपाल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना फारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए था सकींगे।

स्वस्तिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान ग्राम बरखेड़ा तहसील हजूर जिला भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 18-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रम्सूबर, 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3058—ग्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 228 है, तथा जो हबीबगंज मेजर शापिग सेण्टर, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती सोनाबाई पत्नी प्यारेलाल निवासी—नुलसीनगर भोपाल द्वारा मु० पी० एस० रघुवंशी वल्द वी० पी० रघुवंशी निवासी—एम० आई० जी०-16 भोपाल (अन्तरक)
- (2) श्री तेजेन्द्र सिंह वल्द श्रवतार सिंह निवासी—ई० 4/35 ग्ररेरा कालोनी, भोपाल । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 228, हबीबगंज भेजर शापिंग सेण्टर, भोपाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ध्रर्जन रेंज, गंगोत्री बिर्ल्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोषाल

दिनांक : 18-10-1982

प्रक्ष वार्द्द हो . एन . एस . ------ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की ,धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3059—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममे इसके परनात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1/1/1 है, तथा जो भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या धससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी भ्राय या किसी घन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुबिधा के लिए;

म्रतः श्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्ः—

- (1) श्री राम गोपाल सिंह हाथा श्रात्मण श्री ठाकूर किशोर सिंह जी निवासी-सकान नं० 5, एशबाग, नगर भोपाल। (श्रन्तरक)
- (2) प्रभिवन गृह निर्माण सहकारी समिति मर्मावित भोपाल द्वारा प्रध्यक्षा श्रीमंती गीता सिन्हा धर्मेपत्नी श्री बी० एन० सिन्हा

(म्रन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जा के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वश्वीकरण !---इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्यो का, जो उक्त शिक्ति नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्त्वी

एक किता भूमि काश्त खसरा नम्बर 1/1/1, भोपाल में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिस्डिंग, जीथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निदेश सं० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3060—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नम्बर 676 एव 678 है, तथा जो छावनी, सीहोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सीहोर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 3 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंटोरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा केलिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

नतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिसित स्पन्तियों, सुर्थात् :--- (1) श्री सरवर मोहम्भद भात्मज मोहम्भद निवासी—-सुल्तानिया जनाना श्रस्पताल के पास, भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रनवर इब्न हैदर ब्रात्मज श्री हैदर मोहम्मद निवासी—सीहोर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सरामची

मकान नम्बर 676 एवं 678 का श्राधा-श्राधा भाग छावनी, सीहोर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल गगोस्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 18-10-82

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /म्रार्जन/भोपाल/3061----म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 110 है, तथा जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 17 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अनस्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे म्विधा के लिए।

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--

(1) श्री वकाउल्ला खान पुत्र श्री ग्रताउल्ला खान निवासी—शांहजानाबाद, भोपाल।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती श्रविनाश कुमार तलवार पत्नी डा० राजेन्द्र सिंह तलवार निवासी---गोविन्दपुरा, भोपाल ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपतित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह¹।

अनुसूची

भूमि व एक कमरा प्लाट नम्बर 110 पर बना है जो कि खसरा नंबर 105 का भाग हैं, ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) प्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल्स, टी० टी० नगर, भोपाले

दिनांक : 18-10-1982

प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 भ्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० घ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3062—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नम्बर 72/4 है, तथा जो ग्राम राहू-खेड़ी जिला इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-स्थ, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 11 फरवरी, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अनस्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :~--- 23---346 GI/82

(1) (1) श्री जयकुमार पिता जेठानन्द जी निवामी—195 पलसीकर इन्दौर ।
(2) श्री नानक राम पिता नारायणदास निवासी—26 जयरामपुर कालोनी
(3) मीनाकुमार पिता प्रयामलाल निवासी—23 विधानगर कालोनी ग्रा० मुं० नानकराम पिता नारायणदास 26 जयरामपुर कालोनी, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक सिंह पिता गोविन्द नारायण सिंह निवासी——49. रेडियो कालोनी इन्दौर ।
(2) जसपाल सिंह भाटिया पिता मोहिन्द्र सिंह भाटिया ।
निवासी—देवसनाका इन्दौर ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि सर्वे नम्बर 72/4 ग्राम राहूखेड़ी तहसील सावेर जिला इंबीर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्चर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन मनना

भारत गएकार कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 प्रमत्वर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3063—प्रात. मुझे, देविषय गन्त.

आयहर शिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उत्तन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर रापति, जिसका उचित बाजार म्ला 25.000/- रा. में अभिक ही

प्रौर जिसकी सं० भूमि सर्वे नंबर 72/3 व 72/5 है, तथा जा ग्राम राहूखेडो, जिला इंदौर में स्थित है (भौर इसमें उपावड प्राग्भूची में ग्रॉर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 फरवरी, 1982

को प्वंबित रायित के अधिक बाजार माय्य से कम के हरवमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हो और मुक्ते यह विष्याम कालों का काला है कि अधापुर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिकल से, एमे दश्यमान प्रतिकल के पलह भी एत वे अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्रिकिशियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिल्लीलित उप्योश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त भिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (त) एंसी किसी आय या किसी धर्न या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारकीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरकार अधिनियम, या भरकार अधिनियम, वा भरकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्तनार्थ अस्तिरिती द्वारा अकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नृतिया के लिए।

्रतः अव, उटत अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मा, भी उत्तर प्राणियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के लुशं.ा, निम्नीलिंगित व्यक्तियों, अथित्:——

- (1) (1) श्री जयकुमार पिता जेठानन्द जी तिवासी—195 पलसीकर कालोनी इंदौर (2) नानकराम पिता नारायणदास निवासी—26 जयरामपुर कालोनी (3) मीनाकुमारी पिता ज्यामलाल जी निवासी—23 विधानगर कालोनी ग्राम मु॰ नानकराम पिता तारयणदास निवासी—26 जयरामपुर कालोनी, इंदौर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जसपाल सिंह पिता हरबस सिंह वड्डा निवासी--100 रेडियो कालोनी, इंदौर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कारिवाहियों करता हुए।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अनिय या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नम्बर 72/3 व 72/5 ग्राम राहूखेड़ी तहसील संवेर जिला इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर बायका (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपान गंगोती बिल्डिंग, चौशी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-1982

प्रारूप आर्धः टी. एन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/3065---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काएण है कि स्थावर मपित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 223 है, तथा जो कस्बा खरगान में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्णक्ष में बर्णित है), रजिस्प्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, खरगोन में, रजिस्प्रीकरण श्रीधनिंगन, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक 10-2-1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यसार्वोक्त रान्नित का उचित वाजार मृत्य, उसके धश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्ना प्रतिकात में अधिक ही आर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री नारायण (2) परसराम (3) गुलाब चम्पालालपिता मोतीराम माली निवासी—-खरगोन ।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योति गृह निर्माण गहकारी समिति खरगोन तरफे श्रध्यक्ष बसन्तमाध्य राव खेडकर, खरगोन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अच्छंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तारीसल स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो सशाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्शारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उन्क्त राजावर गणिना में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गण लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमा अभूद्या अवशे और पदा का, जो उता अधिनियम, को अध्याय 20-क भी परिभाधित हाँ, दहाँ अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय मा दिया गया हो।

अमुसुची

भूमि खसरा नम्बर 223, कस्बा खरगोन में स्थित हैं।

देवित्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निराधाण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 18-10-1982

प्रस्म बाहै हो एन् एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-व (1) के अभीत सूच्**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3064—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि ख० नं० 223 है, तथा जो कस्बा खरगोन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, खरगोन में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 10 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आयं वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के निए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) (1) श्री नारायण (2) परसराम (3) गुलाब चम्पालाल पिता मोतीराम माली निवासी--खरगोन ।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योति गृह निर्माण सहकारी समिति खरगोन तरफे श्रध्यक्ष बसन्त पिता माधव खेडकर खरगोन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजप्रत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि खसरा नम्बर 223 कस्या खरगीन में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम श्रिष्ठकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिस्डिंग, चौथी मंजिस टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तुबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/3066—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. में अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या मकान म्यू० नं० 103 है, तथा जो बड़नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बड़नगर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, विनांक 26 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) (1) श्री बाबूलाल (2) श्रोमप्रकाण पिता नन्दराम (3) भागवन्तीबाई विधवा नन्दराम (4) मांगी-बाई (5) शकुंतलाबाई पुत्री नन्दराम राठौर, निवासी—बडनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रशोक कुमार (2) भगतलाल पिता नन्दराम राठौर । निवासी—बडनगर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान म्यू० नम्बर 103 बड़नगर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3067— अतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म्यू० नं० 55 है, तथा जो मोहल्ला धान मण्डी वहनगर में स्थित है (श्रौर इसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, बडनगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 27 फबरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (ख) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) (1) श्री बाबूनाल (2) श्रशोक कुमार (3) भगतलाल पिता नन्दराम (4) मांगीबाई (5) शकुतलाबाई पुत्री नन्दराम निवासी—-बडनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भागवंतीबाई विधवा नन्दरामजी, श्रीमप्रकाण पिता नन्दराम निवासी—बड़नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वीरा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्बो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 55 मोहरूला धान मण्डी बड़नगर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोस्री विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल

विनांक . 16-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकच अय्यक्त (निरीक्षण) भ्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3068—सतः मुझे देवप्रिय पन्तः,

अंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नम्बर 23 है, तथा जो शीतला माता वाजार, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 10 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य हे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे वास्ति तही किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयज्जर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम (वा धनकार अधिनियम (वा धनकार अधिनियम (वा धनकार अधिनियम (वा धनकार वा धनकार अधिनियम (वा धनकार वा धनक

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो., भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) साहूकार निपटारा कमेटी ट्रस्ट ऋष को फर्म सिरमल चौरसिया एवं मंबर सिंह चौरसिया तरफे संयोजक नाषूलाल पिता केसरीमल पोरवाल, सिरेमल पिता केशरीमल जी चौरसिया निवासी—तिलक नगर, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दौलतराम पिता छतामलजी निवासी—नार्थ राजमोहल्ला स्ट्रीट नम्बर 4 इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 23 शीनला माता बाजार, इन्दौर मे स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्र्यंन रेज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 16-10-1982

प्ररूप आर्द. टी एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 18 श्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3069---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक ही

प्रौर जिसकी सं भवन कमांक 22/945 है, तथा जो मीरा नगर सिंहपुर रोड, मुरार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 20 फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मी० रमा जुत्मगपत्नी श्री राजेन्द्र कृष्ण जुत्सी निवासी—श्रयोध्या निवास बाल्मीिक मार्ग लाल बाग लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री रामस्वरूप जी गुप्ता तथा श्री राम गुप्ता झात्मज श्री भागीरथ प्रसादजी गुप्ता तथा ब्रारका प्रसाद पुत्र श्री स्व० चिन्तामणीजी गुप्ता निवासी—मीरानगर सिंहपुर रोड, मुरार तथा श्री रामनाथ पंसारी पुत्र श्री मोतीलाल जी पंसारी निवासी—पिछोर जिला शिवपुरी (म० प्र०)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भवन ऋमांक 22/945, मीरानर सिंहपुर रोज्ज मुरार, ग्वालियर में स्थित है

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक: 18-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं ाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3070-- प्रतः मुक्ते देव प्रिय पन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 521/2 है, तथा जो ग्राम भाटखेड़ी परगना जिला-वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय, ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 18 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाग्रत उक्त, अभिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दार्मित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्निधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24-346 GI/82

(1) श्री भानुप्रकाश द्विवेदी म्रात्मज श्री पी० डी० द्विवेदी निवासी—दाल बाजार लक्कर परगना जिला ग्वालियर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्द्र श्रात्मज श्री नारायणदास निवासी—वाला वाई का बाजार लक्ष्कर, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूत्र्यो

कृषि भूमि सर्वे नम्बर 521/2 ग्राम भाटखेड़ी परगना, जिला ग्वालियर में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 18-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र , भोपाल भोपाल, दिनांक 18 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3071—मतः नुसे, देवप्रिय पन्तः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 521/2 है, तथा जो ग्राम भाट-खेशी परगना जिला ग्वालियर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18 फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देदश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भानु प्रकाश द्विवेदी श्रात्मज श्री पी० डी० द्विवेदी निवासी——दाल बाजार लक्ष्कर जिला——ग्वालियर ।

(भन्तरक)

(2) श्री गोविंद शरण श्रग्नवाल श्रात्मज श्री गिरोज शरण श्रग्नवाल निवासी—गीता कालोनी लग्नकर, ग्वालियर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 521/2 ग्राम भाटखेड़ी परगना जिला ग्वालियर में स्थित हैं ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 18-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 14 म्रक्तूबर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3072—म्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ख० नं० $137/1/\eta/1$, $56/1/\eta/1/1/2$, 385, 386 है, तथा जो कोलगंबा बार्ड नं० 3, सतना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सतना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शीलादेवी धर्मपत्नी स्व० छोटेलाल कुशवाहा निवासी—कोलगंवा द्वारा मुख्तार श्रामश्री दिनेश कुमार तनय श्री भोला प्रसाद वर्मा सा० ग्रतंरहार तह० व जिला सतना श्री रावल सिंह तनय सरदार बूटासिंह निवासी—कवाड़ी टोला सतना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार कुशवाहा तनय श्री भइयालाल कुशवाहा निवासी— खजुरी टोला सतना व श्री मोह० एहसान तनय शेख बय्यू मुसलमान सा० कम्पनी बाग सतना ।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में काई भी भारतेष हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रा० नं० $137/1/\eta/1$, $56/1/\eta/1/2$, 385 तथा 386 जो मोजा कोलगंवा, सतना बार्ड नम्बर 3 में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण श्रन्तरितियों द्वारा सत्थापित फार्म नम्बर 37 जी में दिया गया है।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजन रेंज, भोपाल) गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 14-10-1982

मोहर ः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/भ्रर्जन /भोपाल/3073-श्रतः मुझे देविश्रिय पन्त,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नम्बर 77 है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रम्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, शिम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में वास्त-विक कप से कश्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन,, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अधीन, हिन्न

(1) (1)श्री कैलाश चन्द्र पिता श्रानन्दमणी नैयानी (2) सुभाषचन्द्र पिता श्रानन्दमणी नैयानी निवासी—इंदौर।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० विष्णुपत सीताराम जी अरते (2) डा० श्रीमती कमल पति विष्णु पंत ग्रकरते निवासी—इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुभी

मकान नम्बर 77 कालोनी नगर, इन्दौर में स्थित है। (एक भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्गामक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, चौभी मंजिल टी० टी० नगर, भौपाल

दिनांक : 10-9-1982

मोहर 🌣

प्ररूप भाई० टी० एन० एस•⊷

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=ष (1) के प्रधीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 ग्रक्तूबर 1982

यायकर पश्चितियम, 1931 (1951 का 43) (जिने इनमें इनके पश्चान् उक्त पश्चितियमं करा गा है), को धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों की **यह विश्वास करने का कारण** है कि स्थावर नस्पत्ति, जिनका उचित आजार मूख्य 25,000'-कुठ में प्रथिक है

स्रौर जिसकी स० मकान नम्बर 22 है, तथा जो स्ट्रीट नम्बर 2, देवी स्राहित्या मार्ग, इदौर में स्थित है (धौर इससे उपावड़ स्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण हुए में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उत्तिन बागार मृहय से कम र दृश्यम्पन प्रतिफल क रिए पनारित को गई है मौर मृत्रे यह विश्वस करने का तरण है कि परापूर्विषः कानि जा उत्तित राजार मृहय, उनके इस्परान अतिका । ऐने दूरस्थान उत्तिक्त का प्रमुद्ध प्रतिका अधिक हैं और पन्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीन ऐस अन्तरण के लिए तय पापा गा। प्रतिका, निम्नलिखित तद्श्य के उसन अन्तरण निखित में तरनिक रूप से कथि। नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण ने उर्द किसी ग्राय की बाबत, एकत पश्चितियम के प्रधीन गर देने के प्रस्तरक के दाबिस्थ में क्मी करने गाउससे बचने में पृविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी कियो पात या कियो बन १ अन्य प्रास्तियों को, जिरहे भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के । रोज प्रय जन्ति रोजे द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अब्र: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की रापधारा (1) के अधीन, निम्नुलिबित व्युक्तियों, अभित :---

- (1) (1) श्री केंज्ञव (2) माधव पिता रंगनाथ जी
 - (3) श्राशा बाई पनि गोविंद जी(4) दत्ताश्रय
 - (5) विदुल पिता रंगनाथ जी (6) वीना बाई पिता गोविद पित जयदेव

निवासी---महात्मा गांधी मार्ग, इदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री जसवन्त लाल पिता केशवलाल जी शाह (2) नवीनचन्द पिता जसबवन्तलाल जी शाह निवासी—11 खातीपुरा, इंदौर ।

(श्रन्तरिती)

ो प् नूचना गरी करके पूर्वांका क्यांनि के **ग्रजं**न निष्कार्यवाहियां करना है।

उन्हार प्रमालि के प्रावंत के प्रमन्दा में कोई भी प्राक्षित :---

- (क) इस स्वना के राजन के में बारणा की तारीख के 45 दिन को जनकिया करने वन्यों कर विद्या के प्रतिकारी पर सूचना की नागीत ने 30 दित की अविधि, जो भी यंत्रीध नाक्ष्म संस्थाप के की हैं। अविधि पूर्वीकत कारिनाों में न किया व्यवित दारा;
- (धा) इस 11 राक राजाय में प्रकार की दानीय है 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर समाति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति दाना भागवानाक्षणे के पाप लिखित में किए के सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसर्थे प्रदुशा गरनो और पत्रों का, जो सकत अधिनित्रस के श्रष्टम्पन्2तात में परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा जो सन अध्याय में उत्यासको है।

अनुसुची

मकान नम्बर 22 देवी श्रहिल्या मार्ग, स्ट्रीट नम्बर 2, इन्दौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 19-10-1982

माहर 🖫

प्रकप. जाइं. टी. एत्. एत.

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाय 269-ष (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3075--- मतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नम्बर 22/2 देवी प्रहिल्या मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 3 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच् एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नृहाँ किया ग्या है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहुर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्तिसित व्यक्तियों, जर्मात :— (1) स्त्री केशव (2) माधव पिता रंगनाय जी देव (3) स्त्राशाबाई विधवा गोविंदजी देव (4) दलाश्रम रंगनायजी देव (5) विदुल रंगनाय देव (6) वीनाबाई पिता गोविन्द जी पित जयन्त देव निवासी—महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर ।

(घन्तरक)

(2) (1) श्री सुजानमल पिता भागीरथ जी (2) कमल कुमार पिता सुजानमल जी जैन (3) विमला बाई पति सुजानमल जैन

नि० 498 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित तु, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याव में दिया गया है।

नगुसूची

मकान नम्बर 22/2 देवी ग्रह्लिया मार्ग इंदौर में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरिक्षण) द्यजंन रेंज, भोपास) गंगोसी विल्डिंग, चौदी मंजिल, टी • टी • नगर, भोपाल

दिनांक: 19-10-82

मोहर

प्रत्य आई टी एन एस -

जामकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालम्, स्हायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, मोपाल

भोपाल, दिनांक 19 भ्रक्तूबर, 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3076—महो, देवप्रिय पन्त,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है"), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-छ. से नधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नम्बर 22/2 है, तथा जो देवी म्रहिल्या मार्ग, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 3 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) जन्तरण ते हुइं किसी बाय की बायत, उत्तर वीधीनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे वचने में सृद्धिया के स्वितः और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय खाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा का किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के सिए;

मतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अभीत्:--- (1) (1) श्री फेसब (2) माधव पिता रंगनायजी देव (3) श्रीमती श्राक्ता बाई विधवा गोविन्दजी देव (4) दत्तात्रय रंगनाथजी देव (5) विदुल रंगनाथ

> निवासी--495 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर । (ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीशाचन्द्र पिता रतीलाल जी शाह (2) श्रीमती स्नेहा पति श्री पंकज कुमार शाह निवासी---सुतार गली, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह कृपना जारी करके पृत्रों का सम्मिति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तानीस से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्मना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

नप्स्ची

मकान तम्बर 22/2 देवी श्रहिल्या मार्ग, इन्ह्यौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, भोपाल गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक: 19-10-1982

मोक्स:

प्रकण जादौ. टी. एन. एस.--

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के मधीन स्चना

नार, सर्कार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 14 श्रक्तुवर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3077—ग्रतः मुस्रे, देवप्रिय पन्त,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ख० नं० 137/1 ग है, तथा जो कोलगंवा वार्ष नं० 3 सतना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, मतना मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 16 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्ये से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित राजार मृत्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरियों) के बौच ऐसे अन्तरक के लिए तथ यागा गया प्रति अन प्रमानितियों। के बौच ऐसे अन्तरक अन्तरण निम्नितियों विश्वत के विभिन्न में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अफ्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भानकर अधिनियम, या भानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से ज्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 259-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती शीला देवी कुणवाहा नेना पत्नी श्री छोटेलाल कुशवाहा । निवासी—कोलगंवा सतना द्वारा मुख्तार श्राम श्री दिनेण कुमार वर्मा तनया श्री मोला प्रमाद वर्मा सा० ग्रंतरहार एव रावल सिंह तनय श्री सरदार बूटा सिंह निवासी—कवाड़ी टोला सतना (म० प्र०) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जुगल किशोर पाण्डेय तनय श्री कामना प्रमाद पाण्डेय निवासी——लाल जी चौक सतना जिला मतना (म० प्र०) । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में भमाष्त होती हो, के भीतर पृत्रक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्दब रिस्टी अन्य व्यक्तिन द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

अन्स्भी

भूमि खसरा नम्बर 137/ 1 ग कोलगांब वार्ड नं० 3 सतना में स्थित हैं ।

देवप्रिव पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोवी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

तारीख: 14-10-1982

प्रस्प आर्डं. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालस्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन केल्ल, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 भ्रक्तूबर, 1982

निर्देण स० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3078--- म्रत. मुझे देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नम्बर 5/6 है, तथा जो साउथ तुकागंज, इंदौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11 फरवरी, 1982 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल क लिए प्रम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच ऐमें अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत छक्त अधिनियम के भद्रीन कर देने के जन्तरक के दाविस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय ब्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

मतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के श्रन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के प्रधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :-- 25-346GI/82

- (1) श्री भ्रानन्द कुमार पिता श्रो सबध प्रसाद जी णुक्सा । तिवासी—7 सर हुकुमचन्द मार्ग, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मनोरमा बाई पति श्री रखबचन्द जी जैन निवासी---6/4 साउथ तुकीगंज, इन्दौर । (ग्रन्तरिमी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यभाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सक³गे।

स्थळीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

मकान नम्बर 5/6, स्ट्रीट नम्बर 5 साउथ तुकीगंज, इन्दौर में स्थित हैं।

देशप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोती बिल्डिंग, बौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 19-10-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 19 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3079—ग्रतः मुक्के, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की जारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० साकेत 186 कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उनके ध्रयमान प्रतिफल से, एमे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति- शत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

(1) श्रीमती राजलक्ष्मी जैन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री **धरदी चन्द** जैन निवासी—कंचन वाग, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुलुची

सम्पत्ति 186, साकेत कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक ; 19-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल भोषाल, दिनांक 19 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3080---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नम्बर 667, 667/1, 667/2, 667/3 है, तथा जो कोनवाली वार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (स) अन्तरण स हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती बेंगम बी पत्नी जलालुद्दीन निवासी——820 ग्रोमती वार्ड, जबलपुर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री इन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री शिखरचन्द जैन निवासी—मकान नम्बर 458 हनुमानताल वार्ड, जबलपुर पार्टनर मेसर्स श्रहिसा इलेक्ट्रिक हाउस, कोतवाली बाजार, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अत्रिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसूची

मकान नम्बर 667, 667/1, 667/2, 667/3, कोतवासी वार्ड, जबसपूर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल; टीं० टी० नगर, भोपाल

दिनाक : 19-10-82

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/भ्रजेन/भोपाल/3081—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य $25,000/\sim \tau$ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 41 है, तथा जो शांत्रिग सेण्टर, ह्बीबगंज, भोपाल में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 26 फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्दश्या में उक्त अंतरण लिचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कमलेश गर्ग पत्नी गिरिराज किणोर गर्ग निवासी---जांहगीराबाद, भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्मबीर सूद पुत्र तेलूराम सूद निवासी—स्टेशन, भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निलित में किए जा मर्कों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक किता प्लाट नम्बर 41 मापिग सेंटर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोबी विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-10-1982

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 श्रक्तूबर, 1982

निर्देश स० म्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/3082----भ्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क है भागि नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पति, जिसका की हो हो हाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

र्ग्यार जिसकी सं० प्लाट नम्बर 24 है, तथा जो इत्तरी भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 24 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त मंपित के उचिन वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिसित वास्तिवक रूप में किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय को अपन्त, १४०० प्रितियम के अधीन कर हाने के अपनरक के दाधिस्त्र में कमी करने या उससे प्रान में नुष्यण के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) (1) श्री श्राबिद हसैन पुत्र बष्धहीन
 - (2) माकिर अली पुत्र ताहिर अली
 - (3) ग्रंसार हुमैन पुत्र ग्रब्बास हुसैन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बृज बिहारी पिहे पुत्र सुन्दरलाल निवासी—गहलवन, तह० उदयपुरा जिला----रायसेन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉब्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा स्थानतयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकोंगे।

स्यच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 24 स्थित प्लाट इन्तरी शहर भोपाल में स्थित है।

> दंबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल,

दिनाक . 20-10-82 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनं क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 20 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/3083---- म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुट से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 11 है, तथा जो महाराणा प्रताप-नगर, मेजर शापिंग सेंटर, हवीबगंज, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) श्री जुगल किशोर माहेण्वरी पुत्र मुझालाल माहेश्वरी निवासी—एल० श्राई० जी० 47 ई०-7 श्ररेरा कालोनी, भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० एन० गुप्ता पुत्र एम० एल० गुप्ता निवासी—एल० ग्राई० जी० 39 णिवाजी नगर, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नम्बर 11 महाराणा प्रताप नगर, मेजर णापिंग सेण्टर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित हैं ।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोब्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-10-1982

प्राक्ष आई. दी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 ग्रक्तूबर, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3084---प्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नम्बर 11 है, तथा जो वेजीटेबल मार्केंट, टी० टी० नगर, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण के रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकर, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 23 फरवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्इ है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अनत्रण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) श्री राधाकिशन पुत्र नेमनदास निवासी—पीरगेट, भोषाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोह० शफीक पुत्र मो० रफीक निवासी—पी० जी० बी० टी० कालेज भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दुकान नम्बर 11 वेजीटेबल मार्केट टी० टी० नगर, भोषाल में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (नि.रीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल
गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल,
टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-10-82

प्ररूप माइ².टी. एन. एस. ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सर्वतर

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 अक्तूबर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3085—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नम्बर 12, वार्ड नम्बर बी० है, तथा जो बेलदारपुरा, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याक्षय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 12 फरवरी, 1982

का पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिचित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिग्न; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीमती केसर बाई पन्नी स्व० मूलचन्द्र जैसवाल निकासी----91 अवाहर चाक, जुमेरानी भोपाल ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामेण्वर त्याल खण्डेलवाल पुत्न स्व० श्री नन्नृलाल खण्डेलवाल, निवासी—-बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन व भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 12, वार्ड न० बी० बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारं सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजंन रेंज, भोषाल गंगोवी बिल्डिंग, चौथी भूमंजिल, टी० टी० नगर, भोषाल

दिनांक : 20-10-82

प्ररूप आहें .टी.एन एस .-

मायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अथीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रजन क्षेत्र, भोषात

भाषाल, दिनाक 20 प्रक्तूबर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/म्रजन/भोपाल/३०८६---म्रत मझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० मकान नम्बर 12 नार्न न० बी० है तथा जा बेलदारपुरा, भोषाल म स्थित त (अ० द स्स उपावड श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, भोषाल मे, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 12 फरवरी, 1982

को पूर्वित्स संपत्ति के उिचत बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हे एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरूप के लिए तय पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) कन्तरण संहुई किसी आय को बाबर, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उपसे बचने में मृतिधा के निए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितया को, जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिनियन त्यिक्तियों, अधीत ---26 --146GI/82 (1) श्रीमती केमरबाई पन्ती स्व० मूलचन्द जैयसवाल निवासी—-94 अवाहर चौक जुमेराती भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(?) श्री णिव नारायण जैयसयाल पुत्र नन्द विशोर जैयसयाल निवासी-- बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया .े।

ग्रनभूची

भकान नम्बर 12 वार्ष न० वी० बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, भाषाल गगोवी बिल्डिंग, चौथी मजिल टी० **टी॰ नगर**, भाषाल

दिनाक 20-10-82 **गो**हर . प्रारूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क्षे अधीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1982

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/म्प्रर्जन/भोपाल/3087--म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान नम्बर 12 वार्ड न० बी० है, तथा जो बेलदारपुरा, भोपाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12 फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपितित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिगितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक मूप से किथा नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उनमें बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिस्पाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती केसर बाई पत्नी स्व० मूलचन्द जैयसवाल निवासी---94 जवाहर चौक, जुमेराती, भोपाल।

(ग्राग्नरक)

(2) श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र विरदीचन्द जैन निवासी—बेलदारपुरा, नेहरू रोड, भोपाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्पत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया

अन्सूची

मकान नम्बर 12 वार्ड नम्बर वी०, बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-10-82

मोहर '

त्ररूप आई.टी.एन.एस..

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 प्रक्तूबर 1982

निर्देण स० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3088--श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान न० 12 वार्ड न० बी० है. तथा जो वेलदारपुरा, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, दिनाक 12 फरवरी, 1982

को पूर्वीवत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती केसर बाई पत्नी स्व० मूलचन्द जैयसवाल निवासी—-94 जवाहर चौक, जुमेराती भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिव कुमार त्रिंगनायक पुत्र गोपाल प्रसाद त्रिंगनायक निवासी—-बंलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नम्बर 12 वार्ड नं० बी० बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-10-1982 मोहर प्रकृप आर्घ टी. एन. एस. 🕟

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोषाल, दिनार 20 अक्तूबर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० मा०/श्रजंन/भाषाल/3089~--श्रतः मुझे देवश्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंग इसम इसके परेचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृज्य 25,000/-रा. से अधिक है

यौर जिसकी सं० मकान नम्बर 12, वार्ड नं० बी० है, तथा जा बेलदारपुरा, भोगल में स्थित है (य्यार इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, दिनाक 12 फरवर, 1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण स हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उसमें बचने मा सृविध। के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा सविधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं अन्सरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तिया, अधीन .--

(।) श्रामर्ता केशस्त्राई पत्नः स्तर मूलचन्द जैयसवाल निवासी—+94 जवाहर चौक, जुमेराता भौषातः।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा (बनोद कुमार जैन पृत्र विरदे सन्द जैस निवामी:—बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड भोषाल ।

(ग्रन्तरितः)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सराना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर ग्चना को तासीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद मा समाप्त होती हों, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों मा में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस भूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तार्याय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिल्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसुची

मकान नम्बर 12, वार्ड नं० बी०, बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोषाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सदाम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयक्त (निरक्षिण) ऋजन रेज, भोपाल गगोती बिल्डिंग, चौथो में जिल, टेंग्ठ टंग्ठ नगर, भोपाल

दिनास 20-10-82 माहर. प्ररूप आही. टी. एम. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषाल

भोषाल, दिनाक 20 श्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० आर्ड० ए० सा०/अर्जन/भोपाल/3090--अत मुझे, देवित्रय पन्तः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपण से अधिक है

स्रीर जिसका में में पान नम्बर 12, वार्ड नम्बर बं.० है, तथा जो बेलदारपुरा, भागल में स्थित है (स्थार इसमें उपाबद स्नु-सूची में भीर पूर्ण रूप से पणित है), रिजम्द्री तो स्रिधिकारी के कार्यालय, भोषाल में, रिजम्द्री करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्थान, 12 फरवरी, 1982

का पूर्वांका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निष्कृत में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) श्रानती केपरबाई पत्ना स्व० मृलचन्द जैयसवाल निवासी:---94 जवाहर घीक, जुमेराता भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्राधन्नालाल जैयसवाल पुत्र नन्दिकशोर जैयसवाल निवासा—बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड भोषाल ।

(ग्रन्तर्रास्त्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क पास तिस्वित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

महान नम्बर 12 वाड न० बा०, बलदारपुरा, भाषाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, भोपाल गगात्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक 20~10~1982 मोहर प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 अक्सूबर 1982

निर्देश गं० स्नाई० ए० मी०/स्रजन/भोषाल/3091---स्रत मुझे देवप्रिय पत्न.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संव मकान नम्बर 12, वार्ड नंव बंद है, तथा जा बेलदारपुरा, भोषाल में स्थित है (स्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूच: में स्रौर पूर्ण जय से वर्णित है). रिजर्स्ट्र कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, भोषाल में, रिजर्स्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधान, दिनाक 12 फरवरेंट 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वार करन का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्य-गर प्रतिफल से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तश्यित्यों) स्तीच स अभ्तरण के लिए तय पाया ग्रांतफल, निम्नालिखित उद्देश्य से दश्य अन्तरण निकाल में वाम्यविक ह्या ने कथि र नहीं किया गया है :--

- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :-- (1) श्रःमतं के र बाई पत्नं स्व० मृलचन्द जैयगवाल निवास (--94 जवाहर चाँक, जुमेराता भोषाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मतीय कुमार दबे पुत्र स्व० श्री शंकरवाल देव गंकर दबे निवास। ---बेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भीषाल । (श्रन्तिसा)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असमधी

मारात नम्बर 12, वार्ड नं० बार, वेलदारपुरा, नेहरू वार्ड, भोषाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक द्यापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्याजेन रोज, भोपाल गंगाती बिल्डिंग, चौथो मंजिल, टा० टी० नगर, भोपाल

दिनाक 20~10~82 मोहर . प्ररूप आर्ड. टर्ने एन. एस. ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

ारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 ग्रक्तूबर 1982

निर्देश मं० छाई० ए० म(०/छर्जन/भोपाल/3092---अन. मझे देवप्रिय पन्त.

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ब्रीर जिसका संख्या फेल्ड नं० 574/2, 572/2, 569/1. 570/1, 585/1, 572/1, 572/2, 572/3 एवं 588/1 हे, तथा जा विदिशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रह ग्रन-मुची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिक्ट्रिक्ती ग्रिधियारं, के कार्यालय विदिशा में एकिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, 4 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उिषत बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि संभापूर्वों क्त सम्परित की उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दाइय में उक्त अन्तरण विधित मी वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (ख) एैसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, हिलाने मे स्विधाके सिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६---

 श्री हेमन्त कूमनर फ्राहमज बद्धी प्रसाद पुत वम्हदन। पंनारं: निवासी-95 ताम्बावांटा, वाम्बे।

(अन्तरक)

🤈 र्थाः ग्रोमप्रकान एव मन्यात्वाल ग्रंटीरा एव घट्य विधामें(-2)ण्डरिस्यल स्टेंट विविधा (

(ग्रन्तरिते।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ववारा वधोहस्ताक्षरी के पास िनिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाषित है, बही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि जिसके पूराने नम्बर 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/2 572/3 एवं 588/1 में है और जो बिदिशा में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरितं द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जं। में निहित है फार्म तम्बर 37 जं। मे निहित सचना के अनुसार यह स्थावर सम्यान विदिशा में कलेक्टर के कार्यालय के निकट स्थित है। सब रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा प्रस्तुत फार्म नम्बर 37 एच में निहित सूचना के अनसार डम स्थावर सम्पत्ति के ग्रन्तर से संबंधित डाक्युमेट, सब रजिस्ट्रार वस्त्रई के कार्यालय में पंजीकृत हुन्ना था।

> देवप्रिय पन्त. मक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) श्चर्णन रेज, भोपाल। गंगोती बिहिंडग चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीखा: 20--10-1982

भोहरः

प्रस्थ आइो. ती. एन . एस . -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 प्रक्तूबर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3093:----ग्रत:--मुझे देवप्रिय पन्त.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फील्ड नम्बर 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/2, 572/3, एवं 588/1 है, तथा जो विदिशा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्राकर्त्ता श्रिधिकार्रा के कार्यालय, वम्बर्ड में, रिजस्ट्राकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 26 फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उनते अधिनियम, की धारा 269-म के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हैगन्त कुमार उर्फ क्रम्डदग पंतारा निवासा-१०
 नाम्बा काटा, बाम्बे।

(ग्रन्तरक)

१ श्री श्रोमप्रकाण पुत्र मुन्सी लाल श्ररोग एवं सन्य निवासीत् १ इण्डस्ट्रियल स्तेत विविधा।

(प्रन्तरिन्।)

को यह सूचना जारी करके प्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप में 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृष्टारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्य व्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और ण्दो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुस्ची

मृमि जिसके पुराने नम्बर 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/2 572/3 एवं 588/1 मे हैं और जो विदिणा में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिन द्वारा गत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है। फार्म नम्बर 37 जी में निहित सूचना के अनुसार यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जो विदिणा में कलेक्टर के कार्यालय के निकट स्थित है। सब रिजस्ट्रीर बम्बई द्वारा प्रस्तुत फार्म नम्बर 37 एच में निहित सूचना के अनुसार इस स्थावर सम्पत्ति के अन्तर से संबंधित डाक्यूमण्ट, सब रिजस्ट्रीर बम्बई के कार्यालय में पंजीकत हम्रा था।

देविषय पना गतम प्राधिकारी, महायह प्रायक्षण श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोषाल)

गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर भोपाल

तारीख: 20-10-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ---

नायकर ज़िधनिय्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 अक्तूबर 1982

मं० म्राई० ए० सं।०/ग्रर्जन/भोपाल/3094:—म्प्रतः' मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 92 है तथा जो मेंजर शापिग सेन्टर, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908, (1908 का 16) के ग्रधीन, 4 फरवरा, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में यविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण में, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थीत् :--27-346 GI/82

(1) 1. श्रा पा० एन० चतुर्वेदः, 2. श्रार० एन० चतुर्वेदी, पुत्रगण श्री रामस्वरूप निवासी मालवाय नगर, भोषाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रं। गंगाराम भास्त्रं। पुत्र जगन्नाथ प्रसाद जा निवासी अरेरा कालोनी, भोपाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नम्बर 92, मेंजर भाषिग सेन्टर हबं:ब-गंज, भोषाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) महायक श्रायकर श्रायृक्त श्रर्जन रेंज, भोषाल ।

नारीख: 20-10-1982

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोगाल, दिशाक 20 प्रक्तूबर 1982

मं० श्रार्थं ए० सी० /ग्रर्जेन/भोषाल/३०९५ — श्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

आग्रकण अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उकत अभिनियम' वहा गया है), की धारा 269-स्र के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रहे से अभिक है

और जिसक संख्या प्लाट नग्गर 965 है तथा जा खला वाला है, उन्दोग में स्थित है (और इससे त्याबद्व क्रमुखी में आर पूर्ण रूप में विणित है), रिजम्हात्ती अधिकारी के वार्णन्य, इन्दोर में, रिम्हीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 मा 16) के अधान, 16 फरवरा, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उत्रित गजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को नई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सपित का उचित नागर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दल प्रतिशास से अधिक है नोर अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के निच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल का निम्नितिखित उध्येश्व में नक्ष्ट प्रन्तरण निष्यत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर को के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयर्कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अतिरिनी द्वारा एकट नहीं किया गण था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत. अब, उक्त. अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो., मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिया, अर्थात् —— 1 श्री हरिनारायण पिता रामलालजी निवासी-26/4 तार्थ राज मोहल्ला इन्दौर।

(ऋन्तरङ्ग)

2 (1) श्री भाहस्पद गलीम पिता श्री कमग्हीन (2) मोह० श्की का पिता वसरुई न निवास अवाहर भाग, ३ द र (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या गत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील मं 30 दिन को जन्या . जा भी अविधि बाद में समप्द होती हो, के भीतर पूर्वांक्र व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर सपित मा हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्नाक्षरी को
 पास निरित्त मा किए जा सकर्षि।

स्पष्टिकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 965 खाती वाला टैंक, इन्दौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 20-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंहै रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 श्रक्तूबर, 1982

स० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3096:——ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित वाजार मून्य 25,000 रुक सं अधिक है

भ्रोर जिसकी संख्या प्लाट नतम्बर 47 हे, तथा जो शहनशाह गार्डन, गोबिन्दपुरा, भोपाल, में स्थित हे, (श्रीर इतमे उपवाद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908, (1908 का 16) के अधान, 27 फरवरी, 1982 को पूर्वाक्त सम्रुट्सि के स्रोचत बाजार मूल्य संक्रम के दुख्यमार

का पूर्वाकत सम्पत्ति क जीपत बाजार मूल्य सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वांकत सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अध्यक्ष ह और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आयुकी वायत, उक्त अधिनियम क अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा क लिए, और/मा
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- श्री शिवदयाल वर्मा पुत्र कोटू राम वर्मा निवासी हाल 18/33 पजाबी बाग न्यू दहनी हात्र, भोगल। (प्रत्तरक)
- 2. श्रीमती कमलेश दुवे पत्नी श्रार० सी० टुवे, निवासी एल० श्राई० जी० 340 न्यू सुमापनगर, भोगल। । (श्रन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साराध स 45 दिन को भीतर उत्तत त्थावर सम्पत्ति म हितनद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित म किए जा सकागे।

स्पब्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट नम्बर 47 गहनशाह गार्डन गोबिन्दपुरा भोपाल में स्थित है।

> दर्वाप्रय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रापृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख 20-10-1982

प्रकृप माइ .टी.एन.एस.--

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ।1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 श्रक्तूबर, 1982

सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/3097:—श्रतः मुझे. देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 69 है, तथा जो शाहनशाह गार्डन, गोबिन्दपुरा भोपाल, में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधि कारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 27 फरवरी, 1982। का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के प्रतिकृत स्थापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक्ष कल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्वा धा या किया धाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

ब्त: बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री शिवदयाल वर्मा पुत्न के० ग्रार० वर्मा निवासी हाल 18/33 पंजाबी बाग नई दिल्ली हाल भोपाल (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार० सी० दुबे पुत्र नन्दलाल दुबे, निवासी न्यू० सुभाष नगर, एल० श्राई० जी० 340, भोपाल श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति को वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन्त्रकी

एक किता प्लाट नम्बर 69 ब्लाक एचं, शहनशाह गार्डन, गोबन्दपुरा, भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 20-10-1982

प्रकृप आई. टी. एत्. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ष (1) के अधीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 12 अन्तूबर, 1982

सं० भ्रार० ए० मी० न० 238/82-83:—यतः मुझे एम० जगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कते, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं जमीन, जो जेहरापुरम में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), र्राजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री नटराज गौड, पिता: रामस्वामी गौड, 69/ 127, जहरमपुरम, कर्नुल टाऊन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीनिवासा क्लाथ मार्केट फी गैंड इंजिरिनरिंग एन्टर-प्राइसेस, जनरल मैंनेजर, श्रशोक कुमार, 69/127, जहरमपुरम कर्नुल।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूचाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

जमीन विस्तीर्ण 2 एकर्स ग्रीर 20 सेन्टस जहारापुरम राजिस्ट्रीकृत विलेख मंख्या 484/82 सहायक राजिस्ट्रीकृत कार्यालयाधिकारी के द्वारा।

> एम० जेगनमोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद।

ना**रो**ख: 12-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1982

सं० फ्रार० ए० सी० नं० 239/82-83:---यतः मुझे एम० जेगनगोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'डायत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपात, जिसका उपित वाजार मूल्य 25,000/- एउ. सं अधिक है

त्रौर जिसकी सं जमीन है जो जहरमपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावड अनुसुदी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रीधकारी के कार्यात्रय कर्नूल में भारतीय रिजर्स्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी,

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रक्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का काउद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विस्तार विस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री शिवशंकर गौड, पिता: रामस्वामी गौड, 69/ 127, जहरमपुर, कर्नूल, टाऊन।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रीनिवासा क्लाथ मार्केट की गैड इंजीनियरिंग, एन्टरप्राइसेस, कर्नूल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्ण्याकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 एक्सें 20 सेन्टस विस्तीर्ण का जमीन जहरमपुर में सर्वे नं 676/ए, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 483/82, सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालय अधिकारी द्वारा।

एम० जेगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीव : 12-10-1982

प्ररूप आई. की. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर, 1982

सं० म्रार० ए० सी० नं० 240/82-83:—यतः मुझे एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो कल्लूर में, कर्नूल जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपावत श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मों वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आयं की बाबत उक्त ऑधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

1. (1) श्री एन सिवया, पिता स्वामी रेड्डी, (2) श्री एन० शंकरस्य, (3) एन० भास्कर (4) एन नागेश्वर राव, कर्नुल।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स राज राजेस्वरी ट्रेडर्म, (1) डी० काणी विश्वराध गुप्ता और (2) ई० कृष्णयया के द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में करेई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाना होती हो, के भी कर पृयोवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी नारील से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—इंसमी प्रयक्त कब्बी और पदी ता, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क की एरिभाषित ही, वही अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय मी दिया गया ही।

अनुसूची

कल्लूर गांव में 50 सेटस दिस्सीण का जमीन जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 489/82 सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालयाधिकारी द्वारा।

> एम० जेगनमोहन, (भाग तो उपने सहायक आयक्षण जायुक्त (।सर्काक्षण) अर्जन रीज, हैदराबाद ी

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीख : 12-10-1982

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1982

सं० ग्रार० ये० सी० न० 241/82-83.—यतः मुझे एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो कल्लूर गांव, कर्नूल जिला में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची मे ध्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कर्न्ल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री एन० सिवस्या पिता स्वामिरेड्डी, एन० शंकरस्य, एन० भास्कर, एन० नाग्य्यरस्य, पिता: एन० सिवस्था, कर्नुल।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स राजराजेण्यरी ट्रैडर्म, कासीविण्यनाथ गुप्ता द्वारा कर्नूल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कल्लूर गांव में 32 सेंट्स विस्तीर्ण का जमीन जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख संख्या में 504/82, सहायक रिजस्ट्रीकृत कार्यालयाधिकारी द्वारा।

एम० जेगनमोहन, सक्षम श्रक्षिकारी

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 12−10−82

माहरू

प्ररूप आई. टी एन. एस -----

आसकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबद हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर, 1982 ि नं० 242/82-83—यत. मुझे एम०

सं० ये० सी० नं० 242/82-83---यत. मुझे एम० जेगनमोहन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी संव जमीन हैं, जो कल्लूर गांव कर्नूल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णक्ल मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय कर्नूल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 17) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अभीन निम्निनिशत व्यक्तियों, अर्थात् :--28--346GI/82

 श्री जे० रामचन्द्र रात्र डिजिजनल इंजीनीयर, टेलिकम्यू निकेशन्स, कर्नल ।

(भन्तरक)

2 वि॰ टेली कम्यूनिकेशन्स डिपार्टमेंट एम्पलाईस को-ग्रापरेटिय ह्नास बिल्डिंग सोसाइटी नं॰ पी॰ 1459, कर्नूल 518050।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्विक्स व्यक्तिगरें में से किसी व्यक्ति देवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तची

कल्लूर गांव में 15 एकर्स विस्तीर्ण का जमीन रिजस्ट्री कृत विलेख मंख्या नं० 629/82 सहायक रिजस्ट्रीकृत कार्यालय मधिकारी द्वारा कर्नूल।

> एम० जेगतमोहन, सक्षत्र प्राधिकारी सहायक आवकर आयुक्त (निरौक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद।

नारीख: 12-10-82

प्रक्य बाहै टी एन एस. -

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

नारत बर्चार

कार्यानय, तहायक नायकार नायका (विरोक्तण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अक्तूबर, 1982

सं० ग्रार० ये० सी० न० 243/82-83 --- यत मुझे एम० जेगनमोहन,

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वा हैवित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो घान्दनगर, श्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रार० श्रार० जिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, फरवरी, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करते का कारण है कि यथा प्वाकित सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के गीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक स्त्य में किथन नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई फिथी भाग की बाबत, उक्त बिधानियम से बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्प्रिया के लिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तिनों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा भनकर नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विभा के सिए?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 260-म को अन्सरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 260-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियन व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री श्रशोक रेड्डी, पिता: बुच्चा रेड्डी, बन्दामुकुम, जमीरपुर गांव, संन्गारङ्डी।

(अन्तरक)

 वामन कोम्रापरेटिव सोसाइटी, नं० 5-57, चन्दा नगर, विलेंज-रंगा रेड्डी जिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्येप्:---

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की सब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर अकत स्थानर संपत्ति में हितजब्ध किसी जन्म स्मीकत इंगारा च्यांहरताकरी के पास जिसक में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चन्दानगर विलेज, श्रार० श्रार० जिल्ला में एस० नं० 254 6 एकसे का जमीन जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख में 1156/82 सहायक रजिस्ट्रीकृत कार्यालय श्रधिकारी द्वारा श्रार० श्रार० जिल्ला।

एम० जेगनमोहन, मक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-82

प्ररूप आर्द्घ टी. एन. एस.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक, 14 अक्तूबर 1972

स० ग्रार० ये० मी० न० 244/82-83 -- यत मुझे एम० जेगनमोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० जमीन है, जा चन्दा नगर ने स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्णक्य से वर्णित है, राजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यागय श्रार० श्रार० जिल्ला मे भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्स सपित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिस्त उद्दृश्यों से उक्स अन्तरण निसित्त में बास्तिक रूप से किंथत नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु '--

 श्री एम० रबीन्द्र रेड्डी, पिता बुच्चा रड्डी, बन्दम कुमू, सगारेड्डी, तालुख ।

(ग्रन्तरक)

2 बैमाना कोग्रापरिटव हैिमग सोमाइटी लिमिटेड, घर न० 5-57 चन्दा नगर, घेव, ग्रार० श्रार० जिल्ला।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध म कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सचना क राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीनर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस मूचना क राजपन् मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन क भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेग ।

स्पष्टीकरण: — इसमा श्रय्कत गढदा आर पदा का, आं उक्त अनिचित्रमा के अन्यय 200क में पिन्भाषित हुँ, वहीं अर्थ हागा जा उप अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जैसाफि विस्तीर्ण 6 एकड़ सखे न० 254 चन्दा नगर चैव मे र्राजस्ट्रीकृत विलेख न० 1157/82 र्राजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी आर० आर० जिल्ला मे है।

> एम० जेगनमोहन, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेज. हैदराबाद

तारीख . 14-10-1982 मोहर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस.--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनाक 14 भक्तूबर, 1982

स० मार० ये० सी० न० 245/82-83 — यत. मुझे, एम० जेगनमोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० जमीन है, जो चन्दानगर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रार० आर० जिल्ला मे भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बालाबिक रूप से कथित नहीं कि बा गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बायत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के अलरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिविस व्यक्तियों, अर्थाच् :--

- श्री एम० पदमा रेड्डी, पिता बुच्चा रेड्डी, बन्दम कुमू, श्रमीर पुरा, सगारेड्डी तालुक।
- (भ्रन्तरक) 2 वेमना कोम्रापर्रेटिव हैसिंग सोसाइटी हैच न० 5–55

चन्दा नगर भार० भार० जिल्ला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पटकोकरण :--इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एस न० 254, 255 विस्तीर्ण 6 एकरस चन्दा नगर वब में जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1158/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रार० ग्रार० जिला में है।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-10-1982 मोहर : प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 भ्रक्तूबर, 1982 म० भ्रार० ये० मी० नं० 246/82-83:—-यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० येम न० 254 है, जो चन्दानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बिणत है), रजिस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ग्रार० जिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दम्ने के अन्तरक के दायित्व म कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर को धनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री एम० नर्रासहा रेड्डी, ग्रमीर पुरा, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. वैमाना कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिसिटेड चन्दानगर, हैच नं० 5-57 चन्दानगर, ग्रार० श्रार० जिल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतिस के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बविध बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधेहस्ताक्षड़ी के पास सिबित में किए ला सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं !

अनुस्की

जमीन 6 एकरस चन्दानगर घव मे रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1159/82, रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी श्रार० श्रार० जिल्ला।

> एम० जेगन नोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1982 सं० ग्रार० ये० मी० नं० 247/82-83.—यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० एस न० 585 है, जो मेडचल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेडचल में भारनीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री ए० बेहरम चिनाय पति बि० डि० चिनाय,
 और 9. दिडिगल घव।

(ग्रन्तरक)

2. बार बीर कृष्णा रेड्डी पिता केर रामचन्द्रा रेड्डी (2) सि. स्रोनिवास, पिता सिरु एनर सास्ती, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संख्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिना गया है।

अमृस्ची

जमीन नं० 585 जैसे कि विस्तीर्ण 5 एकड़ 30 गुंटा दिक्षिंगल विलेज, मेडचल रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 675/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी मेडचल।

> एम जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-1982

पऋष अष्ट ही धन ग्म -- --

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1982 सं० श्रार० ये० सी० नं० 248/82-83.—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसम इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 604 ग्रौर 605 है, जो दिडिंगल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णस्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मेडिचल में भारतीय रिजस्ट्रकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाप के लिए अंतरित की गई है और मूभ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

शी ए० बेहरम चिनाय पित बि० डि० चिनाय, श्रीर 9, दिंडिभल घव।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती एम० श्यामाला देवी पत्नी एम० मादाबाराब थेररामजिल, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन को अपिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन येग्स नं० 604 और 605 विस्तीर्ण 5 एकरस 2 गुंटा दिशिगल घव रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 674/82 रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी मेडिचल।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैदराबाद।

नारीख: 11-10-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-**म** (1) के अ**धी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 भ्रक्तूबर 1982

सं० भार० ये० सी० नं० 249/82---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 98/1,2,3 है, जो दूपल्ली गांव बोदन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से अर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ला ग्रधिकारी के कार्यालय बोदन में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 কা 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के रूपमान असिफोल के लिए अन्तरित की गई हैं और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का **पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और** अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गुमा प्रतिफल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिमित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री यिकामुद्दीन शेक यिमाम पिता निजामुद्दीन शेख यिमाम, जि० पि० ये० बुरहाममुद्दीन शेक यिमाम, बोदन । (ग्रन्तरक)
- 2 मास्टर ये० के० बाब्खान, पिता मियासुद्दीन बाबखान, मार्डयन पिता, रोचांडु, बोधन।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (न) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विका गया है।

अनुसची

जमीन 6 ऐकरस 18 गुंटा रोचांडु बोधन रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 834/82 रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी बोधन।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-1982

पणप आई टी एन एम

अपयापर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अ<mark>धीन सूच</mark>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद दिनाक 1/8 श्रक्तबर 1982

स० श्राप्त ये० सी० न० 250/82-83 — यत मुझे एम० जगन मोहन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. स अधिक है

श्रीर जिसकी स० 94/1, 95, $96 \$ है, जो बोधन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रिधिकारी के कार्यालय, बोधन में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, $1908 \ (1908 \ \text{का} \ 16)$ के श्रिधीन फरवरी, 1982

का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है --

- (क) अंतरण मंहर्द किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दंग के अंतरक के दायित्व म कमी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती देशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने म सिवधा क लिए,

श्री विकासहीत लेक शिषाण शिषा बिगासहीत लेक श्रिमाम जिरु पिरु येरु सगहूम प्रत्लार्ध्वात बाधन । (अनारक)
श्री एसरु करीम बाबुखान, जिला बणीरहीन बाब

थी एम० करीम बाबुखान, जिला वणीरहीन बाबु खान, गारिष्ठयन, पिता राचारा घव बाबन। (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोतन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हु।

उक्त संपरित के सम्बन्ध मं कोई आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमा प्रयक्त शब्दो और पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो पिरभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया ही।

अनुसुची

जमीन 3 येकरम 27 गृटा दूपल्ली घँव बोधन तालूख विस्तीर्ण राजस्ट्रीकृत विलेख न० 828/82 राजस्ट्रीकर्त्ता श्रिध-कारी बाँधन।

> एम० जगन मोहन सक्षय प्राधिकारी (सहायक श्रायकर स्रायुक्त) निरीक्षण स्रर्जन रेज, हैदराबाद।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनगरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 14—10—82 माहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. --

आयकर अधिभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 प्रक्तूबर, 1982

मं० श्रार० ये० सी० नं० 251/82-83:—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 29/2, 97/3, 97/4 है, जो दूपल्ली घव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्मा श्रिधकारी के कार्यालय, बोधन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दो के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे स्विधा के लिए;

- विकामुद्दीत शैक विमास, पिता निजामुद्दीत शैक विमास जि० पि०ये० बुरहामुद्दीत शैक विमासुद्दीत, बोधन। (श्रन्तरक)
- श्री माहसिन ए. के० बाबुखान, गानडियन पिता गियासुद्दीन बाबुखान, पोचारम, बोधन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर गम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेरो

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 6 एकरस 8 गुंटास दूपस्ली धव में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 818/82 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, बोधन ।

> एम० जगन मोहम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 14-10-82

माह्र :

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर अभिनयम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 भ्रक्तूबर, 1982

सं० म्रार० ये० सं० नं० 252/82-83.—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' हहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/= ह० से ग्राधिक है

धौर जिसकी सं० 227, 228/1 है, जो दूपल्ली बोधन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बोधन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन फरवरी 1982

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ति संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री यिक्रामुद्दीन श्रीक यिमाम, पिता निजामुद्दीन श्रीक यिमाग जि० पि० ये मकदूम अल्लावुद्दीन, पोचारम, बोधन तालुक।

(भ्रन्तरक)

 श्री मोहसिन ये० के० बाबुखान, पिता गियासुद्दीन बाबुखान जि० पि० ये० पिता पोचारम, बोघन तासुक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा ध्योहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकेंगे।

ननस्यो

जमीन विस्तीर्ण 4 एकरस 19 गुंटास दूपल्ली घव में रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 817/82 रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी बोधन।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव ।

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 14 भ्रक्तूबर 1982

स० श्रार० ये० सी० न० 253/82-83 — यत मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7/1 है, जो बोधन में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बोधन में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधनाम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन फरवरी, 1982 को पूर्वों क्स सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं अे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सपित का उचित बाजार मूल्य उमके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नोलियन उद्देश्य स उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विभा के लिए;

 श्री यिकामुद्दीन शैक यिमाम, पिता निजामुद्दीन शैक यिमाम, पौचारम, बोधन।

(म्रन्तरक)

 बशीर फारम, पास्टनर, गियासुद्दीन बाबुखान, पिता लेट ये० के० बाबुखान, पोचारम बोधन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समरत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त म्थानर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

जमीन विस्तीर्ण 5 एकरस 17 गुटा पीचारम घव बोधन, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 794/82 रजिस्ट्रीकर्तां ग्रिधि-कारी, बोधन।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्हिलियत व्यक्तियों, अर्थात् .---

तारीख 14-10-1982 मोहर प्ररूप गाई. टी. एन. एस.

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) का बार। 269-व (1) के मेबीत ग्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, 14 ध्रक्तूबर, 1982

्र म० ग्रार० ये० सी० न० 254/82-83—-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी में 93/1, 93/3 है जो दूपल्ली में स्थित है, (ग्रौर इसमें उपावड़ ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्द्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय बोधन में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन फरवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उमके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है मौर पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐस प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्या के कथिय नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण णे हुई किया प्राप की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायर में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन सा अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें सारताय भ्राप-गः श्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या जनत अधिनियम, या यान-कर पधितियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनायं न्यिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था । किया जना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की गारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निखिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री यिक्रामुद्दीन भौक यिमाम, पिता निमामुद्दीन भौक यिमाम जि० पि० ये० फसीयुद्दीन भौक यिमाम, बोधन।

(श्रन्तरक)

2. श्री मोहमिन ये० के० बाबुखान, पिता गिपासुद्दीन बाबुखान जि० पि० ये० पिता पोचारम, बोधन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएकार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) उर सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भा प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किमी प्रस्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रश्वीहस्ताक्षरी के पास
 निखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रमुखत गब्दों ग्रीर पर्माका, जा खक्त ग्रिश्वित्यम क ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी ग्रथं होगा, जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन विस्तीर्ण 2 एकर 4 गुंटा दूपल्ली गांव में राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 835/82 राजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, बोधन ।

> एम० जगन मोहन, सक्षय प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-2982

मोहर .

प्रस्त आई. टी. एन. एस.----

नावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 14 अक्तूबर, 1982 सं० श्रार० ये० सी० न० 255/82-83:—यत मुझे, एस. जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 58/1, 58/2 है, जो नल्लाकुंटा हैदराबाद स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जिक्काडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, के, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) अधीग, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् — पदमा को झापरेटिब हौसिंग सोसायटी लिमिटेड नल्ला-कुंटा हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 पि० कामालाम्मा, पित विटल, 14-11-1116, गम बाजार, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उसूत अधिनियमं, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

जमीन प्लाट नं० 32. एस नं० 58/1 58/2, भ्रौर 12 विस्तीर्ण 263 चतुर गज रजिस्ट्रीकृष विलेख नं० 243/ 82 रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी चिक्कडपल्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-10-1982 मोहर. प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

है्दराबाद, दिनांक 14 श्रक्तूबर, 1982

सं० म्रार० ये० सी० न० 256/82-83---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

स्नायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो कांग्राला काड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी, 1982

मो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत अधिक है 'र मन्तरिक (अन्तरकों) भीर मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गयाप्रति-फल निम्मलिखित उद्दश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्ति क्या में किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अग्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धीवनियम, या धनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- । श्री ग्रार० विलोक कुमार, पिता कृष्णा कुमाए, वर न० 180, बोनेपल्ली, सिकिदराबाद।

(ग्रन्तरक)

१ पि० जनाग्दना गेड्डी, पिता मदुसूदन गेड्डी 6-1-280/ये पदमागव नगर, सिकिन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की सर्वाध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की श्रवधि, खो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन येस न० 217, 218 विस्तीर्ण 22 एकरम कोश्रा लिकाम बिलेज मेडचल रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1286/82 र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, मेडचल।

> एम० जगन मोह्रत, लक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> श्रर्जन रेज, हैदरा**बाद**।

तारीख 14-10-1982

पास्प आर्ड. री. एन एस .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्सबाद

हैदराबाद, दिनाक 14 श्रक्तूबर 1982

सं० श्रार० ये० मी० नं० 257/82-83----यतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ष्मौर जिसकी मं० पलाट है, जो मातरुक्षी श्रपारटमेंट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चिक्काडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ताम्तविक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अनत्रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) गातरु**क्षी इंजी**नियर्स स्रौर निलडर्स प्राप्टवेट लिमिटेश 3-5-873, हैदरगूडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) कृमारी परामेस्वर भ्रम्नवाल, पिता मटाडिन भ्रम्नवाल घर 1-3-441/य-3 चिक्काडपल्ली हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्दत स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 203 डी ब्लाक विस्तीर्ण 812 चतुर फीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 338/82 रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी चिक्काडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 14-10-1982

प्रारूप आहें.टी.एन.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० श्रा० /श्रर्जन/1391—श्रतः मुझे मोहन-सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18-2-1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- 30-346 GI/82

- (1) श्रीमती ज्योति कुमारी पत्नी कैंप्टन राम चन्द, नीयर श्रार० सी० चर्च, 71 जैमनी सीनियर नवल श्राफिसर्स ब्लाक, बस्बई ।
- (ग्रन्तरक)
 (2) श्री नर नारायण पुत्र श्री हरी नारायण श्रासोपा,
 गास्त्री नगर, जौधपुर ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जकत संपतित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया। संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

1033 वर्ग मीटर फ़ीहोल्ड भूमि, सेन्ट्रल स्कूल के पास, ऐयर फोर्स एरिया, जौधपुर जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 197/202 दिनांक 18-2-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर बिस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 14-10-1982

मोह्नर:

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आहाँ, टो. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1982

सं॰ राज॰/सहा॰ श्रा॰ श्रर्जन/1390—श्रतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-, कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती ज्योति कुमारी पत्नी कैंप्टन राम चन्द, ग्रार० सी० चर्च के पास, 71 जमेनी, सीनियर नवल श्राफिसर्स ब्लाक, बम्बई।
- (2) श्री भक्ति नारायण पुत्र श्री नर नारायण भासोपा, शास्त्री नगर, जौधपुर । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, वा उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वम्स्यी

1213 वर्ग मीटर फ़ी होल्ड भृमि, केन्द्रीय विद्यालय, के पास, ऐयर फोर्स ऐरिया, जीवपुर जो उप पंजीयक जौध-पुर द्वारा कम संख्या 355/360 दिनांक 16-2-82 पर पंजी-बद्ध विकय पव में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जमपूर

तारीख: 14-10-1982

वृक्य बाह्य ही एन एत . --

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुवना

भा<u>रत</u> सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आपूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1982

सं राज । सहा । श्रा । श्र जंन | 1424 — श्रत : मुझे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 - स के सधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 587 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-2-1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंत्रका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाय की नायक, उक्त जिनित्य की अधीय कर दोनें के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने ने सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सूरजप्रसाद गुप्ता 25 चेतक मार्ग, जयपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगजीत सिंह, 587, राजा पार्क, गली नं 6, जयपुर ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्मित् के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

गन्स्ची

प्लाट नं० 587 नं० 6 राजापार्क जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर, द्वारा कम संख्या 287 दिनांक 25—2—1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, जयपुर

तारीख :11---10--1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस्.----

भायकर मिसिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के भाषीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० आ० प्रर्जन/1415—प्रतः मुझे, मोहन सिंह नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सम्पत्ति का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 10~2~1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।—

- (क) भग्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त मिस-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के भग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (बा) ऐसी किसी झाय या किसी धन या घन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय झायकर झिंछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त झिंछिनियम, या धन-कर झिंछिनियम, 1957 (1957 का 27) के झयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए।

मतः सन, उन्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं उन्त श्रविनियम की धारा 269-थ की जपशास्त (1) के अभीन निम्नृतिशिक् व्यक्तियों, अर्थाक्:--- (1) श्री एम० एस० राव पुत्र श्री इन्दर राज राव निवासी डी०-36 सुभाप मार्ग, सी०-स्कीम जयपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार चोरडिया पुत्न श्री लाभ चन्द चोरडिया, 19 होस्पीटल रोड, जयपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मति के प्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत : --

- (क) इस पूचा के राजात में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की प्रविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की प्रविधि जो भी प्रविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की नारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य क्यकित द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--- उसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पढ़ों हा, जो उक्त श्रीध-नियन के श्रीधार 20-क में परिमाधित है, बही श्रुष्टें होगा, जो उन प्रधान में दिया गया है।

नगर्सकी

सी०-61, संग्राम कालोनी, सी०-स्कीम, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 169 दिनांक 10-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह समक्ष प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-10-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

सारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० राज०/महा० श्रा० ग्रर्जन/1414--श्रतः मुझे, मोहन सिंह.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या सम्पत्ति का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-2-1982।

को पृथों कत संप्रित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनय्स, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० एस० राव, पुत्र श्री इन्दर राज राव निवासी डी०-36, सुभाप मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर,।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ताराचन्द पुत्र श्री लाभ चन्द चोरडिया,19 हास्पीटल रोड, जयपुर, ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्स संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सी०-61, संग्राम कालोनी, सी०-स्कीम, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक जयपुर, द्वारा क्रम संख्या 167 दिनांक 1,0-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 11-10-1982

प्ररूप शाइ े टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० मा० श्रर्जन/1413—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 10-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री एम॰ एस॰ राव पुत्त श्री इम्बर राज राज, डी॰--36, सुभाष मार्ग, सी॰--स्कीम, जयपूर।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री श्रानिल कुमार चोरिडया पुत श्री लाम अन्द चोरिडमा, 19 होस्पीटल रोड, जयपुर। (शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, दो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

प्लाट नं० सी०-61, संग्राम कालोनी, सी०-स्कीम, जयपुर, जो उप पंजीयक, जयपुर, द्वारा कम संख्या 168 दिनांक 10-2-1982 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोज्जून सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कमपुर

तारीब : 11-10-1982

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० मा० मर्जन०/1412---म्रतः मुझे, मोहन

सिंह्,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सम्पत्ति का माग है तथा जो जयपुर में, स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख 10-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अने या अन्य आस्तियों ना, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकए अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, भा छिपाने में सविधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० एस० राव, पुत्र श्री इन्दर राज राव, नियासी श्री०-36, सुभाष मार्ग। सी०-स्कीम, जयपूर,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुशीला चोरडिया पत्नी श्री लाभ चन्द चोरडिया, 19 हास्पीटल रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपंत्रि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भम्पित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी

स्पध्दीकरण --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

प्लाष्ट नं क्सी कि 61, संग्राम कालोनी, सी कि स्कीम, जयपुर, पर स्थित सम्पत्ति का भाग, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 170 दिनांक 10-2-1982 पर पंजीबाउँ विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 11-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा०/ श्रा० श्रर्जन/1411—श्रतः मुझें, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० सम्पत्ति का भाग है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 10-2-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्प म कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० एस० राव, पुत्र श्री इन्दरराज राव निवासी डी०-36, सुभाष मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजय चोरडिया पुत्र श्री लाभ चन्द चोरडिया, 19 हास्पीटल रोड, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० सी० 61 संग्राम कालोनी, जयपुर पर स्थित सम्पत्ति का भाग जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 166 दिनांक 10-2-1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर,

नारीख: 11-10-1982

प्ररूप काइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारा सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन र'ज, जयपर

जयप्र, दिनाक ।। अक्तूबर 1982

आदेश संख्या : राज /महा. आ. अर्जन/1410---यतः म्भे, मोहन सिंह,

श्रायकर श्रीधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चान् 'उकन श्रीधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ज के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी स. दुकान न. 363 है, तथा जो जयप्र में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, जयपुर मा, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 25 फरवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आिर यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में निवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् ६---- 11—346 GI/82

(1) श्रीमती सूमिशा देवी गन्नी श्री नागरमलजी जयप्रिया निवासी सी-46, साउथ एक्सटन्शन, वाग-2, नर्झ दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुन्दरदाम सोंखिया पुत्र श्री भगवानदास मोंत्रिया, चौड़ारास्ता, जयपुर,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, नहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 363 स्थित चौडा रास्ता, जयपुर, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 328 दिनांक 25-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न मे ग्रौर विस्तृत रूप भूसे विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

तारीख : 11−10~1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1982

मं० राज ./सहा० ग्रा० प्रर्जन/1409—ग्रनः मुझे, मोहनसिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहः में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० दुकान नं० 363 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 25-2-1982

को पृष्ठीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त श्रीधानयुम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नृतिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सुमित्रा देवी पुत्री श्री नागरमलजी जय-पुरिया निवासी सी-46, साउथ एक्सटेंणन बाग-2, नई दिल्ली, । (श्रन्तरक)
- (2) श्री गोंपाल दास सोखिया पुत्र श्री भगवान दास, सोखिया भवन, चौड़ा रास्ता, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

दुकान नं० 363 के फर्स्ट फ्लोर पर एक फ्लेट चौड़ा रास्ता, जयपुर, जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 327 दिनांक 25-2-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न मे ग्रौर विम्नृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर]

तारीख: 11-10-1982

प्ररूप आहाँ, टी एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 11 अक्तुबर 1982

मं० राज०/सहा० ग्रा० प्राजंन/1408—यतः मुझे, मोहन सिह आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान नं० 368 तथा जो जयपुर में, स्थित हैं, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वांणत हैं, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण सं हुइ किसी जाम की बाबस उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व मं कामी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती सुमित्रा पुत्री श्री नागरमलजी जयपुरिया, निवासी सी०-46, साउथ एक्सटेंशन बाग-2 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हनुमानदाम सोंखिया पुत्र श्री भगवानदास, सोखिया भवन, चौड़ा रास्ता, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्तं स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 368, चौड़ा रास्ता, जयपुर जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 325 दिनांक 25-2-1982 पर पजीबद्ध विऋय पत्न में और विस्तृत रुप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, जयपुर

नारीख : 11-10-1982

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भाडा 269-म् (1) के ब्भीन् सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1982

सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रजन/1407—यतः मुझे, मोहन सिह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छवत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण ही कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक ही

स्रौर जिसकी म० दुकान नं० 369 है तथा जो जयपुर में, स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-2~1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त, अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, अबत आंधीनयम की धारा 269-ग क, अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्रीमती सुमित्रा देवी पुत्री श्री नागरमलजी जयपुरिया निवासी सी-46, साउथ एक्सटेंशन, वाग-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्षमण दास सोंखिया पुत्र भगवान दास, सोंखिया भवन चाँड़ा, रास्ता, जयपुर,।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपु :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 369, स्थित चौडा रास्ता, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋग संख्या 326 दिनांक 25-2-82 पर पंजीबद्ध विऋय पद्म में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख . 11--10--1982 मोहर: प्राप्त्य कार्य की एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज जग्गुर

जयपुर दिनाक 11 स्रक्तूबर 1982

स० राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन०/1401—-ग्रन मुझ माहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चाद 'उन्ति अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- रुप्त सं अधिक है

श्रौर जिसकी स० भूमि हे तथा जा जाधपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावह श्रनुस्ची म ग्रीर पूण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जौधपुर म रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19 फरवरी 1982

का पूर्वाक्त सपरित क उचित बाजार मृत्य स कम त दश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मफ यह निश्तास करने का कारण है कि यथापर्वातन सपरित का उचित बाजार मृत्य, उसक दश्यमान पानफ न प, एस दश्यमान अप्तफ न के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनारका) और अन्तरित किया गिर्मारितियों) हे बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नितियों उद्देश्य से उपन अन्तरण लिखन म नाम्निविक मण से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहर्इ किसी आय को बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व म कमी करन या उससे बचन में सृविधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी वन अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उत्तात अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 का 27) के भवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या रिज्या जाना चाहिए थार छिपाने में सिन्धा के लिए।

अत अब, उन्तर अधिनियम ही भारा 260-ग हो, अनगरण मो, भी उन्तर अधिनियम का धारा 260-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिया, अर्थात् ——

(1) श्री पारस राम पुत्र श्री प्रभूदान प्रजापित, निवासी जौधपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किणन खेमचन्दाना पुत्र श्री लोक्मेल सिधी सरदारपुरा जीधपुर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचल जारी करके पूर्वाक्त सपिता के अलन के लिए कार्यवाहिया करना हो।

उत्तत सपहित के अर्जन क सबध मा काई आक्षप --

- (क) इस सचना हो राजपा मा प्रकाशन की तारीख स 15 दिन की अवधि या तत्सवधी "प्रक्रितयो पर सचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पर्वाकत पवितयों मा गा किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ग) इस सचार के राजपंत्र मा प्रकाशन की नारीस स 15 दिन त' भीतर उका स्थावा सपत्ति मा हितनद्थ किसी अन्य व्यक्ति दक्षा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति मा किए जा सकता।

स्पष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

267 वर्गगज भूमि फी होल्ड स्थित प्लाट न० 86, एच० णास्त्रीनगर जौधपुर जा उप पंजीयक जौधपुर द्वारा क्रम सख्या 395 दिनाक 19 फरवरी, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ख्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है ।

मोहन सिठ मक्षम प्राप्थिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

नारीख 11-10-1982

माहर

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 स्रक्तूबर, 1982

सं० राज०/महा०म्रा० म्रर्जन/1402—यनः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो जीधपुर में स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 18-2-1982।

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपान में मूनिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त विधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री महेन्द्र कुमार पुत्न श्री मोहन राज भण्डारी, उदय सदन, चोपामनी रोड, जौधपुर, । (श्रन्तरक)
- (2) डा० यशवन्त कुमार बोत्था पुत्र हिम्मत सिंह, निवासी उदयपुर वर्तमान निवासी जौधपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूपत शब्दों और पदों का, जो उक्त कि अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में वियाग्या है।

अनुसूची

चीरघर, चोपासनी, जौधपुर में स्थित 500 वर्गगज फ़ीहोल्ड भूमि जो उप पंजीयक, जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 381 दिनांक 18→2−1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 11-10-1982

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • --

आयकर पिष्ठिनियम, १२६१ (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीर मूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1982

मं० राज०/महा० भ्रा० श्रर्जन/1388--श्रतः मुझे मोहन सिंह,

पायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भंधीन सक्तम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये में अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भृमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख

18-2-1982

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के वृध्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह निण्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, उसके वृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिशात से भाषिक हैं और मन्तरक (अन्तरकों) और प्रअन्तरिती (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !—

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय को बाबत छन्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के रायित्व में कभी करन या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी िसी अप पा किसी धन या प्रन्य आर्थिन को जिन्हें भारतीय आयकर द्रिधिनयम, 192 के (1924 का 11) या उन्त प्रक्षिनियम, या धन-कर द्रिधिनयम, या धन-कर द्रिधिनयम, या धन-कर द्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मृत: अब, सक्त अधिनियम की धार्यू 789-ग के अनुमरूण में, में, सक्त पश्चितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रामीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थान् .—— (1) श्रीमती ज्योति कुमारी पत्नि कैप्टन रामचन्द, ग्रार० मी० चर्च के पास, 71 जमेनी मीनियर नवल श्राफिसर्स ब्लाक, ब्रम्बई ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रजब श्रमी पुत्र श्री मुस्ताक श्रहमद, बी० सैक्टर, शास्त्री नगर, जौधपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

नकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रासेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों ,पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर अवन स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गड्दों और गर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही धर्य होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1268 वर्ग मीटर फ़ी होल्ड लैण्ड, सैन्ट्रल स्कूल के पास ऐसर फोर्भ ऐरिया, जीधपुर जो उप पजीयक, जौधपुर द्वारा ऋम संख्या 181/169 दिनांक 18-2-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न मे ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

मोहन सिह मक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-10-1982

मोहरः

प्ररूप आई°टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर दिनांक, 14 श्रक्तूबर, 1982

मं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1389—श्रतः मुझे मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भृमि है तथा जो जौधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जौधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्रीत तारीख 16-2-1982

को पूर्वेक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्नविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती ज्योति पत्नी कैप्टन रामचन्द, गारक सीठ चर्च केपास 17, जमेनी सीनियर नवल श्राफिसमं ब्लाक,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुस्ताक श्रहमद, हाजी ईशाक मोहस्मद, सैक्टर बी०, शास्त्रीनगर जौधपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

अनुसूची

1291 वर्ग मीटर फ़्रीहोल्ड लैण्ड, मैन्ट्रल स्कूल के पास ऐयर फोर्स एरिया, जौधपुर जो उप पंजीयक जौधपुर द्वारा क्रम संख्या 149/154 दिनांक 16-2-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र मे श्रीर विस्तृत स्व विवरणित है।

ाहन सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-10-1982

मोहर .

प्रकृप धाई• टी॰ एन• एस•⊸--

भावकर **पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की** बारा **269-भ (1) के भ्रधीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 20 सिम्तम्बर, 1982

मं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1274--श्रतः मुझे मोहन सिंह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के पधीन सभाप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्षये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्यसे कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मध्यसि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छेश्य से उन्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक छंप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या ग्रन्य श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री सत्यनारायण मिश्रा मुख्तार श्री छोटीलाल जी 19 कृष्ण मार्ग, सी०-स्कीम, जयपुर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती स्नानन्द कुंवर धर्मपत्नी श्री चन्द्रोमी सिह. बरकत नगर, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्मति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ तीगा, जो छम प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट 303.33 वर्ग गज, बरकत नगर, अयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 415 दिनांक 3-3-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह संक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 17 सितम्बर, 1982

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1283—ग्रत मुझे मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3 मार्च, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए, था छिपाने में मृविधा के तिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

- (1) श्री सत्यनारायण मिश्रा, म० श्री छोटीलाल, जी० – 19 क्वाणा मार्ग सी० – स्कीम, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) चन्द्रमोली सिंह पुत्र श्री मुरारीदाम, लाल निवास, वरकत नगर, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेरी

स्पष्टोकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

340 गज का प्लाट बरकत नगर, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर, द्वारा ऋम संख्या 416 दिनांक 3-3-82 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न मे स्नौर विस्तृत रूप में विवरणित है ।

> मोह्न सिह, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर,

तारीख 17-9-1982 मोहर, प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर, 1982

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1393—ग्रत: मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. हे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 51 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय,, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 16 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के, अनुतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अधीन, मिस्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) माधो प्रसाद पुत्र श्री रामगोपाल सोढानी, मुख्तार ग्राम जगन्नाथ कोठरी, जयपुर

(ग्रन्तरक)

(2 श्री मदन लाल पुत्र श्री किशनदास महेश्वरी, जयपुर,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गं

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 51 संग्राम कालोनी, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 734 दिनांक 16-3-82 पर पंजी-बद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज जयपुर

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप, आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 14 म्रक्तूबर, 1982

सं० राज०/सहा० स्रा० स्रर्जन/1392---- स्रतः मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 152 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रुधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3 मार्च 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धनु या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11). या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल क्युक्तियों, नृथ्तिः :--

(1) श्रीमती प्रेम कंवर पत्नी ठाकुर गनपत सिंह, डी०-65, मीरा मार्ग, बनीपार्क, जयपुर,

(स्रन्तरक)

(2) श्री जयप्रकाश एवं तुलसीदास पुत्नान श्री लेखराज मकान नं० 900 मीर बक्षी की गली, खवास जी का रास्ता, जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

दुकान नं. 152, ब्रा० नेहरू बाजार, जयपुर जो उप पंयजीक जयपुर द्वारा कम संख्या 378 दिनांक 3-3-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृपत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जयपुर

तारीख: 14-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 12 अन्तूबर, 1982

श्रादेश मं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1422—श्रत मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख 16-3-1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

. अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नन्द किशोर पुत्र मोहन दास सिधी निवासी प्लाट न० 242. सिंधी कालोनी, बनीपार्क, जयपूर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती धरमा बाई पत्नी हेमनदास जी, श्रीमती भगवती दवी पत्नी मुरलीधर निवासी 3329, जयलाल मुन्शी का रास्ता, जयपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

प्लाट नं ० ए०-56, सीकर हाउम, चान्दपोल गेट के बाहर, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 677 दिनाक 16-3-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> मोहन सिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखाः 12−10−1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 11 भ्रक्तूबर, 1982

मं० राज. /सहा० श्रा० श्रर्जन/1419—श्रत. मुझे मोहन सिह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप रा विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर मे, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 16-3-1982

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, ए से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री उधवदास गुरुनानी, 778,राजापार्क, स्रादर्श नगर, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम शर्मा नियासी सूरजथाना वाया मथुरा वर्तमान निवासी 1 ज 10 जवाहर नगर जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे प्रिभाषित गया है।

श्रनुसूची

लीज होल्ड लैण्ड 266.66 (224 वर्ग मीटर) प्लाट नं० 785 ए, सिधी कालोनी, श्रादर्श नगर, जयपुर जो उप पंजियक जयपुर, द्वारा ऋम संख्या 640 दिनौंक 16-3-1982 पर पंजियद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिह् सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 11-10-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

श्रादेण सं० राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/1417——श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन मुक्सम प्राधिकारी को यह विख्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या श्रौद्योगिक प्लाट है तथा जो जयपुर में, स्थित है, श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16 मार्च, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निस्तिय में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मं कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनूसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रोंकारनाथ प्रोपराईटर ग्राफ मसर्म जयभारत इंडस्ट्रीयल कारपोरेशन, जगपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुमन भर्म श्री मोतीराम भर्म, सरम दंजीनियर्स, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मैं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मी०-15, इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर में स्थित श्रौद्योगिक प्लाट जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 670 दिनांक 16-3-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख . 11-10-1982 मोहर : प्ररूप आर्डी. टी. एन एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आव्यत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

ग्रादेण सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1416—-श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16 मार्च, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६—- (1) श्री रघुवरी शर्मा पुत्न श्री श्याम सुन्दर शर्मा निक त्रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) राम किशोर श्रम्भवाल नानाजी की गली, गोपाल जी का रास्ता, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

रावजी का घेर. चौडा रास्ता, जयपुर में स्थित दुकान, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 678 दिनाक 16-3-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 11-10-1982

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.---

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1982

भादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1395—भतः मुझे, मोहन सिंह.

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 7 है तथा जो श्रलवर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रलवर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1982

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पामा गया प्रतिकक्ष, निम्निसिबत उद्देष्य से उक्त अन्तरण किलित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त जीभीनसम, के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अधीत :--- 33—346GI/82

(1) श्री रिवन्द्र नारायण सिंघल निवासी बी-80, सेठी कालोनी, जयपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री मिश्रीलाल ग्रसेरा पुत्र चान्दमल ग्रसेरा, निवासी 36 गोदाम स्ट्रीट, मद्रास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादाः
- (क्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 7, मोती डूंगरी स्कीम, ग्रलवर जो उप पंजीयक श्रलवर द्वारा मार्च, 82 मे पंजीबद्ध विक्रय पत्न संख्या 626 में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 11-10-1982

प्रकप घाई० टी • एन • एस •-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 अक्तूबर 1982

म्राक्ष सं० राज०/महा० भ्रा० म्रर्जन/1376—मतः मुझे, मोहन सिह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उयत अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269 ख के अधीन राक्षण प्रधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. रो अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर मे, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 17-3-1982

की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में अभा करने या उसस बचन में मोयधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19) 2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाजनाथ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .--- (1) श्री हरी नारायण पुत्र श्री किशन लाल एवं श्री मदन लाल पुत्र श्री बालाबक्ष, ग्रनाज मंडी, चान्दपोल, जयपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्र मणि देवी पत्नी श्री पदमचन्द. शिवदासपुरा तहसील चाकसू जिला जयपुर । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्का मा किए जा सकारे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्ची

प्लाट नं० 18 का श्राधा भाग, दूदू वाग, संसार चन्द रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 776 दिनांक 17-3-1982 पर पंजीबद्ध विकथ पत्न मे श्रौर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण्प्रे श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखा: 14-10-1982

प्ररूप आई टी एन.एस --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 भ्रक्तूबर 1982

स॰ राज॰/सहा॰ मा॰ म्रर्जन/1377—म्रत मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उात अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा में अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० प्लाट न० 18 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्पालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 मार्च, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अतिशितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया स्था प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना प्राहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात:---

(1) श्री हरि नारायण पुत्र किशनलाल एव मदनलाल पुत्र बालाबक्ष ग्रनाजमटी चान्दपोल बाहर, जयपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी कैलाश चन्द, शिवदासपुरा तहसील चाकसू जिला जयपुर। (श्रन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अविधि या तत्त्मम्तनी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाह-साक्षणी के पास तिस्तिन में किए जा सक्तरों।

स्पच्छीकरण:---इसोम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उपत अधिनयम के अध्याय 20-क मो पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18 दूदू बार ससार जन्द रोड, जयपुर का आधा भाग जो उप पजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 608 दिनाक 15-3-1982 पर पजीबद्ध विकय पत्न मे और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर,

तारीख 14-10-1982 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०---

भायकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं० राज० सहा० श्रा० श्रर्जन/1406---श्रत. मुझे, मोहन सिह,

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधोन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जयपुर मे स्थित है, (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-4-1982 |

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकत से ग्रिक है और मन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफन, निम्नलिखित प्रदेश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक उप में कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ऋा) ऐसी किसी आ यया किसी घन या अक्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रवितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के निए;

श्रतः अब, उवत श्रिधिनियम की धारा 269ना के धनुत्तरण में, में, उक्त अधिमियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्रनसिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) ठाकुर करन सिंह पुत्र श्री भूरसिंह निवासी पीलवा गार्डन, मोतीडूगरी रोड, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पारस श्रीमाल पत्नी श्री कनक श्रीमाल निवासी जोहरी बाजार जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह शूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य**वाहियां करता है।**

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई को आक्षोप:~−

- (क) इस सूबना के राज्यत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 विनको अवधियातस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनाको तामील से 30 दिन की घवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की नारी अप से 🕫 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी **ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित** र्मे किए जासकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है,वही धर्व होगा,जो उस **व**≢पाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 366.66 वर्ग गज (308 वर्ग मीटर) रियत प्लाट नं० एच० पीलवा गार्डन, मोतीडूगरी रोड, जयपुर, जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा ऋम संख्या 920 13-4-1982 पर पंजीबज्ञ विऋय पत्न मे भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख**: 11-10-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1380--श्रतः मुझे, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. स अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या बी०-1 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-5-1982 ।

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री किशान लाल गुप्ता पुत्र चिरंजी लाल, जयपुर, (श्रन्तरक)
- (2) श्री रिवन्द्र कुमार गुप्ता पुत्र श्री विभन लाल बी०-1, महावीर उद्यान पथ, बजान नगर, अयपुर, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गया है।

अनुसूची

बी०-1 महावीर उद्यान पथ, बजान नगर, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1023 दिनांक 22-5-1982 पर पंजीबद्ध विऋय पक्ष में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंज, जयपुर

तारीख: 12-10-1982।

प्रकल कार्ड. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्नेक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 ध्रक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा० भा० ग्रर्जन/1403---भ्रतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो कूकस तहसील जमकारामगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जमबारामगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन तारीख 24-5-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (शंत्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीध-नियम के व्यथिन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिये; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) ग्यारसा पुत्र हरदेव बाह्मण निवासी कूकस तहसीस जमवारामगढ़ जिला जयपुर ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज श्रम्भवाल पत्नी श्री मनोहरदास श्रम्भवाल, बी०-144, तिलक नगर जयपुर। (श्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया! गया है।

अनुसूची

क्रुपि भूमि 5 बीघा 19 बिस्वा स्थित ग्राम कूकंस तहसील जमवारामगढ़ जिला जयपुर जो उप पंजीयक जमवा-राम गढ़ द्वारा क्रम संख्या 558 दिनांक 24-5-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न मे भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, नृष्णि:—

तारीख: 11-10-1982

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 अक्तूबर 1982

सं० राज०/सहा.० म्रा० म्रर्जन०/1404--- म्रतः मुझे मोहन सिंह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो क्कस तहसील जमवारामगढ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जमवारामगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-5-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धान्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिष्धा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अभीतः:——

- (1) श्री ग्यारसा पुत्र श्री हरदेव बाह्मण निवासी कूकस जिला जयपुर तह० जमवारामगढ़ (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मनोहरदास श्रग्नवालं पुत्र श्री बृज मोहन श्रग्नवाल, बी-144 तिलक नगर, जयपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति है पर्वत के संबंध में कोई भी बाक्षेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबधी काकिनयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविब, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, स भीतर पूर्वोक्त काकिनयों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाता को तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारी, प्रद्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज महने।

स्नब्दी तरण: ---इनर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'छकन अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो छछ अध्यात में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि 3 बीघा 9 बिस्बा स्थित ग्राम कूकस तहु० जमवारामगढ़ जिला जयपुर जो उप पंजीयक, जमवारामगढ़ द्वारा क्रम संख्या 557 विनांक 24-5-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त ँ(निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 11-10-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1982

सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन०/1405—म्रतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिश्वकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रिश्वित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिश्रीधन तारीख 22-5-1982

को पूर्वोद्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) ठाकुर करण सिंह पुत्र श्री भूर सिंह निवासी पीलवा गार्डन मोती डूगरी रोड, जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पारस श्रीमाल पत्नी श्री कनक श्रीमाल निवासी जोहरी बाजार, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्पे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि 366.66 वर्ग गज (308 वर्गमीटर) स्थित प्लाट नं॰ एच॰ पीलवा गार्डन, मोतीडूंगरी रोड, जयपुर जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा कम संख्या 1038 दिनांक 22-5-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख :11-10-1982

प्राप्तप आर्ड दी एन एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 घ (1) वे अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्मन रेज, जयपूर

जयपुर दिनाक 12 श्रक्तूबर 1982

स० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन०/1420---- प्रत मुझे, मोहन मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिता, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रुप्त में अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 1 जुन, 1982

को पूर्वोक्त सपित का उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अनन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप स किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हर्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा किए।

अत अब', उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अन्सरण मा, मी, ाक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित त्यिक्तियो, अर्थात ——
34—346GI/82

- (।) श्री रमाणकर तिवाडी पुत्र श्री चम्पालाल तिवाडी प्लाट न० । स्थाजियम मार्ग जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) मैं० ली लेपीं बरी (प्राइवेट) लिमिटेंड 218 जोहरी प्राचार जयपुर ((ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध म कोई आक्षप

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो न्हा, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 5, महाबीर तगर, दुर्गापुरा, जयपुर जो उप पजीयक जयपुर द्वारा कम मख्या 1227 दिनाक 1 जून 1982 पर पजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज जयपुर

तारीख 12-10-1982 मोहर प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

यर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 14 श्रक्तूबर 1982

मं० राज०/महा० म्रा० म्रर्जन/1378—म्रतः मुझे, मोहन मिह्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षेत्र, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या वी-12 है नथा जो जयपुर में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-6-1982

को पूर्वोक्त सपिता के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् -- (1) सुमिता पुरन्हें दत्तक पुत्नी श्री शकर कृष्ण राव द्वारा राजम्थान विण्वविद्यालय, जयपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मुख्तयार पुत्र मोहम्मद मृभतात्र 4 मीरजी का वाग, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वाकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं० बी-18, फ्रोह टीबा, म्रादर्ण नगर, जयपुर का भाग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम सट्या 1349 दिनांक 15-6-1982 परपंजीवद्व विक्रय पत्र मे भ्रीर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोह्न सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 14-10-1982

प्ररूप आई.टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 ग्रक्तूबर 1982

श्रदेण सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/1379—अत: मुझे मोहन मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि राजिस समाजित, तिस्ता उच्चि वाजार सत्य 25,000/- रा. से ऑधिक हैं

भ्रौर जिसकी सख्या बी०-12 हे तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकक्तां श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15 जून, 1982।

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास यारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुँ किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती सुमित्रा पुरेन्द्रे पुती श्री गंकर कृष्ण राव द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) मोहम्मद इलीयास पुत्र मोहम्मद मुमताज, 4 मीराजी का बाग, एम० श्राई० रोड, जयपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि क्षाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्लाट न० बी०-2 फतेह्टीबा, श्रादर्ण नगर जयपुर जो उप पयजीक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1350 दिनांक , 15-6-1982 पर पजीबद्ध विकय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिह् सक्षम स्रधिकारी सप्तायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

नारीख : 14-10-1982

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 21st October 1982

No. A-32013/1/82-Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated the 20th April, 1982, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi) to continue to officiate as Senior Research Officer (Hindi) on deputation on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission for a further period of 6 months with effect from 8th October 1982 to 7th April 1983 or until further orders whichever is earlier.

- 2. During the period of her ad-hoc apponitment to the post of Senior Research Officer (Hindi), the pay of Smt. Sudha Bhaugava will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O. M. No. F. 1(11)-E. III(B)/75, dated 7th November 1975 as amended from time to time.
- 3. The appointment of Smt. Sudha Bhargava as Senior Research Officer (Hindi) is purely on *ad-hoc* and temporary basis and will not confer upon her any title for absorption or seniority in the grade.

I. C. KAMBOJ Section Officer for Chairman

New Delhi, the 11th October 1982

No. A-32015/1/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Junior Research Officer (P&S) in the Commission's office for a period of 3 months w.e.f. 13th September 1982 to 12th December 1982 or until further orders whichever is earlier vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave.

KULDEEP KUMAR Section Officer for Secy.

New Delhi-110011, the 8th September 1982

No. 32013/1/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Shimray a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of CSS as Deputy Secretary in the Office of the Union Public Service Commission on ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 17th Aug. 1982 of until further orders whichever is earlier.

The 31st October 1982

No. A-38013/1/82-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. N. Sharma a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st October, 1982 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

No A-38014/2/82-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri K. P. Sen a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the atternoon of the 31st October, 1982 in terms of Department of Personnel O. M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th Novembre, 1978.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.). Union Public Service Commission.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd October 1982

No. 2/3/82.-Admn.—In continuation of this Commission's Notification No. 2/3/82-Admn. dated 16th June 1982, the

Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri M. K. Dixit (CSS Selection Grade) as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission until further orders.

The 25th October 1982

No. 2/1/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Lachhman Singh (1AAS: 62) as Commissioner for Departmental Inquiries in an officiating capacity, in the Central Vigilance Commission in the scale of pay of Rs. 2,000—2,250/- with effect from the torenoon of 16th October, 1982 until further orders.

No. 2/3/82-Admn.—In continuation of this Commission's hereby appoints Shri R. N. Muhuri (IAS/AM 1964) as Commissioner for Departmenal Inquiries in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 2,000—125/2—2250/- with effect from hte forenoon of 24th September, 1982, until further ordres.

No. 2/21/82-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints the following officiating Section Officers of the Central Vigilance Commission in a substantive capacity in that Grade with effect from the dates shown against eact:

- S. No., Name & Date of appointment in the substantive capacity
- 1. Shii S. Paul-6th January 1982.
- 2. Shri H. S. Rathor-1st May 1982.

K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION (DEPARTMENT OF PERSONNEL) MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 4th November 1982

No. A-19020/2/79-AD.V(Vol.II).—The services of Shii S. Subramanian, IPS (1958-AP) Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment are placed at the disposal of SVP, NPA, Hyderabad with effect from the forenoon of 8th October, 1982.

The 5th November 1982

No. A/19036/1/77/Ad.V.—Consequent on his repatriation from Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, Shri L. B. Rao, Deputy Superintendent of Police/CBI, joined CBI/Hyderabad Branch in the same capacity on the forenoon of 22nd October, 1982.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) CBI

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-1100Q3, the 29th October 1982

No. E-32015(5)/2/82-PERS.—On retirement, on attaining the age of superannuation, Shri K. N. Sharma relinuished charge of Section Officer, CISF HQ, New Delhi with effect from the afternoon of 30th September 1982.

2. On re-employment, Shri K. N. Sharma assumed charge of Section Officer, CISF HQ, New Delhi with effect from the forenoon of 1st Oct. 1982.

SURENDRA NATH Director General

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 4th November 1982

No. FC-2(26)-A/82.—Consequent on his transfer from the Bureau of Public Enterprises, New Delhi, Shri R. D. Verma, Senior Investigator has been appointed as Research Officer in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 700—1300/- with effect from the afternoon of 22nd October, 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR Under Secy. (A)

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas (MP), the 3rd November 1982

P. No. BNP/C/5/82.—Shii Alok Kumar Rastogi permanent Hindi Translator is appointed to officiate as Hindi Officer in the Bank Note Press, Dewas on Ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- (Group 'B' Gazetted) with effect from 3rd November 1982 (FN) for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

This ad-hoc appointment does not confer any prescriptive rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the ad-hoc appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

M. V. CHAR General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 5th November 1982

No. Admn.IO.O./368.—The Director of Audit, Central Revenues hereby appoints substantively the following officiat-

ing Audit Officers of this office, against the permanent posts of Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200/- with effect from the dates shown against each:—

- St. No., Name & Date of Substantive appointment as Audit Officer
- J. Shii O. P. Aggarwal-I-Ist November 1982.
- 2 Shri S. P. Chopra-II-1st Novembre 1982.

No. Admn. I/O.O. No. 372.—The Director of Audit, Central Revenues, hereby appoints Shr S. K. Gupta, a permanent Section Officer of this office to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—1200/- with effect from hte Iorenoon of 29th October 1982 until further orders.

The 8th November 1982

No. Admn. 1/O.O. No. 376.—The Director of Audit, Central Reyenues, hereby appoints Shri Ram Lal Jamna Das Chhabra permanent Section Officer of this office to officiate until further orders as Audit Officer in the scale of Rs. 840—1200/- with effect from the forenoon of 4th November 1982.

A. S. MOHINDRA Joint Director of Audit (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, RAJASTHAN: JAIPUR

Japun, the 4th November 1982

No. Admn.II/Gazette Notn./625.—The Accountant General-I, Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officer with effect from the dates noted against each until further orders:—

S/Shri

- 1. Vias Chand Gupta—19th October 1982 (AN).
- 2. Vishnu Shankar Gupta—20th October 1982 (AN).

M. S. SHEKHAWAT Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

The 29th October 1982

No. AN/II/2606/82-II—The undermentioned Accounts officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation.

SI. Name, with Roster No. No.					Grade	Date from which transferred to Pension Estt.	Organisation
S/.Shri		. ——					
1. Om Prakash Vohra P/142	•		٠		Pt. Accountants Officer.	31-7-82	Controller of Defence Accounts, western Command, Meerut.
2. D.C. John P/158		•	•	•	Do.	31-7-82	Controller of Defence Accounts, (Officers) Poonai
3. M. Jangam Reddi P/9					Do.	31-7-82	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.
4. S. Neelakantan P/60	-	•	•		Do.	31-7-82	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
5. R. Venkataraman P/5					Do.	31-7-82	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
6. B.N. Saran P/156					Do.	31-7-82	Do .
7. Kulwant Singh Bakshi P/27	4				Do.	31-7-82	Do,
8. Mohan Lal Angra P/314					Do.	31-8-82	Do.
9. G.L. Mchta P/168 .					Do.	31-8-82	Do.
10. P. M. John P/126 .	•	•	•	٠	Do.	31-8-82	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madias.
11. K.D. Sahay P/329 .	•	•	•	•	Do.	30-9-82	Controller of Defence Accounts, Patna.
12. Jagjit Singh P/110				-	Do.	30-9-82	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.
13. Ramakrishan Vashisht P/50			•	•	Do.	30-9-82	Controller of Defence Accounts, (Navy) Bombay.

1 2				3	4		5
14. S. Krishnamurthy 0/529	,			Offg. Accounts	31-7-82	Controller of New Delhi	Defence Accounts (HQrs
15. Amrit Lal Puri P/139 .	•		•	Pt. Accounts Officer	30-9-82		Defence Accounts (HQrs
16. Dhanna Ram Kalra P/127		,		Do.	30-9-82	Do.	
17. Manjit Singh Chohan P/129				Do	30-9-82	Controller of I	Defence Accounts shabad.
18. Lajpat Rai Mahindia	٠		•	Offig, Accounts Officer	30-9-82	Do.	
19. Gurcharan Singh B/9 .				Do.	30-9-82	Do.	
20. Advait Prakash Gulati P/85				Pr. Accounts Officer	30-9-82	Do.	
21. Shri Ram Katyal 0/334	•	٠		Offg, Accounts Officer	30-9-82	Controller of Calcutta	Accounts (Factories)
22 M. L. Deb P/30 .				Pt. Accounts Officer	31-7-82	Controller of Western Comm	Defence Accounts,
23 Shri Krishan Joshi (P/11)		•		Do.	31-8-82	Controller of (HQrs) New 1	Defence Accounts, Oclhi
"The Controller General of	Defen	ce A	cou	nts regrets to notify the de	ath of the unde	rmentione I Acco	ounts officer.'"
SI. Name with Roster No.				Grade	Date of death	Struck off strength	Organisation
J. Shii K.D. Misra (0/421) .				Offg. Accounts Officer	3-7-82	(T N) A	Controller of Defence Accounts (ORs) Central Nagpur,
2. Shii S.A. Sabnis (0/68)			•	Do.	9-9-82	10-9-82	Controller of Accounts (Fys) Calcutta

MINISTRY OF DEFLNCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD CALCUTTA

Calcutta, the 21st October 1982

No. 48/G/82. The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. GM (in SAG-Lev. I) with effect from the date shown against them:

(1) Shri V.M. Bhand ukar, Offg. GM	17th Aug,
(in SAG-Lev. II)	1982
(2) Shri N. Balakrishnan, Offg. GM	Ist Sept.,
(in SAG-Lev. II)	1982,

No. 49/G/82.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Dy. GM/Jt. Director with effect from the dates shown against them:

(1) Shri O. P. Khurana, W.M.		31st Aug., 1982
(2) Shri P. Bhakthavatsalu, WM.		31st Aug., 1982
(3) Shri V. Shankar, WM.		31st Aug., 1982
(4) Shri K.V. Krishn imoorthy, WM.		31st Aug., 1982
(5) Shii A.O. Abraham, WM		31st Aug., 1982
(6) Shri N. K. Sahar, WM.		31st Aug., 1982
(7) Shri S.C.Agatwal, Dy. Director		31st Aug., 1982
(8) Shri V. Padmanabhan, WM.		31st Aug., 1982
(9) Shri T. P. Gopalakrıshnan, WM.		31st Aug., 1982
(10) Shi A. K. Gohliya, WM.		31st Aug., 1982
(11) Shri S.D. Pattekar, WM-		31st Aug., 1982
(12) Shri P. L. Sharma, WM.	-	31st Aug., 1982
(13) Shri V. K. Bhalla, WM.		31st Aug., 1982
(14) Shri R.S. Shah, WM.		•31st Aug., 1982
(15) Shri Sushil Gupta, WM.		31st Aug , 1982
(16) Shri M. H. Narurkar, WM.		31st Aug., 1982
(17) Shri Noloy Glosh, WM.		31st Aug., 1982
	_	

(18) Shri N. Venkataramanı, WM.

(19) Shri P.V. Subram mam, W.M. (20) Shri R.S. Varlyanathan W.M.

(21) Shri K V. Nataraian, WM

(22) Shri K. L. Mohan Rao, WM.

Ooth Sept., 1932 31st Aug., 1952

31st Aug., 1982 21st Aug., 1982

31st Aug., 1982

V. K. MEHTA Director.

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 4th November 1982

No. 12(688)/71-A(G)Vol.11.—The President is pleased to appoint Shit V. Sardana, a permanent SIPO (IMT) in Small Industries Development Organization as Assistant Director Orade 1 (IMT) in the same Organization with effect from the afternoon of 23rd October 1982 until further orders on his reversion from deputation with the New Bank of India, New Delhi w.c.f. 23rd Ocotber 1982 (AN).

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF L'XPI OSIVES

Nagpur, the 25th October 1982

No. E/11(7).—In this departments notification No. I (11(7)), dated the 11th July 1969, under class 6 Division 3 add "CORD RELAYS" after the entry "CRIMPDETS".

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 18th October 1982

No. A6/247 (339)/61.—Shri S. K. Basu, substantive Assistant Inspecting Older (Engineering) officiating as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Engineering Branch) in the office of Director of Inspection, Calcutta, refired from Government service on the afternoon of 30-9-1982 under rule 48A of CCS (Pension) Rules, 1972.

N. M. PFRUMAL, Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES DLPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpui, the 5th November 1982

No. A-19012(147)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. C. Malviya, Permanent Senior Technical Assistant (Geology) has been promoted to the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th September, 1982.

No. A.19011(311)/82-Fstt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the president is pleased to appoint Shri D. J. Tahalramani, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 6-9-82.

No. A-19012(159)/82-Fstt A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. B. Tripathy. Permanent Senior Technical Assistant (Geo.), Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Mineral Officer (Int.) in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th September, 1982.

No. A-19012(161)/82-Fstt A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri K. Nagaraja. Permanent Senior Technical Assistant Geology), Indian Bureau of Mires, has been promoted on adhoc basis to the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 6th September, 1982.

B. C. MISHRA, Head of Office. Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 4th November, 198?

No. C-5877/707- The undermentioned officers who were appointed to officite as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:---

			
SI. Name No	No, and date of Notification under which apointed on adhoc provisi- onal basis.	Unit/ Office to which posted	Date of promotion
S/Shri			
1. T.N. Sharm't .	Notification No. C-5395/707 dated 24th July 1978.	No. 13 Parts (WC), Mussoorie	4-5-82 (AN)
2. Jacob Kuzu (ST)	Notification No. C-5837/707 dated 5th July, 1978.	No. 11 Party (SEC), Ranchi.	y 29-7-82

No. C-5878/707—The undermentioned officers appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' Post), Survey of India in the scale of pair of R = 650-33-719-35-810-EB-35-880-40-1000-

EB-49-1200 with effect from the date each, bown against each, purely on adhoc provisional basis :-

SI. Name and Designation No.	Unit/Office	With effect Itom
S/Sha		,
1. Tilak Das (SC) Survey Assistant	No. 87 (Party	26-3-82 FN
Sel. Gd. (WC),	Vadodara.	
2. S.S. Rawat,	No. 66 (ACCM)	21-8-82
Drastman Div. I Sel. Gd.	Party (Surair), New Delhi.	(FN)

No. C-5879/707 - The undermentioned officer who was appointed to officiate as Officer Surveyor purely on adhoc provisional basis, is now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against him:

SI. Nome No.	No. and date of Notification under which appointed on adhoc provisi- onal basis	Office to	Date of promotion
 S/Shri I. K. L. Knjajha (SC)	Notification No. C-5837/707 dated 5th July, 1978	No. 82(Sat Geod.) Part (G& Dehra Dun	22-7-82 (F.N) RB),
		G.C. AGAR Major Genera Surveyor Gene	al

DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 3rd November 1982

No A,12026/7/82(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. C. Mistry to the post of Senior Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi on a purely ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 14th August, 1982 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Senior Architect Shri B. C. Mistry relinquished the charge of the post of Architect in the Directorate General of Health Services with effect from 13th August, 1982 (A.N.).

T. C. JAIN, Deputy Director Administration (O & M)

(E.P.I. SECTION)

New Delhi, the 6th November 1982

No. A-12025/3 79(CR1)/Admn.I (EPI).—Consequent on acceptance of his resignation Shri B. Thiagarajan, Biomedical Engineer, Central Research Institute, Kasauli relinquished charge of his rost on the afternoon of the 12th November, 1981

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (F & G)

BHABHA ATOMIC RESFARCH CENTRE

PFRSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 2nd November 1982

Ref. No. PA/79(4)/80-R-III.--Controller. Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vasant Purusbottam Kulkarni.

Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an adhoc basis for the period from 17-9-1982 (FN) to 30-10-1982 (AN).

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer

DFPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 21st October 1982

No. PPED/32(20) /82-Adm.P.II.—Chief Project Engineer. Kakrapar Atomic Power Project is pleased to appoint Shri P. V. Rao, UDC as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the officiating capacity in the Kakrapar Atomic Power Project with effect from the forenoon of 4-10-82 until further orders.

R. V. BAJPAI, General Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 15th October 1982

ORDER

No. NFC/PA.V/2606/1627/1710.—WHEREAS it was alleged that: "Shri K. Mallikarjuna Rao, while employed as Tradesman 'B' QCF, NFC,

- (i) habitually attended late, and
- (ii) behaved in a disorderly/indecent manner intimidating members of the Ad hoc Committee of NFC Employees Cooperative Society on 19-7-80 at NFC Canteen, and
- (iii) repeatedly remained absent from his place of work without permission while on duty, and
- (iv) tampered with his punch card, struck off entries made by Manager, QC(F), and recorded an entry;
 and thus committed acts of misconduct in terms of paras 39(5), 39(8), 39(9), 39(25) and 39(32) of NFC Standing Orders";

AND WHEREAS the said Shri Mallikarjuna Rao was informed of the charges and of the action to be taken against him vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/1627/1519 dated 28-7-80;

AND WHEREAS the said Shri Mallikarjuna Rao received the charge sheet on 1-8-80 and submitted a letter dated 24-8-80 wherein he denied the charges;

AND WHEREAS the undersigned considered that an inquiry should be held into the charges framed against the said Madlikarjuna Rao and accordingly appointed Inquiry Officer vide Order No. NFC/PA.V/2606/1627/1519/3244 dated 12-11-80:

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report (copy already stipplied to Shri Mallikarjuna Rao) holding the charges No. (i), (iii) and (iv) as proved and stating that the charge of disorderly conduct has been established though not of indecent behaviour;

AND WHFREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report held the charges as proved and came to the provisional conclusion that the said Shri Mallikarjuna Rao was not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service should be imposed on him;

AND WHEREAS the said Shri Mallikarjuna Rao was informed of the provisional conclusion as aforesaid, vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/1627/1118 dated 23-6-82 and was given an opportunity to make representation if any on the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum dated 23-6-82;

AND WHEREAS the said Shri Mallikariuna Rao was in receipt of the said memorandum dated 23-6-82 and submitted a representation dated 2-7-82;

AND WHERFAS the undersigned on the basis of the records of the case including the representation dated 2-7-82 has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Mallikarjuna Rao;

NOW. THEREFORF, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm|II dated 7-7-79 hereby removes the said Shri K. Mallikarjuna Rao from service with immediate effect

N. KONDAL RAO. Chief Executive

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Madras, the 15th October 1982

PP/18 (123)/82-Rectt.--The Project Director, Madras Atomic Power Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1982 until further orders:

S. Name No.	Present Grade	Grade to which appointed
S/Shri		
l. Rayendra Lal .	. Scientific	Scientific
	Assistant 'C'	Officer/
		Engineer'SB'
2. J. Dakshinamoorthy	Do.	Do.
3. G. Ganesan .	. Do.	Do.
4. G. Venkateswarlu	Do.	Do.
5. R. Gowthaman	. Do.	Do.
6. V.S. Govindarajan	Do.	Do.
7. K. Haribabu .	. Do.	Do.
8. J. Venkataramanan	Do.	Do.

T. RAMANUJAM Administrative Officer.

Tamil Nadu, the 6th October 1982

No. A 32014/4/82/13024.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri A. M. Manekar, a permanent Scientific Assistant/B and officiating Scientific Assistant/C of this Centre, a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB, in the same Centre in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of February 1, 1982 until further orders.

The 2nd November 1982

No. RRC/A 32014/4/82.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Dhakshnamoorthy Vaithiyanathan, a temporary Foreman in this Centre to officiate as Scientific Officer/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from February 1, 1982 and until further orders.

S. PADMANABHAN. Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd October 1982

No. A.32013/6/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Joshi, Scientific Officer to the grade of Senior Scientific Officer on an adhoc basis for a period from 30-7-82 to 28-1-1983 or till the regular appointment is made whichever is earlier.

O. P. JAIN, Assistant Director of Administration

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

Guntur, the 17th August 1982

No. 3/82/(Estt)—The following Officers (Group-B) (Gazetted) of this Collectorate have retired from service on attaining the

SI. Name and designation No. of the Officer	Name of the formation	Date of tetirement from service (In the A.N.)
S/Shri		—+ +- + ~ ·
1. A. Seshagiri Rao Supdt. of C.E.	Visakkapatnam-I Divl. Office	30-4-82
2. SK. Hussain, Superintendent of Central Excise	Hqrs. Office, Guntur	31-5-82
 Reddy Satyanarayana, Superintendent of Central Excise. 	Kakinada Divl. Office.	31-5-82
4. N. Tulasi Ram, Superintendent of Central Excise	Eluru-I Range, Eluru Division	31-5-82
 K. Vankanna, Superintendent of Central Excise 	Hqry Office,	30-6-82
6. Md. Tippukhan, examiner of Accounts	Do.	30-6-82
7. R.V. Subbagao	Do.	Voluntary retirement with effect from 5-7-1982 F.N.
 Md. Ghouse, Superintendent of Central Excise. 	Do.	31-7-82

No. 4/82 Estt)—The following Officers in the grade of Inspectors of Central Excise (S.G.) who have been appointed as Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) have assumed charge on the dates noted against each:

Sl. Name and Designation* No. of the Officer	Name of formation	Date of assump- tion of charge
S/Shri		
 D.V. Ramana, Superintendent of Cutral Excise. 	Hgrs. Office Guntur	2-6-82
2. S.K., Kapardhi, Superintendent of Central Excise	De.	28-6-82 A.N.
3. C.S. Krishnamurthy, Superintendent of Central Excise	Do.	27-7-82
4. P. Vatapatra Sayi, Superintendent of Central Facise	Bhimili Range, Vizag-II Divn.	11-8-82
5. P. Narasimba Rao Superintendent of Central Excise	Hgrs. Office, Guntur	2-8-82 A.N.

No. 5/82 (Estt)—The following officers in the grade of Office Superintendent who have been appointed to the grade of Administrative Officer/Examiner of Accounts/Assistant Chief 35-346 G182/

Accounts Officers, Group-B (Gazoned) have assumed charge on the dates moved against each:

SI. Name of the Officer No. and Designation	Name of the formation	Date of assump- tion of charge
S/Shri		~ *~ * ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~
1. P.B.S.N. Sarma, Examiner of Accounts	Hars. Office, Guntui	15-4-82
2. Y. Sundara Rao, Assistant Chief Accounts Officer	D 0.	8-7-82

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

Guntur-522004, the 17th September 1982

No. 6/82 Estt.—SHRI MD. BADRUDDIN, Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted) Rajahmundry-I Range expired on 9-6-1982,

Sd/-D. KRISHNAMURTI, Collector

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 as of M/s. Dhing Farmers Association Private Limited

Madras, the 20th September 1982

No. 1018/560(3)/2891.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of M/s. Daing Farmers Association Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

S. R. KOM, Registrar of Companies, Assam. Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachai Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chand Rice Mills Private Limited.

Gaubati. the 30th October 1982

No. 982/560(5)/2894.—Notice is hereby given pursuant to Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. Chand Rice Mills Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. R. KOM, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3387.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sardari Lal S/o Kahan Chand R/o W.A. 200, Gali Bhattan near Lal Bazar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Pirthvi Raj & Vijay Kumar Ss/o Ram Parkash R/o WS. 103, Basti Guzan, Jakandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immonable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property W.A. 223 (portion) situated in Gali Bhattan, lalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6742 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3388.--Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Jalandha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on 1965, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sardari Lal S/o Kahan Chand R/o W.A. 200, Gali Bhattan near Lal Bozar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Ramesh Chander & Chander Kumar Ss/o Ram Parkash R/o W.S. 103, Basti Guzan, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. W.A. 230 situated in Gali Bhattan, Jalandhar (portion) as mentioned in the registration sale deed No. 6961 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalendhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3389.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhai on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chanan Kaur Mother of Joginder Singh S/o Kartar Singh R/o V. Gurah Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Hardip Kaur W/o Mukhtar Singh S/o Sucha Singh R/o Jalandhar 2. Jasdip Kaur D/o Mukhtar Singh S/o Sucha Singh R/o Jalandhar 3. Sukh Raj Kaur D/o Narinder Singh S/o Balbir Singh R/o Jalandhar 4. Narinder Singh S/o Balbir Singh S/o Udham Singh R/o Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in village Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6684 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GJRDHAR,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandha, the 12th October 1982

Ret. No. A.P. No. 3390.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JaJandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chanan Kaur M/o Joginder Singh S/o Kaitar Singh R/o V. Guiah, Jeh. Jalandhai.

(Transferor)

(2) Sh. Varinder Singh Viola S., o Mehai Singh R./o Central Town, Jalandhar, 2. Jagdish Chand Gilhotia S/o Daulat Ram 3. Rapinder Nath Gupta S/o Chuni Laf R/o Central Town, Jalandhar

(Transferce)

- (3) As S No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6760 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jajandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3391.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

 Smt. Chanan Kaur M/o Joginder Singh S/o Kartar Singh R/o V. Gurath Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Bhandan W/o Sudershan Bhandari R/o Augadpura, Saighandhi Gali, Patiala. 2. Gurbax Singh S/o Babu Ram, R/o 427 L, Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7100 dated February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3392.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

Jalandhar on Feb. 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding and bearing No. As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be di-closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Chanan Kaur M/o Joginder Ungh S/o Kurtar Singh R/o V. Gurah Teh. Inlandhar.

(Transferor)

- (2) Smt. Santoch Sharma W. o Shiv Kumar Sharma R. o 1059-C, Mohalla Gobind Garh, Jalandhar. 2. Jacobil Singh S. o Kartar Singh R. o Nurmahal. 3. Saman Johar W. o Ashok Wardhan Johar, 156-D, Model Town, Patiala. (Transferce)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. situated in V. Kingra, as mentioned in the registration side deed No. 7082 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIQNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalendhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3393 - Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No. As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandha" on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Smt. Chanan Kaur M/o Joginder Singh S/o Kartar Singh R/o V. Gurah, Tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Reta Aggarwal W/o Dharminder Kumar 2. Dharminder Kumar S/o Bhagwan Dass Jagjiwan Singh S/o Manohar Singh
 Sarabjit Kaur W/o Jagjiwan Singh 5. Harjinder Singh S/o Sohan Singh S/o Chanda Singh R/o, I, Hardial Nagar, Jalandhar,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls, situated in Village Kingra as mentioned in the registration sale deed. No. 7047 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Dated: 12-10-82

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. Λ.P. No. /3394.--Whereas, J, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at lalendhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-36 -346GI/82

(1) Sh. Ranbir Singh S/o Bahadur Singh through Mukhtiar-Ai-Am Harjinder Singh R/o near Sasta Iron Store, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Sh. Rakesh Mahajan S/o Dev Raj Mahajan and Smt. Mohini Mahajan W/o Mohinder Lal Mahajan R/o 160-Adarsh Nagar, Talandhtar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl. 1 Ml. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6850 dated February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalanchar

Dated: 12-10-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3395.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunder referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh through General Attorney Daljit Singh S/o Shanker Singh R/o V. Litram, Distt. Jalandhar.
- (2) Sh. Kamal Suchdeva W/o R. P. Sachdeva and Sh. Ram Parkash Sachdeva son of Buta Ram R/o Dhillon Marg, Patiala.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7046 datel February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar,

Dated: 12-10-1982

Scal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3396.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Feb. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Darshan Kaur W/o Joginder Singh through General Attorney Daljit Singh S/o Shanker Singh R/o V. Litran Distt. Juljundur.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh S/o Surjit Singh R/o 77, Lalpat Nagar, Jullundur and Mukhtar Singh Divisional Town Planner, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6746 of February, 82 of the Registering Authority, Jullundur.

J. I.. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 12-10-1982

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th Ocother 1982

Ref. No. A.P. No. 3397.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh through General Attorney Daljit Singh S/o Shanker Singh R/o V. Litran, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Harinder Mohan S/o Ved Parkash Jain and Reshmi Goel W/o Kailash Kumar Goel R/o Sat Kartar Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7045 of February, 82 of the Registering Authority, Jullundur.

J. L. GIRDHAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 12-10-1982

Sēal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3398 .- Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on Feb. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely :-

 Sh. Haripal Singh S/o Ujagar Singh S/o Jaswant Singh R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur W/o Capt. Amolak Singh R/o Mohalla Lahorian, Urmar Tanda, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 1 Kl. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 7032 of February, 82 of the Registering Authority, Jullundur.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 12-10-1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3399.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh through G.A. Daljit Singh S/o Shanker Singh R/o V. Litran, Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Baljit Kaur, Harmit Kaur D/o Balbir Singh R/o 31, Basant Vihar, Jalandhar and Rajinder Kaur W/o Devinder Singh S/o Gurdit Singh R/o 472, L Model Town, Jullundur.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6934 of February, 82 of the Registering Authority, Juliundur.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 12-10-1982

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julundur, the 12th October 1982

Ref No A.P No 3400—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No As per Schedule situated at Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on Feb 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- (1) Smt. Darshan Kaur Wd/o Jogindor Singh through G. A Daljit Singh S/o Shankei Singh R/o V Litran Distt Jullundur
- (2) Sh Narinder Singh adopted S/o
 Balbir Singh 2 Smt Sukhraj Kaur
 W/o Narinder Singh and 3. Lakhvinder Kaur W/o
 Maj Balbir Singh Kahlon R/o Garden Colony
 Jullundur

(Transferee)

(Transteror)

(3) As S No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 kls situated in V Kingr₄ as mentioned in the registration sale deed No 6905 of February, 82 of the Registering Authority, Juliundur

J I GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Jullundur

Dated 12-10-1982 Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julundur, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3401.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. as per Schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Haripal Singh S/O Ujagar Singh r/o Kingra Teh. Jullundur.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri Manjit Singh Sandhu S/o Parsin Singh, r/o 888/11, Green Park, Jullundur.

(3) As S. No. 2 above.

pove.

[person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows

to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 2 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registration sale deed No. 6892 of February, 82 of the Registering Authority, Juliundur.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-10-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref No AP. No '3403—Whereas, I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely .—

37—346GI/82

(1) Shrimati Darshan Kaur Wd/O Joginder Singh through G.A. Daljit Singh S/O Shankai Singh R/O V Litran Distt Jalandhar.

(I ransferor)

(Transferee)

(2) Shrimati Krishna Kumaii W'O Madan Lal R/O H No FJ 57/58, Kot Pakshian, Jalandhar (2) Islak Raj Mahajan, Kasturi Lal Mahajan Ss/o Amar Nath R/O ER 71, Pacca Bagh, Jalandhai and (3) Onkar Singh S/O Pal Singh S/O Waryam Singh V & PO Lassara Distt Jalandhai

(3) As S. No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHPDULE

Property land measuring 4 kanals situated in V Kingra as mentioned in the registration sale deed No 6860 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhai

J L GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date 12-10-82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th October 1982

Ref. No. A.P. No./3402.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Darshan Kaur Wd/O Joginder Singh through G.A. Daljit Singh S/O Shankar Singh R O V. Litran Distt. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shi Kulbir Singh S/O Mukhtar Singh S/O Sucha Singh (2) Daljit Singh, Sukhvinder Singh Ss/O Gurcharan Singh S/O Bela Singh and (3) Mukhtiar Singh S/O Sucha Singh S/O Mangal Singh and (4) Smt. Kanwaljit Kaur D/O Mukhtiar Singh r/o Jalandhar,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. situated in V. Kingra as mentioned in the registeration sale deed No. 6830 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 12-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th October 1982

Ref. No. A.P. No./3404.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule, situated at Bahadur Pur, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Tej Kaur Wd/o Sh. Chanan, R/o Bahadurpur, Hoshiarpur.
- (Transferor)

 2) Shrimati Varinder Kaur W/o Sh. Avtar Singh,
 R/o Near Lepracy Colony, Hoshiarpur.
- (Transferec)

 (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 4653 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

J. L. GIRDHAR.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-10-1982

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

lalandhar, the 13th October 1982

Ref. No. A.P. No. '3405.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hexeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Garhshankar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garhshankar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair markat value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mohinder Kaur W/o Sh. Gurdip Singh R/o Garhshankar.
- (2) Shrimati Inderjit Kaur W/o Sh. Sohan Singh Vill. Panam Teh, Garhshankar.
- *(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining given in that chapter.

THE SCHLOULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3947 of March, 1982 of the Registering Authority, Garbshankar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3406.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Kapurthala-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Singh S/O Kartar Singh of Mohan Cloth House, Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shri Haryal Singh S/o Sh. Balbir Singh, Kapurthala C/o Kohli Cloth House, Main Bazar, Kapurthala. (Transferce)
- "(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3318 of eb., 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-198.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3407.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Feb., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mohan Singh S/o Kartar Singh of Mohan Cloth House, Kapurthala.

(Transferor)
(2) Shri Manmohan Singh S/o Sh. Balbir Singh,
Kapurthala C/o Kohli Cloth House, Kapurthala.
(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3324 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Jate: 14-10-198.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3408.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kaushalya Devi W/O Raj Pal General Attorney Smt. Seeta Wanti W/O Daulat Ram, R/O EP. 9, Mohalla Khodian, Jalandhar.
- (2) Shii Raj Paul S/o Munshi Ram, R/O H, No. E.P. 79, Mohalla Khodian, Jalandhar.
- *(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. EP. 79 (Portion) situated at Mohalla Khodian, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 6628 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No A.P. No./3409.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Kaushalya Devi W/O Raj Paul General Attorney Smt Secta Devi W/O Daulat Ram, R/O F P. 79, Mohalla Khodian, Jalandhar, (Transferor)
- (2) Shir Raj Paul S/O Munsh, Ram r/o H, No E P. 79, Mohalla Khodian, Jalandhar. (Transferee)
- '(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. E.P. 79 (Portion) situated at Mohalla Khodian, Jalandhar as mentioned in the registering sale deed No. 2247 of June, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 14-10-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3410.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Baldev Raj S/O Bhag Ram R/O EJ. 189, Chahar Bagh, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shri Sanjay Gupta S/O Rattan Chand

r/o Subhash Nagar, Mast Ram Park, Jalandhar. (Transferee)

"(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 10 (portion) situated at Sodal Nagar, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 7056 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-38-346GI/82

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3411.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule situated at Jalandhar

1.1 more folly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalendhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said maximument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baldev Raj S/O Bhag Raj R/O E.J. 189, Chahar Bagh, Jalandhar.
- (2) Shri Raj Kumar Gupta s/o Rattan Chand r/o E.J. 189, Chahar Bagh, Jalandhar.
- *(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House no. 10 (portion) situated at Sodal Nagar, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 7074 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 14-10-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalanldhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3412.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mansa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurdiat Chand S/o Ram Chand, R/O Fatebabad Distr. Hasar,
- (Transferor)

 (2) Dr. Baldev Raili S/o Pharpur Single

 1/o Village Bhama Khuid, Tehsil Mansa
 Distt. Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any offer person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated on Cinema Road, Mansa as mentioned in the registeration sale deed No. 5128 of March, 82 of the Registering Authority, Mansa.

> J. L. GIRDHAR, Competent Au hor ty, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalendhar.

Date: 14-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalanldhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3413.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Raj Kumari Wd/o Late Puran Mal Bal S/o Mahesh Bal and Sh. Harish Bal S/o Puran Mal Bal, W.D. 325, Brandrath Road. Jalandhar.
- (Transferor)
 (2) Dr. B. S. Parmar S/o Sh. Dr. Hari Singh,
- 2) Dr. B. S. Parmar S/O Sh. Dr. Hari Singh, 325, Brandrath Road, Jalandhar.

 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6909 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalanidhar, the 14th October 1982

Ref No AP No /3414—Whereas, I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No

As per schedule situated at Jalandhai

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satish Kumar Gupta S/o Sh Piara Lal Dutta V Jandiala

(Transferor)

(2) Shii Surinder Kumar Gupta S/o Sh Nand Lal,

(Transferce)

- (3) As S No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No 6621 of Feb. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J L GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 14-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

bis ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalanldhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No./3415.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhai on Feb. 1982

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Oct, to the following persons, namely —

(1) Shri Balwant Singh, Harbhajan Singh S/o Battan Singh, Chek Hussan, Lamba Pind., Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Parkash Rameshwar Lal & Ram Dass SS/o Sh. Duni Chand R/o Ali Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6632 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-82.

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref No AP No 3416—Whereas I J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sud Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

As per Schedule situated at Chak Hussan, Lamba Pind Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb 1982 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balwant Singh, Harbhajan Singh, sa/o Shri Wattan Singh, Chak Hussan, Lamba, Pind, Jalandhar

(Transferor)

(2) Arihant Metal Industries, S-11, Industrial Area, Jalandhar

(3) As per Sr No 2 above

(Transferor)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 6633 of February 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 14-10-1982 Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

IALANDHAR Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3417.--Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 / and bearing

No. As per Schedule

situated at Chak Hussaina Lama Pind, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Harbhajan Singh, Balwant Singh, ss/o Shri Watten Singh, r/o Chak Hussaina Lama Pind, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Verdhman Metal Industries, Lama Pind Teh. Jalandhur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land measuring 45 Mls. situated in V. Chak Hussaina Lana Pind as mentioned in the registration sale deed No. 6662 of February. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3418.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at Mithapur, Jalandhai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Sohan Singh s/o Shri Partap Singh alias Mela Singh, r/o Mitha Pur, Jalandhar.

(Transferor)

17001

(2) Shrimati Manmohan Kaur w/o Shri Gurdial Singh, s/o Shri Jiwan Singh, 119 Janta Colony. Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7029 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-39-346GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3419.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at Mithapur, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sarwan Singh s/o Shri Partap Singh alias Shri Mela Singh, Mithapur, Jalandhar.

(2) Shri Joginder Singh,Shri Gurdit Singh,9, New Islamganj, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7030 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date · 14-10-1982

 Shri Hari Paul Singh s/o Saibjit Singh, r/o Garha, Jalandhar.

(Transference)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sushil Rani w/o Tilak Raj, r/o Sela Khurd, Distt. Hoshiarpur and Rajesh Kapoor s/o Chaman Lal, r/o Lawan Moh. Jalandhar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Rcf. No. A.P. No. 3420.—Whereas 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated Garha, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6831 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1982

Sear :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No A.P No. 3421.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000 and bearing No

As per Schedule

17004

situated at Garha, Ialandhar

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Paruprit Singh s/o Shri Supuran Singh, Guardian of Aman Kaur r/o Garha, Jalandhai.

(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Shri Santokh Singh, r/o Basti Ibraham Pui, Jalandhar and Ashok Kumai s/o Tilak Raj, r/o Sela Khurd, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6724 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

14-10-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3422.—Whereas I, J. L. GIRDHAR. being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule

situated at Garha Vehinda, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Feb., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for a such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Hari Paul Singh s/o Shri Sarbjit Singh, r/o Garha, Jálandhar.

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumar s/o Shri Jagdish Chand r/o Bikram Pura, Talandhar 2. Sudesh Kumar. r/o Kartarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the sale deed No. 6829 of February, 1892 of the Registration Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3423.—Whereas I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Garha, Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrl Parnprit Singh s/o Sampuran Singh r/o Garha, Lalandhar

(Transferor)

(2) Shri Amrik Singh s/o Santokh Singh, r/o Ibrahim Pur, Teh. Garhshankar, and Faqir Chand s/o Sant Ram, r/o Bana Patti, Ropar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6726 of February, 1982 of the Registering Authority, Jelandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th October 1982

Ref No. A.P. No. 3424.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suri Sarwan Singh s/o Partap Singh alias Mela Singh, 1/o Village M.thapur, Teh. Juliundur.

(Transferor)

(2) The Punjabi Bagh Co-op. House Building Society Ltd., Jullundur. through Sh. Mohinder Singh, Secretary, Society, 496, Suraj Ganj, Jullundur.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5875 of February, 1982 of the Registering Authority, Juliundur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 15-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th October 1982

Ref. No. AP. No. 3425.—Whereas I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Mithaput

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

'1) Shi Sohan Singh s/o Shri Partap Singh alias Mela Singh 1/o Village Mithapur, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) The Punjabi Bagh Co-op. House Building Society Ltd., Jullundur. through Sh. Mohinder Singh, Secretary, Society, 496, Sutaj Ganj, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6876 of February, 1982 of the Registering Authority, Juliundur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th October 1982

Ref. No. A P. No 3426.—Whereas I, I L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—40—346GI/82

(1) Shii Puran Singh s/o Shii Partap Singh alias Mela Singh r/o Village Mithapur, Lulanoha:

(Transferor)

(2) The Punjabi Bagh Co-op House Building Society Ltd., Jullundur. through Sh Mohinder Singh, Secretary, Society, 196, Surat Gam Jullundur.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the ndersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deel No. 6903 of February, 1982 of the Registering Authority, fullundur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Iullundur

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3427—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mithapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhat in Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Singh

(1) Partup Singh alias Mela Singh,

(1) Village Mithapur,

Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) The Punjabi Bagh Co-op. House Building Society Ltd., Jalandhar. rhrough Sh. Mohinder Singh, Secretary Society, 496, Suraj Ganj, Ialandhar.

Jo. 2 above

- (3) As per Sr. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom hte undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7028 of I-cbruary, 1982 of the Registering Authority. Inlandhar.

I. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISHTON RANGE, JAJ ANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3428—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Gamdooi Singh s/o Kehai Singh, Village Dhobiana, Bhatinda.

(Transferor)

17011

(2) S/Shii Tabh Singh, Chhota Singh and Jagjit Singh ss/o Shii Ganda Singh, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of he aforesald persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6842 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhutinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

Seal .

(1) Smt. Mukhtiai Kaur wd/o Ajmei Singh r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Jangir Singh s/o Kehar Singh, r/o Bhatinda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3429.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6843 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3430.—Whereas I, J. I GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda in February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely: -

 Shri Kchai Singh s/o Bhola Singh (Mithuwala) Street, Opp. Ranjit Press, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh s/o
Hardam Singh, Bhatinda,
Dina Nath s/o Ram Lal,
Ferozepur,
Karnad Kaur w/o Nachhattar Singh,
r/o Bhatinda,
Grurbachan Singh s/o Sant Singh,
Lehal Colony, Patrala,
Gurdial Singh s/o Bugha Singh Sohaf,
Vallage Mehraj, Teh. Phool.
Saroj Singla w/o
Ravi Singla,
Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6954 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. J. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, TALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3431.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shii Vii Singh s/o Ram Ditta Singh, r/o Ajit Road, Gali No. 2, Bhatinda.

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shi Savinder Singh s/o Khazan Singh, Bhatinda. Gurdial Singh s/o Kehar Singh, Bhatinda. Kulmit Kaur w/o Hakam Singh, Bhatinda. Mohinder Kaur w/o Gurdial Singh, Bhatinda. Pritam Singh s/o Gurdial Singh, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7049 of hebruary, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3432.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and

bearing No

As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ajmer Singh S/o Sh. Boota Singh, 1/0 Mehna Bazar. Rhatinda

(Transferor)

(2) Shri Khan Chand Bhatia and Prem Kumar Bhatia e/o Bhatia Surgicals, Bhatinda Taisem Lal s/o Meha: Chand, V. Kot Fatta. Smt. Asha Rani w/o Om Parkash, Rampura Phool. Ashok Kumar, U D.C., A/Cs Branch, G. N. D. T. P. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Si No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration rate deed No. 6820 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda

> I. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jajandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3433.—Whereas I, J. L. GIRDIIAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sandhura Singh s/o Kehar Singh, Village Dhobians near Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdip Singh Bhinder, Advocate s/o Pritpal Singh Bhinder, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mealing as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6637 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalanthar

Duic : 14-10-1982

Seal;

FORM ITN 5

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIONER OF INCOMF-TAY

ACQUISITION RANGE JAI ANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref No AP No 3434—Whereas I, J L GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

As per Schedule

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in February 1982

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
41—346GI/82

(1) Shu Kehar Singh s/o Bhola Singh r/o Mehnu Chowk Bhatinda

(Fransferor)

(2) Shri Bhushan Kumar s/o Tej Ram Bhatinda Joginder Pil s/o Shivji Ram Bhatinda Asa Rani w/o Darshan Lal, Bhatinda Teja Singh s/o Bhaj Singh, Village Atlakalan Teh Mansa Satish Bhalla s/o Kundan Lal Bhalla Bhatinda

(Transferce)

(3) As per Si No 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 7131 of February 1982 of Registering Authority Bratinda

J I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jalandhar

Date 14-10 1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3435,—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Gurchanan Singh, Balwant Singh, and Dev Singh ss/o Mehar Singh, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Sachdeva w/o Ashok Kumar, r/o Hissar,
Usha Kad w/o Krishan Kumar, r/o Bhawanigarh.
Harinder Pal Kaur w/o Modan Singh, r/o Bhisiana.
Mohinder Pal s/o Jaggu Ram,
Bhatinda.
Bhim Sen s/o Om Parkash,
Bhatinda.
Prem Nath s/o Chet Ram,
Bhagwant Rai & Pawan Kumar sa/o
Ram Lal.
Ram Sarup s/o Matu Ram,
Ashok Kumar s/o Tek Chand, and
Sheela Devi d/o Chanan Ram,
r/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person whom the undersigned knows

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date, of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7128 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

I. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3436.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Ajaib Singh S/o Shri Sher Singh R/o Vill. Jodhpur, Romana.

(Transferor)

(2) The Bank Staff Co-Operative House Building Society Ltd. Bhatinda, through Shri M. R. Dhingra, United India Insurance Coy. Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) As any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6381 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3437.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phola Singh S o Shri Sher Singh R/o Vill. Jodhpur, Romana.

(Transferor)

(2) The Bank Staff Co-Operative House Building Society Ltd. Bhatinda, through Shri M. R. Dhingra, United India Insurance Coy. Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) As any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 6582 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3438.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Opinder Singh S/o Shri Phola Singh R/o Vill. Jodhpur, Romana.

(Transferor)

(2) The Bank Staff Co-Operative House Building Society Ltd. Bhatinda, through Shri M. R. Dhingra, United India Insurance Coy. Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) As any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration sale deed No. 6583 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3439.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1\) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sukhmandir Singh
 Sho Shri Ajaib Singh
 R/o Vill. Jodhpur, Romana.

(Transferor)

(2) The Bank Staff Co-Operative House Building Society Ltd. Bhatinda, through Shri M. R. Dhingra, United India Insurance Coy, Bank Bazar, Bhatinda.

(Transferee

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) As any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration Sale deed No. 6584 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3440.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on February, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tix Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Dhamala Singh R/o Muktsar through Shri Bhupinder Singh S/o Shri Madan Lal R/o Muktsar

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh S/o Shri Karam Singh R/o H. No. 299, Ward No. 13, Patti Sujan Singh, Muktsar.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3269 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-1982

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3441.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. as per Schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Muktsar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :---

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Dhawala Singh R/o Muktsar through Shri Bhupinder Singh S/o Shri Madan Lal R/o Muktsar

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh S/o Shri Gurbux Singh R/o Kanyan Wali Teb. Muktsar.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prperty and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3267 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No A.P. No. 3442.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority • under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-346GI/82

Shri Anil Kapoor,
 S/o Shri Ramji Dass Kapoor,
 R/o 379, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt Madalsa Kapoor Wd/o Ramji Dass Kapoor, 396, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6583 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3443.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at Model Town, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) faculitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores sid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Smt. Surinder Kaur
 W/o Shri Garib Singh
 R/o 612-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Harbans SinghS/o Shri Sant SinghR/o 76-L Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7277 of Feb., 1982 of the Registering Authority. Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 14-10-1982

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref No. A.P. No. 3444.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been thusteried under the Registering Officer at Muktsai in Lebinary, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Dhamala Singh R/o Muktsar through Shri Bhupinder Singh R/o Mukisar

(Transferor)

(2) Smt. Rajinder Kaur W/o Shri Harmohinder Singh R/o Malout Road opposite Mangan Petrol Pump Muktsar.

(Transferes)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other other person interested in the p operty (Person whom the undersigned know. to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 3268 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3445.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Tarlok Singh
 S/o Shri Duman Singh
 G.A. of Shri Kashmir Singh
 S/o Shri Kabul Singh,
 R/o Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Devi W/o Shri Jada Ram R/o 63 Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other other person interested in the property.

(Person whom the undersigned Knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6731 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 14-10-1982

17029

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3446.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sewa Wanti Wd/o Shri Harbalas Rai, R/o 394, Mota Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaran Finance Pvt. Ltd., Hind Samachar Street, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned Knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7027 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

Scal:

(1) Shri Ami Chand S/o Suraja Ram Vill Ajimgarh, Abohar

(Transferor)

(2) Shri Kansi Ram S/o Gordhan Dass R/o Shop No 2871 Grain Market Between Mandi No 1 & 2 Abohar

(Transferee)

(3) As per Sr No 2 above (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned Knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th October 1982

Ref No AP No 3447—Whereas, I, J L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in March, 1982

at Abohar in March, 1982 for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act m respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 3615 of February 1982 of the Registering Authority, Abohai

> J. L GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sect on 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date 14-10-1982

Sea!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref No. A.P. No. 3448,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Abohar in March, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Lubhaya S/o Sh. Makhan Lal R/o Gali No. 18, Gaushala Road, Abohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Shakuntala Devi W/o Sh. Sant Ram R/o Gali No. 13-14, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. and S/Sh. Bishamber, Jeevan Ram, Munshi Ram, Dev Raj, Bijli Wala, Sada Lal, Lal Chand and Balkishan R/o Gali, No. 12 Building Kh. No. 827 to 829, circular Read, Abohar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned Knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3852 of March, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3449.—Whereas. I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on March, 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsective (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Lubhaya
 S/o Shri Makhan Lal
 R/o Gali No. 18, Gaushala Road,
 Abohar.

(Transferor)

(2) Shii Anjam Kumar Gulati S/o Shri Krishan Lal R/o Gali No 13-14, Mandi, Abohar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned Knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No 351 of May, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3454.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, as per Schedule situated at Kingra, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 otf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43'-346GI/82

 S/Shri Rajiv Singh, Satish Kumar Singh and Rabinder Singh Sa/o Shri Deena Nath R/o Vill. Boot, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Parkash Chand R/o EG 29, Civil Lines, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned Knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7013 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Yalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Rcf. No A. P. No. 3455.—Whereas, I, J I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Séction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Shrimati Usha Luthra
 W'o Shii Sudhir Luthia
 R ο Γ R 247, Pucca Bagh, Infandhar.

(Transferor)

(2) Shri Taisem Lal, Ashwani Kumar, Shiv Kumar, Viney Kumai, Ss/o Sh. Jank Raj, r/o 411, Adarsh Nagai, Jalandhar.

((Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

M/s Viney Jewellers, Bazar Sheikhan, Jalandhar.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 2-B-III-1207 (portion) situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 6931 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhai

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhai

Date: 15-10-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3456.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Usha Luthra W/o Shri Sudhir Luthra R/o E. R. 247, Pucca Bagh, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Tarsem Lal, Ashwani Kumar, Shiv Kumar, Viney Kumar, Ss/o Sh. Jank Raj, r/o 411, Adarsh Nagar, Jalandhar.

((Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 M/s Vincy Jewellers, Bazar Sheikhan, Jalandhar.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 2-B-III-1207 (portion) situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar, as mentioned in the registration sale deed No. 329 of April, 82 of the Registering authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3457.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jalandhar on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Usha Luthra W/o Shri Sudhir Luthra R/o E. R. 247, Pucca Bagh, Jalandhar.
- (Transferor)
 (2) Shri Tatsem Lal,
 Ashwani Kumar,
 Shiv Kumar,
 Viney Kumar,
 Ss/o Sh. Jank Raj,
 r/o 411, Adarsh Nagar, Jalandhara
 ((Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. M/s Vincy Jewellers, Bazar Shoikhan, Jalandhar. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 2-B-III-1207 (portion) situated in Bazar Sheikhan, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 966 of May, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3458.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Rs 25,000/- and bearing No

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on August, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Usha Luthra W/o Shri Sudhir Luthra R/o E. R 247, Pucca Bagh, Jalandhar, (Transferor)
- (2) Shri farsem Lal, Ashwani Kumar, Shiv Kumar, Viney Kumar, Ss/o Sh. Jank Raj, 1/o 411, Adaish Nagar, Jalandhar.

(Transferec)

- (3) As per St. No. 2 above.

 M/s Viney Jewellers, Bazar Sheikhan, Jalandhar.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 2-B-III-1207 (portion) situated in Bazal Sheikhan, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 3299 of August, 82 of the Registering Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Rer. No. A. P. No. 3459.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Sh. Mangat Rai (1)S/o Sh. Gurdas Mal S/o Sh. Bansi Ram,
 - R/o Bhuchchu Mandi (Bhatinda).

(Transferor)

(2) Sh. Kaur Chand s/o Sh. Moti Ram s/o Sh. Radha Ram-S/Sh. Kasturi Lal. Kashmiri Lal, Kewal Krishan ss/o Sh. Kaur Chand s/o Sh. Moti Ram. R/o Malout,

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No 2342 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3460—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 '- and bearing No.

as per schedule situated at Vill. Dane Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Muktsar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kehar Singh s/o Sh. Jai Sungh s/o Sh. Chanda Singh, R/o Vill. Danewala, Teh. Muktsar.

(Transferor)

(2) S/Sh Gurcharan Singh, Bhupinder Singh 85/0 Sh, Jaswant Singh and Sh. Gurdas Singh 8/0 Sh. Jagjit Singh, R/0 Vill. Danewala, Teh. Muktsar.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 2472 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3461.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as per schedule situated at Vill. Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Roor Singh s/o Sh. Varayam Singh, R/o V. & P. O. Malout.

(Transferor)

(2) Sh. Swrit Singh s/o Shri Vir Singh and Sh. Balkar Singh s/o Sh. Chukhar, Vill. Malout.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 2459 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3462 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—346G1/82

(1) Sh Jugraj Singh s/o Sh. Arjan Singh s/o Sh. Ram Singh, Vill. Malout.

(Transferor)

(2) Sh. Amrik Singh s/o Sh. Sardara Sangh & Shrimati Jaspal Kaun w/o Sh. Amrik Singh & Smt. Amanjit Kaur w/o Sh. Babu Singh, R/o Vill. Alamwala, Teh, Muktsar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2328 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3478.—Whereas, T. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash S/o Kidar Nath General Attorney of Kartar Singh, 1/o Basti Guzan, Jalandhai,

(Transferor)

(2) Shri Rajneesh Chander Kumar S. o Mehar Chand & Julka Works, Basti Sheikh, Jalandhar and Chander Parkash S/o Chuni Lal & Sham Lal, Jugal Kishote ss/o Smt. Aagyawanti Wd/o Amrit Lal r/o Basti Sheikh, Jalandhat Sudershan Kumar S/o Suraj Parkash & Smt. Usha W/o Rajinder Kumar Kharbanda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 7064 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3464.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jugraj Singh S/o Sh. Arjan Singh R/o Malout.

(Transferor)

(2) Shri Naraesh Kumar S/o Sh. Sadhu Ram and Raj Rani W/o Kishan Lal Daya Kishan S/o Naranjan Dass Som Parkash S/o Hukam Chand Sukhpal Singh, R/o Malout.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2491 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A P. No. 3465—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Malout on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Savitri Devi w/o Sh. Jaswant Singh s/o Shri Harji Ram, R/o Malout.

(Transferor)

(2) Sh. Kaur Chand s/o Sh. Moti Ram s/o Shri Ragha Ram & S/Sh. Kasturi Lal, Kashmiri Lal, Kewal Krishan ss/o Sh. Kaur Chand s/o Sh. Moti Ram, R/o Malout.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 μay9 from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 2360 of Feb., 1982 of the registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3466.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the schedule annexed hereto), but been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Malout on Feb., 1982

to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Ram Parkash, Sohan Lal, Manohar Lal ss/o Shri Jot Ram, R/o Ward No. 5, Malout.

(Transferor)

 Sh. Mohan Lal s/o Sh. Ishar Dass s/o Shri Tek Chand, R/o Malout.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registration sale deed No. 2305 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref No A P No 3467—Whereas, I, J L GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immov able property having a fair market value exceeding Rs 25 000 /- and bearing No

able property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Shri Prem Chand
 S/o Frangi Ram
 R/o 91/7, Central Town,
 Jalandhar

(Transferor)

(2) Shrimati Vijay Rani W/o Sham Sundei Chopra, R/o 22/2, Central Town, Jalandhar

(Transferee)

- (3) As per Sr No 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPLANATION—The terms and expressions used herein estare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 6835 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date . 15-10-1982 Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A i, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3468.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaffer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as per schedule situated at Rampura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rampura Phul on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Gurdev Kaur W/o Albel Singh, R/o Vill. Rampura, Teh. Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shrimati Parsotham Kaur W/o Sh. Bhupinder Singh, R/o Vill. Rampura. Teh. Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 4007 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALLNDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3469—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

as per schedule situated at V. Rampura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Gurdev Kaur W/o Albel Singh, R/o Vill, Rampura, Teh Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shrimati Rupindei Kaui D/o Sh, Albel Singh, R/o Vill, Rampura, Teh. Rampura Phul.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No 4034 of Feb. 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3470.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—45—346GI/82

(1) Shri Harjit Singh S/o Nihal Singh, R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ram Rakha Singh S/o Sh. Joginder Snigh, R/o H. No. 8092 Sirki Bazar, Bhatinda.
(Transferer)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

"(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6531 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-10-1982

scal;

(1) Shri Surinderjit Singh S/o Sh. Nihal Singh, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Natha Singh S/o Sh. Joginder Singh, R/o Sirki Bazar, Bhatinda.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Person in occupation of the property) *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3471.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having exceeding Rs. 25,000/- and bearing a market

No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiefs of in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptei.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6530 of Feb. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-1982

seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3472.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Maqsudpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, mamely :--

(1) Shrimati Joginder Kaur D/o Milkha Singh r/o V. Garhshankder Distt., Hoshiarpur. (Transferor)

R/o E. P. 256, Saidan Gate, Jalandhar. Smt. Dalip Kaur W/o Uttar Singh, R/o 305, Udham Singh Nagar, Jalandhar.

- (2) Shrimati Jaswant Kaur w/o Harbhajan Singh (Transferce)
- *(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6960 of February, 1982 of the Registering Authority. Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3473.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmeet Singh Surjit Singh Ss/o Jagat Singh R/o V. Alipur teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Mohinder Kaur W/o Lashman Singh R/o V. Alipur Teh. Jalandhar.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 aboe.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6708 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

seal:

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No A P. No./3474.—Whereas, I. J L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officei

at Jalandhai on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-56-336GI/82

(1) Shri Kartar Singh Ghuman S/o Shanker Sibgh R/o W. E. 364, Ali Mohalla, Jalandhar.

(Transferor) (2) Shrimati Mohindei Kaur W/o Lashman Singh R/o V. Alipur Teh. Jalandhar.

(Transferce)

¹ (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) "(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6709 of February, 1982 of the Registering Authotity, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3475.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Parkash Chand Luthra S/o Kanshi Ram through General Attorney Smt. Rekha W/o Sh. Kamal Kishore r/o 663, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarjit Kaur w/o Pritpal Singh r/o 165, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 Kothi 150-L, Model Town, Jalandhar as mentioned in the registeration sale deed No. 6966 of February, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3476.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Parkash Chand Luthra S/o Kanshi Ram through General Attorney Smt. Rekha W/o Sh. Kamal Kishore, r/o 663, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Amarjit Kaur w/o Pritpal Singh r/o 165, Model Town, Jalandhar (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Kothi No. 150-L, Model Town, Jalandhar, Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 7092 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3477.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yash Paul S/o Wazir Chand R/o Basti Sheikh, Jalandhar.
- (Transferor)
- (2) Shrimati Siviti D/o Ram Saroop & Sham Lal S/o Karam Chand & Raj Kumar S/o Amar Nath & Kanwal Kishore Patwari
 - S/o Amar Nath and Smt. Veena Kumari
 - S o Bishan Dass
 - r/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 6716 of February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3463.—Whereas, J, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

46-346GI/82

(1) Roor Singh S/o Waryam Singh R/o Malout.

(Transferor)

(2) Shri Gursewak Singh S/o Vir Singh R 'o Malout.

(Transfere :)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2480 of Feb., 1982 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3479.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Talwandi Saboo (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Baljit Singh S/o Inder Singh V. Laleana, Teh. Talwandi Saboo.

(Transferor

(2) Society of Pillar Punjab & Haryana, Mandi Dhabwali.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the propert
- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3326 of February, 82 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. J., GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 15-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3480.—Whereas, I, J. I. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Talwandi Saboo, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

at Talwandi Saboo on Feb. 1982

1908) in the office of the Registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Jawala Singh S/o Dalip Singh & Gurjant Singh S/o Jugraj Singh r/o Laleana Teh. Talwandi Saboo.

(Transferor)

(2) Society of Pillar Punjab & Haryana, Mandi Dhabwali.

(Transfere.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3327 of February, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 15-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3481.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Talwandi Saboo (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Talwandi Saboo on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Teja Singh Gulwant Singh Sa/o Joginder Singh V. Laleana, Teh. Talwandi Saboo.

(Transferor)

(2) Society of Pillar Punjab & Haryana, Dhabwali Mandi.

(Transferce)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 3328 of February, 1982 of the Registering Authority, Talwandi Saboo.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandha.

Date: 15-10-82

17061

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No./3482.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Faridkot on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Maya Devi W/o Nanak Chand through Sat Narain, Shastri Market, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Bhag Singh R/o V. Baggike Kalan Teh. Talwandi Saboo.

(Transferee)

(3) As per Sr. No 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale dccd No. 4225 of February, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 15 10 82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3483.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Faridkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under 101 out 12V pres out 10 Cl69Z uoi328 30 (1) uoi328-qus lowing persons, namely:—

 Shri Daljit Singh S/o Dilawar Singh r/o Harinder Nagar, Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Iqbal Devi Wd/o Sh. Girdhari Lal Nanda S/o Harnarain, & Smt. Shashi W/o Dev Raj Nanda C/o Dr. B. S. Nanda, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4406 of February, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3484.-- Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jai Durga Bhatta, Ramesh Kumar S/o Jagdish Rai, Dhai Pai Road, Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh, Nachhittar Singh Ss/o Ram Singh r/o Kothi Sainian Wali, Kotkapura.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4441 of February, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3485.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Guru Teg. Bahadur Bhatta through Mukhtiar Singh S/o Iagrup Singh Dhai Pai Road, Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Singh, Surinder Singh ss/o Ram Singh r/o Kothi Sainia,

(Transferee)

Kotkapura.

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 4440 of February, 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

Son!;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3486 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—346GI/82

(1) Shri Amar Nath S/o Munshi Ram R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh Jarnail Singh & Jagroop Singh Ss/o Sampuran Singh near CIA, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6539 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No. 3487.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Bhapa Singh S/o Hazoor Singh Mukhtiar-ai-am of Dalip Singh, Des Raj, & Om Parkash Ss/o Hazoor Singh C/o. M/s. Bhapa Singh Dalip Singh, Goldsmith, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh & Santosh Singh, Ss/o Anand Singh, Cloth Shop, Meha Chowk, Bhatinda and Tarlochan Singh S/o Gurcharan Singh, Teacher, Nat Bagher, near Kot Shamir, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6794 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3488.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajaib Singh & Pohla Singh, Ss/o Sher Singh r/o V. Jodh Pur. Romana, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

Radha Soami Sat Sang Beas,
 V. & P.O. Dera Baba Jaimal Singh,
 Distt. Amritsar.

(Transferee)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6894 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR;
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

-- al :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A. P. No./3489.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ujagar Singh S/o Ram Singh. Sanguana Basti through legal heir Sh. Kehar Singh S/o Ram Singh r/o Sanguana Basti Bhatinda.

(Transfer 61)

(2) Shri Dilbhajan Singh S/o Arjan Singh C/o M/s. Oriental Motors, Mansa Road, Bhatinda.

(Transferce)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 6940 of February, 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-82

(1) Shri Bhoga Singh S/o Ishar Singh Sirki Bazar, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Vinod Kumar Sjo. Amar Nath and Santosh Rani Wo. Pawan Kumar Advocate, Bhatinda. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

Jalandhai, the 15th October 1982

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.P. No. 3451.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatuida (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7052 of February, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jalandhan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhai, the 15th October 1982

Ref. No AP. No. 3452.—Wherens, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000.

No as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on Feb 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kehar Singh So. Bhola Singh ro Sirki Bazar, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shrimati Suninder Kaui W/o Balbir Singh r/o Rose Garden, Bhatinda and Suresh Kumar Slo. Basoo Ram rlo. Bhatinda

(Transferce)

- (3) As S. No 2 above [Person in occupation of the property.]
- (4) Any other person interested in the property.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7072 of February, 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandar

Date 15-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No 3453.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kanshi Ram S/o Labhu Ram & Des Raj R/o. Karam Chand through General Attorney Dr. S. D. fain S/o Girdhari I al Jain, Bheron Bazar, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shi i Bhupinder Pal Malhotra soo Durga Dass, 181-Shakti Nagar, Jalandhar

(Transferee)

- (3) As S. No 2 above [Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHFDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 7068 of February, 82 of the Registering Authority, Ialandha

J. I. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range,
Jalandar

Date: 15-10-82

[PART III-SEC. 1

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1982

Ref. No. A.P. No. 3450.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nihal Singh so Ratten Singh, teacher, Opposite Forte, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Nathat Singh and Shri Rath Rukha Singh ss/o Shri Joginder Singh, Neem Wala Chowk, Sirki Bazar, Communist Street, Bhatinda.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property.]
(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in registeration sale deed No. 6548 of Feb., 1982 registered with the S. R. Bhatinda.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandar

Date: 15-10-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref No AP. No. 3496 -- Whereas I, I. 1 GIRDHAR, As per Schedule

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

viruated at Maqsoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at J alandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—346GI/82

(1) Shii Shanker Dass s/o Attra through General Attorney Joginder Pal, r/o Teh Jalandhar

(Transferor)

(2) 1 Ranbir Kaui w/o Charan Singh
2 Jasbir Kaui w/o Kewal Singh,
3. Satwant Kaur w/o Harbans Singh
r/o Bhodiput,
Tehsil Nakodar,
4 Harjinder Kaur w/o Kewal Singh,
r/o V. Semin Put,
Teh: Jalandhar

(Transferces)

- (3) As. S1. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No 7232 dated February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhai

J 1 GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Julandhar

Date: 4-11-1982

FORM LT.N S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, TALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No 3495—Whereas I, 1 1 GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961)—hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property—having a fair—market value exceeding Rs. 25,000/- and braring No.

As per Schedule

situated at Variana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ja/andhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

(:) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys of other assets which have not been o which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii Mangu Ram /o Rhola Ram Jai ndh n

(Prensferor)

(2) to Bland Hadine Co. Rice Mills. Isanu tha'a through Bur Ditti

(Transferee)

(3) As. St. No. ? above.

(4) Any offer person interested in the property (4) Any offer person interested in the property (Person vhom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of antice on the respective persons, whichever period expired later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as ne defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property and Persons as mantioned in the registration sale deed No. 7273 of F his my 1982 of the Registering Mithorit 112 induse

J. I. GIRDHAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range, Jalandhai

Date: 4-11-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMINT OF INDIA

OFFICE OF THE USPEC ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE TALANDUAR

Jalandhay, the 4th Nevember 1982

Ref. No. A.P. No. 3497. Whereas I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Variana

tand the fully descined in the Schedule annexed hereto) has been transferred upon the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at

falandhar on February, 1482

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such a saint can distribute that the consideration for unharmonistic agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269() of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shii Mangu Ram s/o Bhula Ram, r/o Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) M/s Rama Kushoa Trading Co., Rice Mills, Sura Nussi, G.T. Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As. St. No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LYPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 6846 dated February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhan

Dine: 4 11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3498.—Whereas I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

As per Schedule

situated at Magsoodput

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registoring officer at Jalandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Shanker Dass s/o Attra th Attorney Joginder Pal r/o V. Balandpur, Tehsil Jalandhar. through General
- (Transferoi) 1. Shu Ram Chand Chopra s/o Achhu Ram,
 2. Smt. Neelam Katyal w/o Ravi Katyal.
 3. Anil Kumar s/o Ram Chand, r/o Jalandhar.

(Fransferees)

(3) As. St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7147 dated rebruary, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION KANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3499. -- Whereas I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at Magsudpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at talandhar on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Shankei Dass s/o Attra through Jogindei Pal through G.A. Jogindeipal, i/o Balandpui, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh, Jatinder Singh ss/o Balwant Singh, r/o Khana Fauja Singh, Teh, Nakodai, 2. Jasjit Singh s/o Sohan Singh,

r/o Dhilwan.

Teh. Kaputhala.

3. Iaspal Singh, Jusbir Singh, Harwinder Singh, ss/o Tarlok Singh, r/o Wara Jodh Singh, Teh. Nakodar.

4. Paramjit Singh 5/0 Kishan Dyal Snigh Bedi, /o Krishna Gali, Dhariewal.

(Transferces)

(3) As. St. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7256 of dated February, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3500.—Whetens I, J L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000.—and bearing

As per Schedule

situated at Magsoodpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhai on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shanker Dass s/o Attra through G.A. Joginder Pal, r/o V. Balandpur, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shir Rakesh Kumar, Vijay Kumar, ss/o Rhim Sain

ss/o Bhim Sain,

2. Kamlesh w/o Madhya Nand,
H. No 14/1, Mohalla No. 7,
Jalandhar Cantt.

 Saroj Kumari w/o Suresh Kumar, H. No. 24, Mohalla No. 7, Jalandhai Cantt.

(Transferees) *

(3) As. Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7112 of February. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 4th November 1982

Ref. No. A.P. No. 3501.-Whereas I. I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at Moga-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Moga on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is ofcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shrimati Mohinder Kaur w/o Tarlochan Singh, 1/0 G.T. Road, Moga.

(Transferor)

(2) Shrimati Balbir Singh Bhogal, s/o Gurbachan Singh, r/o G.T. Road, Moga.

(Transferce)

(3) As. Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 7690 of dated February, 1982 of the Registering Authority, Moga.

> J. J., GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 29th September 1982

Ref. No. IAC/AC/BPL/3007.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and Kh. No. 200 situated at Vill. Lalbagh, Teh. Burhanpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Burhanpur on 28-2-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumsingh S/o Daulatsingh Thakur, R/o Shoh Bazar, Teh Burhanpur.

(Transferor)

(2) Gandhinagar Co-operative Housing Society Ltd., Behadarpur-Road. Burhanpur-Through-Chairman Madhubhai Chandhubhai Patel, C/o B. S. Patel, Bedi Walla, Chow Bazar, Kila Road, Burhanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 200 situated at Vill. Lalbagh, Burhanpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building,
T T Nagar, Bhopal.

Date: 29-9-1982

(1) Shri Gulabchand S/o Banulalji Mahajan, R/o Deshara Maiden Uitun

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajiani W/o Shu Haza

(2) Rajrani W/o Shu Hazar'iaji Arora, R/o Bhind. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P

Bhopal, the 27th September 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3008.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House No. 6:559 situated at Dewas Road, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 20-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49-346GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 6 . 559, Block No. 12, Dewas Road, Unain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date 27-9-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 27th September 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/3009 —Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 6:559 situated at Dewas Road, Ujjain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujain on 20-2-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said insrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Gulabchand S/o Bapulalji Mahajan, R/o Deshara Mainde, Uijain (Transferor)

(2) Dr. Bhalchandra S/o Madhavraoji Shindre, Smt. Rita Shinde W/o Dr. Bhalchandra, R/o Mahakal Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 6:559, Block No. 12, at Dewas Road, Ujjain

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, I. Nagar, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 27-9-1982 Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 27th September 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3010.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 248 A & B D. Piot No. 882, Sheet No. 256, situated at Corporation Plot No. 17/1 at Napier Town, labalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 19th February 1982

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent conusideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri A. K. Shrivastava, S/o Shri Late Govind Prasad Shrivastava, R/o Napier Town, Jablapur.

(Transferor)

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligence M.I.C.I. Ram Niwas Vyohar Bagh, jabalpur through Shri O. P. Tiwari S/o Late Shri N. P. Tiwari, Secretary, M.I.C.I., Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall portion of House No. 248.A, & B. D. Plot No. 882, Sheet No. 256, Corporation Plot No. 17/1, Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 27-9-1982

(1) Shri Kantilal S/o Rudha Bhai Savitivi, R/o Naharpara Raipui

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Vipin Bhai S/o Nathu Bhai Patel, R/o Ramsagarpata Raiput

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal the 4th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3011—Whereas, I D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Plot Kh No 439/1 situated at Jawahar Nagai Ward, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raipui on 25 2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Paut of Plot Kh No 439/1 at Jawahar Nugar Ward, Rupun measurement, 10,361-12 Sq 1t

D P PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagai Bhopal

Date 1 10 1982

17085

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th October 1982

Rei. No. IAC/Acqn/Bpl/3012.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 439/1, situated at Jawahar Nagar Ward, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal S/o Rudha Bhai Savariya, R/o Naharpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Jeethu Bhai S/o Nathu Bhai Patel, R/o India Wati Colony, Raipui.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot Kh. No. 439/1, at Jawahar Nagar Ward, Raintu.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 1-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3013—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot No. 18 situated at C-Sector, Indrapuri, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Zulfkar Hussain S'o Mohammad Hussain,
 (2) Abul Hussain S/o Hakim Lazal Hussain,
 R/o Aliganj, Bhopal.
- (2) Shri Biymohan Gupta S/o Tikaramji, R/o Itwaia, Bhopal.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 18, C-Sector, Indiapuit, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Flooi, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal

Date : 6-10-1982 Seal :

(1) Smt. Mangla Devi W/o Shri Nagardas Babariya Panchsheel Nagar, Rupur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sachhanand Syo Sadaramal Wadhwani, Telibandha, Raipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl/3014.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000/- and bearing No.

Part of Kh. No. 116/3 116/4, 116/5 situated at Teli-

bandha, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land part of Kh. No. 116/3, 116/4, 116/5 area-0.162 Ilector at Telibandha P. C. No. 113, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-10-1982

(1) Smt. Mangla Devi W/o Nagardas Babariya, Panchsheel Nagar Raiptir,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Sadoramal S/o Sawaldas Vadhawani Telibandha, Raiput,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3015.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Kh. No. 116/3, 116/4, 116/5 (Portion) situated at Telibandha, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of Kh. No. 116/3, 116/4, 116/5 at Telibandha-P.C. No. 113, Raipur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Acquisition Kange 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3016.-Whereas, f, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and

Plot No. 104/1 situated at Sadai Bazar, Bilaspur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bilaspur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 50-346G1/82

(1) HUF Firm Ganeshram Fatechand Mor Tumear-through Karti Shii Ramnarayan 5/0 Fatechand— Moi Tumsar, Ich: Bhandara Through Power of Attorney Venketesh Gadodiya S/0 Nathmal Gadodiya, R o Sadar Bazar, Bilaspur.

(2) Shri Anandkumar Gadodiya S/o Shri Nathmal Gadodiya, R/o Sardar Bazar, Bilaspur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at plot No. 104, I Nazul Sheet No. 26, Sadar Bazar, Bilaspur,

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-10-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3017.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 104/3 situated at Mohalla Sadar Bazar, Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Bilaspur on 12-2-1982

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) H.U.F. Firm—Ganeshram Fatehchand, Morthumsar Through Karta—Shri Ramnarayan S/o Fatehchand Mor- R/o Tumsar—Teh: Bhandara—Through— Power of Attorney Venketesh Gadodiya S/o Shri Nathmal Gadodiya, R/o Sadar Bazar, Bilaspur. (Transferor)
- (2) Shri Jugalkishore Gadodiya & Nathmal Gadodiya, R/o Sadar Bazar, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Plot No. 104/3, Nazul Sheet No. 26, at Sadar Bazar, Bilaspur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor, Gangoth Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 6-10-1982.

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3018.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Ganjpara, Durg (and more fully described in the Schedule and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla Devi W/o Shri Ghanshyamdas Rungta, R/o Ganjipara, Durg.

(Transferor)

 Surendrakumar S/o Shri Bajranglal Rungta, R/o Ganjpara, Durg.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1900 Sq. ft. situated in front of State Bank of India, Ganjpara, Durg and constructed area,

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
4th Floor, Gangotti Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 7-10-1982.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3019.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Ganjpara, Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Durg on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamla Devi W/o Shri Ghanshyamdas Rungta, R/o Ganjpara, Durg.
 - (Transferor)
- Surendrakumar S/o Shri Bajranglal Rungta, R/o Ganjpara, Durg.

 (Transference)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1985 Sq. ft. situated in front of State Bank of India, Ganjpara, Durg and constructed area.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nugar, Bhopal

Date : 7-10-1982, Seal :

FORM I.T.N S

(1) Smt Kamiadevi W/o Shii Ghanshyamdas Rungta, R/o Ganjpaia, Durg

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACC, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Yogendrakumai S/o Shii Bajianglal Rungta, R/o Ganjpara Durg (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal the 7th October 1982

Ref No IAC /Acqn/Bpl/3020—Wherens, I, D P PANJA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Plot situated at Ganjaparn, Durg

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 24 2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1900 Sq ft situated in tront of State Bank of India Ganjpara, Durg and constructed area

D. P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Flooi, Gangotri Building
T T Nagai, Bhopal

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely—

Date 7 10 1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. 1AC/Acq/Bpl./3021.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 2176 (Portion) situated at Wright Town Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rampyari Bai Nanhoriya, W/o Late Dr. Ballabhdas Nanhoriya, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Hari KrishnaS/o Narayandas Gupta,R/o Hanumantal 489, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 2176, Plot No. 7, Plot No. 81, Wright Town Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

FORM NO. I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3022.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2176 (Portion) situated at Wright Town Ward, Jahalmur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rampyari Nanhoriya, W/o Lote Dr. Ballabhdas Nanhoriya, R/o Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shiv Kumar S/o Late Baliram Gupta, R/o 19, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 2176, Plot No. 81, Area 3750 Sq. ft. at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ACQ/Bpl/3023 —Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1418/1419 situated at Vill. Hathithal, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect to any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sardar Nand Singh S/o Sardar Thaku: Das, R o Hathithal, Madan Mahal, Jabalpur

(Transferoi)

(2) Shii Ragdhar Singh S'o Saidai Jogendei Singh, R/o House No. 1418 & 1419, Hathithal, Jabalpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1418, 1419 at Vill: Hathithal, Jabalpur

D. P PANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-10-1982

Seal ;

FORM LT N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3024 —Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No. Land No. 132, 89 situated at Khirkiya, Haida

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harda on 3-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
(1) (1) Smt. Fatimavi W/o Abdulla Bhai
(2) Mohd. Hussain
(3) Tahir Bhai

- - (4) Akhthar Hussain-alias-Akhthar Bhai(5) Mohd. Bhai-alias-Maheij Bhai

 - (6) Shuvir Bhai
 - Abbas Bhai

 - Ishtaq Bhai-alias-Ashfak Hussain
 Smt. Husena Bai & Smt. Sameena Bai
 D/o Abdulla Bhai—Prop:
 M/s. Abdulla Bhai Fidaali Ginning &
 - Processing Factory, Burhanpur and Khirkiya,

R/o Fida Ali Building, 18, Printers Estate

Bombay-2, Maharashtra- through Power of attorney Shir Mumtaz Bhar S/o Akbar Ali Bohara, Burhanpur, R/o Khirkiya, at present Harda.

(Tran feror)

- (2) (1) Shri Suresh Kumar
 - (2) Ramesh Kumar
 - (3) Satish Kumar
 - (4) Susheela Devi W/o Ishwardas
 - (5) Nirmala Devi W/o Rajendra Singh,(6) Urmila Devi W/o Chensingh Modi

 - (7) lyotsena Devi W/o Vijay Durda (8) Smt. Premkumari Devi Wd/o (8) Smt. Premkumani Devi Wd/o Bhikamchand Jain, Jalgaon, D/o Seth Bhikamchand Jain, Ptop: New India Oil Mills, & Ginning Factory, Jalgaon, Maharashtra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of land of Bhukhand No. 132 and 89, which, according to the information furnished in the form No. 37-C verified by the transferees, is within the compound of Abdulla Bhai Fida Ali Ginning Factory, Khirkiya, Teh: Harda all constructed area on the land, well, Boiler and Engine Room, Ginning shed. Godown, Office Building, Labour quarters and other rooms/buildings on the land, machinery, waterpump, tanks, equipments etc. as described in the form No. 37-G verified by the transferees:---

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Build'ne T. T. Nagar, Bhopal

Date . 14-10-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3025.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 270, 271 situated at Sona Sanwari, Hoshangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hoshangabad on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Sudamabai W/o Shri Harprasad Varya, R/o Ramgarh, Itarsi, Teh: Hoshangabad. (Transferor)
- (2) Shri Satyapalsing Minor S. o Shri Kartar Singh, R/o Madan Mahal, Jabalpur, 1303 Prem Nagar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 271 and Land Kh. No. 270 situated at Sona Sanwari Hoshangabad, which is described in form No. 37-G.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Bullding
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ret. No. IAC/Acqn/Bpl/3026,-Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

Kh. No. 109 situated at Maheragaon, Hoshangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshangabad on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Ratanlal S/o Kishanlal Soni, R/o Surajganj, Itarsi, Hoshangabad.

(Transferor)

- (2) (1) Jijja Bai W/o Shri Krishna Dubey

 - (2) Chandra Prakash
 (3) Madanlal Both S/o Shri Krishna Dubey
 - (4) Anil Kumar
 - (5) Sunil Kumai Both Minor S/o Shri Krishna Dubey, Smt. Jiyija Bai W/o Shri Krishna Dubey, R/o Koti Bazar, Hoshangabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House constructed on land Kh. No. 109 which is described in the form No. 37-G and is situated at Vill: Meharagaon, Hoshangabad

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-82. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/3027.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating

Plot No. 5, House No. 17 situated at South Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajji Bai W/o Probodhchandraji Jain, R/o 2/3, New Palasia, Indore. (Transferor)

(2) Manaklal S/o Chandmalji Nahar, R/o North Raj Mohalla, Indore.

(Transfere:)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, House No. 17, at South Tukoganj, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982,

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3028.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. M-294 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shankerlal S/o Loharamji Agrawal, R/o 94, Prakash Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Indrakumar S/o Kuwatmal, R/o South Raj Mohalia, House No. 99, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 294, at Khatiwala Tank, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3029.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 84 situated at Palsikar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbhajan Singh S/o Amrishsinghji,
 (2) Nihal Devi W/o Amrishsinghji,
 R/o Palsiker Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchandra S/o Kashiramji, R/o House No. 90, Juni Kasera Bakhal, Indore.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 84 situated at Palsikar Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-19-1982

Smil:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3030.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mucl. No. 16/1 situated at Race Course Road, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dr. Deshrathsingh S/o Ram Singhji, R/o South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Kunwar W/o Shri Ashok Kumar R/o 16/1, Race Course Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mucl. No. 16/1 (Portion) at Race Course Road, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3031.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Land Kh. No. 137/2 situated at Kolgaon Ward No. 3, Satna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

(1) Sint Sheela Devi Wd/o Shri Chotelal Kushvah R/o Kolgaon, Through Power of attorney Shri Dineshrkumar Verma S/o Shri Mola Prasad Verma, R/o Antharhar, Teh: Raghurajnagar, Satna & Shri Ravel Singh S/o Shri Sardar Buta Singh, R/o Kaveri Tola, Satna.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Hansraj Jain, Master Plan, Satna & Prahlad Das Agrawal, S/o Madhavdas Agrawal, R/o Pannilal Chowk, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 137/2, Kolgaon Ward No 3, Satna.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

=_ =_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Kriparam S/o Jyotiram, R/o Snchlataganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vidhawati W'o Kasturilal Gambhir R/o House No. 76, Gali No. 5, Jawahat Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC'/Acqn/Bp1/3032.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 234 situated at Gurunanak Timber Market, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating hte reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-346GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 234 at Gurunanak Timber Market, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Bhamarmal S/o Shanomal, R/o 46, Gopal Bagh Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Chelaram S/o Khemchandji Asnani, R/o Berathi Colony, House No. 32/1, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3033.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No. 46 situated at Gopal Bagh Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 46, Gopal Bagh Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-10-1982

Scal:

FORM I.T.NS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shu Mahesh Kumar Sharma S/o Mangalramji Sharma, R/o House No 9, Mevati Mohalla, Indore

(Transferoi)

(2) Smt Asha Shukla W/o Shri Shivprasad Shukla, R/o Devi Ahiliya Maig, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONEP OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 16th October 1982

Rei No 1AC/Acqn Bpl/3034—Whereas I, D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing House No 135 situated at Devi Ahiliya Marg Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 6-2 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 135 at Devi Ahiliya Marg Indore

D. P PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date 16 10-1982 Seal

NOTICI. UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

are a la mar de de de la companya de

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. [AC/Acqn/Bpl/3035.-Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Mucl. No. 472/1 & 472/2 situated at Dikshitpura, Uperngan; Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 1-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vrindawan Saraf S/o Shri Surajprasad Saraf, R/o Kothwali Ward, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) (1) Jainarayan Mishra S/o Shri Ramoshwarlal
 - Mishra, Smt. Premadevi W/o Shri Jainarayan Mishra.
 - Jaiharnam Mishra
 - (4) Jaibalram Mishra

 - Vijay Kumar Mishra Ashok Kumar Mishra Shri Kant Mishra, S/o from 3 to 7, Jainaraya Mishra, R/o Nimadganj Ward, Jabalpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Mucl. No. 472/1 & 472/2 at Nazul Plot No. 6, Part No. 39 situated at Mohalla: Dixitpura, Uprenganj-Ward, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

Soal:

(1) 1. Shu Purshottam Bansidhar S/o Shi. Laxmmarayanji, R/o 209, Mahatma Gandhi Marg, Indoic.

(Transferor) (2) Smt. Shanti Devi W/o Shri Bansidharji, R/o 209, Mahatma Gandhi Marg, Indore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3036,—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27A situated at Sitaram Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-2-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-eble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Number 27A at Sitaiam Park Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3037.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. H. No. 20 situated at North Yeshwantganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of, transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Virendraprasad S/o Shti Late Bhanudas-ke-Shah R/o 88, Ballabh Nagar, Indore Ke Shah H.U.F. Karta Late Bhanudas.

(Transferor)

(2) Smt. Bhuri Bai W/o Shri Babulalji Dosi, R/o 20, Yeshwantganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House-Mucl. H. No. 20, at North Yeshwantgani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982 Seal:

Soal

FORM I.T.N S

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl '3038.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 249 situated at Saketh Nagar Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Subhashchandra S/o Shri Ramlalji Joli,
 R/o 136, Saketh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi W/o Shri Lilaramji Vasnani, R/o 84, Old Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 249 at Saketh Nagar Colony, Indoie.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3039.—Whereas I, D P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and

bearing No.

Plot No N-12 situated at Saketh Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Anil Kumar S/o Laxm.kant Shaima, R/o 397, Indiapuri Colony, Indore, Power of Attorney Dilip Kumai S/o Shri Gendalalji Rawat R/o 36, Malhaiganj, Indore

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi W/o Shii Leelaiamji, R/o 84, Manglam Old Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. N-12 at Saketh Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangoti Building
T. T. Nagar, Bhopal

Oate: 18-10-1982

====

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3040.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, biving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

bearing No.
Plot No. 22, situated at Shanker Nagar Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Omeer at Indore on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—53—346GI/82

2107

b-secowing (1) Smt. Vaisha Chawla W/o Shri Jaikumarji Chawla, R/o 195, Palsikat Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Enterprises H.U.F. Owner Rajendra Singh Bhandari R'o Mal Godam Road, Rai Bahadur, Kanhaiyalal Bhandari Mill.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Shanker Colony, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Pef. No. IAC/Acqn/Bpl/3041.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 21 situated at Shanker Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 15-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Prakash Badjatiya S/o. Shri Kalyanmalji Badjatiya, (2) Padam Badjatiya S/o Shri Kalyanmalji Badjatiya, r/o 146, Joara Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri S.N. Bhandari G. C. Trust through Mrs. Sonali Bhanda i. R/o Compound of Rai Bahadur Kanhalyalak Bhandari Mill.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21 at Shaker Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Build'ng
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-10-1982

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.
Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3042.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 60 situated at Vinoba Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Asha Devi W/o Omprakash Sharma R/c 28, Baxi Gali, Indo:e.
(2) Ramp asad S/o Shivlal, R/o 126, Savida Nagar, Indore.

(2) Agrawal Engineers & Construction, House No. 135, Devi Ahiliya Marg, Through Prahlad Das Mohanlal Agrawal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60, at Vinoba Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3043.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 60 situated at Vinoba Nagar, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Gopal S/o Anand,

- R/o 40, Azad Nagar, Indore.
- Ramprasad S/o Shivlal, R/o 126, Savid Nagar, Indore.
 Sitaram S/o Kaniram,
- 3. Sitaram 5/0 Kanuram, R/o House No. 94, Azad Nagar, Indore. (Transferors)
- (2) M/s. Vardhaman Construction Co., House No. 89, Ravindra Nagar through Pattners
 - Smt. Raj Laxmi W/o Vardichand Jain,
 Satishkumar S/o Kesherimal Sindhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 60, situated at Vinoba Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. IAC / Acqn Bpl 3044.—Whereas I, D. P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000, - and bearing No.

House No. 19 situated at Hariganj, Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at khandwa on 23-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any meome arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Master Mohammad Yasin S/o Mohammad Umar
 Smt. Sagir Bai W/o Master Mohammad Yasin,
 R/o Hariganj, Khandwa.

(Transferors)

(2) 1. Mohammad Nazir 2. Abdul Hamid,

3. Mohammad Iqbal

Rafiq Ahmed
S/o Kamruddin,

R/o Rameshwai Road, Khandwa.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 19 at Plot No. 108, situated at Mohalla; Hari-gani, Khandwa.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 14-10-1982

(1) Sabath S/o Kalotha, R/o Vill: Bahman, Khera, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3045.—Whereas I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 245 situated at Vill: Bahman, Khera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceed, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Basthiram & Co.,
 Mahatma Gandhi Marg,
 Dewas Through Partner—Gehimal
 S/o Sevaram Tavrani,
 Sindhi Santram Colony,
 Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 245, at Vill: Bahman Khera Teh. Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-10-1982

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sahukar Niptara Committee Trust Rin Ko Firm Seremal-Chourasiya and Bhavarsingh Chourasiya C/o Sanyojak Nathulal S/o Kesherimalji Porwal and Seremal S/o Kesherimalji Chourasiya, S/o Sitala Matha Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kanhaiyalal S/o Chathamal, R/o House No. 5/4, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acon/Bpl/3016 --Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/ard bearing

House No. 17, New No. 23 situated at Sitala Matha Bazar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Fegistering Officer at Indoore on 19-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fun market value of the aforeraid property, and I have reason to between that the fair market value of the property as abbrevial exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 17, New House No. 23, situated at Sitala Matha Bazar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, f hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-10-1982

Scal:

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (MP)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ACO/BPL/3047.- Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Survey No. 75 situated at Vill Chavni, Shivouri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivpur on 3-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid erceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shir Payan Kumai Jain Svo Shii Ganeshilal Jain, R o Shrypuri.
 - (Transferor)
- Bhagwandas (2) Shri Harimohan Latha S/o Shri, Latha R/o Shivpuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Survey No. 75, at Chavni, Shivpuri

D. P. PANTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floot, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 18-10-1982

Shri Chironjilal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Shri Harimohan Latha S/o Shri, Bhagwandas

(1) Shri Kailashnarayan Gupta S/o

R/o Rajeshwari Marg, Shivpuri.

Latha, R/o City Shivpuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3048.—Whereas I, D P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 73 and 180/1374 situated at Chavani Pargana, Shivpuri,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 5-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 73 and 180/1374 at Vill. Chavani Pargana, Shivpuri.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

54-346GI/82

Date: 18-10-1982

(1) Shri Babulal Shrivastava S/o Ramdayal Shrivastava, R/o Saraswati Nagar Nav Lekha Parade, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Manoharlal S/o Jaisaramji, R/o 8, Tatipur Murar, Gwalior.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/349.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961' (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Saraswati Nagar, Murar, Gwalior,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

Gwalior on February 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House sinated at Saraswati Nagar, Murar, Gwalior, This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified by Shri Manoharlal, transferee.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor. Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

ART III-SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Rei. No. IAC/Acqn/Bpl/3050—Wheres J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 1307/10 situated at Chandra Badani Ka Naka, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwaltor on February 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Sindhya Devsansthan Tiust, Gwalior. (Transferor)
- (2) 1 Laxmichand S/o Bankelal.
 2 Mithlesh Kumar W/o Shyamlal
 3 Ram Bai W/o Giriraj,
 R/o Dal Bazai, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kh. No. 1307/10, Chandrabadani Ka Naka, Gwalior.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T Nagar, BHOPAL

Date : 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sindhiya Devsansthan Trust, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Dharmesh Kumar Goyal S/o Jagdish Prasad Goyal, and Kum. Meera Goyal D/o Medichand Goyal, R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3051.—Whereas I, D. P. PANTA,

μt Gwalior on Γebruary 1982,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 1307/11 situated at Mahalgaon, Naya Bazar, Lashkar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 1307/11, at Mahalgaon, Naya Bazar Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THI. INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3052—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and beating

Plot No. 86 situated at Kanchan Bagh, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on February 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Supriya D/o Maharaja Bahadur Singh, R/o 3, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferor)
- (2) Vijay Kumar S/o Gopalnatayanji Bhargav, Rjkumar S/o Gopal Narayanji Bhargav R/o 24, Mahatma Gandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 86, at Kanchan Bagh, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M,P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/3053.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 125/1 situated at Vill Rajgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratiam on 2-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the vaid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jitendrasingh S/o Ramlal Chouhan, Narayan Singh S/o Ramlal-Minor son through Mother Kamla Bai Wd/o Ramlal Chouhan, R/o Bagdo-ka-vas, Ratlam.
- (2) Ram Investment Corporation Through partner Shri Idranarayan S/o Monsukhlal Jhalani, Ghosala Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Rajgarh Survey No. 125/1

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 18-10-1982

FORM J.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref No. IAC/ACQ/BPL/3054 —Whoreas J,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. I and Survey No 125/1 situated at Vill. Rajgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on 2-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Jitendiasingh S/o Ramlal Chouhan (2) Narayansingh S/o Ram Lal Minor Son through mother Smt Kamla Bar Wd/o Ramlal Chouhan, R o Bagdo-ka-vas, Ratlam.
- (2) Shri Ram Investment Corporation through partner Shri Indranarayan S/o Mansukhlabi Ihalani, R/o Goushala Road, Ratlam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 125/1 at Vill, Raigarh.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3055.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 15 situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shrimant His Highless Maharaja Dhiraj Shri, I okenda Singh S/o Sajjan Singhji Power of attorney Smt, Akhend Sau: Maharani Sahiba Shri Prabharaj Laxmi, R/o Ratlam.

(Transferor)

(2) Snit. Alka Devi W/o Shri Shaiad Kumar Mehta, R/o Mohalla: Porwadi Ka Vas, Ratlam

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15 at Surajpol, Ratlam,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-10-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF TAX.

ACQUISITION RANGF BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ Λ cqn/Bpl/3056 Whereas, f, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 9 situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
55—346G1/82

(1) His Highness Maharaja Shri Lokendra Singh S/o Sajjan Singhji—Power of attorney—Smt. Akhend Sau: Maharani Sahiba, Smt. Probhatajya Laymi R/o Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Manohar S/o Vadhmalji Vanjani, R/o Sath Rastha, Bhutagali, Mhow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, at Suraj Pole, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Build no
T. T. Nagar, Bhopsil.

Pate : 18-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3057 —Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Vill. Berkhera, Teh. Huzur. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 17-2-1982

for an apparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely. --

 Shri Ravindra Prakash Sitha S/o Dr. Kishorlal Sitha, R/o Havamahal, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Karim S o Sheikh Kasim Khan R/o D-Sector D-3, Piplani, Bhopal (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House at Vill. Berkhera, Teh. Huzur, Distt. Bhopal

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoth Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-10-1982

NOTICE VINDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No 1AC/Acqn/Bpl/3058 – Whereas, 1, D. P. PAN ΓA_s

being the (competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fun market value exceeding P₃ 25000 - and bearing No

Hot No. 228 situated at 9.4 bgain Veryor Shoping. Centre, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bhopal on 5-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the alorescial property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as information exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Sona Bai W/o Pyarelal R/o Tu'sinagai Bhopal Through P. S. Raghuvanshi, S/o B. P. Raghuvanshi, R o M. I. G. 16, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shii Tejendra Singh S/o Avtar Singh, R/o E-4/35, Area Colony, Bhopal

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 228, situated at Habibganj Major Shoping Centre, Bhopal.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3059.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 1/1/1 situated at Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal No. 27-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Shri Ram Gopal Hada S/o Shri Thakur Kishor Singhji R/o House No. 5, Yeshbagh Nagar,

(Transferor)

(2) Abhiyan Griha Niiman Sahakari Samiti Ud., Bhopal Through Chairman Smt. Geeta Sinha W/o B. N. Sinha.

(Transferce)

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1/1/1 at Bhopal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-10-1982.

 Shri Sarvar Mohammad Szo Mohammad Reo Sultania Zanana Hospital, Bhopal.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Anwar Iben Hyder S/o Shri Hyder Mohammad, R/o Sehore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said yproperty

GOVERNMENT OF INDIA

(Transfered)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3060 - Whereus, I D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 676 & 678 situated at Chavni, Schore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Schote on 3-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 676 & 678 (Half-Half Portion) at Chavni, Sehorc.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date . 18-10-1982.

Seaf

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Avinosh Kaur Talwar. W/o Dr. Rajendra Singh,

(Transferor)

R/o Govindpura, Bhopal.

R/o Shahjehanabad, Bhopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/3067.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 110 situated at Idgah Hills, Bhopal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 17--1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(1) Smt. Vaquullah Khan S/o Ataullah Khan,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and One room on Plot No. 110 which is part of Kh No. 105, situated at Idgah Hills, Bhopal.

> D P PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 18-10-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAN

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/BPL/3062.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 72/4 situated at Vill. Rahukheri, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- 1. Jaikumar S/o Jethanandji, R/o 195 Palsikar, Indore.
 2. Nanakram S/o Narayandas,

 - R/o 26, Airampur Colony,
 3. Meenakumari W/o Shyamlal, R/o 23, Vidhanagar Colony, Power of Attorney Nanakram S o Narayandas, 26, Jairampur Colony, Indore. (Transferor)

(2) 1. Ashok Singh S/o Govind Narayan Singh,

R/o 49, Radio Colony, Indore
2. Jaspal Singh Bhatia S/o Mohinder Singh Bhatia, R/o Dewas Naka, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 72/4 at Vill. Rahukheri Teh. Saver. Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P

Bhopal, the 18th October 1982

Ref No. IAC/Acqn/Bpl/3063—Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land Survey No. 72 3 & 72/5 situated at Vill Rabukheri, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) 1. Latkumar S o Jethanandji,
 R, o 195. Palvikar Colony, Indote
 2. Nanakram S/o Narayandas,
 R o 26 Arrampur Colony
 3 Meenakumari W o Shvamlal,
 R/o 23, Vidhanagar Colony,
 Power of Attorney Nanakram S o Narayandas,
 R o 26, Junampur Colony, Indote.

 (Transferor)
- (2) Shu J. P. Singh S/o Harbans Singh Chadda, R o 100. Radio Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land Survey No. 72/3 & 72/5 situated at Village Rahukheri Teh. Saver, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 18-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn /Bpl/3064 -- Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No. Land Kh. No. 223 situated at Kasba Khargon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargon on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --56-346GT/82

(1) 1. Shri Narayan Parsram 3. Gulab Champalal

S 'o Motiram Mali, R/o Khargon.

(Transferor) (2) Jyoti Griha Nirman Sahakari Samiti Khargon Through Chairman Basant S/o Madhav Khedkar, Khargon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 223 situated at Kasba Khargon,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL (M,P)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. JAC Acqn/Bpl 3065.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No.

Tond Kh. No. 223 situated at Kusba Khargon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khaigon on 10-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he chy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Marayan, Parasram and Gulab Champalal S/o Motiram Mali, R/o Khargon,

(Transferor)

(2) Jyoti Griha Nirman Sahakari Samiti Khargon Through Chairman Basant Madhay Rao Khedkur, Khargon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land Kh. No. 223, at Kasba Khargon.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

VCQUISITION RANGE BHOPAL (MP.)

Bhopal, the 16th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3066.—Whereas 1, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House Mucl. No 103 situated at Badnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badnagai on 26-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer,
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shri Babulal

2 Omparkash S/o Nandram

3. Bhagwanti Bai Wd/o Nandram

4 Mangi Baı.

5 Shakuntala Bai D/o Nandram Rathore, R/o Badnagar.

(Transferor)

(2) Shii Ashok Kumar and Bhagatlal S/o Nandiam Rathore, R/o Badnagai

(fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Mucl. No. 103 at Badnagar

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
4th Floot, Gangotri Building
T. T Nagar, BHOPAL

Date 16-10-1982 Seal ;

1. Shri Babulal.
 2. Ashok Kumar.

3. Bhagatlal S/o Naudram.

4. Mangi Bai.

 Shakuntala Bai D/o Nandram, R/o Badnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwanti Bai Wd/o Chandramji, Omprakash S/o Nandram, R/o Badnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3067.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mucl. H. No. 55 situated at Mohalla Dhan Mandi, Badnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Badnagar on 27-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — I'de terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55 at Mohalla Dhanmandi, Badnagar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 16-10-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sahukai Niptaia Committee Tiust 'Rinco' Firm Siremal Chourasiya and Bhavai Singh Chourasiya Through Sanyojak Nathulal S/o Kearimal Porwal, Siremal S/o Keshrimalji Chourasiya, R/o Iilak Nagai, Indoie.

(Transferor)

(2) Shri Daulati am S/o Chatamalji, R/o North Raj Mohalla Street No. 4, Indore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 16th October 1982

Ret. No. IAC/Acqn/Bpl, 3068.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

House No. 23 situated at Situla Matha Bazar, Indoic, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indoic on 10-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 at Shitala Matha Bazar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 16-10-1982

Seal :

Now, therefore, m'pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL (MP)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn. Bpl/3069 —Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Λ ct 1961 (43 of 1961) (heromafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 / and House No 22 945 situated at Meera Nagar Singhput

Road, Murar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 20-2 1982.

for an apparent consideration

which is le's than the fair market value of the aforesaid property, and I have icason to believe that the fur market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Smt Sau Rama Junsi W/o Shii Rajondrakrishna Junsi R/o Ayodhiya Niwas, Balmiki Marg, Lal Bagh Incknow (UP)

(Transferor)

(2) Shii Rajendraprasad Gupta S o Shii Ramswaioopji Gupta and Shii Rum Gupta S/o Shii Bhagirath Piasadji Gupta and Dwarka Prasad S/o Shii Late Chintamaniji Gupta R/o Mecra Nagar Singhput Road, Murai and Shii Ramnath Pansari S/o Shii Motilalji Pansari, R/o Pichote Shivpuri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 22/945 at Meeta Nagar Singhpur Road, Murar Gwalio1

> D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building T T Nagai, BHOPAL

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 18-10 1982

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPI. 3070.—Whereas I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 521/2 situated at Vill Bhatkheri Pargana, Gwalior, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 18-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belies; that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhanuprakash Dwivedi S/o Shri P. D. Dwivedi, R/o Dal Bazar, Lashkar Pargana, Gwalior.

 (Transferor)
- (2) Shri Rameshchandra S.o Shri Narayandas, R/o Vala Ward Ka Bazar, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1 and Survey No. 521/2 at Vill, Bhatkheri Pargana, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18 10-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3071.—Whereas I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. Land S. No. 521/2 situated at Vill. Bhatkheri Pargana, Gwalior.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhanu Prakash Dwivedi S/o Shri P. D. Dwivedi, R/o Dal Bazar, Lashkar. Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Govind Sharan Agrawal S/o Shri Giroj Sharan Agrawal, R/o Geeta Colony, Lashkar, Gwalior (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 521/2 at Vill.: Bhatkheri Pargana, Gwalior.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL (M,P.)

Bhopal, the 14th October 1982

Ref. No. LAC/Acqn Bpl/3072.—Whereas I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kb. No. 137/1/G/1, 56|1|G|1¹2, 385, 386 situated at Kolganwa Ward No. 3, Satna,

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Satna on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

57-346G1/82

- (1) Smt. Sheela Devi W/o Late Choteylal Kushvaha, R/o Kolganwa Through Power of Attorney Shri, Dinesh Kumar S/o Shri Bhola Prasad Verma and R/o Antabar, Teh and District Satna, Ravel Singh S o Buta Singh, R/o Kabari Tola, Satna.
- (2) Shii Ramesh Kumai Kushvaba S/o Shii Bhaiyalal Kushvaba, R/o Khajoori Tola, Satna, and Mohd. Ehsan S/o Sheikh Babbu, R/o Company Book Sotre pany Bagh, Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 137/1/G/1, 56|1|G|1|2, 385 and 386 at Mauja Kolganwa, Satna Ward No. 3, This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified by the transferees.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building f. T. Nagar, BHOPAL

Date: 14-10-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Kailashchandra S/o Anandmani Nathani, and Subhashchandra S/o Anandmani Nathani, R/o Indore.

(Transferor)
(2) Shri Dr. Vishnupant Sitaiamji Akerthe and Dr. Smt.
Kamal W/o Vishnupant Akerthe, R/o Indoes.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/3073.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 77 situated at Indore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on February 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Part of House No. 77 situated at Kalani, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-the
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, BHOPAI

Date: 18-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACr, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 19th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3074.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and baring

No. House No. 22 situated at Street No. 2, Devi Ahiliya Marg, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. S/Shri Keshav.

- Madhav S/o Rangnathji.
 Asha Bai W/o Govindji.
- 4. Duttashray.

Vidul S/o Rangnathji.

6. Veena Baj D/o Govind W/o Jaidev, R/o Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Iaswantlal S/o Keshavlalji Shah. 2. Naveenchand S/o Jaswantlalji Shah, R/o 11, Khatipura, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22, at Deví Ahiliya Marg, Street No. 2, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 19th October 1982

Ref. No IAC/Acqn/BpI/3075.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

House No. 22/2 situated at Devi Ahiliya Marg, Indore, (and more fully described in the Schedule annxeed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 3-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--

(1) 1. S/Shri 1. Keshav, 2. Madhav, S'o Shri Ranganathji Dev

Asha Bai

Wd/o Shri Govindji Dev

4. Duttashray Ranganathii Dev 5. Shri Vidul Rangnath Dev 6. Smt. Veena Bai

D/o Shri Govindji W/o Shri Jayant Dev. R/o Mahatma Gandhi Marg. Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sujanmal

S/o Shri Bhagirathji 2. Shri Kamal Kumar

S/o Shri Sujanmal ji Jain Smt. Vimla Bai

W/oShri Sujanmal Jain, R/o 498, Mahatma Gandhi Marg, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22/2, at Devi Ahiliya Marg, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn Bpl/3076.—Whereas, J, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 22/2 situated at Devi Ahiliya Marg, Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Indore on 3-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforseaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

- (1) | S/Shri 1. Keshay, 2. Madhay.
 - Ss/o Shri Rangnathji Dev
 - Smt. Asha Bai Wd/o Shri Govindji Devi

 - 4. Duttatry Rangnathi Dev 5. Shi Vidul Rangnath Dev 6. Smt. Veena Bai
 - D/o Shri Govindji W/o Shri Jayant Dev,

R/o 495 Mahatma Gandhi Marg. Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Harishchandra S/o Shri Ratilalji Shah,

2. Smt. Sneha

W/o Shri Pankajkumar Shah, R/o Sutar Gali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22/2 at Devi Ahiliya Marg, Indote.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 19-10-1982

Sent:

NOTICE UNDLR \$1 CTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONI R OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL MP

Bhopal, the 14th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3077—Whereas, I D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market $\nu_{\rm dille}$ exceeding Rs $25,\!000/$ and bearing No

Kh No 137/1 G situated at Kolgaon Ward No 3, Satina (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satina on 16 2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income alising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

(1) Smt Sheela Devi Kushvah Wd/o Shii Chotelal Kushvah R/o Kolgaon, Satna, Through Power of Attoiney Shii Dinesh Kumar Verma S/o Shii Mola Prasad Verma R/o Antharhar & Raval Singh S/o Shri Sardar Buta Singh, R/o Kavari Tola, Satna

(Transferor)

(2) Shri Jugal Kishoie Pandey S/o Shri Kamtha Prasad Pandey, R/o Lalji Chowk, Satna

(Flansferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh No 137/1G, at Kolgaon Ward No 3 Satua

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
TT Nagar, Bhopal

Ditc. 14 10 1982 Seil

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th October 1982

Rcf No. IAC/Acqn/Bpl/3078.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 5/6 situated at South Tukoganj, Indoie (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 11-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Shri Anand Kumar
 S/o Shri Avadh Prasad II Shukla,
 R/o 7, Su Hukumchand Maig,
 Indote.

(Transferor)

(2) Smt. Manorama Bai W'o Shi Rakhabchandji Jain R/o 6/4. South Tukoganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

House No. 5/6 at Street No. 5, South Tukoganj, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T.T. Nagar, Bhopal

Date 1 19-10-1982 Seal ,

(1) Smt. Raj Laxmi Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Vardi Chand Jain, R/o Kanchan Bagh, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 19th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3079. —Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 186 situated at Saket Colony, Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

TXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property No. 186, Saket Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T.T. Nagar, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19 10-1982

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 19th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3080.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding $R_{\rm S}$. 25,000/- and bearing No.

House No. 667, 667/1, 667/2, 667/3 situated at Kotwali Ward, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——58—346GI/82

(1) Begum Bi W/o Shri Jalaluddin, R to 870 Omn Ward, Jahahuu

(Transferor)

(2) Shri India Kumai Jam S'o Shri Shikharchaud Jain R/o H. No 458, Hanumantal Ward, Jabalpur. Partner M/s. Ahinsa Electric House, Kotwali Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULF

House No. 667, 667/1, 667/2, 667/3, Kotwali Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 19-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kamlesh Garg, W/o Shri Giriraj Garg, R/o Jehangirabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Dharmveer Sood S/o Shri Teluram Sood R/o Station, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3081.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Plot No. 41 situated at Shoping Centre, Habibganj. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 26th February, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated Plot No. 41, Shopping Centre, Habibganj, Bhopal.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 20-10-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

©FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/3082.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 24 situated at Inthan, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhopal on 24th February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) o Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

(1) 1. Shri Abeed Hussain S/o Shri Badrudhin 2. Shri Shakkir Ali

S/o Shri Tahir Ali 3. Shri Amsar Hussain

S/o Shri Abhas Hussain
4. Shri Hinayat Hussain
S/o Shri Makbool Hussain
R/o Ali Ganj, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Brij Bihari Pinhay S/o Shri Sunderlal R/o Gahalvan Tah. Udhaypur, Distt. Raisen.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPI NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 24, Inthari Sahar, Bhopal,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 20-10 1982

(1) Shri Jugal Kishor Maheswari S/o Shri Munnalal Maheswari, R/o L.I.G. 47, E-7. Area Colony, Bhopl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. N. Gupta S/o Shri M. L. Gupta, R/o J. I.G. 39, Shivaji Nagar, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqi./Bpl/3083.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Maharana Pratap Nagar, Major Shopping Centre Habibganj, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the RegisteringOfficer at Bhopal on 20th February 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 11, Maharana Pratab Nagar, Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Mohd Shafiq S/o Shri Mohd Refig

(1) Shri Rudhakhishan

S/o Shu Nemendas R/o Peergate, Bhopal

(T) ansferor)

R/o PGBT College, Bhopal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 20th October 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3084 -- Whereas I, D P PANTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and

bearing No. As per schedule situated at Kingra

Shop No 11 situated at Vegetable Market, TT Nagar, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 23 2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FARIANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Shop No 11 Vegetable Market TT Nafiar Bhopal

D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floot, Gangotri Building TT Nagai Bhoptl

20 10 1982 Date

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt Keshav Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumenti, Bhopal

(Transferor)

(2) Rameshwar Dayal Khandelv I S/o Late Shri Nanoolal, (11) Khandelwal, R/o Beldarpuia, Nehru Road, Bhopal

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3085 -- Whereus, 1, D P PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000/-and bearing

No II No 12, Ward No B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

1 APIANATION— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura Nehru Ward Bhonal

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T Nagar, BHOPAL

Date 20-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3086.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth t Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94 Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.
 - (Transferor)
- (2) Shri Shiv Narayan Jaiswal S/o Shri Nand Kishore Jaiswal, R/o Beldarpura, Nehru Road, Bhopal, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhonal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date 20-10-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1AX ACT, 1701 (45 OF 1501)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3087.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- bearing

No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhonal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumeran, Bhopal.
- (2) Shri Mahendia Rumai Jun S.o Shri Virdichand Jain, R/o Beldarpura, Nehru Road, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

D. P. PANTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 20-10-1982

FORM LENS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, EHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3088.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the 'ransfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—
59—346GI/82

(1) Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumeiuti, Bhopal.

Transferor)

(2) Shri Shiv Kumar Trignnayak S/o Shri Gopal Prasad Trignnayak,

R'o Beldarpura, Nehru Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAI

Date: 20-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.

(2) Shri Vinod Kumar Jain S/o Shri Virdichand Jain, R/o Beldarpura, Nehru Road, Bhopal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3089.---Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 20-10-1982

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3090.—Whereas, J, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.
- (2) Shri Dhannalal Jaiswal S/o Shri Nandkishore Jaiswal,
 R/o Beldarpura, Nehru Road. Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
'specting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 20-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3091.-*Whereus, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 12, Ward No. B, situated at Beldarpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on 12-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Keshar Bai W/o Late Moolchand Jaiswal, 94, Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal,
 - (Transferor)
- (2) Shri Santosh Kumar Dabe S/o Late Shri Shanker-Walu Deva Shanker Dabe, R/o Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Ward No. B, at Beldarpura, Nehru Ward, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 20-10-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th October 1982

Ret. No. IAC/Acqn./Bpl/3092.—Whereas, I,

D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Field No. 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1,

572/3, 88/1 & 572 1 situated at Vidisha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 4-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Hemant Kumai alias Badriprasad S/o Shri Behmadutt Pansari. R/o 95, Tambakata, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Munshilal Arora and Others, R/o 2, Industrial Estate, Vidisha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing old field numbers 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 752/2, 572/3 and 588/1, which is situated in Vidisha. This is the immovable property which has been described in the Form No. 37-G verified by the transferage. This immovable property according to the intransferees. This immovable property, according to the information available in Form No. 37-G, is situated near Collector's Office in Vidisha. According of the information contained in form 37-H furnished by Sub-Registrar, Bombay, the document pertaining to the transfer of this office was registered in the office of the Sub-Registrar Bombay.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982

Scal:

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Hemant Kumar alias Brahmadutt Pansari. R/o 95, Tambakata, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Munshilal Arora & Others, R/o 2, Industrial Estate, Vidisha. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISMONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3093.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
No. Field No. 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/3 & 588/1 situated at Vidisha

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Oct, to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing old Field Nos. 574/2, 572/2, 569/1, 570/1, 585/1, 572/1, 572/3 and 588/1 which is situated in Vidisha. This is the immovable property which has been described in the form No. 37-G verified by the transferees. This immovable property according to the information available in form No. 37-G, is situated near Collector's Office in Vidisha. According to the information contained in form No. 37-H furnished by Sub-Registrar Bombay, the document pertaining to the transfer of this office_was registered in the Office of the Sub-Registrar Bombay.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 20-10-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3094. -- Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 92, situated at Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purchases of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (1) Shri P. N. Chaturvedi. (2) Shri R. N. Chaturvedi Ss/o Shri Ramswaroop R/o Malviya Nagar, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Gangaram Shastri S/o Shri Jagannath Prasadji, R/o Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot No. 92, Major Shoping Centre, Habibganj, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 20-10-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. JAC/Acqn/Bpl/3095.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

Plot No. 965 situated at Khatiwala Tank, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Judore on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harinarayan S/o Ramlalıi, R/o 26/4, North Raj Mohalla, Indore.
- (2) Shri Mohammad Salim S'o Shri Kamruddin, (2) Mohd, Rafiq S'o Shri Kamruddin Roo Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 965, Khati wala Tank, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4 th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-10-1982.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shivdayal Verma S/o Koturam Verma R/o at present 18/33 Punjabi Bagh, New Delhi, at present Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Kamelesh Dubey W/o R. C. Dubey. R/o I I.G. 340. New Subhash Nagar, Bhopal. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3096.-Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot No. 47 situated at Shehansha Garden,

Govindpura, Bohpal

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Bhopal on 27-2-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-60--346GI/82

THE SCHEDULE

One plot No. 47 at Shehnshah Garden, Govindpura, Bhopal.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 20th October 1982

Ref. No. IAC /Acqn/Bpl 3097.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 69 situated at Shehnshah Garden

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 27-2-1982

Bhonal.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this neglectunder subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiydayal Verma S/o K. R. Verma, R/o 18/33, Punjab Bagh, New Delhi—at present Bhopal.
- (2) Shri R. C. Dubey Seo Nandlal Dubey, Reo New Subhash Nagar, 1.1.G. 340, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 69, Block H Shehnshah Garden, Govindpura-Bhonal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-10-1982,

Scal

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Nataraja Goud S/o Ramaswamy Goud R/o 69/127 Jahara Puram, Kurnool town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Srinivasa Cloth Market Free guide Engineering Enterprises, General Monager Ashokkumar 69/127 Jaharapuram, Kurnool.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1982

Rel. No. RAC-238 82-83.—Whereas, I M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Land situated at Jahara Puram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 1 chaurary 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Jaharapuram Kurnool area 2 Ac 20 cents registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 484/82.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons namely -

Date: 12-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1982

Ref. No. RAC-239/82-83.—Whereas I, M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Jaharapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kurnool on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shivshankar Goud S/o Ramaswamy Goud, 69/ 127 Jaharapuram, Kurnool town. (Transferor)

(2) Steenivasa Cloth Marker Free guide Engineering Enterprises, Kurnool. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jaharapuram 2 Ac 20 cents in s. No. 676/A(a) registered with Sub-Registuar Kurnool vide Doc. No. 483/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1982

Ref. No. RAC No. 240/82-83.—Whereas, I M. JEGAN-MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kalluru Village, Kurnool (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii N. Sivayya Soo Swamy Reddy.
 (2) N. Sankariah, (3) N. Bhaskar (4) N. Nageswara Rao, Kurnool.
 - (Transferor)
- (2) M. S. Raja Rajeswari Traders, Managing Partner.
 (1) D. Kasiviswanaha Gupta (2) E. Krishnayya
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village area 50 cents Registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 489/82. (Strike of yhere not applicable)

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Biulding
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 12-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1982

Ref. No. RAC-241/82-83.—Whereas I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding

Rs. 25,000, - and bearing No. I and situated at Kallur village, Kurnool (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. N. Sivayya S/o Swamy Reddy
 2. N. Sankaraiah, 3. N. Bhaskar, 4. N. Nageswar
 Rao all sons of N. Sivayya, Kurnool.

 (Transferor)
- (2) M's Raja Rajeswari Traders Managing partners
 (1) D. Kasiviswanath Gupta & others, Kurnool.
 (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kallur village, Kurnool area 32 cents registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 504/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1982

(u-on

nool-518050.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad the 12th October 1982

Ref. No. RAC-242/82-83 -Whereas I, M. JEGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No

Land situated at Kallur village, Kutnool

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kurnool on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. Romachandra Rao, Divisional Engineer Telecommunications, Kurnool. (Transferor)

(2) The Tele-communications Department Employees

House Building Society, No. P-1459, Kur-18050. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kullur village area 15 Ac. registered with Sub-Registrar Kurnool vide Doc. No. 629/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Hamelt of Ameerpur Sangareddy Tq (Transferor)

M. Ashok Reddy S/o Bucha Reddy, Bandamkumu

(2) Vemana Co-operative Housing Society, H. No. 5-57 Chandragai village, Ranga Reddy Dt. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC-243/82-83.-- Whereas I, M. JEG \(\) N-MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chand Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. R. Dt on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chandnagar village R. R. Dt. S. No. 254 area 6 acres registered with Sub-Registrar Ranga Reddy Dt. vide Doc. No. 1156/82.

M. JEGANMOIIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC-244/82-83.—Whereas I, M. JEGAN-MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chand Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer R. R. Dt. on February 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--61---346GIff82

- (1) M. Ravinder Reddy S/o Bucha Reddy, Bandam Kumu Hamlet of Ameerpur village, Taluk
- (Transferor) (2) Vemana Co-operative Housing Society, Ltd., H. No. 5-57 Chandnagar village, R. R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 254 admeasuring 6 acres at Chandnagar village registered with Sub-Registrar, Ranga Reddy Dt. vide Doc. No. 1157/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 14-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 245/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

lard situated at Chandanagar R.R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. Dt. on February 1982 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Padma Reddy S/o Bucha Reddy Bandam Kumu Hamlet of Ameerpura Sanga Reddy Taluk.

(Transferor)

(2) Veemana Co-operative Housing Society H. No. 5-57 Chandanagar R.R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 254 area 2 Ac and S. No. 255 Area 4 Ac total 6 Ac of Chandanagar village registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 1158/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 246/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 254 situated at Chandnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.R. District on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) Sri M. Narasimha Reddy, Ameerpura, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Vemana Cooperative Housing Society Ltd., Chandanagar, H. No. 5-57, Chandanagar, R.R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 6 acres of land situated at Chandanagar, R.R. District registered by the S.R.O., R.R. District vide document No. 1159/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 247/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 585 situated at Medchal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Medchal on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. A. Behram Chenoy w/o B. D. Chenoy and 9 Others, R/o Dindigal village.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Krishna Reddy S/o K. Ramachandra Reddy, (2) C. Srinivas, s/o C. N. Sastry, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing No. 585 admeasuring 5 acres 30 guntas situated at Dundigal village, Medchal R.R. Dt., registered vide document No. 675/82 by the S.R.O., Medchal.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982.

PART III-SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt, A. Behram Chenou w/o B. D. Chenoy, and 9 others, R/O Dindigal village. (Transferor)

(2) Mrs. M. Shyamala Devi w/o M. Madhav Rao R/O Erramanzil, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 248/82-83.-Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 604 & 605 situated at Dindigal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Medchal on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands admeasuring 5.02 acres bearing No. 604 & 605 situated at Dundigal village Medical registered by the S.R.O., Medchal vide document No. 674/82,

> M. JEGANMOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982.

 Ikramuddin Shaik Imam s/o Nizamuddin Shaik Imam as a G.P. Attorney Burhamuddi Shaik Imam, s/o Shaik Imam, Bodhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Master A. K. Babukhan s/o Ghiasuddin Babu Khan Babu Khan, s/o late A. K. Babu Khan, R/O Rochandu, Bodhan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 249/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 98/1, 2, 3 situated at Dupally village, Bhodan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 6 acres 18 guntas situated at Rochandu, Bodhan registered by the S.R.O., Bodhan vide document No. 834/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC 250/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

94/1, 95, 96 situated at Bodhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ikramuddin Shaik Imam sfilo Imamuddin Shaik Imam G. P. A. Maqdoom Allauddin, s/o Shaik Imam, R/o Rochata, Bodhan.

(Transferor)

(2) S. Kareem Babu Khan s/o Bashiruddin Babu Khan Minor, Guardian real father Sri Bashiruddin Babu Khan s/o A. K. Babu Khan, Rochara village, Bodhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands admeasuring 5 acres 27 guntas situated at Dupally village, Bodhan Taluk, registered by the S.R.O. Bodhan vide document No. 828/82.

M. JEGANMOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-19-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC No. 251/82-83,---Whereas, I, M. JEGAN-MOHAN.

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29/2, 97/3 & 97/4 situated at Dupally village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bodhan on Feb., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Ikramuddin Shaik Imam 6/0 Nizamuddin Shaik Imam, G.P.A. Burhamuddin Shaik Imamuddin, s/o Shaik Imam, R/O Pocharam, village, Bodhan Tq.
- (2) Sri Mohsin A, K. Babu Khan s/o Ghiyasuddin Minor Guardian, Ghiyasuddin Babu Khan, s/o late A, K. Babu Khan, R.P. Pocharam, Bodhan Tq.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural wet land situated at Dupally village, Bodhan Tq., admeasuring 6-08 acres registered vide document No. 818/82 by the S.R.O., Bodhan.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Dato: 14-10-1982.

Soal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref No. RAC No 252 '82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 227, 228, ! situated at Dupally Bodhan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—62-346GI/82

(1) Sri Ikramuddin Shaik Imam s/o Nizamuddin Shaik Imam, as a G.P.A. Maqdoom Allauddin, s/o Moinuddin Shaik Imam, r/o Pocharam, Bodhan Tq.

(Transferor)

(2) Sri Mohsin A. K. Babu Khan s/o Ghiyasuddin Babu Khan, Minor Guaddian, Ghiyasuddin Babu Khan, s/o late A. K. Babu Khan, R/o Pocharam, Bodhan Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural wet land situated at Dupally village, Bodhan taluk admeasuring 4 acres 19 guntas registered by the S.R.O., Bodhan, vide document No. 817/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982,

Scal:

FORM I.T.N.S.-

-- - ----- --- - 62 -- -

NOTICE UP DER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sti Ikramuddin Shaik Imam s/o Nizamuddin Shaik Imam
 R/O Foeliaram, village, Bodhan.

Butter But But

(Transferor)

(2) Bashir JaxRM—Partner, Ghiyasuddin Babu Khan, s/o late A. K Babi Khan, R/O Pocharam, Bodhan

(Transferce)

OFFICL OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No RAC No. 253/82-83,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

7/1 situated at Bodhan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eochan on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) or 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby autinic proceedings for the acquisition of the aforeignd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parents, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 5 acres 17 guntas situated at Pocharam village, Bodhan registered by the S.R.O., Bodhan vide document No. 794/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982.

Scal:

17187

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TILL INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref. No. RAC No. 254/82-83.--Whereas, J. M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tea Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

93.1 & 93.73 satuated at Dupally village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bodhan on I-eb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Ikramuddin Shaik Imam s/o Nizamuddin Shaik Imam as G.P.A. Fasuddin Sha k Imam, s/o Shaik Imani, k/O Pocharain, village, Bodhan Tq.
- (Transferor)
 (2) Sir Mohsin A. K. Baba Khan s/o Ghiyasuddin Babu Khan, Minor Gunadian, Real father Sri Ghiyasuddin Babu Khan, s/o late A. K. Babu Khan, R/O Pocharam, Bodhan Tq.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open lands admeasuring 2 acres 04 guntas situated at Dupalle village, Bodhan taluk registered by the S.P.O., Bodhan vide document No. 835/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-10-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ret No RAC No 255/82-83 —Whereas, I, M JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 58/1 & 58/2 situated at Nallakunta, Hyderabad (1971) and fair the Schedule approved.

58/1 & 58/2 situated at Nallakunia, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed h reto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on Feb. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than listen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(1) Padma Co op Housing Society Ltd , Nallakunta, Hyderabad

(Transferoi)

(2) Smt P Kamalamma W o P Vithal 14 11 1116 Begumbazai Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovoble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 XPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 32 area 263 sq yards situated at Nallakunta S No. 58/1 58/2 and part of 12 area 263 sq yards registered with Sub-registrar Chikadpally vide Doc No 243 82

M JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely—

Date 14 10-1982

Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICI UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Trilok Kumai S o Krishna Kumar H. No. 180 Bhonipalli, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Pengle Janardhana Reddy S/o Madhusudhan Reddy R/o 6-1-280 A Padmarao Nagar, Secunderabad. (Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad the 14th October 1982

Rei No RAC No 256 82-83 - Whereas, I, M. IEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

land situated at Kodlakoi village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oilice of the Registering Officer at Medchal on February 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 217, 218 area 22 Ac. at Kodalakoi village, Madchal 1g registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 1286/82.

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

14-10-1982. Date

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Matrusri Engineers & Builders (P) Ltd 3 5 873 Hyderguda, Hyderabad-500001

(Transferor)

(2) Parameswar Agarwal 5/0 Matadin Agarwal II No 1-3-44/A 3 Chikadpally Hyderabad 20 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 14th October 1982

Ref No RAC No 257/82 83 —Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Flat situited at Matrusri Apts

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on Feb 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 203 D Block area 812 sit at Hyderguda, Hyderabad registered with S R O Chikadpally vide Doc No 338/82

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 14-10-1982 Seal.

ocai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. 1391.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No. Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tensor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Jyoti Kumari, W/o Capt. Ram Chand, Ncar R. C. Church, 71-Jammeny Senior Naval Officers—Block, Bombay.

(Transferor)

(2) Shii Nar Natiyan, S/o Shii Hati Narayan Asopa, Shastii Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1033 sq. mtr of free-hold land situated near Central School, Air Force area, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 197/202 dated 18-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shirmah Jyoti Kuman, W/o Capt, Ram Chand, Near R C Church, 71-Jammeny Senior, Naval Officers Block, Bombay

(Transferor)

(2) Shii Bhakti Narayan, S/o Shii Nai Narayan Asopa, Shastri Nagar, Iodhpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref No. 1390 - Whereas, I MOHAN SINGH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and situated at Iodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jodhpur on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /ot

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1213 sq mtr. of free-hold land situated near Central School Air Force area, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur, vide No. 355/360 dated 16-2-1982.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi ion Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date . 15-10-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Suraj Prasad Gupta, 25-Chetak Marg, Jaipur (Transferor)

(2) Jagut Singh 587, Raja Park, Gali No. 6, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref No Rej/IΔC(Λcq)/1424 -- Whereas, I MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Plot No. 587 situated at Jaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Japur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Plot No 587 Gah No 6, Raja Park, and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No 287 dated 25-2-82

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
63—346GI/82

Date 11-10-1982

Scal

(1) Shii M S Rao, S e Inder Raj Rao, R/O D-56, Subhash Marg C Scheme, Jaipur.

(Transferor)

persons.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Viday Kumai Chadii, Syo Shii fabh Chand Chaidia, 19-Hospital Road Jaipur (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;

ACCUISITION RANGU CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipin, the 11th October 1982

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref No. Rej/IAC(Acq)/1415 -- Whereas, I MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the fr oic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of ploperty situated at Japun

and made fully distribed in the Schodule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-2-1982

for an apparent consideration which at her than the tau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monous of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of property situated at C-61. Sangram, Colony, C-Scheme, Jappu and more fully described in the sale deed regultered by S. R. Jaipur vide No. 169 dated 20-2-1982

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afocked property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin person- namely -

Date: 11-10-1982 Seal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.)/1414 -- Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Net. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M. S. Rao, S/o Inder Raj Rao R/O D-36, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur.

 (Yeansferor)
- (2) Shri Tara Chand, S/o Suri Labh Chand Chordia 19-Hospital Road, Jaiput. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the enid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at C.61, Sangram Colony, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide No. 167 dated 10-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1413.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Part of property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. S. Rao, S/o Inder Raj Rao, R/o-D-36, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) And Kumar Chordia, S/o Shri Labh Chand Chordia, 19-Hospital Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at C-61, Sangram Colony, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 168 dated 10-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 11-10-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CLNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1412.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of property situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii M. S. Rao s/o Inder Raj Rao, R/o D-36, Subhash Maig C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt Sushila Devi Chordia W/o Shri Labh Chand Chordia, 19—Hospital Road, Jappur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at C-61, Sangram Colony, C-Scheme, Vaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, Vide No. 170 dated 10-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

FORM I.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri M. S. Rao s/o Inder Raj Rao, R/o D-36, Subhash Marg C-Scheme, Jaiour.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Chordia s/o Shri Labh Chand Chordia, 19-Hospital Road, Jaipur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) /1411.—Whereas, I, MOHAN SINGH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 '- and bearing No.

Part of property situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from suc service of notice on the respective persons watchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Part of property situated at C-61, Sangram Colony, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, Vide No. 166 dated 10-2-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-10-1982

scal:

FORM 1.T.N.S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1410.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Shop No. 363 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Devi d/o Shri Nagarmalji Jaipuria R/o C-46, South Extension, Bhag-2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sunderdas Sonkhia 5/o Shri Bhagwandas, Sonkhia Bhawan, Chaura Rasta, Jainur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Syptanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 363 situated at Chama Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 328 dated 25-2-1982.

MOH AN SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipun

Date : 11-10-1089

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) / 1409.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 363 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Sumitra Devi d/o Shri Nagarmalji Jalpuria R, o C-46, South Extension, Bhag-2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gopaldas Sonkhia s/o Shii Bhagwandas, Sonkhia Bhawan, Chaura Rasta, Jaipur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the second Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat in 1st floor upper of Shop No. 363 situated at Chaura Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipun, vide No. 327 dated 25-2-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

Jaipur.

FORM ITNG

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACC, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVFNUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAPPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1408.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 368 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Λ ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Λ ct, to the following persons, namely:—64-346GI/82

- (1) Smt Sumitra Devi d/o Shri Nagarmalji Jaipurla, R o C-46, South Intension, Bhag-2, New Delhi
- (2) Shii Hanumandas Sonkhia s/o Shii Bhagwandas, Sonkhia Bhawan, Chaura Rasta,

(Transferee)

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 363 situated at Chaura Rasta, Jaipur and more tully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 325 dated 25-2-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 11-10-1982 Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.), 1407.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 369 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sumitra Devi d/o Shri Nagarmalji Jaipuria, R/o C-46, South Extension, Bhag-2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Laxmon Das Sonkhia s/o Shri Bhagwandas, Sonkhia Bhawan, Chaura Rasta, Inipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Shop No. 369 situated at Chaura Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 326 dated 25-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Parash Ram S/o Shri Pabudan Prajapati, Jodhpur.

(Transferor)

(2) hii Kishan Khemchandani S/o Shri Lokumal Sindhi, Sardarpura,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/ΙΛC(Acq.)/1401.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 23 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 267 sq. yards situated at plot No. 86 Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur, vide No. 395 dated, 19-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jajpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

(2) Dr. Yasvant Kumar Bolya At present at Jodhpur.

S/o Shri Himmat Singh of Udaipur

Udaisadan, Chopasani Road,

Jodhpur,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1402.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-2-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shii Mahendra Kumar s/o Shri Mohan Raj Bhandari,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold land measuring 500 sq. yards situated at Cheergghar, Chopasani Road, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jodhpur, vide No. 381 dated 18-2-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japun

Date : 11-10-1982 Seal :

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Officers Block, Bombay.

(1) Smt. Jyoti Kumar w/o Capt. Ram Chand, Near R.C Church. 71-Jammeny Scnioi

(Transferor)

Naval

 Shiri Razah Ali S/o Mustak Ahmad, B-Sector, Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOML-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Rei No Req/IAC (Acq)/1388—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000, and bearing No

I and situated at Jodhpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

lodhpur on 18-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHUDULE

1268 sq. mti. of free-hold land situated near Central School, An Force area, lodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur, vide No. 181/186 dated 18-2-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japun

Date + 15/10/1962 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. Req/IAC(Acq.)/1389.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Jodbpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jyoti Kumar w/o Capt. Ram Chand, Near R. C. Church, 71-Jammeny Senior Naval Officers Block, Bombay.

(Transferor)

 Shri Mustak Ahmed, Hazi Isak Mohd., B-Sector, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1268 sq. mtr. of free-hold land situated near Central School, Air Force area, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jodhpur, vide No. 149/154 dated 16-2-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

FORM I.T.N.S.

Shri Satya Narain Mishra
 H Shri Chhotilalji,
 Krishna Marg, C-Scheme,
 Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Anand Kanwer W/o Shri Chandromi Singh, Barkat Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 20th September 1982

Ref. No. Req/IAC(Acq.) /1274.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ecxeeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

persons, namely :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 303.33 sq. yards situated at Barkat Nagar. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 415 dated 3-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 20-9-1982

FORM TINS

 Shri Satya Naram Mishra L/H Shri Chhotilalji,
 Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Chandra Moli S/o Shii Muuariden 1 al Niwas, Barkat Nagar, Jaipur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUF BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th September 1982

Ref. No. Req/IAC(Acq.)/1283.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Plot situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

340 yards Plot in Barkat Nagar and more fully described in the sale deed registered by S.R .Iniput vide No. 416 dated 3-3-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 17-9-1982

Seal

(1) Shri Madho Prasad S/o Shri Ramgopal Sodani, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Madan Lal, S/o Kishandas Maheswari, Jaipur,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1393.--Whereas I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 51 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 16 March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:-65-346GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51 Sangram Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 734 dated 16-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juipur

Date: 15-10-1982

- Smt. Prem Kanwar W/o Shri Thakur Ganpat Singh, D-85, Meera Marg, Bani Park, Jaipur.
 - (Transferor)
- (2) Svs. Jai Prakash & Tulsidas, Sons of Shri Lekhraj, R/O House No. 900, Meer Pakshi ki Gali, Khawasji Ka Rasta, Jaipur

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. 1392.— Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 152 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on 3 March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop situated at No. 158. Nehru Bazar, Jaiput and more tully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 378 dated 3-3-1982,

MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby init are preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-10-1982

Seal

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE JAIPUR

Jaipur, the 12th October 1982

Ref. No. . Rep/IAC (Acq.)/1422.—Whereas I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stud Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jaipur

tand more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Japun on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nand Kishole S.o Shri Mohan Das Sindhi, R./o Plot No. 242, Sindhi Colony, Bani Park, Jaipur.

(Transferor

(2) Smt. Dharma Bu W/o Shu Hemandasu, Smt. Bhagwanti Devi W/o Shu Murluhau, R/o 3329, Jailal Munshi Ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-56, Sikar House, Outside Chandpole Gate, Impur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 677 dated 16-3-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commuscioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-10-82

_ ,===---<u>-</u>

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shii Udhavadas Gurnani, 778, Raja Park, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Shyam Sharma, R/O Suraj Thana, via. Mathura at present 1-J—10. Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.)/1419.—Whereas 1, MOHAN SINGH

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lazer;
- (b) by any other person interested in the said transovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-Hold land measuring 266.66 sq. yds. or 224 sq. mtr. situated at Plot No. 785, A. Sindhi Colony, Adarsh Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 640 dated 16-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Onkar Nath Prop. of Jai Bhaiat Industrial Corpn. Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Suman Sharma S. o Motiram Sharma, Saras Engineers, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVINUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref No . Rej/IAC (Acq)/1417.—Whereas I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereunafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Industrial Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property situated at C-15, Industrial Area, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 670 dated 16-3-1982

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Raghuvir Sharma S/o Shri Shyam Sunder Sharma.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishore Aggarwal, Nanakji Ki Gali, Gopal Ji Ka Rasta, Jaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No. : Rej/IAC (Acq.)/1416.—Whereas 1, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Shop situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Duni Raoji Ka Ghar, Chaura Rasta, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R Jaipur vide No. 678 dated 16-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-82

FORM NO. I.T.N S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No.: Rep/IAC (Acq.)/1395.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Plot No 7, situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent conusideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purchance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravindra Nararan Singhal, R/O B-80, Sethi Colony, Jaipur.

(Transferor)

 (2) Shri Mishrilal Asera, S/O Chandanmal Asera
 R/O 36—Godown Street, Madras.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7. Moti doogri Scheme, Alwar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Alwar vide No. 626 dt. March, 82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUF BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. . Rcj/IAC (Acq.)/1376.---Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

R₉, 25,000/- and bearing

Plot No. 18 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 17-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sh.i Hari Narain, S/O Kishanlal, 2 Shri Madanlal S/O Bala Bux, Anaj Mandi Outside Chandpole, Jaipur. (Transferor)

(2) Shiimati Chandiamani Devi, W/O Shii Padamchand, Shivdaspura, Teh. Chaksu (Jaipur).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of plot No. 18, Dudu Bagh, Sansar Chandra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 776 dated 17-3-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

FORM NO. IT.NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONI R OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japur, the 15th October 1982

Ref No · Rej/IAC (Acq)/1377.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Plot No 18 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Laipur on 15-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—66—346GI/82

 Shi Hari Najayan S/O Kishanlal & Madanlal S/O Bala Bux, Anaj Mandi, Out Side Chandpole Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shumati Pushpa Devi, W/O Kailash Chand, Shuvdaspura, Teh. Chaksu, Jaipur.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of plot No. 18, Dudu Bagh, Sansar Chandra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S R Jaipur vide No. 608 dated 15-3 1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipui

Date: 15-10-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No.: Rej/IAC (Acq.) /1406.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incony-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

- (1) Shri Thakur Karan Singh, S/O Shri Bhoor Singh R/O Pilwas Garden, Moti Doongii Road, Jaipur.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Paras Srimal, W/O Shti Kanak Srimal
 R/O Johati Bazar, Japput.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 366.66 sq. yds. (308 sq. mtr.) situated at plot No. H. Pilwa Garden, Moti Doongri Road, and more fully desiribed in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 920 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri Kishanlal Gupta, S/O Chiranjilal, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Ravindra Kumar Gupta, S/O Vishanlal, B-J, Mahavir Udhyan Path, Bajaj Nagar, Jaipur, (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISTION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Japur, the 15th October 1982

Rel No.: Rej IAC (Acq.)/1380.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-I, Mahavir Udhyan Path, Bajaj Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur, vide No. 1023 dated 22-5-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 15-10-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Rcf. No.: Rej/IAC (Acq.)/1403.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Kuwas, Teh. Jamwa Ram Garh

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamwa Ram Garh on 24-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gyarsa, S/O Haidev Brahmin, R/O Kukas, Teh. Jamna Ramgaih, Distt. Jaipur.

(Fransferor)

(2) Shrimati Saroj Agarwal, W/O
Shri Munohardas Agarwal, B-144, Tilak Nagar,
Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and measuring 5 bigha 19 biswa situated at Kukas, Tch, Jamwa Ramgarh, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jamwa Ramgarh Distt. Jaipur vide No. 558 dated 24-5-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No.: Rej IAC (Acq.) '1404.—Whereas, I, MOHAN JINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Kukas, Jamwa Ramgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Jamwa Ramgath on 24-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act to the following asons, namely:—

- (1) Shri Gyarsa, S/8 Hardev Brahmib, R/O Kukas, Teh. Jamwa Ramgarh, Distt. Jaipur. (Transferor)
- (2) Manohardas Agaiwal, S/O Shii Brij Mohan Agaiwal, B-144, Tilak Nagai, Jaipui.

(Transferee)

Objections, if, any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural, land measuring 3 bigha 9 biswa situated at Kukas, Teh. Jamwa Ramgarh and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jamwa Ramgarh Distt. Jaipur vide No. 557 dated 24-5-1982,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-10-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 11th October 1982

Ref. No.: Rej 'IAC, (Acq.)/1405.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transletted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jaipur on 22-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Thakur Karan Singh, S/O Shri Bhoor Singh, R/O Pilwa Garden, Moti Doongri Road, Jaipur.

(Transferor

(2) Shrimati Paras Srimal, W/O Shri Kenak Stimal R/O Johari Bazar, Jaipur.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this near in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 366.66 sq. yds. (308 sq. mtr.) situated a plot No. H. Pilwa Garden, Moti Doongri Road, laipur an more fully described in the sale deed registered by S.R. Jappe vide No. 1038 dated 22-5-1982.

MOHAN STNOT Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-1 Acquisition Range, Jain

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1982

Scal:

FORM I.T.N S .-

POTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rama Shanker Fewari, S/O Shri Champa Lal Fewari, plot No. I, Museam Marg, Jaipur. (Transferor)

(2) Lee Lapidary (P) Ltd., No. 218-A Johan Bazar, Jaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, IAIPUR
Jaipur, the 12th October 1982

Rcf. No: Rcj IAC (Acq.)/1420.—Whereas, I, MOHAN NGH

ring the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 13 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Jaipun

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at aipur on 1-6-82

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason or believe that the fair market value of the property s aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to otween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Plot No. 5, Mahavir Nagar, Durgapura, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide No. 1227 dated 1-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 12-10-82 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the lowing persons, namely:— FORM NO. IT.NS

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMPTAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

Ref. No. . Rej/IAC (Acq)/1378 —Whereas, 1 MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-12 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sumitra Surendia, D/O Shii Shanker Krishna Rao, C/O Rajasthan University, Jaipur

(Transfero

(2) Shri Mohd, Mukhtyar, 6/8 Mohd Mumtaz, A-Meerji Ka Bagh, Jaipur.

(Transfere

Objections, if any to the acquisition of the said propert, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period

 45 days from the date of publication of this noti
 in the Official Gazette or a period of 30 f

 from the service of notice on the respective period
 whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imuterable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzan

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, are defined in Chapter XXA of the synchronic Act, shall have the same meaning as grain that Chapter.

THE SCHEDULF

Part of property situated at B-12, Fetah Tiba, Ada Nagar, Laipur and more fully described in the sale deed retered by SR. Jaipur, vide No. 1349 dated 15-6-1982

MOHAN SI.
Competent Autho
Inspecting Assistant Commissioner of Incommentation Range, J.

Date: 15-10-1982

FORM NO. I.T.N S.---

CE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 15th October 1982

to, 1379.—Whereas, I, MOI (AN SINGH ig the Competent Authority under section 269B of the ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1 bearing

. B-12 situated at Jaipur

ad more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 08) in the Office of the Registering Officer at ipur on 15 June 1982

r an apparent consideration which is less than the ir market value of the aforesaid property and I have ason to believe that the fair market value of the operty as aforesaid exceeds the apparent consideration elefor by more than fifteen per cent of such apparent obsideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Tow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the
1 id property by the issue of this notice under sub1) of Section 269D of the said Act to the following

(1) Shrimati Sumitra Purendre, W/O Shanker Krishaa Rao, Rajasthan Univer ity, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Ilias, S/o Mohd. Mumtaz, 4-Meeraji Ka Bagh, M.I. Road, Jaipui.

(Trans'e es'

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property situated at B-12, Fetch Tiba, Adarsh Nagar, laipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 1350 dated 15-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipun

Date: 15-10-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 18th October 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/3053.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Survey No. 125/1 situated at Vill. Rajgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 2-2-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the coneealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jitendrasingh S/o Ramlal Chouhan, Narayan Singh S/o Ramlal-Minor son through Mother Kamla Bai Wd/o Ramlal Chouhan, R/o Bagdo-ka-vas, Ratlam.
- (2) Ram Investment Corporation Through partner Shri Idranarayan S/o Mansukhlal Jhalani, Ghosala Road, Ratjam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Rajgarh Survey No. 125/1.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-10-1982